राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 8 अंक 155

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, मंगलवार, 12 नवंबर, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

उद्धव सेना हो गई है परजीवी, इस बार और सिकुड़ जाएगी

>> 4

संपादकीय

कमला हैरिस की हार से सबक ले कांग्रेस : जब तक कांग्रेस वामपंथियों को

अपना एजेंडा तैयार करने देगी, तब तक उसकी वैसी ही दुर्गति होती रहेगी, जैसी अमेरिकी चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की हुई। **ए. सूर्यप्रकाश** का आलेख।

मिशनरियों के निशाने पर आदिवासी : पूर्वोत्तर राज्यों की ही तरह ईसाई मिशनरियां झारखंड में भी चुनाव को प्रभावित करने की स्थिति में पहुंच गई हैं। **हरेंद्र प्रताप** का दृष्टिकोण। ● पेज-8

विमर्श

प्राणवायु पर संकट के निदान की राह : नवंबर के आरंभ के साथ ही दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण का स्तर गंभीर हो चुका है। प्रदूषण के स्थानीय कारकों के समाधान की आवश्यकता दर्शा रहे हैं, **अनीश कुमार भानु**।

पंच परिवर्तन का महत्वपूर्ण संदेश : हमारा देश विकसित होने की राह पर अग्रसर है। समाज में सकारात्मक परिवर्तनों को गति मिले, इसलिए हमें संघ प्रमुख द्वारा सुझाए गए पांच महत्वपूर्ण परिवर्तनों को भी आत्मसात करना होगा। **डा. वेदप्रकाश** का आलेख। ● पेज-9

सप्तरंग

अंतस और अध्यात्म का

हमारे भीतर की दिव्यता का जागरण करें करुणा सागर का मंथन

● पेज-13

जागरण विशेष

भीषण आग में भी सुरक्षित रखेगा ये स्वदेशी 'कवच'

गाजियाबाद : उत्तर भारत वस्त्र अनुसंधान संघ ने पर्यावरण के अनुकूल विशेष फैब्रिक तैयार किया है। इससे बना सूट उच्च तापमान की आग में भी अग्निशमनकर्मियों की जान के जोखिम को करेगा कम। ● पेज-14

रूस से कारोबार का स्थानीय मुद्रा में सेटलमेंट जरूरी : जयशंकर

नई दिल्ली : नई दिल्ली में मंगलवार को भारत-रूस के बीच अंतर सरकारी आयोग की 25वीं बैठक होगी। इसमें भारत व्यापार घाटे व द्विपक्षीय कारोबार का भुगतान स्थानीय मुद्रा में करने के मुद्दे को उठाएगा। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, दोनों देशों के बीच कारोबार का स्थानीय मुद्रा में सेटलमेंट बहुत जरूरी है। (पेज-3)

दो दिन तक परीक्षा के विरोध में यूपीपीएससी कार्यालय पर प्रदर्शन

प्रयागराज : यूपीपीएससी द्वारा पीसीएस-2024 प्रारंभिक व आरओ-एआरओ-2024 (प्रारंभिक) परीक्षा दो दिवसों में कराने के निर्णय के विरोध में हजारों प्रतियोगी छात्र सोमवार को सड़क पर उतर पड़े। पुलिस के सख्ती करने पर छात्र भड़क उठे। वह अवरोध तोड़ कर आयोग के दफ्तर के बाहर जमा हो गए। (पेज-7)

प्रदूषण मुक्त जिंदगी हर किसी का मौलिक अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने राजधानी में पटाखों पर पाबंदी को बताया दिखावा, कहा-प्रदूषण को बढ़ावा नहीं देता कोई धर्म

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कहा, दिवाली ही नहीं, चुनाव और शादियों में भी पटाखों पर लगना चाहिए प्रतिबंध
- दिल्ली के साथ एनसीआर के अन्य राज्यों से भी शीर्ष अदालत ने मांगी रिपोर्ट

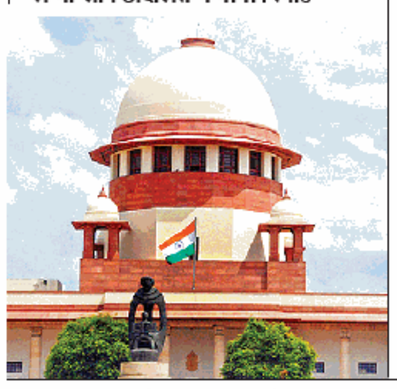

सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली पर पटाखों पर प्रतिबंध पूर्ण रूप से लागू नहीं करने के लिए दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस को सोमवार को आड़े हाथों लिया। कहा कि सब दिखावा है। पटाखों पर प्रतिबंध को दिवाली से जोड़े जाने पर सवाल उठाते हुए कोर्ट ने कहा, इसे दिवाली से क्यों जोड़ते हैं? कोई भी धर्म प्रदूषण को बढ़ावा नहीं देता। यह लोगों के स्वास्थ्य का मामला है। प्रदूषण मुक्त जीवन नागरिकों का मौलिक अधिकार है।

शीर्ष अदालत ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पटाखों पर प्रभावी ढंग से प्रतिबंध लागू करने का निर्देश देते हुए इस बाबत तत्काल स्पेशल सेल गठित करने का निर्देश दिया है। साथ ही कोर्ट ने दिल्ली सरकार से पटाखों पर पूरे साल प्रतिबंध लगाने पर विचार करने को कहा और 25 नवंबर तक फैसला करके कोर्ट को बताने को कहा। शीर्ष अदालत ने फिर स्पष्ट किया कि पटाखों पर प्रतिबंध सिर्फ दिवाली ही नहीं, बल्कि सभी मौकों जैसे चुनाव और शादियों में भी लगना चाहिए। साथ ही कोर्ट ने एनसीआर के अन्य राज्यों से भी पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री और पटाखे चलाने पर रोक लगाने के बारे में जवाब देने को कहा है।

यह आदेश न्यायमूर्ति अभय एस ओका और अगस्टिन जार्ज की पीठ ने सोमवार को दिल्ली में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर सुनवाई के दौरान दिया। कोर्ट ने पिछले आदेश के मुताबिक दिल्ली सरकार से दिवाली पर पटाखों पर प्रतिबंध के बारे में जारी आदेश और किए गए उपायों पर पूछा। दिल्ली सरकार ने हलफनामे का जिक्र करते हुए कोर्ट को बताया कि 14 अक्टूबर को पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध का आदेश जारी किया था। कोर्ट ने पूछा, कि प्रतिबंध लागू करने की जिम्मेदारी किसकी थी? इस पर दिल्ली सरकार ने कहा कि दिल्ली पुलिस प्रतिबंध लागू करती है।

कोर्ट ने पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध ठीक से लागू नहीं किए जाने के लिए दिल्ली पुलिस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि सब आंखों में धूल झोंकने जैसा है। पटाखों के निर्माण, बिक्री, भंडारण, चलाने सब पर प्रतिबंध था। क्या इसे पूरी तरह लागू किया गया? आपने जो कुछ जब्त किया है वह पटाखों का कच्चा माल हो सकता है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया कि वह पटाखों की आनलाइन बिक्री भी बंद करें।

दिवाली के दौरान पराली जलने के मामले बढ़ने पर उठाया सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली के दौरान पराली जलने के मामले बढ़ने पर भी सवाल उठाया। पराली जलाने के आदेश का उल्लंघन करने वाले किसानों पर कार्रवाई नहीं करने वाले दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं किए जाने पर पंजाब सरकार को फटकार लगाई। कहा कि दोषी अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाए जाने के बजाय कारण बताओ नोटिस जारी किए जा रहे हैं। कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा से की गई कार्रवाई पर हलफनामा मांगा है। उधर, केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि पर्यावरण कानून की धारा 15 के मुताबिक, पराली जलाने पर जुर्माना बढ़ा दिया गया है। कोर्ट ने राज्यों से उस पर अमल करने को कहा।

सोमवार को कुछ किसानों की ओर से भी अर्जियां दाखिल की गईं और कहा गया कि सरकार उन्हें पराली के लिए मशीनें उपलब्ध नहीं करा रही, लेकिन कोर्ट ने उन पर सुनवाई नहीं की। कहा कि आप लोग पराली जला रहे हैं। यह बात तीन साल से क्यों नहीं कही? आप प्रदूषण कैसे कर सकते हैं?

दिल्ली सरकार से पूछा, कचरे का निस्तारण कैसे हो रहा

ठोस कचरे के निस्तारण के लिए उचित प्रबंधन नहीं होने पर भी कोर्ट ने दिल्ली सरकार से सवाल पूछा। कहा, आप कह रहे हैं कि कचरा हटाया गया पर कहां ले गए? उसका निस्तारण कैसे हो रहा है? उसमें जो स्वतः आग लगती है और प्रदूषण फैलता है, उस पर कैसे काबू किया जा रहा है? यह सब इसलिए हो रहा है, क्योंकि कचरा निस्तारण संबंधी रूल 2016 को ठीक से लागू नहीं किया जा रहा है। कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया कि वह कचरा प्रबंधन के संबंध में एमसीडी और सभी हितधारकों संग बैठक करे। कोर्ट ने पड़ोसी राज्यों से भी रूल 2016 लागू किए जाने पर जवाब मांगा है। कहा, जब दिल्ली में यह हाल है, तो अन्य राज्यों में क्या होगा। पीठ ने कहा, अगर समयबद्ध ढंग से इसे नहीं किया गया तो कोर्ट सख्त आदेश देगा।

दिल्ली के तीन इलाकों का एक्यूआइ रहा 'गंभीर', छह दिन राहत नहीं पेज>>2

संजीव खन्ना बने देश के 51वें प्रधान न्यायाधीश

नई दिल्ली : जस्टिस संजीव खन्ना भारत के नए प्रधान न्यायाधीश(सीजेआइ) बन गए हैं। सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। 51वें सीजेआइ के रूप में खन्ना का कार्यकाल छह माह का होगा। वह 13 मई, 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। (पेज-3)

कर्नाटक के मंत्री ने केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी को कहा-कालिया

रामनगर : कर्नाटक सरकार के मंत्री बीजेड जमीर अहमद खान ने केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी पर नस्ली टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, 'कालिया' भाजपा से ज्यादा खतरनाक है।' जदएस ने इसका विरोध करते हुए जमीर अहमद को बर्खास्त करने की मांग की। (पेज-5)

मणिपुर में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 11 उग्रवादी

जिरीबाम : मणिपुर के जिरिबाम जिले में सोमवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 11 उग्रवादी मारे गए। कार्रवाई के दौरान दो जवान भी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि दोनों तरफ से करीब एक घंटे तक गोलीबारी हुई। हमले के बाद इलाके से पांच नागरिक लापता हैं। (पेज-6)

आदिवासी युवतियों से शादी करने वाले घुसपैठियों के नाम ट्रांसफर नहीं होने देंगे जमीन : अमित शाह

- कहा, भाजपा की सरकार बनी तो घुसपैठियों की कब्जाई जमीन आदिवासी बहन-बेटियों को वापस दिलाएंगे
- कांग्रेस व झामुमो नेताओं को करोड़पति बनाते हैं, मोदीजी गांव की महिलाओं को लखपति दीदी बनाते हैं

झारखंड के सरायकेला-खरसावा में सोमवार को चुनावी सभा में भाजपा प्रत्याशी चम्पाई सोरेन के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। एएनआइ >>

जागरण टीम, रांची

झारखंड विस चुनाव के पहले चरण के प्रचार के अंतिम दिन सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठियों का मुद्दा जोरशोर से उठाया। उन्होंने कहा, अगर राज्य में भाजपा सत्ता में आई तो वह आदिवासी लड़कियों से विवाह करने वाले बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम जमीन का हस्तांतरण रोकने का कड़ा कानून लाएगी। जितनी जमीन पर घुसपैठिए कब्जा कर चुके हैं, उसे आदिवासी बहन-बेटियों को वापस दिलाएंगे। हमारी सरकार सत्ता संभालते ही घुसपैठियों की पहचान के लिए कमेटी बनाएगी। घुसपैठ पर रोक लगाने के लिए नया कानून भी लाएगी।

अमित शाह ने रांची के तमाड़ और सरायकेला खरसावा जिले के आदित्यपुर में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने संताल मंडल के जिलों में बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या को गंभीर बताते हुए कहा, हेमंत सोरेन सरकार वोट के लिए घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है। घुसपैठिए आदिवासी बहन-बेटियों को झांसा देकर विवाह कर रहे हैं और उनकी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। घुसपैठिए आदिवासियों के अस्तित्व के लिए खतरा बन चुके हैं। भाजपा-एनडीए की सरकार घुसपैठियों को चुन-चुनकर भगाएगी। आदित्यपुर में शाह ने पूर्व सीएम चम्पाई सोरेन के पक्ष में सभा को संबोधित किया और कहा, झामुमो नेताओं ने चम्पाई को अपमानित कर मुख्यमंत्री पद से हटाया। जनता इस अपमान का बदला लेगी।

भ्रष्टाचार में लिप्त सरकार को उखाड़ फेंकना जरूरी : अमित शाह ने कहा, झारखंड में भ्रष्टाचारियों व घोटालेबाजों की सरकार चल रही है। इसे उखाड़ फेंकना जरूरी है। केंद्र ने झारखंड के विकास के लिए तीन लाख करोड़ से अधिक की राशि दी है, पर हेमंत इसका हिसाब नहीं दे पा रहे हैं। यह सरकार भ्रष्टाचार की हदें पार कर चुकी है। मनरेगा, खनन समेत कई ऐसे घोटाले हैं जिनमें झामुमो व कांग्रेस के नेता और मंत्री लिप्त हैं। हेमंत घोटालेबाजों के सरगना हैं। उन्होंने जनसमूह से कहा, आप भाजपा की सरकार बनाएं, ये सारे नेता जेल में होंगे। कहा, कांग्रेस व झामुमो के लोग अपने नेताओं-व मंत्रियों को करोड़पति बनाते हैं, वहीं देश के पीएम नरेन्द्र मोदी गांव की महिलाओं को लखपति दीदी बनाते हैं।

(संबंधित खबरें पेज-4 पर)

आदिवासी व पिछड़ों का आरक्षण छीनना चाहती है कांग्रेस

अमित शाह ने कांग्रेस व झामुमो पर वार करते हुए कहा, ये दोनों दल आदिवासी एवं पिछड़ों का आरक्षण छीनना चाहती है। आरक्षण छीनकर मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। भाजपा ऐसा कभी नहीं होने देगी। ऐसे लोगों से हमें बचना होगा।

समाज को बांटने की कोशिश करने वालों को हराना जरूरी : मोदी

- जाति, धर्म, भाषा, महिला-पुरुष, गांव-शहर जैसे मुद्दों पर बांटने का प्रयास
- भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एकता और अखंडता बहुत जरूरी

पीएम मोदी ने सोमवार को दिल्ली से वीडियो कान्फ्रेंसिंग से गुजरात के वडतल में श्री स्वामीनारायण मंदिर की स्थापना के 200 वर्ष होने पर संबोधित किया। प्रेट >>

अहमदाबाद, प्रेट : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि निहित स्वार्थ के लिए कुछ राष्ट्र विरोधी लोग समाज को बांटने की कोशिश में जुटे हुए हैं। उन्होंने इनके मंसूबों की गंभीरता को समझना बहुत जरूरी बताते हुए सभी को एकजुट होकर इन्हें हराने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री सोमवार को गुजरात के खेड़ा जिला में वडतल स्थित श्री स्वामीनारायण मंदिर की स्थापना के 200 वर्ष पूरे होने पर जुटे श्रद्धालुओं को वर्चुअल रूप से संबोधित कर रहे थे।

पीएम ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए पहला महत्वपूर्ण कदम आत्मनिर्भरता है। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नागरिकों के बीच एकता और राष्ट्र की अखंडता बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि, दुर्भाग्यवश अपने निहित स्वार्थ या संकुचित मानसिकता के चलते कुछ लोग जाति, धर्म, भाषा, महिला-पुरुष, गांव-शहर जैसे मुद्दों पर हमारे समाज को बांटने का प्रयास कर रहे हैं। हमें इन राष्ट्र विरोधियों के इरादों की गंभीरता को समझना होगा और उन्हें हराने के लिए एकजुट होना होगा।

उन्होंने स्वामीनारायण संप्रदाय के संतों से भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का वचन लेने के लिए देश के प्रत्येक नागरिक से जुड़ने का आग्रह किया। पीएम ने बताया कि वडतल स्वामीनारायण मंदिर से उनका जुड़ाव तब से है, जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे। केंद्र सरकार ने हाल ही में इस मंदिर की स्थापना के 200 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक सिक्का भी जारी किया था।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, ''भगवान स्वामीनारायण हमारे सामने ऐसे समय में आए थे जब गुलामी के कारण देश कमजोर हो गया था और लोग इसके लिए स्वयं को दोषी मानते थे। ऐसे समय में भगवान स्वामीनारायण और अन्य संतों ने हमारे आत्मसम्मान को जागृत किया, हमें एक नई आध्यात्मिक ऊर्जा दी और हमारी मूल पहचान को पुनर्जीवित किया।''

पीएम ने कहा, 'आज दुनिया के जिन अधिकांश नेताओं से मैं मिलता हूं, वह चाहते हैं कि भारतीय युवाओं को उनके देश में आना चाहिए और काम करना चाहिए। हमारे युवाओं में भारत के साथ विश्व की आवश्यकताओं की पूर्ति करने की क्षमता है। आने वाले समय में प्रतिभावान भारतीय युवाओं की मांग कई गुणा बढ़ेगी।'

भारत की सांस्कृतिक विरासत को संजोकर रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार 'विकास भी विरासत भी' के मंत्र पर विश्वास करती है। कुछ वर्ष पूर्व यूनेस्को द्वारा कुंभ मेला को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत घोषित किए जाने की चर्चा करते हुए पीएम ने स्वामीनारायण संप्रदाय के संतों से कहा, 'आपके मंदिर दुनिया भर में मौजूद हैं। मैं आपसे निवेदन करता हूं कि अपने मंदिरों के माध्यम से कुंभ मेला के बारे में जागरूकता फैलाएं। आपको विदेशियों को कुंभ मेला की महत्ता समझानी चाहिए और बताना चाहिए कि इसे क्यों मनाया जाता है। दुनिया में मौजूद हर मंदिर को चाहिए कि वो कुंभ मेला में कम से कम 100 विदेशी लेकर आए। मैं जानता हूं आप यह कर सकते हैं।'

बिहार में सात साल से कम सजा वाले जुर्म में नाबालिगों पर केस नहीं

पटना : सात साल से कम सजा वाले अपराध के मामलों में बिहार पुलिस 18 साल से कम उम्र के बच्चों और किशोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज नहीं करेगी। इन अपराधों की सूचना सिर्फ थाने की स्टेशन डायरी में दर्ज की जाएगी। बिहार पुलिस मुख्यालय ने किशोर न्याय अधिनियम के अनुपालन को लेकर पुलिस अधिकारियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तय करते हुए निर्देश जारी किए हैं। (पेज-7)

यूक्रेन पर ट्रंप और पुतिन में वार्ता!

वाशिंगटन : अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद जो मुद्दे सबसे ज्यादा चर्चित हुए हैं उनमें यूक्रेन युद्ध का मुद्दा शामिल है। सवाल उठे हैं कि पूर्व घोषणा के मुताबिक ट्रंप क्या यूक्रेन युद्ध खत्म करवा पाएंगे। सोमवार को इस सिलसिले में ट्रंप की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर वार्ता होने की चर्चा चली। कुछ ही घंटे बाद क्रेमलिन ने इस चर्चा का खंडन कर दिया। कहा, दोनों नेताओं में फोन पर कोई बातचीत नहीं हुई है। (पेज-11)

डीयू छात्रसंघ चुनाव परिणाम घोषित करने की सशर्त अनुमति

26 नवंबर या उससे पहले मतगणना प्रक्रिया शुरू की जाए : हाई कोर्ट

- कोर्ट ने कहा, 10 दिनों के अंदर एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल करे डीयू

डीयू में चुनाव के बाद चमकाई गई आर्ट फैकल्टी के सामने स्थित वाल आफ डेमोक्रेसी। जागरण

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनावों की मतगणना की प्रक्रिया 26 नवंबर या उससे पहले शुरू करने की अनुमति दे दी है, बशर्ते कि चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों द्वारा बदरंग किए गए सभी स्थानों को एक हफ्ते के भीतर साफ कर दिया जाए और फिर से पेंट किया जाए। डूसू के लिए गत 27 सितंबर को मतदान हुआ था। अगले दिन 28 सितंबर को मतगणना होनी थी, लेकिन हाई कोर्ट ने तब तक के लिए इसे रोक दिया था, जब तक कि पोस्टर, होर्डिंग आदि सामग्री को हटा नहीं दिया जाता और सार्वजनिक संपत्ति को हुए नुकसान की भरपाई नहीं कर ली जाती।

इस संबंध में अधिवक्ता प्रशांत मनचंदा की याचिका का निस्तारण करते हुए मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने सोमवार को डीयू को निर्देश दिया कि यदि वह संतुष्ट है कि सभी स्थान साफ हो गए हैं तो 26 नवंबर या उससे पहले मतगणना प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

कोर्ट ने कहा, कार्यवाही का उद्देश्य छात्रों में सुधार लाना पेज>>2

टाइटलर के खिलाफ जारी रहेगा हत्या का केस : हाई कोर्ट

नई दिल्ली : दिल्ली हाई कोर्ट ने वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगा मामले में स्पष्ट किया है कि कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ हत्या का मुकदमा जारी रहेगा। कोर्ट ने टाइटलर द्वारा अपने खिलाफ चल रही सुनवाई पर रोक लगाने की मांग को लेकर दायर याचिका पर कहा कि यह मौजूदा कार्यवाही के परिणाम के अधीन होगा। मामले में अगली सुनवाई 29 नवंबर को होगी। (पेज-2)

ट्रंप की वापसी और कारोबारी चिंताओं के बीच काप-29 शुरू

बाकू : अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी व कारोबारी चिंताओं के बीच अजरबैजान की राजधानी बाकू में सोमवार को वार्षिक संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (काप-29) शुरू हो गया। ट्रंप के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद अमेरिका अपनी प्रतिबद्धताओं से पीछे हट सकता है। ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को धोखा बताते हुए कहा है- वह पेरिस समझौते से अमेरिका को बाहर निकाल लेंगे। (पेज-11)

पर्यटन रणनीति

विज्ञापन में लंका के रामायणकालीन स्थलों को दर्शाकर सबको मोह लिया, दादी-पोते के जरिये हिंदू धर्म ग्रंथ की प्रामाणिकता समझायी, इंटरनेट पर हिट

रामकथा के जरिये बेड़ा पार करेगी श्रीलंका की एयरलाइंस

जेएनएन, नई दिल्ली

जीवन के झंझावाती भवसागर को पार करने के लिए हम सभी राम कथा को सुनते-सुनाते हैं। अब इसका मर्म समझते हुए श्रीलंका की एयरलाइंस अपनी कमाई बढ़ाने और पर्यटकों को लुभाने के लिए राम नाम का अनुकरण कर रही है। कंपनी के विज्ञापन में राम कथा की अमृतवाणी भारतीयों के मन-मस्तिष्क में गहरा असर भी छोड़ रही है। प्राचीन संस्कृति का इतना सुंदर, भावपूर्ण और मनमोहक चित्रण शायद ही पहले कभी किसी कंपनी ने किया हो। मात्र पांच मिनट में सारी दुनिया को विश्वास दिला दिया गया कि रामायण कोई कथा नहीं बल्कि भारतीय और श्रीलंकाई इतिहास का प्रामाणिक दस्तावेज है जो श्रीलंका यानी लंका की मनोरम यात्रा के लिए प्रेरित करता है।

इस अद्भुत विज्ञापन ने भारतीयों ही नहीं बल्कि विश्व भर के पर्यटकों के मन में कम से कम एक बार श्रीलंका जाकर इतिहास के इन दुर्लभ पन्नों को पलटने की ललक जगा दी है। इंटरनेट पर इस विज्ञापन को मिले करोड़ों हिट इसके साक्षी हैं। एक्स पर साझा किए गए इस वीडियो में एक भारतीय दादी मां अपने पोते को कहानी की एक किताब से रामायण के बारे में बताती हैं। वह बताती हैं कि श्रीलंका में आज भी वह स्थान हैं जो रामायण में बताए गए हैं। वह यह भी बताती हैं कि माता सीता का अपहरण कर राक्षस राजा रावण उन्हें लंका में कहां ले गया था।

कहानी सुनाते हुए एनिमेशन की मदद ली गई है जो कुछ ही क्षणों में लंका के मूल स्थान में बदल जाते हैं। मनोरम दृश्यों वाली इस यात्रा में इला के निकट स्थित रावण की गुफा को भी दिखाया गया है जहां रावण सीता को अशोक वाटिका ले जाने से पहले ले गया था। प्रसिद्ध तीर्थ सीता अम्मन मंदिर दिखाया गया है। फिर दादी मां बताती हैं कि कैसे भगवान राम की वानर व भालुओं की सेना ने भारत को लंका से जोड़ने वाला राम सेतु बनाया था जो आज भी रामेश्वरम से श्रीलंकाई समुद्र तक देखा जा सकता है। विज्ञापन में यह भी बताया गया है कि लक्ष्मण के जीवन की रक्षा के लिए हनुमान जी संजीवनी बूटी लाने के लिए पूरा पहाड़ उठा लाए थे।

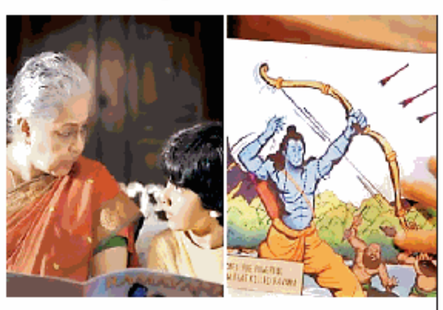

प्रतीकात्मक

विज्ञापन के वीडियो को दुनिया भर में लोगों ने सराहा

इंटरनेट पर अंग्रेजी भाषा के इस विज्ञापन के वीडियो को दुनिया भर में लोगों ने सराहा है। एक यूजर ने कमेंट में कहा कि वह अगले साल अपने दोस्तों के साथ जापान जाने की योजना बना रहे थे, लेकिन अब वह सब श्रीलंका जाएंगे। एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि वह नहीं जानते थे कि श्रीलंकाई लोगों ने अब तक रामायणकालीन स्थानों को इतना संजो कर रखा है। इस विज्ञापन में इन ऐतिहासिक स्थलों को खूबसूरत अंदाज में दिखाया गया है। एक अन्य ने कहा कि इस शानदार विज्ञापन ने बचपन की राम कथा की यादों को फिर से ताजा कर दिया। श्रीलंकाई एयरलाइंस ने अपने विज्ञापन के जरिये प्राचीन हिंदू ग्रंथ रामायण को लोगों के दिलों में जीवंत कर दिया। साथ ही इन प्राचीन ऐतिहासिक स्थलों के हवाई भ्रमण के लिए पर्यटकों की रुचि के अनुरूप पैकेज का भी उल्लेख किया है।

भर्ती परीक्षा के प्राप्तांक आरटीआइ के तहत निजी सूचना नहीं : हाई कोर्ट

- पारदर्शी होनी चाहिए सार्वजनिक पदों की भर्ती परीक्षा : बांबे हाई कोर्ट
- इनके अंक जारी करना निजता का अनुचित हनन नहीं माना जाएगा

मुंबई, प्रेट : बांबे हाई कोर्ट ने सोमवार को कहा कि सार्वजनिक पदों की नियुक्ति प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। इसमें अभ्यर्थियों को मिले अंक निजी सूचना नहीं हैं और इन्हें जारी करना निजता का अनुचित हनन नहीं माना जाएगा। न्यायमूर्ति एमएस सोनक और जितेंद्र जैन की खंडपीठ ने कहा, इस सूचना को रोके रखना संदेह पैदा करता है, जो कि अधिकारियों व सार्वजनिक नियुक्ति प्रक्रिया की कार्यशैली की पारदर्शिता बढ़ाने व जिम्मेदारी तय करने में अच्छा नहीं है।

पीठ ने ओंकार कलमांकर की याचिका पर आदेश पारित किया, जिसमें 2018 में पुणे जिला न्यायालय में जूनियर क्लर्क के पद के लिए आयोजित परीक्षा में शामिल होने के बाद इसके अंक देखने की मांग की गई थी। कलमांकर ने यह परीक्षा दी थी, पर उनका चयन नहीं हुआ था।

हाई कोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि छह हफ्ते के भीतर याचिकाकर्ता को चयनित उम्मीदवारों के लिखित परीक्षा, मराठी व अंग्रेजी टाइपिंग टेस्ट के साथ साक्षात्कार में हासिल अंक मुहैया कराएं।

अदालत ने कहा, इस मामले में सार्वजनिक विज्ञापन के जरिये आवेदन मंगाए गए थे। प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। सूचना का अधिकार अधिनियम में सिर्फ ऐसी निजी जानकारी को छूट दी गई है, जिसे जारी किए जाने से किसी सार्वजनिक गतिविधि या हित प्रभावित नहीं होते हैं।

****

472 नए डेंगू मरीज एक सप्ताह में सामने आए हैं, इससे डेंगू मरीजों की संख्या इसवर्ष 4533 हो गई है। मलेरिया के भी 19 और चिकनगुनिया के 21 नए मरीजों की पुष्टि हुई है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 12 नवंबर, 2024

आज का मौसम

सुबह और रात के समय स्माग एवं हल्का कोहरा देखने को मिलेगा। दिन में आसमान साफ रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
12 नवंबर	33.0	17.0
13 नवंबर	32.0	16.0
नोएडा		
12 नवंबर	32.0	17.0
13 नवंबर	31.0	16.0
गुरुग्राम		
12 नवंबर	32.0	16.0
13 नवंबर	32.0	16.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

दिल्ली के स्वास्थ्य माडल पर एलजी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली: एलजी वीके सक्सेना ने राजधानी के स्वास्थ्य माडल पर सवाल उठाए हैं। मीडिया रिपोर्टों के हवाले से सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने अलग- अलग आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि स्थिति गंभीर और चिंताजनक बनी हुई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली के अस्पतालों में पिछले साल संक्रमण और परजीवियों से होने वाली बीमारियों से 21 हजार लोग मरे हैं। ये बीमारियां दूषित पानी, मच्छरों और गंदगी के चलते होती हैं। (राबु)

निगम सदन में आ सकता है पार्किंग शुल्क बढ़ाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली : वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्देश के बाद एमसीडी पार्किंग शुल्क दोगुने करने का प्रस्ताव अगामी बैठक में आ सकता है। सूत्रों के मुताबिक निगम इस प्रस्ताव को सदन के समझ रख सकता है। बताया जा रहा है कि आन टेबल इस प्रस्ताव को सदन में रखा जा सकता है। लेकिन, इसकी मंजूरी मिलने की संभावना कम है, क्योंकि पहले भी सदन के सामने प्रस्ताव आया था, जिसे सदन ने मंजूरी देने से इन्कार कर दिया था। अभी निगम की पार्किंग में चार पहिया वाहनों के पार्किंग शुल्क 20 रुपये प्रति घंटा और दो पहिया वाहनों के लिए यह 10 रुपये प्रति घंटा है। (जासं)

हथियारों की तस्करी में 18 आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली: क्राइम ब्रांच की टीम ने दिल्ली-एनसीआर में 'ईगल' नामक अभियान चलाते हुए अंतरराज्यीय हथियार तस्करों के एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पिछले एक महीने में 18 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपित पहले भी हत्या, डकैती, लूट, जबरन वसूली, सेंधमारी, दंगा, चोरी, शस्त्र अधिनियम और गैंगस्टर अधिनियम (यूपी) के 50 से अधिक मामलों में शामिल रहे हैं। (जासं)

तीन इलाकों का एक्यूआइ रहा 'गंभीर', छह दिन राहत नहीं

प्रदूषण की मार ▶ एक दिन में एयर क्वालिटी इंडेक्स 18 अंक बढ़ा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

हवा की रफ्तार में थोड़ी तेजी आने से रविवार को सात दिनों बाद हवा की गुणवत्ता थोड़ी सुधरी थी। लेकिन सोमवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ) फिर से 350 के ऊपर पहुंच गया। इस कारण वायु गुणवत्ता लगातार 13वें दिन 'बहुत खराब' श्रेणी में ही बनी रही। राजधानी के तीन इलाकों का एक्यूआइ 'गंभीर' श्रेणी में रहा। अभी छह दिन तक इस स्थिति में बदलाव के आसार भी नहीं हैं।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक सोमवार को दिल्ली का औसत एक्यूआइ 352 रिकार्ड किया गया। इस स्तर की हवा को 'बहुत खराब' श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले यानी रविवार को यह 334 रहा था। यानी 24 घंटे के भीतर इसमें 18 अंकों का इजाफा देखा गया।

रोहिणी, जहांगीरपुरी एवं वजीरपुर का एक्यूआइ 400 से ऊपर दर्ज हुआ। एनसीआर के शहरों का एक्यूआइ भी एक दिन पहले की तुलना में बढ़ा हुआ दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के मुताबिक अगले छह दिनों के दौरान हवा की रफ्तार 10 किलोमीटर प्रति घंटे से नीचे ही रहेगी। मौसमी परिस्थितियां भी प्रतिकूल रहेंगी। ऐसे में एक्यूआइ 'बहुत खराब' श्रेणी में ही बरकरार रहेगा।

सोमवार को प्रदूषण के कारण भीकाजी कामा पैलेस का यह नजारा दिखा। एएनआइ

हर 10 में से चार परिवार लगा रहे डाक्टरों के चक्कर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

वायु प्रदूषण के चलते हर 10 में से चार परिवार डाक्टरों के चक्कर लगा रहे हैं। चिंताजनक स्थिति यह कि ये परिवार पिछले तीन हफ्ते से इलाज व दवा ले रहे हैं। इसमें से नौ प्रतिशत ने सीधे क्लीनिक या अस्पताल जाकर चिकित्सकीय सलाह लेने की जगह इंटरनेट माध्यम से चिकित्सक से सलाह ली है।

एनसीआर में दीपावली के आस-पास से वायु प्रदूषण की समस्या गंभीर हुई है। ऐसे में लोग बड़े पैमाने पर बीमार पड़ रहे हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, इसी तरह वायु प्रदूषण के समस्या के चलते 47 प्रतिशत लोगों ने वायु प्रदूषण संबंधित दवाएं या उपकरण खरीदे। ये आंकड़े लोकल सर्कल नामक एक सर्वे संस्थान के हैं। इंटरनेट माध्यम से उसने दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम व फरीदाबाद के 21 हजार लोगों की राय जानी। इसमें 61 प्रतिशत पुरुषों तथा 39 प्रतिशत महिलाओं की राय है। सर्वे में सामने आया है कि दिल्ली-एनसीआर के 33 प्रतिशत लोग कफ सीरप ले रहे हैं। जबकि 20 प्रतिशत ने पैरासिटामाल, 13-13 प्रतिशत इन्हेलर व नेबुलाइजर, 13 प्रतिशत एंटीबायोटिक समेत अन्य उपचार लिया है।

त्योहार में पांच से 10% तक बढ़ जाता है प्रदूषण

संजीव गुप्ता ● जागरण

- शाम को सड़कों पर जाम और वाहनों की गति कम होने से बढ़ता है नाइट्रोजन आक्साइड
- सेंटर फार साइंस एंड एन्वायरमेंट (सीएसई) के विश्लेषण का निष्कर्ष

नई दिल्ली : यातायात जाम परेशानी का ही नहीं, दिल्ली के प्रदूषण में वृद्धि की भी वजह बन रहा है। खासकर शाम के समय ऐसी स्थिति कमोबेश रोज बन रही है। त्योहारों के दिनों में प्रदूषकों में और वृद्धि होने लगती है। 15 सितंबर से 29 अक्टूबर तक दिल्ली में प्रमुख सड़कों पर गूगल से आंकड़ों के अवलोकन पर वाहनों की गति में कमी का पता चलता है। इस दौरान सप्ताह के दिनों में सुबह की अधिकतम गति में 40.8 प्रतिशत जबकि शाम की गति में 57.9 प्रतिशत की गिरावट आई। वहीं, सप्ताहांत में सुबह की अधिकतम गति में 27.6 प्रतिशत और शाम की गति दो प्रतिशत कम हो गई। दुर्गापूजा वाले सप्ताह में पांच से आठ प्रतिशत और दीवाली से पहले की अवधि में सात से 10 प्रतिशत तक प्रदूषण और बढ़ गया।

दोपहर की तुलना में रात को दोगुना हो जाता नाइट्रोजन आक्साइड का स्तर : सेंटर फार साइंस एंड एन्वायरमेंट (सीएसई) ने इसी साल 27 अक्टूबर से एक नवंबर के दौरान छह दिनों की विश्लेषण रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट के अनुसार दोपहर 12 से अपराह्न चार बजे के बीच वाहनों की औसत गति 21 किमी प्रति घंटा रहती है। इसके चलते वाहनों से होने वाले उत्पन्न होने वाले नाइट्रोजन आक्साइड का स्तर

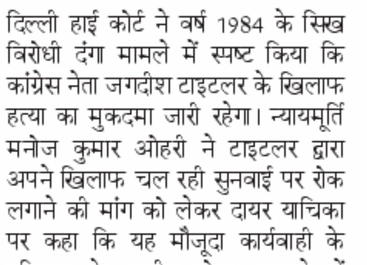

धनतेरस पर लगा यातायात जाम। जागरण आर्काइव

भी हवा में कम रहता है। लेकिन शाम पांच से रात नौ बजे के बीच सड़कों पर वाहनों की अत्यधिक भीड़ होती है। इसके चलते वाहन रेंग-रेंग कर चलते हैं। जगह-जगह जाम लग जाता है। वाहनों की औसत गति 15 किमी प्रति घंटे तक की हो जाती है। नतीजा, दोपहर की तुलना में शाम को नाइट्रोजन आक्साइड का स्तर दोगुना तक बढ़ जाता है। वुप्पर्टल विश्वविद्यालय जर्मनी के टूमी ई बस मिशन के अनुमान के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, जहां पहले से ही शहरों में पंजीकृत वाहनों की संख्या सबसे अधिक है, में प्रतिदिन करीब 11 लाख वाहनों का आना- जाना होता है।

नाइट्रोजन आक्साइड के प्रमुख स्रोत हैं वाहन

भीड़भाड़ व जाम में फंसे वाहन सड़कों पर अपने सामान्य उत्सर्जन से कई गुना अधिक उत्सर्जन उगल सकते हैं। चूंकि वाहन नाइट्रोजन आक्साइड के स्तर के प्रमुख स्रोत हैं, इसलिए वाहनों और नाइट्रोजन आक्साइड के स्तरों में प्रति घंटा परिवर्तन के बीच एक मजबूत संबंध है। 2018 में टेरी एआरआइ की उत्सर्जन सूची से भी पता चलता है कि नाइट्रोजन आक्साइड के उत्सर्जन में परिवहन का हिस्सा सर्वाधिक 81 प्रतिशत और इसके बाद बिजली संयंत्रों का सात प्रतिशत तक है। बाटलनेक व वाहनों की अधिकता से लगने वाले इस जाम से उत्पादकता और ईंधन की हानि भी हो रही है। लीड्स विश्वविद्यालय यूके द्वारा लगाए गए अनुमान के मुताबिक 2010 में भीड़भाड़ के कारण 1.6 मिलियन अमेरिकी डालर सालाना ईंधन की बर्बादी हुई थी। आइआइटी मद्रास ने वर्ष 2015 में अनुमान लगाया था कि 2025 तक यह हानि 12,003 मिलियन और 2030 तक 14,658 मिलियन अमेरिकी डालर हो जाएगी।

बस मार्शलों की नियुक्ति मामले में आप सरकार ने गेंद एलजी के पाले में डाली

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

- सीएम ने कहा, एलजी को ही इनकी नियुक्ति का अधिकार, नीति बनाने का किया आग्रह
- आशंका जताई कि एलजी को स्थायी समाधान निकालने में महीनों या वर्षों लग सकते हैं

बस मार्शलों की नियुक्ति मामले में दिल्ली की आप सरकार ने गेंद एलजी के पाले में डाल दी है। मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि एलजी को ही इनकी नियुक्ति का अधिकार है। उन्होंने एलजी से इस मामले में नीति बनाने का आग्रह किया है। आतिशी ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार 10,000 बस मार्शलों को स्थायी आधार पर बनाए रखने की नीति तैयार करने के लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना को प्रस्ताव भेज रही है।

मुख्यमंत्री ने प्रेसवार्ता कर फिर दोहराया कि बस मार्शलों को हटाने से सार्वजनिक परिवहन बसों में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रविवार को आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में परिवहन आयुक्त ने संकेत दिया कि बस मार्शलों को बहाल करने का निर्णय उपराज्यपाल के अधिकार क्षेत्र में आता है, क्योंकि यह सेवा से संबंधित मामला है। आतिशी ने कहा कि दिल्ली सरकार जैसा है, जहां है के आधार पर प्रस्ताव पर आगे बढ़ रही है, जबकि वह एलजी से नीति का इंतजार कर रही है।

प्रेस वार्ता को संबोधित करती मुख्यमंत्री आतिशी। जागरण

आतिशी ने कहा कि दिल्ली सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और मार्शलों के वेतन के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराएगी। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि एलजी को इस मामले का स्थायी समाधान निकालने में महीनों या वर्षों का समय लग सकता है। दिल्ली के स्वास्थ्य और शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मामले को संभालने के एलजी के तरीके की आलोचना की और कहा कि इस मामले से तत्काल निपटा जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का दिल्ली दंगा केस में जमानत अर्जी पर सुनवाई से इन्कार

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली में 2020 में हुए दंगों के पीछे बड़ी साजिश मामले में छात्र कार्यकर्ता गुलफिशा फातिमा की जमानत याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। साथ ही दिल्ली हाई कोर्ट को उसकी याचिका पर 25 नवंबर को विचार करने को कहा है। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि इस मामले में याची चार साल और सात महीने से हिरासत में है। अगर कोई असाधारण परिस्थितियां न हों तो हाई कोर्ट में लंबित इस जमानत याचिका पर 25 नवंबर को सुनवाई की जानी चाहिए। फातिमा के वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि हाई कोर्ट मामले की सुनवाई नहीं कर रहा है और इसे स्थगित किया जाता रहा है। बता दें कि फरवरी, 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक घायल हुए थे। फातिमा सहित कई अन्य लोगों के विरुद्ध कठोर प्रविधान वाले यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिन पर दंगों के मुख्य साजिशकर्ता होने का आरोप है।

जगदीश टाइटलर के खिलाफ जारी रहेगा हत्या का मुकदमा : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगा मामले में स्पष्ट किया कि कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ हत्या का मुकदमा जारी रहेगा। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने टाइटलर द्वारा अपने खिलाफ चल रही सुनवाई पर रोक लगाने की मांग को लेकर दायर याचिका पर कहा कि यह मौजूदा कार्यवाही के परिणाम के अधीन होगा। मामले में अगली सुनवाई 29 नवंबर को होगी।

बता दें कि राउज एवेन्यू स्थित सत्र अदालत ने टाइटलर के खिलाफ इस साल 13 सितंबर को आरोप तय किए थे। इस दौरान उन्होंने खुद को निर्दोष बताया था। हत्या के अलावा, ट्रायल कोर्ट ने गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने, उकसाने, दंगा, हत्या, विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने, घर में जबरन घुसने और चोरी सहित अन्य मामलों में आरोप तय करने का आदेश दिया था। सीबीआइ ने 20 मई, 2023 को टाइटलर के खिलाफ अदालत में दाखिल आरोपपत्र में कहा था कि उन्होंने एक नवंबर, 1984

जगदीश टाइटलर। फाइल

को पुल बंगश गुरुद्वारा आजाद मार्केट में एकत्र भीड़ को उकसाया और भड़काया था। टाइटलर के उकसावे पर भीड़ ने एक गुरुद्वारे में आग लगा दी और ठाकुर सिंह, बादल सिंह और गुरचरण सिंह की हत्या कर दी।

टाइटलर के अधिवक्ता ने अनुरोध करते हुए कहा कि मामला 12 नवंबर को ट्रायल कोर्ट के समक्ष अभियोजन पक्ष के गवाह का बयान दर्ज करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। निचली अदालत को निर्देश दिया जाए कि जब तक हाई कोर्ट उनकी याचिका पर फैसला नहीं कर देता, तब तक वह आगे न बढ़े।

विभव कुमार ने आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के आदेश को चुनौती दी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- विभव ने याचिका में आरोप लगाया कि अदालत ने अधूरे आरोपपत्र का लिया संज्ञान

राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल से मारपीट मामले में पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल के पूर्व निजी सहायक विभव कुमार ने तीस हजारी स्थित सत्र अदालत में पुलिस की ओर से दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के आदेश को चुनौती दी है। विभव के अधिवक्ता मनीष बैदवान ने मामले में सत्र अदालत में पुनरीक्षण याचिका दायर कर तर्क दिया कि नए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के बजाय निरस्त आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत यांत्रिक तरीके से संज्ञान लिया गया था। अधिवक्ता ने दलील दी कि संज्ञान के लिए इस बात पर विचार करने की आवश्यकता है कि क्या बीएनएसएस प्रविधानों के तहत आगे की कार्यवाही के लिए पर्याप्त आधार है? विभव पर 13 मई को मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर मालीवाल पर हमला करने का आरोप है और फिलहाल वह जमानत पर हैं।

विभव के अधिवक्ता ने आरोप लगाया कि पुलिस की दोषपूर्ण अंतिम रिपोर्ट के आधार पर ट्रायल कोर्ट ने संज्ञान लिया है। जांच के दौरान प्राप्त सीसीटीवी फुटेज जैसे महत्वपूर्ण साक्ष्य के संबंध में फोरेंसिक साइंस लैब की रिपोर्ट अभी भी लंबित है। महत्वपूर्ण साक्ष्यों पर विचार नहीं किया गया, लेकिन ट्रायल कोर्ट ने केवल अधूरे आरोपपत्र के आधार पर संज्ञान आदेश पारित किया।

अधिवक्ता ने दलील दी कि ट्रायल कोर्ट यह समझने में विफल रहा कि आइपीसी की धारा 506 (आपराधिक धमकी) के दो भाग हैं- दो साल की कैद या जुर्माना या दोनों के साथ दंडनीय और दूसरे के लिए सात वर्ष की कैद की सजा है। अधिवक्ता ने दलील दी कि विवादित आदेश इस तथ्य पर चुप है कि क्या धारा 506 के पहले भाग या दूसरे भाग पर संज्ञान लिया गया है। अधिवक्ता ने दावा किया कि विवादित आदेश इस पहलू पर कानून की दृष्टि से दोषपूर्ण है। मामले की अगली सुनवाई 16 नवंबर को होगी।

वाट्सअप चैट में थी दोस्ताना बातचीत, दुष्कर्म का आरोपित बरी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : पटियाला हाउस स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने दुष्कर्म के एक आरोपित को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि महिला द्वारा लगाए गए आरोप दोनों के बीच हुई वाट्सएप चैट के रूप में वैज्ञानिक साक्ष्यों के प्रकाश में टिक नहीं सकते। चैट से पता चलता है कि आरोपित और शिकायतकर्ता के बीच मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंध थे। उनके बीच अंतरंग और व्यक्तिगत बातचीत हुई थी। घटना के तुरंत बाद की बातचीत यौन संबंध के आरोप से पूरी तरह से अलग है। मौजूदा तथ्यों और परिस्थितियों में, आरोपित के खिलाफ आरोप तय करने के लिए कोई प्रथमदृष्टया सामग्री नहीं है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पवन कुमार ने कहा कि चैट से यह स्पष्ट था कि आरोपित ने पहले ही शिकायतकर्ता से शादी करने से इन्कार कर दिया था। प्राथमिकी दर्ज करने में पांच महीने की देरी से मामला और भी जटिल हो जाता है कि ये तब दर्ज की गई जब आरोपित ने शिकायतकर्ता को सभी जगह से ब्लाक कर दिया था।

दीवारें साफ होने पर घोषित होगी डूसू चुनाव मतगणना की तिथि

उदय जगताप ● जागरण

नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव परिणाम जारी होने में इस वर्ष ऐतिहासिक रूप से देरी हुई है। इससे पहले कभी चुनाव परिणाम जारी होने में इतना समय नहीं लगा है। आपातकाल और कोविड महामारी के चलते तीन-तीन साल डूसू चुनाव नहीं हो सके थे। इस वर्ष उम्मीदवारों के बहुत महंगे चुनाव प्रचार अभियान के चलते परिणाम बाधित हुए हैं, लेकिन अब हाई कोर्ट के आदेश के बाद नवंबर के तीसरे या चौथे सप्ताह में परिणाम जारी होने की उम्मीद जताई जा रही है।

डूसू चुनाव के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. सत्यपाल सिंह ने कहा, मतगणना की तारीख तभी जारी होगी जब गंदी दीवारें पूरी तरह से साफ हो जाएंगी। उम्मीदवारों को कोर्ट ने निर्देश दिए हैं। उनसे बातचीत की जा रही है। वह पहले जहां गंदगी बची है, उसे साफ करेंगे। मैं खुद वहां जांच करने जाऊंगा। पूरी तरह संतुष्ट होने पर ही मतगणना की तारीख घोषित की जाएगी।

परिणाम जारी होने का उम्मीदवारों के साथ छात्र भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। छात्रों की कई समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है और वह उचित मंच के जरिये अपनी आवाज नहीं उठा पा रहे हैं। हाई कोर्ट की हरी झंडी के बाद छात्र खुश हैं। सत्यवती कालेज के एक छात्र ने कहा, छात्र संघ का गठन नहीं होने से काफी परेशानी हो रही है। प्रवेश और परीक्षा से संबंधित परेशानियां आ रही हैं। पीजी में परेशानी होने पर डूसू के जरिये हल कराई जाती थी, वह भी नहीं हो पा रहा है। कई छात्रों को छात्रावास का आवंटन नहीं हुआ है और वह प्रशासन तक सीधे अपनी बात नहीं पहुंचा पा रहे हैं।

डूसू चुनाव के दौरान कोर्ट के आदेश के बाद दीवारों से हटाए गए पोस्टर। जागरण आर्काइव

डूसू के चुनाव 27 सितंबर को हुए थे और 28 सितंबर को परिणाम जारी होने थे। हाई कोर्ट की नाराजगी के बाद

कोर्ट ने कहा, कार्यवाही का उद्देश्य छात्रों में सुधार लाना

प्रथम पृष्ठ से आगे

कोर्ट ने कहा कि कार्यवाही का उद्देश्य छात्रों को दंडित करना नहीं बल्कि उनमें सुधार करना था, ताकि छात्र महसूस करें कि विश्वविद्यालय की संपत्ति जनता की है और वे सीमित अवधि के लिए इसका इस्तेमाल करने के हकदार हैं। यह सुनिश्चित करना डीयू के उम्मीदवारों और वर्तमान छात्रों की जिम्मेदारी है कि अगले बैच को अच्छी और स्वच्छ स्थिति में विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे का उपयोग करने का मौका मिले। पीठ ने डीयू को छात्रों द्वारा संपत्तियों की सफाई के तथ्य को सत्यापित करने और उम्मीदवारों की रिपोर्ट के साथ 10 दिन के भीतर एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। सोमवार को सुनवाई के दौरान डीयू के अधिवक्ता ने पीठ को एक ताजा स्थिति रिपोर्ट सौंपी जिसमें मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा था कि डीयू के उत्तर और दक्षिण दोनों परिसरों में लगभग सभी कालेजों, विभागों और सुविधाओं को साफ कर दिया गया है और अब कोई गंदगी नहीं दिख रही है। उम्मीदवारों की ओर से एक हलफनामा दायर किया गया जिसमें बताया गया था कि बदरंग करने वाली सामग्री को हटाने के लिए सफाई अभियान में भाग लेकर परिसरों की पूर्व स्थिति बहाल करने के लिए कदम उठाए गए थे। याचिकाकर्ता मनचंदा ने कहा कि कई कालेजों, विभागों और संकायों को साफ कर दिया गया है और बदरंग करने वाली सामग्री को हटा दिया गया है, फिर भी परिसरों के पास स्थित सार्वजनिक और निजी संपत्तियों पर कई पोस्टर, भित्तिचित्र और स्प्रे पेंट अभी भी दिखाई दे रहे हैं। छात्रों की ओर से पेश अधिवक्ता ने कहा कि एक सप्ताह के भीतर ऐसे सभी स्थलों को साफ किया जाएगा और फिर से पेंट किया जाएगा।

परिणामों पर रोक लग गई। लगभग डेढ़ महीने का समय हो चुका है और अब तक परिणाम जारी नहीं हुए हैं। चुनाव मैदान में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन आफ इंडिया (एनएसयूआइ) के बीच कांटे की टक्कर है। मतगणना डीयू के कान्फ्रेंस सेंटर में ही होगी। ईवीएम मशीनें परीक्षा विभाग में बने स्ट्रांग रूम में रखी गई हैं।

नई सुविधा

पूर्व मुख्यमंत्री ने बल्लीमारान में अत्याधुनिक सामुदायिक भवन का किया उद्घाटन, यहां मात्र दो हजार रुपये में आयोजित किया जा सकता है कार्यक्रम

दिल्ली के विकास कार्यों को बंद कराना चाहती है भाजपा : केजरीवाल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बल्लीमारान के बारादरी में नव निर्मित सामुदायिक भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान स्थानीय विधायक व कैबिनेट मंत्री इमरान हुसैन भी मौजूद रहे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में जो अद्वितीय काम हुआ, उसे रुकने नहीं देना है। आज पूरे देश में दिल्ली के स्कूलों, अस्पतालों और बिजली की चर्चा हो रही है, देश के अंदर एक उम्मीद बनी है, यह उम्मीद अब जारी रहनी चाहिए। हमने दिल्ली में पिछले 10 साल में मिलकर जो काम किए हैं, भाजपा उन सभी कामों को बंद कराना चाहती है। पहली बार आपने 70 में से 66 सीट दी थी, अगली बार 70 में से 62 सीट दी थी, इस बार उससे कम नहीं होनी चाहिए, भले ही ज्यादा हो जाए।

दिल्ली सरकार में मंत्री व बल्लीमारान के विधायक इमरान हुसैन ने कहा कि यह सामुदायिक भवन ग्राउंड प्लस तीन मंजिल का अत्याधुनिक भवन है, जिसकी सभी मंजिलें एयरकंडीशंड हैं और लिफ्ट की सुविधा भी उपलब्ध है। यहां मात्र दो हजार रुपये के किराये पर कार्यक्रम आयोजित किया जा सकता है। दो हजार रुपये सिक्योरिटी और एक हजार रुपये सफाई शुल्क देना होगा। इस भवन में एक साथ एक हजार से पंद्रह सौ लोगों के कार्यक्रम किए जा सकते हैं। शादी समारोह के लिए दुल्हा-दुल्हन के लिए अलग कमरे और शौचालय की उत्तम व्यवस्था है। दो हजार रुपये में फाइव स्टार जैसी सुविधाएं मिल रही हैं, और इसके लिए वे बल्लीमारान की जनता की तरफ से अरविंद केजरीवाल का आभार व्यक्त करते हैं।

पुरानी दिल्ली के बल्लीमारान में अत्याधुनिक सामुदायिक भवन का उद्घाटन करते अरविंद केजरीवाल। साथ में हैं कैबिनेट मंत्री इमरान हुसैन। सौजन्य : दिल्ली सरकार

उन्होंने भाजपा पर षड्यंत्र रचने और बदनाम करने के प्रयास का आरोप लगाया, लेकिन अरविंद केजरीवाल की ईमानदारी की तुलना सूरज की रोशनी से करते हुए कहा कि उनकी ईमानदारी पर सवाल उठाना उसी तरह बेबुनियाद है जैसे सूरज की चमक पर शक करना। उन्हें सत्ता का कोई मोह नहीं है, वह मुख्यमंत्री का पद छोड़कर जनता की अदालत में आए हैं। हमें उन्हें 70 में से 70 सीटें जितानी है।

****

केंद्रीय स्वास्थ्य योजनाओं से वंचित कर रही है आप सरकार : विजेंद्र गुप्ता

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्लीवासियों को केंद्र की स्वास्थ्य योजनाओं से वंचित करने का आरोप लगाया है। कहा, प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना लागू नहीं कर दिल्ली में रहने वाले गरीबों व बुजुर्गों को निश्शुल्क स्वास्थ्य सुविधा से वंचित कर दिया गया है। राजधानी में स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने के लिए पीएम आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन स्कीम (पीएम-एबीएचआइएम) द्वारा स्वीकृत राशि का भी सदुपयोग नहीं किया गया। इसे लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखा है।

उन्होंने कहा कि राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में स्वास्थ्य सेवा के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए वर्ष 2021 -22 में यह योजना शुरू की थी। इसके अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा देशभर में वित्त वर्ष 2025 -25 तक 64 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं। दिल्ली में स्वास्थ्य सेवा के लिए 2,406 करोड़ रुपये की सहायता राशि को मंजूरी दी गई थी। इस योजना के अंतर्गत दिल्ली में 1,139 जन स्वास्थ्य कल्याण केंद्र, सभी 11 जिलों मे एक-एक एकीकृत जांच केंद्र बनाने थे। दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्लीवासियों को इनसे वंचित कर दिया।

उधर, आम आदमी पार्टी ने विजेंद्र गुप्ता के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार ने दिल्ली के नागरिकों के लिए स्वास्थ्य के लिए 16 प्रतिशत से अधिक धन आवंटित किया है, क्योंकि हम सभी नागरिकों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देते हैं। दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य योजना के तहत पात्र होने के लिए कोई शर्त नहीं है।

2005 में जस्टिस संजीव खन्ना दिल्ली हाई कोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त हुए और 2006 में हाई कोर्ट के स्थायी जज बने। वह 18 जनवरी 2019 को सुप्रीम कोर्ट में प्रोन्नत हुए।

इंदिरा गांधी ने रोकी थी चाचा की राह, अब भतीजे संजीव खन्ना बने प्रधान न्यायाधीश

चाचा हंसराज को आदर्श मानने वाले जस्टिस खन्ना बने देश के 51वें प्रधान न्यायाधीश

राष्ट्रपति मुर्मु ने खन्ना को दिलाई पद एवं गोपनीयता की शपथ, मोदी ने दी बधाई

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- करीब छह माह का होगा जस्टिस खन्ना का कार्यकाल, 13 मई को होंगे सेवानिवृत
- अनुच्छेद-370, ईवीएम में हेरफेर, केजरीवाल को अंतरिम जमानत जैसे फैसलों के रहे हैं हिस्सा

प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने के बाद हस्ताक्षर करते संजीव खन्ना। प्रेट्र

जस्टिस संजीव खन्ना भारत के नए प्रधान न्यायाधीश(सीजेआइ) बन गए हैं। सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। सीजेआइ के रूप में खन्ना का कार्यकाल करीब छह माह का होगा। वह 13 मई, 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। पीएम नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित अनेक हस्तियों ने उन्हें बधाई दी। वह दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस देव राज खन्ना के पुत्र और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस हंसराज (एचआर) खन्ना के भतीजे हैं। जस्टिस एचआर खन्ना भी वरिष्ठता के मुताबिक सीजेआइ बनते पर तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने उनसे जूनियर न्यायाधीश एमएच बेग को सीजेआइ बना दिया था। इसके विरोध में एचआर खन्ना ने 1977 में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पद से इस्तीफा दे दिया था।

चीफ जस्टिस खन्ना ने पहले दिन की 45 मामलों की सुनवाई

चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने अपने कार्यकाल के पहले दिन 45 मामलों की सुनवाई की और वकीलों तथा बार सदस्यों को शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद दिया। शपथ लेने के बाद जस्टिस खन्ना दोपहर को सीजेआइ कोर्ट में दाखिल हुए। पूर्व अटार्नी जनरल और वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी सहित बार सदस्यों, वकीलों ने उनका जोरदार स्वागत किया। नए सीजेआइ ने उनका आभार जताया। इससे पूर्व उनके शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, पूर्व सीजेआइ डीवाई चंद्रचूड़, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और पूर्व प्रधान न्यायाधीश जेएस खेहर भी मौजूद रहे।

जस्टिस खन्ना भारत के 51वें प्रधान न्यायाधीश हैं। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के 10 नवंबर को सेवानिवृत्त होने के बाद जस्टिस खन्ना ने नए सीजेआइ के रूप में पदभार संभाला है। जस्टिस खन्ना 18 जनवरी 2019 को दिल्ली हाई कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश प्रोन्नत हुए थे। 14 मई 1960 को जन्मे जस्टिस संजीव खन्ना 1983 में दिल्ली बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में पंजीकृत हुए और दिल्ली की तीस हजारी जिला अदालत से वकालत शुरू की। बाद में दिल्ली हाई कोर्ट और ट्रिब्यूनल्स में भी विभिन्न कानूनी मुद्दों और संवैधानिक सवालों, टैक्स से जुड़े मसलों पर वकालत की।

जस्टिस संजीव खन्ना 2005 में दिल्ली हाई कोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त हुए और 2006 में हाई कोर्ट के स्थायी जज बने। वह 18 जनवरी 2019 को सुप्रीम कोर्ट में प्रोन्नत हुए। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के तौर पर जस्टिस संजीव खन्ना ने कई ऐतिहासिक फैसले दिए। इनमें जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने को सही ठहराना, ईवीएम में गड़बड़ियों के आरोपों को खारिज करना और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत देना शामिल हैं।

ज्ञात हो, संजीव खन्ना के चाचा न्यायमूर्ति एचआर खन्ना आपातकाल के दौरान एडीएम जबलपुर मामले में असहमतिपूर्ण फैसला लिखने के बाद इस्तीफा देकर सुर्खियों में आए थे। आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों को रद किए जाने को बरकरार रखने वाले संविधान पीठ के बहुमत के फैसले को न्यायपालिका पर काला धब्बा माना गया। न्यायमूर्ति एचआर खन्ना ने इस कदम को असंवैधानिक और न्याय के विरुद्ध घोषित किया और इसकी कीमत उन्हें तब चुकानी पड़ी जब तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने उन्हें दरकिनार कर न्यायमूर्ति एमएच बेग को अगला प्रधान न्यायाधीश बना दिया। न्यायमूर्ति एचआर खन्ना 1973 के केशवानंद भारती मामले में मूल संरचना सिद्धांत को प्रतिपादित करने वाले ऐतिहासिक फैसले का भी हिस्सा थे।

स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने का जिम्मा अब संभालेगा डायट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- बनेंगे शिक्षा के उत्कृष्ट केंद्र, अगले पांच वर्षों में नौ हजार करोड़ से अधिक होंगे खर्च
- सरकारी और निजी स्कूलों के प्रदर्शन पर रखेंगे नजर, खराब प्रदर्शन पर शिक्षकों को देंगे प्रशिक्षण
- मौजूदा समय में देश के 672 में से 613 जिलों में काम कर रहे है डायट

प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को पढ़ाते शिक्षक। फाइल

स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की मुहिम अब जिलों से शुरू होगी। प्रत्येक जिले में मौजूदा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डायट) को इसका जिम्मा सौंपा गया है। जो न सिर्फ जिले के प्रत्येक स्कूल के प्रदर्शन पर नजर रखेगा, बल्कि प्रदर्शन मानक से खराब होने पर वह उन स्कूलों के संबंधित विषय के शिक्षकों को नए सिरे से प्रशिक्षण भी देगा। इसके लिए प्रत्येक डायट का उन्नयन होगा और उसे उत्कृष्ट केंद्र के रूप में नामित किया जाएगा। इस दौरान अगले पांच वर्षों में प्रत्येक डायट पर 15-15 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर तेजी से अमल में जुटे शिक्षा मंत्रालय ने नीति की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए देशभर के डायट को उत्कृष्ट केंद्र के रूप में गढ़ने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। इसके तहत अगले पांच वर्षों में नौ हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च होंगे। वहीं देशभर के डायट को वर्ष 2028 तक संवारने का लक्ष्य भी रखा है। डायट इस दौरान जिले में मौजूदा सरकारी और निजी दोनों स्कूलों को बेहतर बनाने को लेकर काम करेगा। वैसे भी डायट के पास मौजूदा समय में जिम्मा शिक्षकों के प्रशिक्षण का ही है, लेकिन, अब स्कूलों के प्रदर्शन के आधार पर भी शिक्षकों को प्रशिक्षण देने का अभियान चलाएगा।

डायट इसके साथ ही अब जिले में एनईपी के अमल को भी देखेगा, जिसमें वह स्कूलों के लिए आ रही नई पुस्तकों को पढ़ाने के तरीके आदि को लेकर भी शिक्षकों को प्रशिक्षण देगा। वैसे भी स्कूली शिक्षा के नए ढांचे के तहत अब तक बालवाटिका से लेकर पहली, दूसरी, तीसरी और छठी कक्षा की नई पाठ्य पुस्तकें आ चुकी हैं। अगले सत्र तक चौथी, पांचवीं, सातवीं व आठवीं की भी नई पाठ्य पुस्तकें आ जाएंगी। यह पाठ्य पुस्तकें एनईपी की सिफारिशों के तहत तैयार की गई हैं। वैसे तो देश के 672 जिलों में डायट को खोलने की मंजूरी दी गई है, लेकिन अभी इनमें से 613 जिलों में ही यह संस्थान काम कर रहे हैं।

उत्कृष्ट केंद्र बनाने के लिए डायट का कुछ ऐसे होगा उन्नयन

इस मुहिम के तहत प्रत्येक डायट को अत्याधुनिक संसाधनों से पूरी तरह से लैस किया जाएगा, जिसमें आधुनिक कक्षाएं, पुस्तकालय, मानीटरिंग डैश बोर्ड आदि होगा। साथ ही इनमें लोगों की संख्या को भी मजबूत किया जाएगा। इन संस्थानों में शोध की एक शाखा भी स्थापित की जाएगी। प्रत्येक राज्य के सभी डायट राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के निगरानी में काम करेंगे। जो डायट के प्रदर्शन के आधार पर हर साल उनकी रैंकिंग भी जारी करेगा।

केंद्र ने विदेश सचिव विक्रम मिसरी का कार्यकाल बढ़ाया

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्र ने सोमवार को विदेश सचिव विक्रम मिसरी का कार्यकाल 14 जुलाई, 2026 तक बढ़ा दिया है। कार्मिक मंत्रालय के आदेश के अनुसार, 1989 बैच के आइएफएस अधिकारी मिसरी ने 15 जुलाई को भारत के विदेश सचिव के रूप में कार्यभार संभाला था। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 30 नवंबर को उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख को बढ़ाकर 14 जुलाई, 2026 या अगले आदेश तक जो भी पहले हो, विदेश सचिव के रूप में मिसरी के कार्यकाल के विस्तार को मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने कहा कि सार्वजनिक हित में विदेश सचिव की सेवा को सेवानिवृत्ति की तारीख से आगे बढ़ाने की अनुमति मिली है।

रूस संग कारोबार का स्थानीय मुद्रा में सेटलमेंट बहुत जरूरी : जयशंकर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- व्यापार, प्रौद्योगिकी पर भारत-रूस के अंतर सरकारी आयोग की बैठक आज
- जयशंकर और रूस के उप प्रधानमंत्री प्रथम मंटुरोव करेंगे इसकी अध्यक्षता

मुंबई में सोमवार को भारत-रूस बिजनेस फोरम के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर तथा रूस के उप प्रधानमंत्री प्रथम डेनिस मंटुरोव। एएनआइ

नई दिल्ली में मंगलवार को भारत-रूस के बीच व्यापार, आर्थिक, प्रौद्योगिकी, विज्ञान व संस्कृति पर अंतर सरकारी आयोग की 25वीं बैठक होगी। इसमें भारत की तरफ से रूस के साथ बढ़ते व्यापार घाटा और द्विपक्षीय कारोबार का भुगतान स्थानीय मुद्रा में करने के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जाएगा। रूस से ज्यादा तेल खरीदने से भारत का कारोबार घाटा (2023-24 में 57 अरब डालर) काफी बढ़ गया है। ऐसे में भारत को यह आशंका है कि वर्ष 2030 तक जब 100 अरब डालर के द्विपक्षीय कारोबार का लक्ष्य हासिल किया जाए तो कहीं कारोबार घाटा और ज्यादा न हो जाए।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को भारत-रूस बिजनेस फोरम की बैठक में कहा कि मौजूदा परिवेश में भारत-रूस के बीच कारोबार का सेटलमेंट स्थानीय मुद्रा (रुपया व रूबल) में करना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने जब यह बात कही तो रूस के उप प्रधानमंत्री प्रथम डेनिस मंटुरोव भी उपस्थित थे। इन दोनों की अगुआई में ही मंगलवार को अंतर-सरकारी आयोग की बैठक होगी।

जयशंकर ने भारत-रूस के बीच सहयोग की अपार संभावनाओं को बताते हुए कहा, 'रूस ने 2022 के बाद एशिया पर ज्यादा ध्यान दिया है, जिससे सहयोग के कई आयाम खुल रहे हैं। दोनों देशों के बीच पुरानी गहरी दोस्ती है। भारत जो लंबे समय तक आठ प्रतिशत की विकास दर हासिल करने की राह पर है और रूस जो प्राकृतिक संसाधनों का एक बड़ा आपूर्तिकर्ता है, के बीच सहयोग इन दोनों के साथ ही पूरी दुनिया के लिए सही होगा।' उन्होंने कहा, 'दोनों देशों के बीच बढ़ते कारोबार घाटे को कम करने पर तत्काल ध्यान देना होगा। अभी यह पूरी तरह से एकतरफा है।'

जयशंकर ने भारत-रूस के कारोबारी रिश्तों के संदर्भ में दस तथ्यों का जिक्र किया, जिस पर दोनों देशों की सरकारों को ध्यान देना होगा। इसमें पहला है द्विपक्षीय कारोबार अभी 66 अरब डालर का है जिसे 2030 बढ़ाकर 100 अरब डालर करने का लक्ष्य रखा गया है। दूसरे के तौर पर उन्होंने बढ़ते कारोबारा घाटे का जिक्र किया। इसके अलावा भारत और यूरेशिया इकोनमिक जोन के बीच व्यापार समझौते के लिए शुरू हुई बातचीत को तेजी से आगे बढ़ाने, भारत व रूस के बीच द्विपक्षीय निवेश संधि को लेकर शुरू की गई वार्ता को पूरी करने, स्थानीय मुद्रा में कारोबार को सेटलमेंट करने जैसी बातें भी शामिल हैं।

सनद रहे कि भारत-रूस की सरकारों व केंद्रीय बैंक के बीच विमर्श के बावजूद द्विपक्षीय कारोबार का सेटलमेंट रुपये या रूबल में करने में कोई ज्यादा सफलता नहीं मिली है। वैसे रूस की कुछ कंपनियों को रुपये में भुगतान किया गया है, जिसे उन्होंने वोस्ट्रो खाते में जमा कर रखा है। चूंकि भारत से रूस का आयात बहुत कम है, इसलिए इसका उपयोग नहीं हो पा रहा। यह एक बड़ी वजह है कि रूस की दूसरी कंपनियां भी रुपये में कारोबार करने से हिचक रही हैं।

केंद्र व राज्यों में 50 हजार अधिकारियों को शहरी सुधार का दिया जाए प्रशिक्षण

मनीष तिवारी ● जागरण

- विशेषज्ञ समिति ने दिया सुझाव, कहा-आइएएस की तरह शहरी नियोजन सेवा का हो गठन
- कहा, नीति आयोग की तरह राष्ट्रीय शहरी और क्षेत्रीय नियोजन प्राधिकरण भी बनाया जाए

नई दिल्ली: केंद्र सरकार की एक समिति ने शहरी नियोजन में सुधार के लिए केंद्र, राज्य और जिला स्तर 50,000 अधिकारियों के प्रशिक्षण की सिफारिश की है। इसके लिए प्रधानमंत्री के स्तर पर नेशनल अर्बन ओरिएंटेशन प्रोग्राम शुरू करने का सुझाव दिया गया है।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा शहरी ढांचे में सुधार के लिए गठित कार्य समूहो को इस सिफारिश पर भी ध्यान देना है। एक अहम सिफारिश भारतीय प्रशानसिक सेवा की तरह अखिल भारतीय शहरी नियोजन सेवा के गठन की भी है। इन अधिकारियों को ही शहरी नियोजन अधिकारी के रूप में नियुक्त करने का सुझाव दिया गया है।

वहीं, एक स्वायत्त राष्ट्रीय शहरी और क्षेत्रीय नियोजन प्राधिकरण भी गठित किया जाए, जो सभी मंत्रालयों, विभागों और एजेंसियों को दिशा-निर्देश देने के लिए नीति आयोग की तरह सर्वोच्च तकनीकी सलाहकार संस्था होगी। विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट में बताया गया है कि शहरी नियोजन व्यापक राष्ट्रीय योजना के जरिये ही शुरू हो सकता है ताकि इस क्षेत्र में नेतृत्व कौशल और क्षमता निर्माण उत्पन्न हो सके।

केंद्र सरकार की ओर से गठित इस समिति द्वारा यह सुझाव भी दिया गया है कि राज्यों को जूनियर स्तर पर 2000, मध्य स्तर पर 850 और 350 बहुआयामी विशेषज्ञों की नियुक्ति के लिए पांच साल तक फंड दिया जाए। समिति ने अपनी सिफारिश में यह भी कहा कि बहुआयामी विशेषज्ञों के प्रदर्शन के आकलन और निगरानी के लिए स्पष्ट मानक तय किए जाएं ताकि स्टाफ की कमी की गंभीर समस्या का समाधान किया जा सके।

राजस्थान में नए वर्ष से होगी मंत्रियों व अफसरों की टिफिन शेयरिंग बैठक

नरेंद्र शर्मा ● जागरण

- महीने में एक बार होगी बैठक, अपने-अपने घर से लाएंगे टिफिन व एक साथ करेंगे भोजन
- मंत्री, विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी होंगे शामिल

जयपुर : पीएम नरेन्द्र मोदी की इच्छा के अनुरूप राजस्थान में नए वर्ष से माह में एक बार मंत्रियों व अफसरों की 'टिफिन शेयरिंग' बैठक होगी। इसमें मंत्री और विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव व प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी शामिल होंगे। सभी अपने-अपने घर से टिफिन लाएंगे और साथ भोजन करेंगे। इसी दौरान वे केंद्र व राज्य सरकारों की योजनाओं के क्रियान्वयन, विधानसभा व लोकसभा चुनाव में की गई घोषणाओं को लागू करने की प्रक्रिया व बजट घोषणाओं की वर्तमान स्थिति पर चर्चा करेंगे और समाधान पर विमर्श करेंगे। जरूरत होने पर विभागाध्यक्षों को भी उनसे संबंधित विषयों पर चर्चा में शामिल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा चाहते हैं कि शुरुआत में बैठक राजधानी जयपुर में और फिर संभागीय मुख्यालयों में हो। उनका मानना है कि ऐसी बैठकों से मंत्रियों व अफसरों में कभी कभार उत्पन्न होने वाली टकराव की स्थिति टाली जा सकेगी। मंत्रियों व अधिकारियों को भोजन के साथ अपने-अपने विभाग के अब तक हो चुके निर्णयों, भावी योजनाओं सहित नया कुछ करने को लेकर संभावित कार्ययोजना की रिपोर्ट लानी होगी।

बैठक का मकसद मंत्रियों-अफसरों में मधुर रिश्ते बनाना भी है। केंद्र की तर्ज पर प्रदेश के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने हर हफ्ते अतिरिक्त मुख्य सचिवों व प्रमुख सचिवों संग बैठक शुरू कर दी है। वह अफसरों से एक हफ्ते में हुए निर्णयों के साथ आगामी हफ्ते की कार्ययोजना की रिपोर्ट ले रहे हैं। ई-फाइलिंग पर जोर दिया जा रहा है। ज्ञात हो, प्रदेश सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी ने टिफिन शेयरिंग बैठक पर जोर दिया था। गुजरात में सीएम रहते उन्होंने इस तरह की बैठक का सिलसिला शुरू किया था।

एलआइसी पालिसी में बदलावों पर चिंतित कांग्रेस सांसद ने लिखा वित्त मंत्री को पत्र

- अक्टूबर 2024 से बदले नियमों से एजेंटों-पालिसी धारकों को परेशानी
- वर्ष 2047 तक पूरी आबादी का बीमा करना है केंद्र सरकार का लक्ष्य

मणिक्कम टैगोर। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र: जीवन बीमा निगम (एलआइसी) ने बीते एक अक्टूबर से नए नियम लागू किए हैं, जो एजेंटों और पालिसी धारकों के लिए परेशानी पैदा करने वाले हैं। तमिलनाडु के विरुधुनगर से कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर चिंताएं जाहिर की हैं। उन्होंने कहा है कि इन नए नियमों से करीब 14 लाख एलआइसी एजेंट की रोजी-रोटी और लाखों पालिसी धारकों पर नकारात्मक असर पड़ेगा।

एक्स पर शेयर किए गए पत्र में टैगोर ने लिखा है कि विशेषरूप से ग्रामीणों और आर्थिक रूप से वंचितों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए सरकार 2047 तक पूरी आबादी को बीमित करने का महात्वाकांक्षी लक्ष्य रखे है। हालांकि, एलआइसी के बीमा नियमों में किए गए बदलावों और फैसलों से एजेंटों द्वारा पालिसियों का प्रचार और बिक्री मुश्किल हो गई है। परिणामस्वरूप यह नियम सरकार के इस नेक लक्ष्य को बाधित कर रहा है।

उन्होंने एलआइसी द्वारा किए गए बदलावों के बारे में बताया कि पहला तो न्यूनतम बीमा राशि बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दी और प्रीमियम दरें बढ़ा दीं। ग्रामीण, निम्न और मध्यम आय समूहों पर इसका प्रतिकूल असर होगा क्योंकि वे अब इनको खरीदने में सक्षम नहीं होंगे और एजेंटों के लिए इन्हें बेचना लगभग असंभव हो गया है। दूसरा, एजेंटों और बीमा उद्योग के कई अनुरोधों के बावजूद भी 1938 के बीमा अधिनियम के अनुसार तय की गई कमीशन दर आज तक नहीं बढ़ाई गई। जबकि आइआरडीएआइ ने कई बार इसकी अनुमति दी थी।

कांग्रेस सांसद ने आगे लिखा कि 1 अक्टूबर, 2024 से शुरू की गई नई नीतियां कमीशन कम कर देती हैं। इससे लाखों एजेंटों की आजीविका प्रभावित होती है। वहीं, उद्योग में एलआइसी की प्रीमियम दरें पहले से ही सबसे ज्यादा हैं। इसके अलावा मशहूर पालिसियों में आयुसीमा घटाकर 50 वर्ष कर दी गई है, जो एक उल्टा कदम है और यह एजेंटों को नई पालिसी बेचने में प्रभावित करेगा, क्योंकि कई संभावित पालिसी धारक अब उन योजनाओं के लिए पात्रता मानदंड से बाहर हो जाएंगे। निगम की नई 'क्लाबैक कमीशन'' नीति भी बहुत आपत्तिजनक है और इमें पालिसी सरेंडर के लिए एजेंट जिम्मेदार ठहराए जाते हैं और उन्हें कमीशन वापस करना पड़ता है। यह गलत है, क्योंकि पालिसी सरेंडर करने का फैसला एजेंटों के नियंत्रण से बाहर है।

छात्राओं के लिए मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता नीति की रूपरेखा तैयार

- केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को दी जानकारी

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि स्कूल जाने वाली छात्राओं के लिए मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता नीति की रूपरेखा तैयार की है जिसे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंजूर किया है।

केंद्र सरकार ने विगत 10 अप्रैल, 2023 के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और परिवार कल्याण विभाग ने स्कूलों में छात्राओं की मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता नीति का मसौदा तैयार किया जिसे मंत्रालय ने दो नवंबर, 2024 को मंजूरी दी। सर्वोच्च अदालत कांग्रेस नेता व सामाजिक कार्यकर्ता जया ठाकुर की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है। इस याचिका में मांग की गई है कि केंद्र व राज्य सरकारें स्कूलों में कक्षा छह से 12वीं तक की छात्राओं को निशुल्क सेनेटरी पैड्स उपलब्ध कराएं। साथ ही सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग शौचालय की व्यवस्था हो। संबंधित मामले में दायर हलफनामे में कहा गया है कि इस नीति का मकसद छात्राओं को दैनिक गतिविधियों में शामिल होने की निर्बाध स्वतंत्रता सुनिश्चित हो। साथ ही लड़कियों को मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता की पूरी जानकारी हो। साथ ही मासिक धर्म के वेस्ट का पर्यावरण के अनुकूल ही प्रबंधन हो। केंद्र सरकार पहले ही अदालत को बता चुकी है कि दिल्ली, गोवा और पांडिचेरी जैसे स्थानों में इन सभी लक्ष्यों को पूरा किया जा चुका है। पूर्वोत्तर के राज्य 98 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से पीछे हैं, जबकि जम्मू-कश्मीर में 89.2 प्रतिशत छात्राओं को ही यह सुविधा है।

सार्थक कदम

हितधारकों को वनाधिकार कानून, सतत विकास लक्ष्य, जीपीडीपी,जैसे विषयों पर दिया जाएगा प्रशिक्षण, गांवों के विकास से संबंधित योजनाओं पर भी होगी चर्चा, जीपीडीपी में शामिल होंगे ग्रामीणों के सुझाव

उत्तराखंड के जनजाति बहुल 128 गांवों के लोग खींचेंगे विकास का खाका

राज्य ब्यूरो, जागरण देहरादून

- अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों के इन गांवों में 15 नवंबर को होगा विशेष ग्रामसभा सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम

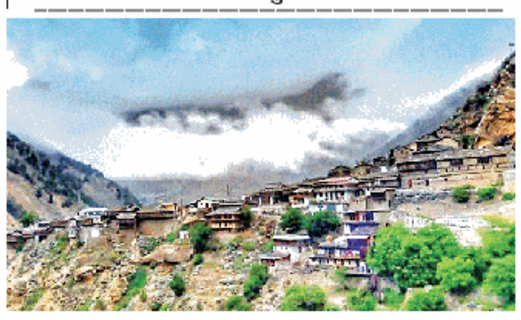

सुधरेगी गांवों की दशा। प्रतीकात्मक

राज्य में जनजातीय गांव	
जिला	संख्या
ऊधम सिंह नगर	68
देहरादून	41
बागेश्वर	08
हरिद्वार	05
पिथौरागढ़	03
उत्तरकाशी	02
चमोली	01

उत्तराखंड के सात जिलों के अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों के 128 गांवों के लोग 15 नवंबर को न केवल अपने-अपने गांवों के विकास का खाका खींचेंगे, बल्कि वनाधिकार कानून, सतत विकास लक्ष्य, पंचायत विकास सूचकांक, ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) जैसे विषयों पर विभिन्न जानकारियों से लैस होंगे। अवसर होगा विशेष ग्रामसभा सह उन्मुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का।

केंद्रीय पंचायतीराज एवं जनजातीय मामलों के मंत्रालय के निर्देशों के क्रम में यह आयोजन होगा। इसके लिए उत्तराखंड के पंचायतीराज विभाग ने सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। कार्यक्रम की सफलता के दृष्टिगत संबंधित जिलों में नोडल अधिकारी और संदर्भव्यक्ति नामित कर दिए गए हैं।

जनजातीय गौरव भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में केंद्र सरकार वर्ष 2025 को 'जनजातीय गौरव वर्ष' घोषित करने पर विचार कर रही है। इसी क्रम में अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों के गांवों में क्षमता निर्माण अभियान पर जोर दिया जा रहा है। इसके लिए केंद्रीय पंचायतीराज और जनजातीय मामलों के मंत्रालयों की पहल पर विशेष ग्रामसभा सह उन्मुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। पंचायतीराज विभाग के उपनिदेशक मनोज कुमार तिवारी के अनुसार, राज्य के अनुसूचित जनजातीय क्षेत्रों के गांवों में 15 नवंबर को विशेष बैठक होगी। साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों, कार्मिकों व हितधारकों को विभिन्न विषयों से संबंधित प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। विकास के दृष्टिगत ग्रामीणों के जो सुझाव आएंगे, उन्हें जीपीडीपी का हिस्सा बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को और अधिक लाभप्रद बनाने के लिए संबंधित गांवों में पोषण, एनीमिया परीक्षण, स्वास्थ्य परीक्षण, आपराधिक कानून, लघु वन उपज, मनरेगा जाब चार्ट के संबंध में शिविर भी आयोजित करने को कहा गया है। 15 नवंबर के कार्यक्रम के सिलसिले में ऊधम सिंह नगर, देहरादून, हरिद्वार, बागेश्वर, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी व चमोली में नोडल अधिकारी व संसाधन व्यक्ति नामित किए जा चुके हैं। इसके अलावा चयनित संदर्भ व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए संबंधित ग्राम पंचायतों को 10-10 हजार रुपये की राशि भी राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान से दी गई है।

स्वच्छता व नशामुक्ति की शपथ भी लेंगे: विशेष ग्रामसभा सह उन्मुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान संबंधित गांवों के लोग स्वच्छता और नशामुक्ति शपथ भी लेंगे। इसके अलावा गांवों में एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण भी होगा।

****

कह कर रहेंगे माधव जोशी

साक्षात्कार

उद्धव सेना हो गई है परजीवी, इस बार और सिकुड़ जाएगी

हरियाणा विधानसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र पर सबकी नजरें है। दरअसल सरकार भले ही स्थानीय होगी पर इसका असर राष्ट्रीय होगा। महायुति ने बाजी मारी तो आइएनडीआइए का कलह इस गठबंधन को तितर-बितर कर सकता है। मामला उल्टा हुआ तो दो महीनों में होने वाले दिल्ली चुनाव से लेकर बिहार चुनाव तक भाजपा पर सहयोगी दलों का दबाव भी होगा और फिर से नैरेटिव की जंग होगी। महायुति की सरकार फिर से लाने, मुख्यमंत्री के रूप में फिर से स्वीकारे जाने और अपनी शिवसेना को ही बाला साहेब की असली सेना सिद्ध करने की जंग लड़ रहे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दैनिक जागरण के राजनीतिक संपादक आशुतोष झा से कई मुद्दों पर चर्चा की। पेश हैं इसके प्रमुख अंश :

● लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र के रूप में एक बड़े राज्य का चुनाव हो रहा है। कई लोगों का भविष्य दांव पर है, मुद्दे क्या हैं?

– मैंने तो विकास का ही मुद्दा रखा है। महाविकास आघाड़ी में यह रुका हुआ था। आघाड़ी सरकार के समय में मेट्रो, नागपुर मुंबई समृद्धि, अटल सेतु सबका काम थमा हुआ था। हमारी सरकार ने तेज गति से काम शुरू किया। लोगों की भलाई के लिए काफी कुछ काम किया गया। हमारा ध्यान विकास और जनकल्याण, दोनों पर है। नागपुर-मुंबई के बीच पहले सफर में 15-16 घंटे लगते थे, अब सात आठ घंटे में पहुंचते हैं। किसानों की उपज भी अब आसानी से पहुंच रही है। पूरा इकोसिस्टम तैयार हो रहा है।

● विकास के मुद्दे पर तो लोकसभा के भी चुनाव हुए थे। तब से अब तक क्या बदला है?

– लोकसभा का चुनाव विपक्ष फेक नैरेटिव पर लड़ रहा था। विपक्ष की ओर से कुछ अफवाहों को हवा दी गई जैसे कि संविधान बदला जाएगा, आदिवासियों का हक जाएगा, मुस्लिमों को भी डराया गया। जनता भ्रमित हो गई। ऐसा बिल्कुल नहीं था लेकिन विपक्ष ने एक ऐसा माहौल तैयार किया कि यदि राजग 400 पार होता है तो संविधान बदल ही जाएगा। यह तो विधानसभा का चुनाव है। इसमें तो चुनाव स्थानीय मुद्दों पर ही लड़े और जीते जाते हैं। आघाड़ी में कोई है जो यह आरोप लगा पाए कि विकास नहीं हुआ है। अगर आरोप लगाते भी हैं तो जनता कहां मानने वाली है। काठ की हांडी बार-बार तो नहीं चढ़ सकती है।

● इस बार विपक्ष एक रहेगा तो सेफ रहोगे, बंटोगे तो कटोगे जैसे नारों पर महायुति को घेरने की कोशिश कर रहा है। कहा जा रहा है कि महायुति डरा रहा है?

विपक्ष को अपनी स्थिति का अहसास है। वह लोगों को भ्रमित करने के लिए कुछ भी करेगा लेकिन क्या यह सच्चाई नहीं है कि लोकतंत्र में वोटिंग का प्रतिशत बढ़ना चाहिए। एक होकर वोट करो। यही तो मकसद है। केंद्र सरकार ने सबका साथ, सबका विकास की बात कही है। 2047 तक भारत को कैसे विकसित राष्ट्र बनाना है, इसकी बात की है। हमारा पूरा फोकस सिर्फ विकास और जनकल्याण पर है।

● महाराष्ट्र में बार-बार मराठा आरक्षण का मुद्दा उठता रहा है। पिछले चुनाव में इसका असर भी दिखा था। इसका कोई निदान है?

– हमने इसकी राह निकाली है। यह कहा था कि किसी ओबीसी वर्ग को परेशान होने की जरूरत नहीं है, उनका नुकसान नहीं होगा। हम मराठा को आरक्षण देंगे। अभी तक की सरकारों ने कुनबी को ओबीसी में ही जोड़ दिया था, जबकि उनके लिए अलग से आरक्षण होना चाहिए। हमने यह कर दिया। 10 प्रतिशत मराठा आरक्षण का भी काम किया लेकिन विपक्ष का रुख सही नहीं है।

● महायुति में मुख्यमंत्री पद को लेकर अलग-अलग तरह की बातें चल रही हैं। अगर आप सरकार में आते हैं तो कौन बनेगा मुख्यमंत्री?

– यह कोई समस्या नहीं है। हमारे यहां महाविकास आघाड़ी की तरह लड़ाई नहीं चल रही है। साथ बैठेंगे और सबकुछ तय हो जाएगा। जितने सामंजस्य के साथ हम चुनाव लड़ रहे हैं, उसी तरह आपको मुख्यमंत्री का नाम भी पता चल जाएगा।

● आपको क्या लगता है, फार्मूला कैसा होना चाहिए? क्या यह संख्या बल के आधार पर होना चाहिए या फिर लोकप्रियता इसका आधार होना चाहिए?

– इसमें मुझे लगने जैसी कोई बात नहीं है। अभी तो हमारा पूरा ध्यान केवल इस पर है कि महायुति जीते। अब कौन लोकप्रिय है कौन नहीं, यह सब लोग जानते हैं।

● शिवसेना आज के दिन तीन हिस्सों में है-शिंदे सेना, उद्धव सेना और उससे पहले मनसे। क्या ऐसा समय भी आ सकता है कि शिवसेना फिर से एक हो जाए?

– नहीं, दो ही शिवसेना है। मनसे तो पहले ही खत्म हो चुका था। देखिए हम लोग बाहर इसीलिए तो निकले कि शिवसेना ने बाला साहेब के विचारों को त्याग दिया था। हम तो गठबंधन में लड़े थे लेकिन सरकार बन गई कांग्रेस, एनसीपी और उद्धव की। बाला साहेब को तो यह कभी मंजूर नहीं था। इसीलिए हम अलग हुए बाला साहेब के विचारों की रक्षा के लिए। जनता ने भी जता दिया है कि हम बाला साहेब के सच्चे अनुयायी हैं। लोकसभा में हमारी पार्टी और उद्धव की पार्टी 13 स्थानों पर आमने-सामने थी। हमने सात पर जीत हासिल की। उद्धव के मुकाबले हमें दो लाख साठ हजार ज्यादा वोट मिले। उन्हें 42 प्रतिशत वोट मिले, हमें 47 फीसद। फिर क्या बचता है। हम बढ़ते रहेंगे और बाला साहेब के विचार को आगे बढ़ाते रहेंगे।

● तो क्या आपको लगता है कि इस चुनाव में उद्धव सेना के लिए अस्तित्व का सवाल खड़ा हो सकता है?

– जनता क्या सोच रही है उसे समझिए न। शिवसेना का वोट हमारे पास है, वह तो कांग्रेस के वोट से जीते हैं। वह तो परजीवी हो गए हैं। अब उनका खुद का कोई अस्तित्व नहीं है।

● इस चुनाव में आप महायुति के लिए कितनी सीटों पर जीत के प्रति आश्वस्त हैं।

– कम से कम 170 सीटें आ रही हैं।

● यह सच है कि महाराष्ट्र की इकोनमी बड़ी है लेकिन अगर रेवड़ी बंटनी शुरू होंगी तो क्या देर-सवेर कर्नाटक की तरह ही महाराष्ट्र की आर्थिक स्थिति खराब नहीं होगी?

– महाराष्ट्र के पास कितना पोटेंशियल है, उसे देखिए तो सही। हमारी इकोनमी बहुत तेजी से बढ़ेगी। पीएम मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था के लिए पांच ट्रिलियन डालर का लक्ष्य रखा है। महाराष्ट्र के लिए हमने एक ट्रिलियन का सोच रखा, लेकिन नीति आयोग कहता है कि 1.5 ट्रिलियन की क्षमता तो केवल मुंबई और एमएमआर में है। महायुति सरकार जिस तरह इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च कर रही है और उसके साथ-साथ उसे समय पर पूरा कर रही है, उसमें हमारी गति बहुत होगी। जनकल्याण सरकार की जिम्मेदारी है, हम उसे पूरा करेंगे और दोनों काम साथ-साथ चलेंगे।

बंटे थे तो अयोध्या-काशी में अपमान झेलना पड़ा : योगी

जनसभा : पूछा-जो बेटियों की रक्षा और घुसपैठियों को बाहर नहीं कर सकते, उन्हें क्यों चुनें

जागरण संवाददाता, पलामू

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब हम बंटे थे तो अयोध्या, काशी व मथुरा में अपमान झेलना पड़ा। बहन-बेटियों की अस्मिता से खिलवाड़ का अपमान झेलना पड़ा। बंटे थे तो कटे थे। इसलिए कहने आया हूं कि एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे।

योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को पलामू के हुसैनाबाद, पांकी एवं मेदिनीनगर व गढ़वा के श्री बंशीधर नगर में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। हुसैनाबाद में सभा के दौरान आदित्यनाथ के स्वागत में दर्जनभर से अधिक बुलडोजर लगाए गए थे। उन पर सवार होकर लोग उनका अभिनंदन कर रहे थे। योगी ने कहा कि जब ये राम मंदिर का निर्माण नहीं कर सकते, भगवान बिरसा मुंडा, बाबा साहेब को सम्मान नहीं दे सकते, बेटियों की रक्षा नहीं कर सकते, बांग्लादेशी घुसपैठियों व रोहिंग्या मुसलमानों को देश से बाहर नहीं कर सकते, देश को सुरक्षा नहीं दे सकते, गरीबों का कल्याण नहीं कर सकते तो फिर इन्हें चुने क्यों? कहा कि इनको एक सिरे से खारिज करने की आवश्यकता है। यह सरकार घुसपैठिये, रोहिंग्या व पत्थरबाजों की हितैषी है। लव जिहाद के नाम पर बांग्लादेशी घुसपैठिये यहां इस प्रकार कोहराम मचा रहे हैं कि उच्च न्यायालय तक को इसकी चिंता करनी पड़ी। योगी ने कहा कि राजद, झामुमो व कांग्रेस की गठबंधन सरकार विकास नहीं, विनाश की दूत है। इसने पांच साल तक राज्य का विकास नहीं होने दिया।

झारखंड के गढ़वा में चुनावी जनसभा के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। एएनआइ

योगी ने दी पांच गारंटी

आदित्यनाथ ने पांच योजनाओं की गारंटी दी। इसमें लक्ष्मी जोहार योजना के तहत सभी को 500 रुपये में गैस सिलिंडर व प्रतिवर्ष दो निशुल्क सिलिंडर देने, गोगो दीदी योजना के तहत हर महिला के बैंक खाते में प्रतिमाह 2100 रुपये की सम्मान राशि, 21 लाख परिवारों को पीएम आवास, घर निर्माण के लिए निशुल्क बालू, स्नातक युवाओं को दो साल तक 2000 रुपये बेरोजगारी भत्ता व 2.87 लाख सरकारी रिक्त पदों पर बहाली का वादा शामिल है।

बंटेंगे तो कटेंगे बोलना साधु का काम नहीं, योगी बोल रहे आतंकियों की भाषा : खरगे

जागरण संवाददाता, पलामू : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने झारखंड की चुनावी सभाओं में 'बंटेंगे तो कटेंगे' नारे को लेकर योगी आदित्यनाथ पर तंज कसा।

मल्लिकार्जुन खरगे। प्रेट्र

कहा कि साधु-संतों का काम समाज का भला करना है और अच्छी बातें करना है, जबकि योगी आतंकियों की भाषा बोलकर बांटने और काटने की बात कर रहे हैं। योगी समाज को बांटने का काम कर रहे हैं और चिन्हित कर अल्पसंख्यकों के घरों पर बुलडोजर चला रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे सोमवार को झारखंड के पलामू जिले के छतरपुर में जिस समय योगी पर हमलावर थे, उस समय कुछ किलोमीटर दूर ही योगी आदित्यनाथ भी बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा उठाते हुए 'एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे' का नारा दोहरा रहे थे। खरगे ने कहा कि अगर आज देश की एकता और अखंडता को सबसे अधिक किसी से खतरा है तो वह भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा से है।

मोदी विपक्ष को ईडी और सीबीआइ के नाम से डराने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन अंग्रेजों से देश को आजाद कराने की लड़ाई लड़ने वाली कांग्रेस ईडी और सीबीआइ से डरने वाली नहीं है।

'एससी, एसटी व ओबीसी आरक्षण खत्म करना चाहती है कांग्रेस'

राज्य ब्यूरो, जागरण ● रांची

प्रधानमंत्री ने दिया जीत का मंत्र, चुनाव के दिन बूथ पर उत्सव की तरह जुटें कार्यकर्ता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि कांग्रेस आदिवासी, दलित और पिछड़े समुदाय के आरक्षण को खत्म करना चाहती है। राजीव गांधी के समय कांग्रेस की तरफ से जो विज्ञापन जारी किए जाते थे, उसमें दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों का अपमान होता था। इनके आरक्षण से देश को होने वाले नुकसान की बात कही जाती थी। भाजपा कार्यकर्ताओं को चाहिए कि कांग्रेस के उस पोस्टर को लोगों को दिखाएं।

प्रधानमंत्री सोमवार को नमो एप के जरिये झारखंड के बूथ स्तर कार्यकर्ताओं से संवाद कर रहे थे। इस दौरान भाजपा एसटी मोर्चा की प्रवक्ता और हटिया विधानसभा की बूथ कार्यकर्ता पिंकी खोया ने उनसे बात की। पिंकी ने झामुमो-कांग्रेस की आदिवासी विरोधी नीतियों के बारे में बताया। इस पर मोदी कहा कि एक समय पंचायत से लेकर दिल्ली तक कांग्रेस का शासन था। उस वक्त आरक्षण की बात करने की कोई हिम्मत भी नहीं करता था। लेकिन जब एससी, एसटी और पिछड़े समुदाय के लोग एकजुट हुए तो उन्हें आरक्षण मिला। अब कांग्रेस इस मजबूत समुदाय को आपस में लड़ाने में लगी है। वह पिछड़ों को जातियों-उपजातियों में बांटकर उनकी संगठित शक्ति को खत्म करना चाहती है, जिससे उनका आरक्षण समाप्त किया जा सके। रांची के चुटिया मंडल के कार्यकर्ता राजीव ने प्रधानमंत्री से कहा कि महिलाओं और युवाओं में भाजपा सरकार बनाने के लिए भारी उत्साह है। उन्होंने भाजपा के संकल्प पत्र में व्यक्त किए गए गोगो दीदी योजना और युवा साथी भत्ता को महत्वपूर्ण बताया। देवघर के बलवंत मंडल ने कहा कि केंद्र की योजनाओं को राज्य सरकार लागू नहीं होने देती है। इस पर मोदी ने कहा कि हेमंत सोरेन के परिवारवाद को कांग्रेस के शाही परिवार से भ्रष्टाचार की सीख मिली है। भ्रष्टाचार करने में कांग्रेस-झामुमो को महारत है।

अशोक चव्हाण की दूसरी परीक्षा है नांदेड़ लोकसभा उप चुनाव

ओमप्रकाश तिवारी ● जागरण

- नांदेड़ में लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपानीत महायुति को करारी हार का सामना करना पड़ा था
- वसंत चव्हाण के निधन के बाद उनके बेटे रवींद्र चव्हाण को कांग्रेस ने उतारा है मैदान में

मुंबई: लोकसभा चुनाव के कुछ ही माह बाद नांदेड़ के नवनिर्वाचित सांसद वसंत चव्हाण का निधन हो जाने से महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के साथ ही वहां उप चुनाव हो रहा है। इस उप चुनाव में कांग्रेस और भाजपा फिर आमने-सामने है। लेकिन, इन दोनों प्रत्याशियों के साथ ही कड़ी परीक्षा कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए दो बार के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण की भी है।

गोदावरी नदी के तट पर स्थित ऐतिहासिक शहर नांदेड़ में लोकसभा उप चुनाव में सीधा मुकाबला देखने को मिल रहा है। नांदेड़ महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में आता है, जहां भाजपानीत महायुति को लोकसभा चुनाव के दौरान करारी हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन, चुनाव के दो माह बाद ही छह अगस्त को यहां के नवनिर्वाचित सांसद वसंत चव्हाण का निधन हो गया था। 2024 के लोकसभा चुनाव में वसंत चव्हाण ने भाजपा के मौजूदा सांसद प्रतापराव पाटिल-चिखलीकर को 59,442 मतों से हराया था। कांगेस की यह जीत ऐसे समय में हुई थी, जब दिग्गज नेता और गांधी परिवार के वफादार अशोक चव्हाण ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था। भाजपा ने लोकसभा चुनाव से पहले ही उन्हें राज्यसभा सदस्य भी बना दिया था। पूरी ताकत लगाकर भी अशोक चव्हाण नांदेड़ की लोकसभा सीट भाजपा की झोली में नहीं डलवा सके। वसंत चव्हाण के निधन के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रवींद्र चव्हाण को उनके पिता की सीट से लड़ने के लिए नामित किया।

भाजपा ने भी नांदेड़ के भाजपा जिला प्रमुख डा. संतुक हंबार्डे को मैदान में उतारा है। संयोग से संतुक हंबार्डे के भाई मोहन हंबार्डे नांदेड़ दक्षिण से कांग्रेस के मौजूदा विधायक हैं और नांदेड़ दक्षिण सीट से चुनाव भी लड़ रहे हैं। मोहन हंबार्डे अशोक चव्हाण के भी करीबी माने जाते हैं। एक तरफ भाजपा ने उप चुनाव के लिए संतुक हंबार्डे को मैदान में उतारने का फैसला किया तो दूसरी ओर लोकसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर हारने वाले पूर्व पूर्व सांसद प्रतापराव चिखलीकर अजीत पवार के नेतृत्व वाली राकांपा में शामिल होकर लोहा सीट से विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। लोहा विधानसभा क्षेत्र लातूर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। नांदेड़ उप चुनाव में रवींद्र चव्हाण और संतुक हंबार्डे समेत कुल 19 उम्मीदवार मैदान में हैं। नांदेड़ के अंतर्गत छह विधानसभा क्षेत्र हैं भोकर, नांदेड़ उत्तर, नांदेड़ दक्षिण, नायगांव, देगलुर (एससी) और मुखेड़। भोकर विधानसभा सीट से खुद अशोक चव्हाण चुनकर जाते रहे हैं। इस बार उनकी पुत्री श्रीजया इस सीट से चुनाव लड़कर अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत कर रही हैं। इसलिए, अशोक चव्हाण पर बेटी के साथ ही अन्य पांच सीटों पर भी महायुति एवं लोकसभा सीट पर भाजपा को जिताने की जिम्मेदारी के साथ ही प्रतिष्ठा का प्रश्न भी बना हुआ है।

अशोक चव्हाण। फाइल

ओवैसी को फडणवीस का जवाब, रजाकारों के वंशज किस मुंह से हमसे करेंगे बात

असदुद्दीन ओवैसी।

देवेंद्र फडणवीस।

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई: महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एआइएमआइएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के एक बयान का जवाब देते हुए कहा है कि वह रजाकारों के वंशज हैं। हमारी माताओं-बहनों की अस्मत लूटी। वह हमसे किस मुंह से बात करेंगे। ओवैसी ने रविवार को छत्रपति संभाजीनगर में प्रचार के दौरान 'वोट जिहाद' और 'धर्म युद्ध' वाले बयानों का जवाब देते हुए कहा था कि हमारे पूर्वजों ने अंग्रेजों के खिलाफ जिहाद किया था। जबकि, आपके पूर्वज अंग्रेजों को प्रेमपत्र लिख रहे थे। पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और फडणवीस मिलकर भी उन्हें बहस में नहीं हरा सकते। सोमवार को फडणवीस का बयान आने के बाद ओवैसी ने फिर हमला बोला। उन्होंने कहा कि वह सीएम नहीं बनने जा रहे हैं। उनके सपने टूटने वाले हैं। वह केवल दिखावे के लिए एकजुट हैं। अंदर से वे केवल एक-दूसरे की टांग खींचते हैं, यह मुझे पता है।

झारखंड विस चुनाव के प्रथम चरण में 235 करोड़पति प्रत्याशी

झारखंड विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में 683 प्रत्याशी चुनावी रणक्षेत्र में भाग्य आजमा रहे हैं। इनमें 73 महिला प्रत्याशी भी शामिल हैं।

एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स और झारखंड इलेक्शन वाच ने इन प्रत्याशियों द्वारा चुनाव आयोग में दायर हलफनामे का अध्ययन किया है। रिपोर्ट के अनुसार 235 करोड़पति प्रत्याशी हैं। दस लाख से 50 लाख तक धन वाले प्रत्याशियों की संख्या सर्वाधिक है। दूसरे नंबर पर ऐसे प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं जिनके पास 50 लाख से दो करोड़ रुपये तक की संपत्ति है। तीसरे पायदान पर भाग्य आजमा रहे ऐसे प्रत्याशी हैं जिनके पास दस लाख से कम की संपत्ति है।

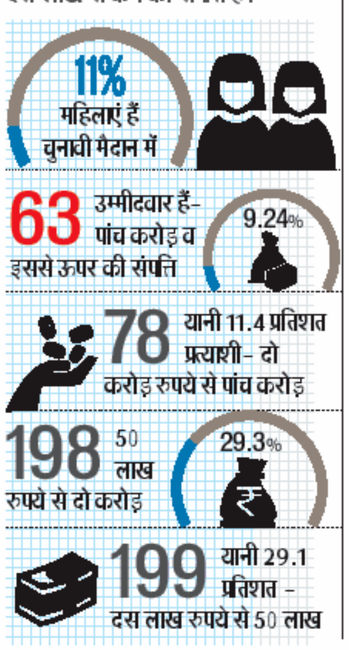

राहुल बोले,वैश्विक पर्यटन केंद्र बनाएंगे वायनाड को

वायनाड, प्रेट: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को केरल के वायनाड को विश्व के प्रमुख पर्यटन स्थलों की श्रेणी में लाने का वादा किया। वह वायनाड लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव में प्रचार के अंतिम दिन अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ शामिल हुए। प्रियंका यहां से कांग्रेस उम्मीदवार हैं और इस सीट के लिए 13 नवंबर को मतदान होगा। राहुल ने यहां रोड शो करने के बाद एक जनसभा को संबोधित किया और कहा, 'एक चुनौती के रूप में मैं वायनाड को दुनिया का सबसे अच्छा पर्यटन स्थल बनाने में उनकी (प्रियंका गांधी) मदद करूंगा।' लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि नफरत और क्रोध से लड़ने के लिए प्रेम और स्नेह ही एकमात्र हथियार हैं। जबकि प्रियंका ने कहा कि यहां के लोगों से बहुत प्यार मिल रहा है। यह खुशी की बात है। राहुल के रायबरेली से जीतने के बाद यहां उपचुनाव हो रहा है।

हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दरार डालने की कोशिश कर रहे हैं मोदी व शाह : उद्धव

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

अपने बैग की जांच पर भड़के, कहा-क्या मोदी-शाह के भी बैग की भी जांच की जाएगी

शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। यवतमाल जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह द्वारा महाराष्ट्र में रैलियां करने से कोई समस्या नहीं है। लेकिन, वे जिस तरह से 'बंटेंगे तो कटेंगे' नारे के साथ हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, वह सही नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के लिए जब वह महाराष्ट्र के यवतमाल पहुंचे तो सरकारी अधिकारियों ने उनके बैग की जांच की। उन्होंने सवाल किया है कि क्या चुनाव अधिकारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य वरिष्ठ नेताओं के भी बैग की जांच करेंगे। उन्होंने बताया कि जब वह हेलीकाप्टर से वानी पहुंचे तो कई सरकारी अधिकारियों ने उनके बैग की जांच की। उन्होंने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं का आह्वान किया कि वे उन अधिकारियों की जेबों और पहचान पत्रों की भी जांच करें जो उनकी जांच करते हैं। ठाकरे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कटाक्ष करते हुए कहा कि शाह रैलियों में अनुच्छेद-370 को हटाने का जिक्र करने से महाराष्ट्र के किसानों को कोई फायदा नहीं होगा।

'महाराष्ट्र चुनाव में हार के बाद छिन जाएगी कुर्सी'

जासं, मुरादाबाद: समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा और मुख्यमंत्री पर तीखे सियासी वार किए। मुख्यमंत्री के पीडीए का मतलब 'प्रोडक्शन हाउस आफ दंगाई एंड अपराधी' के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि 'हमारे मुख्यमंत्री को अंग्रेजी नहीं आती है। इसलिए उन्होंने पीडीए का गलत फुलफार्म बता दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि इसमें 'एच' कहां से आ गया? मुख्यमंत्री का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि दिल्ली वाले उत्तर प्रदेश की कुर्सी छीनना चाहते हैं। महाराष्ट्र की हार के बाद यहां की कुर्सी छिन जाएगी। मुख्यमंत्री के 'बंटोगे तो कटोगे' नारे पर सपा अध्यक्ष ने कहा, 'यह इन्होंने अंग्रेजों से सीखा है। यह फार्मूला अपनाकर देश के लोगों को बांटकर राज करना चाहते हैं। विद्यार्थियों पर लाठीचार्ज की घटना पर कहा कि भाजपा याद रखें कि जैसी सेवा कर रहे हैं, वैसी ही सेवा मिलेगी।

'दिवालिया कर्नाटक सरकार' गृह लक्ष्मी योजना बंद कर देगी : देवेगौड़ा

रामनगर, प्रेट: पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने कहा है कि 'दिवालिया कर्नाटक सरकार' गृह लक्ष्मी योजना को बंद कर देगी। देवेगौड़ा के बयान पर कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि भाजपा तथा जद(एस) हमेशा से राज्य की कांग्रेस सरकार द्वारा दी गई सभी गारंटियों को रोकना चाहते थे।

गृह लक्ष्मी योजना कांग्रेस सरकार की पांच गारंटियों में से एक है, जिसके तहत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों की महिला मुखियाओं को दो हजार रुपये की सहायता राशि दी जाती है। पूर्व प्रधानमंत्री ने रविवार को एक चुनावी रैली में कहा कि कांग्रेस सरकार ने खजाना खाली कर दिया है। पूरे राज्य में महिलाओं के बैंक खातों के लिए कोई गृह लक्ष्मी निधि नहीं है, लेकिन कांग्रेस ने चुनाव को ध्यान में रखते हुए चन्नपटना निर्वाचन क्षेत्र की महिलाओं के खातों में विशेष रूप से धन जमा किया है। देवेगौड़ा अपने पौत्र निखिल कुमारस्वामी के लिए वोट मांगने चन्नपटना में थे, जो जद(एस) के टिकट पर विधानसभा उपचुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सरकार दिवालिया हो चुकी है। चुनाव के बाद वे फिर से पैसा जमा करना बंद कर देंगे। उनके पास बेंगलुरु में गड्ढे भरने के लिए भी पैसे नहीं हैं, लोग गुस्से में हैं।

पूर्व पीएम ने कहा कर्नाटक की कांग्रेस सरकार दिवालिया हो चुकी है

नए राजनीतिक समीकरण की ओर बढ़ रहा बिहार

अरविंद शर्मा ● जागरण

- जातीय समीकरण में उलटफेर सत्ता की सियासत पर डाल सकता है असर
- प्रशांत किशोर की जन सुराज ने दो दशक बाद चुनाव को बनाया रोचक
- परिणाम बताएगा कि विस चुनाव के पहले बिहार में कैसी बिसात बिछेगी
- प्रशांत किशोर की जन सुराज ने दो दशक बाद चुनाव को बनाया रोचक

नई दिल्ली: लोकसभा चुनाव के बाद बिहार में चार सीटों पर हो रहे उपचुनाव का कोई सटीक पूर्वानुमान नहीं है। प्रशांत किशोर (पीके) की नई पार्टी जन सुराज ने बिहार में किसी चुनाव को लगभग दो दशक बाद पहली बार त्रिकोणीय बना दिया है। प्रचार की शैली और गठबंधनों की बेचैनी बता रही कि परिणाम बड़ा संदेश दे सकता है। जातीय समीकरण में उलट-पलट के सहारे सत्ता की सियासत पर असर डाल सकता है। चुनावी रणनीति को पीछे छोड़कर राजनीति के क्षेत्र में कदम रखने वाले पीके के लिए भी यह उपचुनाव बड़ी अग्निपरीक्षा है। साथ ही तीन दशकों से बिहार की सत्ता में गहराई तक जड़ जमाकर बैठे दोनों बड़े गठबंधनों (राजग और महागठबंधन) के लिए भी यह मुश्किल घड़ी है, क्योंकि जन सुराज का प्रयास दोनों गठबंधनों के कोर वोटरों में सेंधमारी कर अपना रास्ता बनाने का है। जाहिर है, परिणाम ही बताएगा कि बिस चुनाव के पहले सियासत की कैसी बिसात बिछेगी? राजद, जदयू एवं भाजपा के कोर वोटर कितना एकजुट रह पाएंगे? पीके किसी परिवर्तन के वाहक बनेंगे या खुद परिवर्तित होकर फिर से राजनेताओं की कुंडली बांचने लग जाएंगे? उपचुनाव के परिणाम की तरह भविष्य की संभावनाओं के भी तीन कोण होंगे। बिहार में पिछले चार दशक से भी ज्यादा समय से सवर्ण राजनीति हाशिये पर है। राजद ने माय (यादव-मुस्लिम) समीकरण के सहारे भाजपा को अपने बूते बिहार की सत्ता से वंचित रखा है। नीतीश कुमार के जदयू ने अन्य पिछड़ी जातियों को गोलबंद कर भाजपा एवं राजद की राजनीति को संतुलित करके रखा है। इधर, जन सुराज की रणनीति से लग रहा कि बिहार की राजनीति में कुछ होने जा रहा है।

बिहार उपचुनाव को लेकर प्रशांत किशोर की पार्टी की अर्जी खारिज

नई दिल्ली, प्रेट: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राजनीतिक रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें बिहार में 13 नवंबर को होने वाले उपचुनावों को स्थगित करने की मांग की गई थी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि बिहार उपचुनाव के लिए सभी इंतजाम कर लिए गए हैं। अन्य राजनीतिक दलों को कोई समस्या नहीं है। केवल आपको ही समस्या है। आप एक नई पार्टी हैं, आपको इन उलझनों को समझने की जरूरत है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा उप्र, पंजाब और केरल में धार्मिक आयोजनों के आधार पर आगे बढ़ा दी गईं, जबकि बिहार में छठ पूजा के बावजूद ऐसा नहीं किया गया।

****

न्यूज गैलरी

राहुल और खरगे के खिलाफ दर्ज हो एफआइआर : भाजपा

नई दिल्ली : भाजपा ने सोमवार को चुनाव आयोग से आग्रह किया है कि महाराष्ट्र में दुर्भावनापूर्ण चुनाव अभियान चलाने के लिए कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने का निर्देश दिया जाए। आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने अभियान के दौरान कहा गया कि आइफोन फैक्ट्री और बोइंग यूनिट सहित विभिन्न परियोजनाओं को महाराष्ट्र से गुजरात ले जाने की बात कही गई। निराधार आरोप लगाया कि भाजपा संविधान को खत्म करना चाहती है। (प्रेट्र)

शिवराज के खिलाफ जमानती वारंट की तामील पर रोक

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट से केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को मानहानि मामले में राहत मिली है। कोर्ट ने सोमवार को शिवराज और मध्य प्रदेश के दो अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ जमानती वारंट की तामील पर रोक लगा दी। यह मामला कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा की ओर से दायर किया गया है। जस्टिस ऋषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने मानहानि मामले को रद करने से इन्कार करने के मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली शिवराज और अन्य भाजपा नेताओं की याचिका पर तन्खा से जवाब मांगा है। (प्रेट्र)

नशे में धुत तृणमूल कार्यकर्ताओं ने कांग्रेसियों को धमकाया

बेंगलुरु : कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यह आरोप साबित कर दें कि कांग्रेस सरकार ने चुनावी राज्यों के लिए 700 करोड़ रुपये की उगाही की है तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री को यह चुनौती भी दी है कि अगर वह महाराष्ट्र के अकोला में लगाए गए आरोप को साबित करने में विफल रहते हैं तो उन्हें त्यागपत्र दे देना चाहिए। आज मैं प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती देता हूं कि अगर वह इन आरोपों को साबित कर सकते हैं तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। (राब्यू)

केरल में जमीन पर वक्फ बोर्ड का दावा, विरोध में प्रदर्शन

कोच्चि : केरल के एर्नाकुलम जिले के मुनंबम गांव के निवासियों की जमीन पर वक्फ बोर्ड ने दावा किया है। इसे लेकर पिछले एक महीने से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। कोट्टापुरम के बिशप एम्ब्रोस पुथेनवीटिल व मुनंबम के भू संरक्षण समिति के संयोजक जोसेफ बेनी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। जोसेफ ने बताया कि मुख्यमंत्री ने स्थायी समाधान का वादा किया है। (प्रेट्र)

कर्तव्य पथ की ओर बढ़ते कदम...

झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान संपन्न कराने के लिए सोमवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में जाने हेतु ईवीएम एवं अन्य सामग्रियों के साथ हेलीकाप्टर में सवार होते मतदानकर्मी। प्रेट्र

कांग्रेस का डीएनए ही हिंदू और सनातन विरोधी : भाजपा

नई दिल्ली, एएनआइ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस का डीएनए ही हिंदू और सनातन विरोधी है। इसलिए कांग्रेस अब कह रही है कि गेरुआ और भगवा वस्त्र यानी साधु के कपड़े पहनने वालों को राजनीति में नहीं आना चाहिए। पार्टी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने साधुओं पर खरगे की टिप्पणी पर कांग्रेस से सवाल किया कि क्या वह मौलाना और मौलवी के बारे में कभी ऐसा कहेंगे? केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी व पीयूष गोयल ने भी खरगे की टिप्पणी की कड़ी निंदा की। खरगे ने बीते रोज मुंबई में योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बिना उन पर कटाक्ष किया था। खरगे ने कहा था कि कई नेता साधु के वेश में रहते हैं और अब राजनेता बन गए हैं। कुछ तो मुख्यमंत्री भी बन गए हैं। मैं भाजपा से कहूंगा कि या तो सफेद कपड़े पहनें या अगर आप संन्यासी हैं तो गेरुआ कपड़े पहनें, फिर राजनीति से बाहर हो जाएं।

पार्टी प्रवक्ता पूनावाला ने खरगे से पूछा- क्या वह मौलाना व मौलवी के बारे में कभी ऐसा कहेंगे?

शहजाद पूनावाला।

भाजपा प्रवक्ता पूनावाला ने कहा कि यह वही कांग्रेस है जो भगवा आतंकवाद और हिंदू आतंकवाद के बारे में बोलती है। यह लोग कभी भी अन्य धर्मों के बारे में ऐसी बातें नहीं कहते। यह दर्शाता है कि कांग्रेस ने अपने वोटबैंक के लिए हिंदू धर्म को कैसे चोट पहुंचाई है। वे बंटोगे तो कटोगे को सांप्रदायिक और वोट जिहाद को धर्मनिरपेक्ष मानते हैं। यह कांग्रेस के असली सोच को दर्शाता है। यह पार्टी शुरू से ही हिंदू और सनातन धर्म विरोधी रही है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने भी कांग्रेस पार्टी और उसके अध्यक्ष खरगे पर भाजपा के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर निशाना साधा। कहा- "भाजपा सभी के लिए न्याय और किसी का तुष्टिकरण नहीं करने की पक्षधर है। बटला हाउस मामले में एक आतंकवादी मारा गया था। सोनिया गांधी ने उस आतंकवादी के लिए आंसू बहाए। यह प्रकरण कांग्रेस की नीयत को साफ दर्शाता है। भाजपा सभी के लिए न्याय और किसी का तुष्टिकरण नहीं करने की पक्षधर है। यह हमारी हमेशा की नीति है। कांग्रेस लोकसभा चुनाव में अपनी हार को अभी तक पचा नहीं पाई है, इसलिए उसके नेता इस तरह की अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।" केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी खरगे के बयान को बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि एक व्यक्ति जिसने पूरा जीवन समाज की सेवा के लिए समर्पित कर दिया और अपना बचपन नाथ संप्रदाय के साथ बिताया। समाज की सेवा करने के इरादे से राजनीति में प्रवेश किया, उसे इस तरह की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

बिगड़े बोल ▶ जदएस ने मंत्री जमीर को कैबिनेट से हटाने की मांग की

कर्नाटक के मंत्री ने केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी को कहा-कालिया

रामनगर, प्रेट्र : कर्नाटक सरकार के मंत्री बीजेड जमीर अहमद खान के केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी को 'कालिया' बुलाकर अभद्र टिप्पणी करने पर राजनीतिक भूचाल आ गया है। उन्होंने कहा, 'कालिया कुमारस्वामी भाजपा से ज्यादा खतरनाक हैं।' जदएस ने इसका कड़ा विरोध करते हुए कांग्रेस सरकार से मंत्री जमीर अहमद खान को तुरंत बर्खास्त करने की मांग की। साथ ही केंद्र सरकार के घटक जदएस ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कांग्रेस के कई नेताओं की त्वचा का रंग पूछा। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने भी इस नस्ली टिप्पणी की कड़ी निंदा की है।

आहत जदएस ने सोमवार को कांग्रेस सरकार से तत्काल प्रभाव से अपने मंत्री बीजेड जमीर अहमद खान को बर्खास्त करने की पुरजोर मांग की है। जदएस ने एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए खान को नस्ली कहा। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने इसकी कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह वैसी ही नस्ली टिप्पणी है जैसे राहुल गांधी के सलाहकार सैम पित्रोदा ने दक्षिण भारतीयों को अफ्रीकी जैसा, पूर्वोत्तर भारतीयों को चीनी जैसा और उत्तर भारतीयों को अरब सरीखा बताया था। विगत रविवार को रामनगर में एक चुनावी जनसभा में जमीर अहमद खान ने कहा कि चनपटना के कांग्रेस प्रत्याशी सीपी योगेश्वर के पास पहले भाजपा में शामिल होने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। हमारी पार्टी में मतभेद के चलते उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ा था। वह जदएस में शामिल होने को 'कालिया कुमारस्वामी' के कारण नहीं तैयार थे। चूंकि वह भाजपा से भी ज्यादा खतरनाक है। लेकिन अब योगेश्वर वापस अपने घर में आ गए हैं। खान ने यह भी आरोप लगाया कि कुमारस्वामी कह चुके हैं कि उन्हें मुस्लिम वोटों की जरूरत नहीं। उन्हें लगता है वह मुसलमानों के वोट खरीद सकते हैं। हालांकि बाद में खान ने अपनी सफाई में कहा कि कुमारस्वामी उनको 'कुल्ला' (बौना) बुलाते थे और वह उन्हें करियन्ना (काला भाई) बुलाते थे। अब हम भले ही दो अलग दलों में हों, क्या वह अपने पुराने मित्र को करियन्ना भी नहीं कह सकते? ध्यान रहे चनपटना विधानसभा के उप चुनाव में योगेश्वर की कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी से सीधी टक्कर है जो जदएस के टिकट पर बतौर राजग प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस घटना के बाद राज्य में राजनीति गरमा गई है।

केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू बोले-खान की नस्ली टिप्पणी सैम पित्रोदा जैसी

एचडी कुमारस्वामी।

जमीर अहमद खान।

कर्नाटक के राज्यपाल का मंत्री जमीर पर कार्रवाई का निर्देश

बेंगलुरु, प्रेट्र : कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने राज्य के मंत्री बीजेड जमीर अहमद खान के खिलाफ अदालत की अवमानना की शिकायत पर कार्रवाई शुरू करने का एडवोकेट जनरल को निर्देश दिया है। कर्नाटक के मंत्री खान के मुडा मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के खिलाफ जांच आदेश को एक 'राजनीतिक फैसला' कहने पर यह कदम उठाया जा रहा है। राजभवन के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि कानून के दायरे में मंत्री खान के खिलाफ जरूरी कार्रवाई करने के लिए एडवोकेट जनरल को एक पत्र भेजा गया है। ध्यान रहे कि समाजसेवी टीजे अब्राहम ने विगत 21 अक्टूबर को राज्यपाल गहलोत से मुलाकात करके एडवोकेट जनरल को मंत्री बीजेड जमीर अहमद खान के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की अपील की थी। अब्राहम ने कहा कि खान ने सिद्दरमैया के खिलाफ जांच के हाई कोर्ट के आदेश को 'राजनीतिक फैसला' कहा था।

थावरचंद गहलोत।

केंद्रीय मंत्री ने जस्टिस डी कुन्हा को एजेंट बताया, राज्य सरकार ने की शिकायत

बेंगलुरु, प्रेट्र : केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने 2020 की कोविड महामारी में कर्नाटक में पूर्ववर्ती भाजपा सरकार द्वारा पीपीई किट की खरीद की जांच कर रहे जस्टिस माइकल डी कुन्हा पर एक एजेंट के रूप में कार्य करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जस्टिस माइकल डी कुन्हा, आप एक न्यायाधीश हैं, एजेंट नहीं। इस मामले को लेकर राज्य में सियासत शुरू हो गई है।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव और राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी से उनके कथित बयान के लिए माफी की मांग की है। राव और गौड़ा ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत को एक शिकायत पत्र सौंपकर जोशी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। गौड़ा और राव द्वारा की गई शिकायत में न्याय को कमजोर करने और उचित प्रक्रिया में हस्तक्षेप की खतरनाक मिसाल कायम करने के लिए जांच आयोग अधिनियम की धारा 10ए के तहत जोशी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत में कहा गया है, जस्टिस के प्रयासों की निंदा करके प्रहलाद जोशी ने संवैधानिक रूप से स्वीकृत जांच को जनबूझकर राजनीतिक मुद्दा बनाने का प्रयास किया है। गौरतलब है कि शिगांव में रविवार को एक चुनावी रैली में 'डी कुन्हा रिपोर्ट' की आलोचना करते हुए प्रहलाद जोशी ने जस्टिस डी कुन्हा पर 'एजेंट' के रूप में काम करने का आरोप लगाया था। हालांकि, बाद में प्रल्हाद जोशी ने मीडिया के सामने अपनी टिप्पणी का बचाव किया और कहा कि उन्होंने यह आरोप इसलिए लगाया क्योंकि अंतरिम रिपोर्ट में येदियुरप्पा या श्रीरामुलु को कोई नोटिस जारी नहीं किया गया था। इसलिए, मैंने पूछा है कि यह आयोग है या 'कमीशन एजेंट'।

राज्य में पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में खरीदी गई पीपीई किट की जांच कर रहे जस्टिस डी कुन्हा

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री और राजस्व मंत्री ने केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी से की मांफी की मांग

प्रल्हाद जोशी।

दिनेश गुंडु राव।

किसानों को परेशान करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, प्रेट्र : तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को राज्य भर में अनाज खरीद के दौरान किसानों को परेशान करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का सख्त निर्देश दिया है। उन्होंने अधिकारियों को उन व्यापारियों के खिलाफ आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम (ईएसएमए) लागू करने पर विचार करने का निर्देश दिया, जो इन लेनदेन में किसानों को धोखा देने या परेशान करने का प्रयास करते हैं। तेलंगाना के विभिन्न हिस्सों में किसानों को असुविधा पैदा करने वाली घटनाओं की रिपोर्ट मिलने के बाद मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों से सीधे बात की और उनसे किसान सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। कार्रवाई पर रोक लगाने पर जोर दिया।

बांधवगढ़ में अब तेंदुए की मौत, 10 लोगों पर किया था हमला

नईदुनिया प्रतिनिधि, उमरिया : मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में स्थित बांधवगढ़ मानपुर परिक्षेत्र के खोरही वन बीट से शनिवार को रेस्क्यू किए गए लगभग ढाई साल के तेंदुए की मौत हो गई है। रेस्क्यू के दौरान हालत बिगड़ने पर तेंदुए को उपचार के लिए रीवा जिले में स्थित मुकुंदपुर टाइगर सफारी ले जाया गया था। वहां उसकी मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि तेंदुआ खोरही वन बीट में हिंसक हो गया था और इसने 10 लोगों को हमला कर घायल कर दिया था। इसके बाद ही इसका रेस्क्यू किया गया।

मध्य प्रदेश में 10 हाथियों की मौत, उसके बाद तेंदुए के हिंसक होने और रेस्क्यू के बाद हालत बिगड़ने पर उपचार के दौरान उसकी मौत से वन अमले को झटका लगा है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के जंगल से लगी ग्राम पंचायत हिरौली के ग्राम कुदरी में शुक्रवार को पहले तो तेंदुए ने एक युवक को घायल कर दिया था। लोग युवक को बचाने दौड़े तो तेंदुआ गांव में घुस गया और एक घर में घुसने के बाद उसने एक युवती पर भी हमला कर उसे घायल कर दिया। तेंदुआ ने उसी शाम एक वृद्ध पर भी हमला कर दिया था। इसके बाद कुदरी में गांव के बाहर नाले के पास तेंदुआ छिपा हुआ था। इसका रेस्क्यू करने टीम पहुंची तो तेंदुआ शाम को अचानक सामने आया और टीम पर भी हमलावर हो गया। वन अधिकारियों का कहना है कि तेंदुए ने तीन वन कर्मियों समेत करीब 10 लोगों पर हमला किया, जिनमे से कुछ का उपचार चल रहा है।

पांच वर्षीय सौतेली बेटी से दुष्कर्म में तमिलनाडु के व्यक्ति को मृत्युदंड

पथानमथिट्टा, प्रेट्र : केरल की एक अदालत ने सोमवार को पांच वर्षीय सौतेली बेटी से दुष्कर्म और हत्या मामले में तमिलनाडु के व्यक्ति को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। पथानमथिट्टा के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय (पोक्सो अदालत) ने 26 वर्षीय दोषी एलेक्स पांडियन पर दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

पुलिस द्वारा जारी बयान के अनुसार नशे में चूर व्यक्ति ने बच्ची के साथ ऐसी नृशंसता की है, जिसे जानवर भी नहीं कर सकता। दोषी ने कुंबाझा के पास 5 अप्रैल 2021 को अपने किराये के घर में इस घटना को अंजाम दिया। घटना की जानकारी तब सामने आई जब दो महिलाएं बच्ची को रात तीन बजे पथानमथिट्टा जिला अस्पताल लेकर पहुंचीं। चिकित्सकों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया और पुलिस को सूचना दी। बच्ची के शरीर में 67 जख्म थे, जो काटने, छुरा घोंपने समेत अन्य चीजों के थे। बच्ची का अमानवीय रूप से यौन शोषण किया गया था।

सामूहिक दुष्कर्म के दोषी को सुनाई गई अंतिम सांस तक कैद की सजा

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : इंदौर के सत्र न्यायाधीश ने युवती से सामूहिक दुष्कर्म के दोषी दीपक चौहान को अंतिम सांस तक कैद की सजा सुनाई है। दीपक ने दो नाबालिग साथियों के संग घर में घुसने के बाद चाकू दिखाकर युवती को डरा-धमकाया और सामूहिक दुष्कर्म किया था। वारदात 14 मई 2021 की है। लसूडिया थाना क्षेत्र की युवती ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह सिलाई करती है। रात करीब दो बजे तीन लोग घर में घुस गए। तीनों ने चाकू की नोक पर उसके साथ लूट की और फिर बारी-बारी दुष्कर्म किया। आरोपितों ने धमकी भी दी थी कि यह बात पुलिस को बताई तो वे जान से मार देंगे। पुलिस ने तीनों आरोपितों को हिरासत में ले लिया। जिला अभियोजन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि नाबालिग आरोपितों के खिलाफ बाल न्यायालय में प्रकरण चल रहा है।

आरजी कर : अदालत में बंद दरवाजों के पीछे शुरू हुई सुनवाई

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में महिला डाक्टर से दरिंदगी मामले पर सोमवार से कोलकाता की सियालदह अदालत में बंद दरवाजों के पीछे सुनवाई शुरू हो गई। अदालत के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पहले दिन मृतका के पिता व उनके पड़ोसी के बयान गवाह के तौर पर दर्ज किए गए। मालूम हो कि घटना के सामने आने के बाद इन्हीं पड़ोसी ने अपना परिचय मृतका के काकू के तौर पर दिया था। मामले में मुख्य आरोपित सिविक वालंटियर संजय राय को भी अदालत में पेश किया गया। करीब तीन घंटे तक अदालती कार्यवाही चली, बाहर निकलने पर मृतका के पिता और पड़ोसी व्यक्ति ने मामले के विचाराधीन होने के कारण कुछ भी कहने से इन्कार कर दिया। मालूम हो कि इस मामले पर छुट्टी के दिनों को छोड़कर रोजाना सुनवाई होगी। इस केस में कुल 51 गवाह हैं। इन सभी के बयान दर्ज किए जाएंगे।

वहीं आरजी कर कांड में सीबीआइ अब पूरक आरोप पत्र दाखिल कर सकती है। जिसमें साजिशकर्ता के रूप में दो नाम सामने लाए जाएंगे। इसमें घटना के बाद शुरुआती चरण की जांच के दौरान सुबूतों से छेड़छाड़ और उसमें किए गए बदलाव का विवरण होगा। कलकत्ता हाई कोर्ट द्वारा जांच का जिम्मा सीबीआइ को सौंपे जाने से पहले प्रारंभिक चरण की जांच कोलकाता पुलिस द्वारा की गई थी। सूत्रों ने बताया कि आरजी कर मेडिकल कालेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और टाला थाने के पूर्व प्रभारी अभिजीत मंडल के नाम पूरक आरोप पत्र में जोड़े जा सकते हैं। दोनों अभी जेल में हैं।

तत्कालीन पुलिस आयुक्त ने मुझे फंसाया : मुख्य आरोपित : दूसरी तरफ अदालत में सुनवाई के बाद वापस कैदियों के वैन में चढ़ाए जाते वक्त मुख्य आरोपित संजय राय ने चीखते हुए खुद को फिर निर्दोष बताया। उसने कहा कि कोलकाता पुलिस के आयुक्त रहे विनीत गोयल और कोलकाता पुलिस के खुफिया विभाग के विशेष उपायुक्त ने साजिश करके उसे मामले में फंसाया है। राज्य सरकार ने भी उनका समर्थन किया है। मालूम हो कि विनीत गोयल को जूनियर डाक्टरों की मांग पर ममता सरकार हटा चुकी है। कोलकाता पुलिस के खुफिया विभाग के विशेष उपायुक्त विदित राज बुंदेश हैं।

तोड़ी गई मृत डाक्टर की सांकेतिक मूर्ति : कलकत्ता मेडिकल कालेज में लगाई गई मृत डाक्टर की सांकेतिक मूर्ति को तोड़े जाने की घटना सामने आई है। आरजी कर कांड के विरोध के तौर पर मूर्ति तैयार करके वहां रखी गई थी। उसे अज्ञात लोगों ने तोड़ दिया है। इसे लेकर अभी तक पुलिस में मामला दर्ज नहीं किया गया है।

पहले दिन मृतका के पिता व पड़ोसी के बयान गवाह के तौर पर दर्ज किए गए

पूर्व प्रिंसिपल और पूर्व थाना प्रभारी को बनाया जाएगा साजिशकर्ता

आर जी कर मेडिकल कालेज की प्रशिक्षु डाक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के विरोध में जूनियर डाक्टरों ने मशाल लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए 'जनता आरोप पत्र' जारी किया। प्रेट्र

आरजी कर मेडिकल कालेज में नर्सिंग छात्रा ने किया आत्महत्या का प्रयास

आरजी कर मेडिकल कालेज के हास्टल में नर्सिंग की एक छात्रा ने आत्महत्या की कोशिश की। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार रात रूममेट के साथ कमरे की बत्ती बंद करने को लेकर हुए बहस के बाद उसने आत्महत्या का प्रयास किया। उसके हाथ पर भी चोट के निशान हैं। छात्रा को आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल के ट्रामा केयर सेंटर में भर्ती कराया गया है। वह पुरुलिया जिले की रहने वाली है। आरजी कर अस्पताल में नर्सों के संगठन नर्सेज यूनिटी की सदस्या भास्वती मुखर्जी ने कहा कि अस्पताल हो या हास्टल, दोनों जगहों पर सुरक्षित माहौल बनाना जरूरी है।

रणनीति

अध्यक्ष पद पर सैलजा की नियुक्ति रोकने को हुड्डा खेमा हो रहा सक्रिय, विधायक दल के नेता पद पर हुड्डा समर्थक को जिम्मेदारी मिलनी तय, गीता भुक्कल के बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में शामिल होने से चर्चाएं बलवती

विधायक दल के नेता व अध्यक्ष के लिए हरियाणा कांग्रेस में खींचतान

अनुराग अग्रवाल, जागरण

चंडीगढ़ : राजनीति में संभावनाओं का खेल कब असलियत में बदल जाए, कहा नहीं जा सकता। विधानसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में कांग्रेस की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की बजाय झज्जर की विधायक गीता भुक्कल के शामिल होने से नई चर्चाओं को जन्म मिला है। कयास लगाए जाने लगे हैं कि गीता भुक्कल को कांग्रेस विधायक दल का नया नेता बनाया जा सकता है और थानेसर के विधायक अशोक अरोड़ा को हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। गीता भुक्कल और अशोक अरोड़ा दोनों पूर्व मंत्री हैं। दोनों की गिनती पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के करीबी तथा भरोसेमंद नेताओं में होती है।

कांग्रेस विधायक दल के नेता के लिए गीता भुक्कल और अशोक अरोड़ा दोनों प्रबल दावेदार हैं। पूर्व विधानसभा स्पीकर एवं बेरी के विधायक डा. रघुबीर कादियान की दावेदारी को भी नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है। कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा खेमे की ओर से पंचकूला के विधायक एवं पूर्व डिप्टी सीएम चंद्रमोहन बिश्नोई का नाम विधायक दल के नेता के लिए तथा प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए असंध से चुनाव हार चुके पूर्व विधायक शमशेर सिंह गोगी का नाम उछाला जा रहा है। सैलजा स्वयं प्रदेश अध्यक्ष पद की मजबूत दावेदार हैं। कांग्रेस की ओर से सोमवार को हुई विधानसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में गीता भुक्कल को भेजने का मतलब साफ है कि उन्हें पार्टी बड़ी जिम्मेदारी देने के मूड में है।

कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर चौधरी उदयभान को बरकरार रखने की कोशिश होगी

जरूरत पड़ी तो उनके स्थान पर अशोक अरोड़ा को दी जा सकती है जिम्मेदारी

कुमारी सैलजा। फाइल

गीता भुक्कल। फाइल

उदयभान को अध्यक्ष बनवाए रखना चाहेंगे हुड्डा

कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर चौधरी उदयभान को बरकरार रखने अथवा जरूरत पड़ी तो उनके स्थान पर अशोक अरोड़ा को जिम्मेदारी दिलाने की पूरी कोशिश रहेगी। सैलजा यदि कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष बनती हैं तो यह हुड्डा गुट के लिए सबसे बड़ा झटका होगा। कांग्रेस हाईकमान यदि सैलजा के प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए हुड्डा को विधायक दल का नेता नहीं बनाता तो उनके स्थान पर गीता भुक्कल को यह जिम्मेदारी दी जा सकती है, क्योंकि कांग्रेस के चुनाव जीते 37 विधायकों में 33 हुड्डा समर्थक हैं।

सैलजा को रोकने के लिए हुड्डा की रणनीति : भूपेंद्र हुड्डा और सैलजा की लड़ाई में इस समय दो बड़े पद फंसे हुए हैं। पहला तो विधायक दल के नेता का चयन और दूसरा प्रदेश अध्यक्ष के पद पर नई नियुक्ति। पार्टी प्रभारी दीपक बाबरिया पहले ही पद छोड़ने की इच्छा जता चुके हैं और कांग्रेस हाईकमान ने बाबरिया की इस इच्छा का सम्मान करते हुए जितेंद्र बघेल को सह प्रभारी की जिम्मेदारी सौंप दी है। ऐसे में अब सैलजा व हुड्डा खेमों द्वारा अध्यक्ष तथा विधायक दल के नेता के पद पर अपनी-अपनी गोटियां फिट करने की पूरी कोशिश हो रही है। कांग्रेस के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कुमारी सैलजा को दोबारा पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है। उन्हें केसी वेणुगोपाल के स्थान पर शीर्ष संगठन में बड़ी जिम्मेदारी भी दिए जाने की चर्चा है। ऐसे में हुड्डा गुट किसी भी सूरत में सैलजा को प्रदेश अध्यक्ष नहीं बनने देना चाहेगा।

आतंकी गतिविधियों में संलिप्त कर्मचारियों की बर्खास्तगी के विरोध में महबूबा मुफ्ती

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू

राष्ट्रविरोधी और आतंकी गतिविधियों में संलिप्त सरकारी अधिकारियों व कर्मियों को सेवामुक्त किए जाने के खिलाफ पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को पत्र लिखा। मुफ्ती ने ऐसी गतिविधियों में संलिप्त सरकारी अधिकारियों को सेवामुक्त करने की नीति की समीक्षा करने और इसके लिए समिति बनाने की मांग की है।

पीडीपी प्रमुख ने कहा कि समीक्षा समिति उन सभी लोगों के मामलों की पुनर्मूल्यांकन करे जिन्हें बीते चार वर्ष में आतंकियों और अलगाववादियों के साथ तथाकथित संबंधों के आरोप में बर्खास्त किया गया है। प्रभावित व्यक्तियों या उनके परिवारों को पक्ष रखने का मौका दिया जाए। पीड़ित परिवारों को तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान करे। बता दें कि पांच अगस्त 2019 के बाद प्रदेश प्रशासन ने सरकारी तंत्र में छिपे बैठे आतंकियों और अलगाववादियों के मददगारों के खिलाफ एक अभियान चलाया। जिसके तहत संविधान की धारा 311 (2) (सी) के प्रविधानों का प्रयोग कर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अब तक 74 सरकारी अधिकारियों व कर्मियों को सेवाएं समाप्त की हैं। इनमें प्रोफेसर, डाक्टर, पुलिस अधिकारी, पुलिस कर्मी व एसडीएम रैंक तक के अधिकारी शामिल हैं। इन सभी को जम्मू-कश्मीर पुलिस के खुफिया विंग व केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के आधार पर बर्खास्त किया गया है।

74 सरकारी अधिकारियों,कर्मियों की सेवाएं हुई समाप्त, समर्थन में पीडीपी प्रमुख ने लिखा पत्र

बिना किसी उचित प्रक्रिया को अपनाए सरकारी अधिकारियों व कर्मियों को बर्खास्त किए जाने की नीति से कई परिवार तबाह और बेसहारा हो गए हैं। ऐसे मामलों के लिए एक समीक्षा समिति बनाई जाए।

-महबूबा मुफ्ती, एक्स हैंडल पोस्ट

सिलक्यारा सुरंग : भूस्खलन के एक वर्ष बाद भी तेज नहीं हुआ निर्माण कार्य

शैलेंद्र गोदियाल ● जागरण

- बीते वर्ष 12 नवंबर को सुरंग में भूस्खलन होने से 17 दिन अंदर फंसे रहे 41 श्रमिक, उन्हें बचाने को चलाया गया था बड़ा रेस्क्यू अभियान
- अभी भी 211 मीटर सुरंग का निर्माण शेष, भूस्खलन वाले हिस्से में मलबा अब भी चुनौती, सुरंग में सुरक्षा को लेकर जरूर हुए कुछ बदलाव

बीते वर्ष रेस्क्यू अभियान के दौरान सिलक्यारा सुरंग का दृश्य। जागरण आर्काइव

उत्तरकाशी: उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री हाईवे पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में पिछले वर्ष 12 नवंबर को भूस्खलन से 41 श्रमिक फंस गए थे, जो 17 दिन तक वहीं कैद रहे। श्रमिकों को बचाने के लिए एक बड़ा बचाव अभियान चलाया गया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को भी शामिल किया गया। इस हादसे के बाद सुरंग में सुरक्षा को लेकर कुछ बदलाव जरूर हुए हैं, लेकिन निर्माण की गति में प्रभावी तेजी नहीं आ पाई। अभी भी 211 मीटर सुरंग का निर्माण शेष है और भूस्खलन वाले हिस्से में मलबा चुनौती बना हुआ है। हालांकि, सुरंग के अंदर भूस्खलन के मलबे को हटाने के लिए बड़ी सावधानी और तकनीकी से काम किया जा रहा है। मलबे को सीमेंट से ठोस अवस्था में बदलने और फिर काटकर तीन ड्रिफ्ट सुरंग बनाई जा रही हैं। एक ड्रिफ्ट सुरंग तो बन चुकी है। इसके बाद सुरंग के अंदर एकत्र आठ लाख क्यूबिक मीटर पानी की डीवाटरिंग (ठोस सामग्री या मिट्टी से पानी या नमी को हटाने की प्रक्रिया) की गई। वहीं, कमेटी ने इसी सितंबर में अपनी विस्तृत जांच रिपोर्ट सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय को सौंपी है। इसमें हादसे के लिए कार्यदायी संस्था और निर्माण कंपनी की गंभीर लापरवाही को इंगित किया गया है।

यमुनोत्री हाईवे पर चारधाम आलवेदर परियोजना की 4,531 मीटर लंबी सिलक्यारा सुरंग का निर्माण वर्ष 2018 में शुरू हुआ। तब राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढांचा विकास निगम (एनएचआइडीसीएल) ने इस सुरंग के निर्माण का जिम्मा मुख्य कंस्ट्रक्शन कंपनी नवयुग इंजीनियरिंग को सौंपा था। सिलक्यारा की ओर से नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी और बड़कोट की ओर से पेटी कांट्रेक्टर कंपनी गजा कंस्ट्रक्शन ने सुरंग निर्माण का कार्य शुरू किया।

बीते वर्ष 12 नबंबर तक सिलक्यारा की ओर से 2,400 मीटर और बड़कोट की ओर से 1,640 मीटर की खोदाई हो चुकी थी। इस बीच 12 नवंबर 2023 को सुबह पांच बजे सिलक्यारा सुरंग में हादसा हो गया। इस दौरान सुरक्षा मानकों को लेकर तमाम सवाल उठे। हादसे के बाद 23 जनवरी, 2024 को सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय की ओर से निर्माण शुरू करने के आदेश मिले। नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी ने पेटी कांट्रेक्टर गजा कंस्ट्रकशन कंपनी को साइडलाइन कर बड़कोट की ओर से काम शुरू किया। सबसे पहले सुरंग में कास सुरंग, टनल फेस पर हेडिंग, बेंचिंग व इनवर्ट का कार्य शुरू किया गया।

सिलक्यारा की ओर से सुरंग के मुहाने से लेकर भूस्खलन वाले क्षेत्र के बीच करीब 120 मीटर हिस्से में ह्यूम पाइप व आरसीसी बाक्स डालकर निकास सुरंग बनाई गई। निर्माण में किसी तरह की लापरवाही न हो, इसके लिए एनएचआइडीसीएल और संबंधित कंपनी पूरी गंभीरता के साथ निगरानी कर रही है।

अभी भी निर्माण में बाधा बन रहा भूस्खलन का मलबा

सिलक्यारा छोर से भूस्खलन का मलबा सुरंग निर्माण में अभी भी बाधा बना हुआ है। भूस्खलन के कारण सुरंग के अंदर बनी कैविटी का भी उपचार नहीं हुआ है। भले ही मलबा हटाने के लिए आस्ट्रिया के विशेषज्ञ सहयोग दे रहे हैं। विशेषज्ञों के सुझाव पर 55 मीटर क्षेत्र में फैले मलबे को हटाने के लिए तीन ड्रिफ्ट सुरंग बनाई जा रही हैं। एक ड्रिफ्ट सुरंग का निर्माण सितंबर में हो चुका था, इसके बाद सुरंग के अंदर भरे पानी की डीवाटरिंग की गई। दूसरी ड्रिफ्ट सुरंग 40 प्रतिशत तैयार हो चुकी है, जबकि तीसरी पर निर्माण कार्य अभी शुरू नहीं हुआ। निर्माण कंपनी के अधिकारियों के अनुसार ड्रिफ्ट सुरंग की सुरक्षा के लिए फाइबर ग्लास के राक बोल्ट से ड्रिलिंग और ग्राउटिंग की जा रही। अभी 3,000 फाइबर ग्लास के राक बोल्ट चीन से मंगवाए गए हैं। 70 एमएम के ये फाइबर राक बोल्ट भारत में उपलब्ध नहीं हैं। इन राक बोल्ट का उपयोग भूस्खलन के कारण बनी कैविटी के उपचार और ड्रिफ्ट सुरंग की मजबूती के लिए किया जा रहा है। जिन्हें बाद में सुरंग के डिजाइन के अनुसार काटकर हटाया जा सके।

सिलक्यारा सुरंग में भूस्खलन के मलबे को हटाने के लिए इस तरह से ड्रिफ्ट टनल बनाई जा रही है, एक ड्रिफ्ट टनल बनकर तैयार गई है। साभार एनएचआइडीसीएल

अभी तक मंत्रालय की ओर से कार्यवाही से संबंधित कोई आदेश नहीं मिला है। बीते वर्ष जब हादसा हुआ, तब

सुरंग की खोदाई का कार्य करीब 450 मीटर शेष था। वर्तमान में 211 मीटर शेष है। मलबा हटाने को तीन ड्रिफ्ट सुरंग बन रही हैं। एक तैयार है। इससे सुरंग के अंदर जमा आठ लाख क्यूबिक मीटर डीवाटरिंग की गई।

-अंशु मनीष खलखो, निदेशक, एनएचआइडीसीएल, दिल्ली

आपदा प्रबंधन से सुझाव के बाद भी लागू नहीं हुई एसओपी

सिलक्यारा सुरंग हादसे में खोज-बचाव अभियान के दौरान कई खामियां सामने आईं। जैसे अभियान लीड करने, विशेषज्ञों से समन्वय स्थापित करने में सरलता, विशेषज्ञों व संसाधनों से संबंधित उपलब्ध जानकारी का अभाव। कार्यदायी संस्था और निर्माण कंपनी के पास सुरंग में सुरक्षा व ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए कोई भी योजना नहीं थी। यहां तक कि श्रमिकों की सही संख्या व बायो डाटा भी कंपनी के पास भी नहीं था। इसलिए हिमालयी राज्य उत्तराखंड में सुरंग निर्माण में सुरक्षा और सुरंग के ढहने जैसी घटनाओं में खोज-बचाव अभियान के लिए सेफ्टी स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) की कमी खली। राज्य सरकार ने उत्तरकाशी आपदा प्रबंधन से सुझाव भी मांगे, लेकिन अभी एसओपी लागू नहीं हुई है।

यमुनात्री हाईवे पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग। जागरण आर्काइव

काम पर वापस नहीं लौटे 26 श्रमिक

हादसे में जो 41 श्रमिक सुरंग में फंसे रहे, उनमें से 15 ही काम पर वापस लौटे। सिलक्यारा सुरंग हादसे से पहले इस परियोजना में 800 श्रमिक काम करते थे, अब यह संख्या 500 के आसपास सिमट गई है।

कहां गई विज्ञानियों की रिपोर्ट: हादसे के बाद शासन की ओर से विस्तृत अध्ययन के लिए जांच कमेटी गठित की गई, जिसमें सर्वे आफ इंडिया और वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के विज्ञानी शामिल किए गए, लेकिन रिपोर्ट कहां है और क्या कार्यवाही हुई, इसका पता नहीं है।

एनएचआइडीसीएल और निर्माण कंपनी की चूक से हुआ था हादसा

सड़क परिवहन मंत्रालय की ओर से सिलक्यारा सुरंग ढहने के कारणों की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी गठित की गई थी। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट कुछ दिन पहले ही मंत्रालय को सौंपी है। सूत्रों के अनुसार इस रिपोर्ट में कार्यदायी विभाग एनएचआइडीसीएल और निर्माण कंपनी की गंभीर चूक मानी गई है। यह भी बताया गया कि कंपनी ने जानबूझकर निगरानी डाटा को गलत तरीके से प्रस्तुत किया। जांच समिति ने जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की संस्तुति भी की है।

सुरंग पर अभी तक हुआ 70 प्रतिशत कार्य

इस सुरंग का निर्माण 1,119.69 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। यह कार्य नौ जुलाई 2018 को शुरू हुआ, जिसे आठ जुलाई 2022 तक पूरा किया जाना था। अब इस कार्य को पूरा करने की तिथि 28 जनवरी 2026 तय की गई है। अभी तक करीब 70 प्रतिशत काम ही हुआ है।

न्यूज गैलरी

सुप्रीम कोर्ट से प्रज्वल रेवन्ना की जमानत की अपील खारिज

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने जनता दल (एस) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की ओर से दायर अपील को खारिज कर दिया। इस याचिका में दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न के मामले में उन्हें जमानत देने से इन्कार करने के कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने सोमवार को रेवन्ना की याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। प्रज्वल रेवन्ना की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि आरोप गंभीर हैं, लेकिन शिकायत में धारा 376 आइपीसी (दुष्कर्म) के अपराध का उल्लेख नहीं किया गया है। (प्रेट्र)

राजस्थान में घर में घुसकर महिला से बर्बरता

जयपुर : राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले में जिंदोली गांव के सरकारी स्कूल में मध्याह्न भोजन बनाने वाली महिला के साथ बर्बरता का मामला सामने आया है। यहां आधा दर्जन हमलावरों ने घर में घुसकर महिला की लोहे की राड से पिटाई की और फिर निर्वस्त्र कर उसके गुप्तांग में लाल मिर्च का पाउडर डाल दिया। महिला दर्द और जलन से चिल्लाती रही, पर हमलावर नहीं पसीजे। हमलावर घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। काफी देर बाद महिला के पति को सूचना मिली तो वह घर पहुंचा। उसने पहले पत्नी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से उसे अलवर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। (जासं)

होटल में शाह की बैठक बाधित करने के आरोप में गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई के एक होटल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बैठक को बाधित करने के आरोप में 53 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपित की पहचान कानपुर निवासी शक्ति प्रकाश भार्गव के रूप में हुई है। उसने रविवार को बांद्रा कुर्ला कांप्लेक्स स्थित होटल में उच्च सुरक्षा वाले कार्यक्रम में प्रवेश करने के लिए फर्जी मीडिया पहचान पत्र का इस्तेमाल किया था। पुलिस अधिकारी के अनुसार, भार्गव ने लाल इमली मिल घोटाले को लेकर शोर मचाकर बैठक में बाधा डाली और गृह मंत्री का ध्यान आकर्षित करने के लिए कागज फेंके। उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने स्थिति को तुरंत संभाल लिया और भार्गव को बैठक से बाहर ले जाकर स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। (प्रेट्र)

मणिपुर में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 11 उग्रवादी

उग्रवादियों के हमले में सीआरपीएफ के दो जवान घायल

मणिपुर के पहाड़ी इलाकों लगातार तीसरे दिन हमला

जिरीबाम, प्रेट्र: मणिपुर के जिरिबाम जिले में सोमवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 11 उग्रवादी मारे गए। बोरोबेकरा उपमंडल के जकुराडोर करोंग में यह मुठभेड़ हुई, जिसमें सीआरपीएफ के दो जवान भी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि जकुराडोर करोंग में अत्याधुनिक हथियारों से लैस उग्रवादियों ने कुछ मकानों पर हमला करने के अलावा कई दुकानों में आग लगा दी तथा सीआरपीफ शिविर पर अंधाधुंध गोलीबारी की। अधिकारियों ने बताया कि दोनों तरफ से करीब एक घंटे तक गोलीबारी हुई। हमले के बाद इलाके से पांच नागरिक लापता हैं।

इससे पहले सोमवार सुबह मणिपुर के इंफाल पूर्व में उग्रवादियों की गोलीबारी में खेत में काम कर रहा किसान घायल हो गया था। मणिपुर की इंफाल घाटी में किसानों पर पहाड़ी इलाकों के उग्रवादियों द्वारा लगातार तीसरे दिन हमला किया गया है। हमलों के कारण घाटी के बाहरी इलाकों में रहने वाले कई किसान खेतों में जाने से डर रहे हैं और इससे धान की फसल की कटाई प्रभावित हो रही है।

मणिपुर के जिरिबाम जिले में सोमवार को मुठभेड़ के दौरान 11 उग्रवादियों के मारे जाने के बाद सर्च आपरेशन के दौरान बरामद हथियार। प्रेट्र

गोला-बारूद बरामद

मणिपुर के पहाड़ी और घाटी जिलों में पिछले तीन दिनों के भीतर तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने कई हथियार, गोलाबारूद एवं आईईडी जब्त किए हैं। असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस की एक संयुक्त टीम ने चूड़चंद्रपुर जिले के एल खोनोमफाई गांव से सटे जंगल में एक अभियान के दौरान एक .303 राइफल, दो नौ एमएम पिस्तौल, छह 12 सिंगल बैरल राइफल, एक .22 राइफल, गोला-बारूद और अन्य युद्ध संबंधी सामान जब्त किया है। कांगपोकपी जिले के एस चौंगौबंग और माओहिंग के बीच संयुक्त टीम द्वारा एक अन्य अभियान में एक 5.56 मिमी इंसास राइफल, एक प्वाइंट 303 राइफल, दो एसबीबीएल बंदूकें, दो 0.22 पिस्तौल, दो इंप्रोवाइज्ड प्रोजेक्टाइल लांचर, ग्रेनेड, गोला-बारूद भी जब्त किया गया।

छग में क्रिसमस से पहले तेज हुए मतांतरण के प्रयास, हिंदू संगठनों ने भी खोला मोर्चा

संदीप तिवारी ● नईदुनिया

रायपुर : छत्तीसगढ़ में शीत की आहट होते ही मतांतरण कराने वाली ईसाई मिशनरियां सक्रिय हो गई हैं। क्रिसमस से पहले चंगाई सभा कर मतांतरण के प्रयासों में तेजी आ गई है। इसे चुनौती देते हुए हिंदू संगठनों ने भी मोर्चा खोल दिया है। कई जिलों में घर वापसी कराकर जवाब दिया जा रहा है। जबरन मतांतरण कराने वालों के खिलाफ अपराधिक मामले भी दर्ज हो रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार के 11 महीनों में 13 एफआइआर दर्ज हो चुकी है। पूर्ववर्ती कांग्रेस की भूपेश सरकार के पांच साल के कार्यकाल में महज 10 मामलों पर एफआइआर हुई थी।

उत्तर छत्तीसगढ़ के सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर जिले में मतांतरण का खुलकर विरोध हो रहा है। बलरामपुर जिले में चार आपराधिक प्रकरण दर्ज किए गए हैं। सरगुजा जिले में चंगाई सभा की आड़ में मतांतरण के प्रयास संबंधी आरोपों के बाद आयोजन बंद कराया जा चुका है। अंबिकापुर शहर में राष्ट्रीय क्रिश्चियन मोर्चा का कार्यक्रम भारी विरोध के कारण नहीं हो सका। राष्ट्रीय क्रिश्चियन मोर्चा के राष्ट्रीय तथा प्रदेश प्रभारी सहित पांच लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी भी की गई है। सर्व ब्राह्मण समाज संबंधितों के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की मांग कर रहा है।

उधर, जनवरी से अब तक बस्तर संभाग के बस्तर, सुकमा, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, कोंडागांव में पुलिस के पास मतांतरण से संबंधित 23 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। हालांकि किसी पर एफआइआर दर्ज नहीं की गई है।

वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि मतांतरण केवल क्षेत्र विशेष में जनांकिकीय परिवर्तन ही नहीं करता, बल्कि वह वहां के सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश को बदलने का भी काम करता है। इससे भी चिंताजनक यह है कि वह देश के मूल स्वरूप को बदलने का काम करता है।

11 महीने की साय सरकार में मतांतरण पर हुई 13 एफआइआर

जबरन मतांतरण रोकने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। आने वाले में समय कानून में भी बदलाव के लिए विचार किया जा रहा है।

- अरुण साव, उपमुख्यमंत्री एवं विधि मंत्री, छत्तीसगढ़।

आगे कानून बनाने पर विचार

राज्य सरकार ने मतांतरण रोकने के लिए छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता (संशोधन) अधिनियम, 2006 के प्रविधानों को सख्त बनाने की भी तैयारी की है। संशोधित विधि में जबरन मतांतरण कराने वालों को 10 साल तक की सजा का प्रविधान और दोषी पाए लोगों को तीन साल की जेल की सजा, 20,000 रुपये तक जुर्माना या दोनों का प्रविधान है। मतांतरण के लिए जिलाधीश को आवेदन करना होगा। मतांतरण के बाद 60 दिन के भीतर एक घोषणा पत्र भरना होगा।

पीलीभीत के किसानों को नेपाली फोर्स ने खेती से रोका

जागरण संवाददाता, पीलीभीत : नेपाल सीमा से सटे कृषि क्षेत्र को लेकर विवाद हो गया है। नेपाल की सशस्त्र सीमा पुलिस ने अपनी भूमि बताकर भारतीय किसानों को खेती से रोक दिया। इसके बाद सोमवार को पीलीभीत के प्रशासनिक अधिकारी नापजोख के लिए मौके पर पहुंचे। किसानों से पट्टे के अभिलेख भी मांगे हैं। जांच पूरी होने के बाद स्थानीय अधिकारी नेपाल के अधिकारियों से बातचीत करेंगे। जिले के पूरनपुर क्षेत्र का काफी हिस्सा नेपाल से सटा हुआ है। दोनों ओर की सीमा खुली है। सीमांकन के लिए जगह-जगह स्तंभ लगाए गए। ग्रामीणों के अनुसार सुंदरनगर में 17 से 28 नंबर स्तंभ तक आसपास क्षेत्र के भारतीय किसान खेती करते हैं। उन्हें तहसील प्रशासन ने पट्टे पर जमीन दी है। रविवार को नेपाल की सशस्त्र सीमा पुलिस ने स्तंभ संख्या 27 व 28 के पास खेती करने वाले भारतीय किसानों को रोक दिया।

12वीं स्क्वाड्रन का हिस्सा बनेंगे सी-295 मालवाहक विमान

जागरण संवाददाता, आगरा

- कुल छह विमान आगरा वायुसेना स्टेशन को दिए जाएंगे
- अगले सप्ताह से सिम्युलेटर में प्रशिक्षित होंगे पायलट

स्पेन निर्मित अत्याधुनिक मालवाहक विमान सी-295 गणतंत्र दिवस के पहले आगरा वायुसेना स्टेशन को मिल जाएंगे। कुल छह विमान यहां आएंगे। ये सभी विमान 12वीं स्क्वाड्रन का हिस्सा बनेंगे। इन विमानों को चलाने के लिए पायलटों का सिम्युलेटर से प्रशिक्षण अगले सप्ताह ही शुरू कर दिया जाएगा। सोमवार को मध्य वायु कमान के एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने इसके लिए सिम्युलेटर का शुभारंभ किया।

आगरा वायुसेना स्टेशन मालवाहक विमानों का अड्डा है। यहां एएन-32, सी-130 जे. हरक्यूलिस विमान और एमआइ-17 हेलीकाप्टर हैं। इसमें अब सी-295 भी शामिल हो जाएगा। यह विमान 26 जनवरी के पहले यहां आएंगे। स्पेन से 16 विमान खरीदे गए हैं। 2025 में छह वर्ष 2026 में फिर छह विमान आगरा आएंगे। यह विमान टेक्टिकल शिफ्ट, पैराड्रापिंग, पैराट्रूपिंग, चिकित्सा निकासी और आपदा राहत सहित अन्य मिशन में अहम रोल अदा करेगा। इनके लिए पायलटों को प्रशिक्षित करने के लिए वायुसेना स्टेशन में सिम्युलेटर स्थापित किया गया है। सिम्युलेटर उच्च खतरे की स्थितियों का अनुकरण करने में सक्षम बनाता है। वायुसेना का स्पेन से 56 सी-295 खरीद का अनुबंध हुआ है।

यह है विमान की खासियत : विमान को उड़ान भरने के लिए 934 मीटर रनवे और उतरने को 420 मीटर रनवे की जरूरत पड़ती है। विमान में 73 सैनिक या फिर 48 पैराट्रूपर बैठ सकते हैं। विमान की रेंज पांच हजार किमी और 11 घंटे तक एक ही स्थान पर स्थिर रह सकता है। 7650 लीटर का फ्यूल टैंक है। 482 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से उड़ सकता है।

शराब खरीदारों की उम्र जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली, प्रेट्र: शराब की दुकानों पर उम्र की जांच को अनिवार्य रूप लागू करने के लिए एक प्रभावी प्रोटोकाल और मजबूत नीति की जरूरत है। इस संबंध में निर्देश दिए जाने की मांग वाली याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट केंद्र से जवाब मांगा। याचिका में कहा गया है कि अलग-अलग राज्यों की आबकारी नीति में आयु से जुड़े कानून हैं। इनमें निर्धारित उम्र से कम में शराब का सेवन या रखना अवैध है, लेकिन शराब की दुकानों या बार आदि स्थानों पर उम्र की जांच के लिए मजबूत तंत्र नहीं है। इसके साथ ही याचिका में शराब की होम डिलीवरी का भी विरोध करते हुए यह तर्क दिया गया कि इससे कम उम्र के व्यक्तियों में शराब पीने की आदत तेजी से बढ़ेगी।

एनजीओ 'कम्युनिटी अगेंस्ट ड्रंकन ड्राइविंग' की ओर से दर्ज याचिका को लेकर इनके वकील ने नशे में गाड़ी चलाने की समस्या को रोकने और कम उम्र में शराब पीने पर भी अंकुश लगाने को जरूरी किए जाने की अपील की।

मुठभेड़ में फंसे दो शिक्षक, फायरिंग रोक सुरक्षाबलों ने बचाई जान

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर

- श्रीनगर की जब्रवान की पहाड़ियों पर ट्रैकिंग के लिए निकले थे दोनों

जम्मू कश्मीर में जब्रवान की पहाड़ियों में गए मिशनरी स्कूल के दो शिक्षक आतंकियों के साथ चल रही मुठभेड़ में फंस गए। इस दौरान उन्होंने 100 नंबर डायल कर पुलिस को इसकी जानकारी दी। जवानों ने भी आतंकियों की गोली की परवाह किए बिना इन दोनों को सुरक्षित निकाल लिया।

जब्रवान की पहाड़ियां श्रीनगर के उत्तर में हैं जो दक्षिण कश्मीर के त्राल तक फैली हुई हैं। इस क्षेत्र को आतंकी बांडीपोरा-गांदरबल से दक्षिण कश्मीर आने जाने के लिए के लिए इस्तेमाल करते हैं। स्थानीय लोग यहां ट्रेकिंग के लिए भी आते-जाते हैं।

रविवार को तड़के श्रीनगर के एक मिशनरी स्कूल के दो शिक्षक ट्रेकिंग करने जब्रवान की पहाड़ियों में गए थे। इसी दौरान इस क्षेत्र में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना सुरक्षाबलों को लगी और घेराबंदी का अभियान शुरू हुआ। आतंकियों को इसकी भनक लगी तो उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस मुठभेड़ में दोनों शिक्षक फंस गए। उनके एक तरफ आतंकी थे तो दूसरी तरफ सुरक्षाकर्मी। अगर वह सुरक्षाबलों की तरफ जाते तो उन्हें आतंकी समझा जाता और आतंकियों की नजर में आते तो वह उन्हें मार देते। दोनों जंगल में ही चट्टानों के बीच छिप गए। उनमें से एक ने मोबाइल से 100 नंबर पर पुलिस को इसकी सूचना दी और दूसरे शिक्षक ने एसएसपी श्रीनगर को फोन कर मदद मांगी।

पुलिस ने सुरक्षाबलों को इसकी सूचना दी और उनकी ओर से जारी फायरिंग को रुकवाया। इसके साथ ही जवानों का एक दस्ता आतंकियों की गोलीबारी के बीच ही उन चट्टानों के बीच पहुंचा और दोनों ट्रेकर को सुरक्षित निकाल कर नीचे लाया, लेकिन इस बीच मौका मिलते ही आतंकी भाग निकले।

पर्यटकों को सलाह- ट्रेकिंग के लिए निकलें तो पुलिस को जरूर बताएं : श्रीनगर के एसएसपी इम्तियाज हुसैन ने कहा कि दोनों शिक्षकों ने सूझबूझ से काम किया। एसएसपी ने यह भी सलाह दी कि जब कोई ट्रेकिंग के लिए निकले तो वह संबंधित पुलिस चौकी और निकटवर्ती सुरक्षा शिविर में अपने बारे में जरूर जानकारी दें।

सामरिक महत्व

जीपीएस फेल हो जाने के बाद भी दुश्मन को ढूंढ़कर करेगा तबाह, लक्ष्य तक पहुंचने में रफ्तार 120 किमी और हमला करते वक्त होगी 200 किमी प्रति घंटा, आइआइटी से संबंधित कंपनी ने सेमी कंडक्टर बनाया

आइआइटी का कामीकाजी ड्रोन छह माह में होगा सेना में शामिल

जागरण संवाददाता, कानपुर

आइआइटी कानपुर की ओर से तैयार कामीकाजी (आत्मघाती हमलावर) ड्रोन अगले छह महीने में भारतीय सेना में शामिल हो जाएगा। यह छह किग्रा तक विस्फोटक को 50 मिनट में 100 किमी दूरी तय करके लक्ष्य पर गिरकर दुश्मन को तबाह कर देगा। आइआइटी से संबंधित कंपनी ने वायरलेस सिस्टम में काम आने वाला सेमी कंडक्टर भी तैयार किया है, जो अमेरिकी कंपनियों से 10 गुना बेहतर और तीन गुना सस्ता है। बैटरी खर्च भी तीन गुना कम होगी। ये कंपनी भी रक्षा क्षेत्र के साथ काम करने के लिए तैयार है और अगले दो वर्ष के दौरान लगभग 15 हजार करोड़ रुपये का आयात घटा देगी।

आइआइटी कानपुर की स्टार्टअप कंपनी वीयू डायनमिक्स ने आइआइटी की फ्लाइंग लैब में कामीकाजी ड्रोन को दो वर्ष में विकसित किया है। कंपनी के फाउंडर एवं आइआइटी के प्रो. सुंदरम सड़ीला के अनुसार, ड्रोन पूरी तरह से भारतीय संस्करण है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने दो नवंबर को आइआइटी आने पर इसे देखा और सराहा था। लांचर या कैनस्टर से लांच किए जा सकने वाले ड्रोन के दो वर्जन हैं। दो किग्रा विस्फोटक लेकर 40 किमी तक और दूसरा संस्करण छह किग्रा विस्फोटक लेकर 100 किमी तक जा सकता है। उड़ान भरने से पहले लक्ष्य की पूरी जानकारी और रूटमैप दर्ज कर दिया जाता है। जीपीएस फेल होने की सूरत में भी ये ड्रोन सिस्टम अपने लक्ष्य पर पहुंच कर ही गिरेगा। उड़ान के समय गति 120 किमी प्रति घंटा और हमला करते वक्त 200 किमी प्रति घंटा तक होती है।

कामीकाजी ड्रोन लांचर के चित्र के साथ डा. सुंदरम संड़ीला। संस्थान

रक्षामंत्री के आइआइटी आने पर 23 कंपनियों के उत्पादों का प्रस्तुतीकरण हुआ था। डीआरडीओ अध्यक्ष डा. समीर कामत के साथ रक्षा जरूरतों के लिए छह परियोजनाओं का करार हुआ है। उत्तर प्रदेश सरकार ने एआइ के क्षेत्र में एक एक्सीलेंस सेंटर आइआइटी को दिया है। इसके लिए 10 करोड़ रुपये का फंड भी मिल गया है।

- प्रोफेसर दीपू फिलिप, स्टार्टअप एवं इनोवेशन सेंटर के प्रभारी आइआइटी कानपुर

कामीकाजी का अर्थ : जापानी भाषा में कामीकाजी का अर्थ ऐसी घटना से है, जो अचानक किसी दुश्मन पर हमला कर अपने साथ ही उसे भी तबाह कर दे।

सेमी कंडक्टर कंपनी करेगी रक्षा क्षेत्र में सहयोग

अनंत सिस्टम्स के संस्थापक सीईओ चितरंजन सिंह के अनुसार, कंपनी ने ऐसा सेमी कंडक्टर तैयार किया है, जो गुणवत्ता में अमेरिकी कंपनियों के मुकाबले 10 गुना बेहतर तथा तीन गुना कम बैटरी का उपयोग करेगा। कीमत भी तीन गुना तक कम है। रक्षा क्षेत्र समेत विभिन्न संचार कंपनियों में इसका प्रयोग हो सकेगा। अगले सात-आठ वर्ष में 60 से 70 हजार करोड़ रुपये का सेमी कंडक्टर आयात घटाने में मदद मिलेगी।

सुवन रोबोट करेगा दुश्मन की रेकी

आइआइटी स्टार्टअप कंपनी एक्सटेरा रोबोटिक्स के सीईओ आदित्य प्रताप सिंह राजावत ने बताया कि उनकी कंपनी ने चार पैरों पर चलने वाला सुवन रोबोट बनाया है। उसे दुश्मन क्षेत्र में निगरानी के लिए भेजा जा सकता है। वहां से यह वीडियो संदेश के साथ फोटो और आडियो भी भेज सकता है।

****

जम्मू संभाग को फिर अशांत करने का आतंकियों ने रचा षड्यंत्र

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू

- 10 में दो ही जिले बचे जहां आतंकियों ने इस वर्ष नहीं अंजाम दी कोई वारदात

जम्मू कश्मीर को अशांत करने की आतंकियों रणनीति में इस बार जम्मू संभाग निशाने पर है। साल 2024 में जम्मू संभाग के 10 में से आठ जिलों में आतंकियों ने अब तक 14 आम लोगों की हत्या की है। संभाग के सिर्फ दो ही जिले रामबन और सांबा बचे हैं, जहां सुरक्षाबलों ने आतंकियों को फटकने नहीं दिया। किश्तवाड़ में आतंकियों ने सात नवंबर को दो वीडीजी सदस्यों की अपहरण कर हत्या की थी। जम्मू संभाग में सिर उठा रहे आतंक को कुचलकर पूरे क्षेत्र को आतंक मुक्त करा शांति बहाल करने के लिए सुरक्षाबलों ने व्यापक अभियान चलाया है।

एलओसी के साथ सटे राजौरी-पुंछ जिले में आतंकियों ने पहले कुछ सनसनीखेज वारदात कीं और उसके बाद जम्मू संभाग के अन्य जिलों में भी सुरक्षाबलों को निशाना बनाया गया।

इस साल जम्मू संभाग में हुई आतंकी हिंसा और मुठभेड़ में 18 सुरक्षाकर्मी और 13 आतंकी व 14 नागरिकों की मौत हुई है। एक सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक जम्मू संभाग में 50-55 आतंकी सक्रिय हैं। इनमें से अधिकांश विदेशी हैं और उनका संबंध जैश-ए-मोहम्मद के मुखौटा संगठन कश्मीर टाइगर्स और पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट के अलावा लश्कर-ए-तैयबा से है।

32 वर्षीय एक कर्मचारी की गुजरात के वडोदरा स्थित इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी में सोमवार शाम विस्फोट के बाद लगी आग से मौत हो गई। एक भंडारण टैंक में विस्फोट के बाद आग लगी।

न्यूज गैलरी

बाघ आसानी से मिलते नहीं, जो हैं उन्हें नहीं बचा पा रहे

बिलासपुर : गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व क्षेत्र में आठ नवंबर को मिले बाघ के शव के मामले में छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए कड़ी टिप्पणी की है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस एके प्रसाद की डिवीजन बेंच में मामले की सोमवार को सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस ने टिप्पणी की कि छत्तीसगढ़ में यह दूसरे बाघ की मौत है। भारत में बाघों की संख्या वैसे ही सीमित है। देश में बाघ आसानी से नहीं मिलते और जो हैं उन्हें भी हम बचा नहीं पा रहे। अगर वन्य प्राणी और जंगल नहीं बचाए जा सकेंगे तो भविष्य में क्या बचेगा? चीफ जस्टिस ने यह भी कहा कि वन्य जीव और जंगलों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाना आवश्यक है। उन्होंने राज्य के प्रधान मुख्य वन संरक्षक को नोटिस जारी कर शपथ पत्र के साथ बाघ संरक्षण की उचित योजना को सम्मिलित करते हुए जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। बाघ की मौत के मामले की जांच के लिए टीम गठित की गई है और उसकी रिपोर्ट कोर्ट को सौंपी जाएगी। (नईदुनिया)

मुंबई में सात टुकड़ों में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

मुंबई : मुंबई के गोराई बीच के पास एक क्षत-विक्षत शव के सात टुकड़े बरामद हुए हैं, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस को पेंट के डिब्बे में प्लास्टिक बैग में व्यक्ति का शव मिला है। शव की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने बताया बरामद किए गए शव की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। मुंबई की गोराई पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच में शुरू कर दी है। गोराई पुलिस ने बताया कि रविवार की दोपहर गोराई गांव के बाबरपाड़ा से पिक्सी सी रिसार्ट शेफाली जाने वाली सड़क के किनारे झाड़ियों में एक क्षत-विक्षत शव मिला है। सात हिस्सों में सिर, हाथ, पैर, धड़ व अन्य को 20 लीटर पेंट के चार डिब्बों में प्लास्टिक के बैग में लपेटा गया था। राहगीरों ने इलाके में तेज दुर्गंध के बाद मुंबई पुलिस नियंत्रण कक्ष को इसकी सूचना दी। (मिड-डे)

हाथी प्रबंधन की समीक्षा करने भोपाल पहुंचे वन महानिदेशक

भोपाल : मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ में 10 हाथियों की मौत और उनके प्रबंधन में राज्य के वन विभाग ने क्या किया, इसकी वन महानिदेशक जितेंद्र कुमार दो दिन समीक्षा करेंगे। सोमवार को वह भोपाल पहुंचे। दरअसल, हाथियों की मौत पर प्रधानमंत्री कार्यालय भी गंभीर हुआ है और यही वजह है कि उन्हें मध्य प्रदेश में हाथियों के बेहतर प्रबंधन और खामियों को दूर करने की कार्ययोजना तैयार करने के लिए भोपाल भेजा गया है। वह मध्य प्रदेश के हाथी प्रबंधन के साथ ही बाघ और चीता प्रबंधन की भी समीक्षा करके इसकी रिपोर्ट केंद्र सरकार को देंगे। वहीं, छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में किसान ने धान की खड़ी फसल को हाथियों से बचाने के लिए हाईटेंशन तार से क्लच वायर जोड़ दिया। इसकी चपेट में आकर सोमवार को एक हाथी की मौत हो गई। (राज्य, नईदुनिया)

गिर सोमनाथ में अवैध निर्माण की सुनवाई दो तक स्थगित

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में अवैध निर्माण गिराने के खिलाफ याचिका पर सुनवाई दो दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी है। जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की खंडपीठ ने सोमवार को अगली सुनवाई दो दिसंबर तक के लिए तब स्थगित कर दी जब सरकार ने अदालत को बताया कि वह याचिकाकर्ता की मांग का त्वरित जवाब देंगे। अदालत समस्त पाटनी मुस्लिम जमात की याचिका की सुनवाई कर रही थी जिसकी पैरवी अधिवक्ता अनस तनवीर ने की। उन्होंने कहा कि गुजरात प्रशासन के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही होनी चाहिए क्योंकि 17 सितंबर के आदेश का उल्लंघन किया गया है। सरकार ने इससे पहले आश्वासन दिया था कि जिन क्षेत्रों में अवैध कब्जे गिराने का काम हुआ वह जमीनें किसी तीसरे पक्ष को नहीं सौंपी जाएंगी। (एएनआइ)

दो दिन तक परीक्षा के विरोध में यूपीपीएससी कार्यालय पर प्रतियोगी छात्रों का प्रदर्शन

नाराजगी ▶ प्रयागराज में पुलिस से जमकर धक्का-मुक्की, बल प्रयोग में कई छात्र-छात्राएं चोटिल

विरोध जताने दिल्ली-एमपी सेभी पहुंचे छात्र, आंदोलन जारी रखने का निर्णय

राज्य ब्यूरो, जागरण ● प्रयागराज

सोमवार को प्रयागराज में प्रदर्शन के दौरान बैरिकेडिंग को हटाते आक्रोशित प्रतियोगी छात्र। प्रेट्र

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा पीसीएस-2024 प्रारंभिक और आरओ-एआरओ-2024 (प्रारंभिक) परीक्षा दो दिवसों में कराने और नार्मलाइजेशन के निर्णय के विरोध में हजारों प्रतियोगी छात्र सोमवार को सड़क पर उतर पड़े। प्रयागराज में आयोग के कार्यालय पहुंचने से रोकने के लिए पुलिस ने लाठियां फटकारीं तो प्रतियोगी छात्र भड़क उठे। उनका आक्रोश फूट पड़ा और बैरिकेड्स तोड़कर वे आयोग के गेट नंबर दो पर जा पहुंचे और जमकर नारेबाजी की। सुबह 11 बजे से आयोग के बाहर डटे प्रतियोगी छात्रों की मांगों पर आयोग ने कोई निर्णय नहीं लिया। वहीं प्रतियोगी छात्रों ने आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया है। देर रात तक वे आयोग के कार्यालय के सामने डटे थे।

उप्र परीक्षा अध्यादेश के केंद्र निर्धारण के कड़े मानकों की वजह से पर्याप्त केंद्र नहीं मिलने को आधार बनाकर आयोग ने पीसीएस व आरओ-एआरओ की एक दिवसीय परीक्षा का प्रारूप बदलकर दो दिवसीय कर दिया था। पांच नवंबर को जारी आदेश में आयोग ने पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा सात और आठ दिसंबर तथा आरओ-एआरओ प्रारंभिक परीक्षा 22 व 23 दिसंबर को प्रस्तावित कर दी थी। इस निर्णय से प्रतियोगी छात्र भड़क गए और विरोध में 11 नवंबर से आयोग पर बेमियादी आंदोलन की घोषणा की थी। इस प्रदर्शन में शामिल होने के लिए उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ दिल्ली, मध्य प्रदेश से भी प्रतियोगी छात्र प्रयागराज पहुंच गए थे। सुबह से ही पुलिस ने आयोग कार्यालय की तरफ जाने वाले मार्गों पर बैरिकेड्स लगा दिए। सुबह 11 बजे प्रतियोगी छात्र अलग-अलग रास्तों से पहुंचने लगे तो पुलिस ने उनको रोकना शुरू कर दिया। इससे पुलिस और प्रतियोगी छात्रों के बीच जमकर धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इस बीच एक पुलिस अधिकारी ने बल प्रयोग का आदेश दे दिया तो पुलिस ने छात्रों को खदेड़ना शुरू कर दिया। इस पर छात्र भड़क उठे और बैरिकेड्स तोड़ते हुए आयोग के कार्यालय पहुंच गए। इस बीच कई छात्र-छात्राएं चोटिल भी हो गए। हालांकि, डीसीपी सिटी अभिषेक भारती ने बल प्रयोग से इन्कार किया है।

नार्मलाइजेशन फार्मूले से संभव नहीं समान मूल्यांकन : प्रतियोगी छात्रों का कहना है कि आयोग ने सिर्फ पर्सेंटाइल स्कोर का फार्मूला सार्वजनिक किया है और इसमें मानकीकरण कैसे होगा, इसको स्पष्ट नहीं किया है।

परीक्षा रद करने की मांग को लेकर टंकी पर चढ़े दो युवक

जासं, जयपुर : पुलिस उप निरीक्षक (एसआइ) भर्ती परीक्षा-2021 रद करने की मांग को लेकर जयपुर में हिम्मत नगर स्थित पानी की टंकी पर दो युवक लादूराम चौधरी और विकास विधुड़ी दो दिनों से चढ़े हुए हैं। रविवार से पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी उन्हें मनाने के लिए जुटे हुए हैं, मगर दोनों परीक्षा रद करने और मुख्यमंत्री से मिलवाने पर अड़े हुए हैं।

मिथुन को धमकी देते हुए बोला 'पाकिस्तानी डान', पछताना पड़ेगा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

बालीवुड अभिनेता सलमान खान के बाद अब वरिष्ठ अभिनेता व भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती को धमकी मिली है। मिथुन को पाकिस्तानी डान बताए जाने वाले शहजाद भट्टी नाम के शख्स ने दुबई से धमकी दी है। दो वीडियो जारी कर शहजाद ने कहा है कि मिथुन अपने बयान पर 15 दिनों के अंदर माफी मांग लें। ऐसा नहीं करने पर खामियाजा भुगतने की चेतावनी भी दी गई है।

मालूम हो कि मिथुन ने गत 27 अक्टूबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बंगाल दौरे के समय कोलकाता में पार्टी के एक कार्यक्रम में कथित तौर पर भड़काऊ बयान दिया था। इसे लेकर उनके खिलाफ हाल में एफआइआर भी दर्ज की गई है। मिथुन ने शाह की उपस्थिति में कहा था-'तृणमूल के एक विधायक ने कहा था कि यहां (मुर्शिदाबाद जिले) में 70 प्रतिशत आबादी मुसलमानों की है। हिंदुओं को काटकर भागीरथी में बहा दिया जाएगा। मैं गृह मंत्री के सामने कहता हूं कि हम तुम्हें काटकर नदी में नहीं बहाएंगे लेकिन जमीन में जरूर गाड़ देंगे।' रिपोर्ट के अनुसार डान ने कहा है-'मिथुन साहब, आपने दिल दुखाया है। आपको दूसरी मजहबों के लोगों ने जितना प्यार किया है, उतनी इज्जत मुसलमानों ने भी दी है। इस उम्र में आपको बकवास नहीं करना चाहिए।

सिद्दीकी हत्याकांड के शूटर समेत चार पुलिस हिरासत में

मुंबई, प्रेट्र : राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में गिरफ्तार मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम एवं चार अन्य आरोपितों को मुंबई की एक अदालत ने सोमवार को 19 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। उत्तर प्रदेश पुलिस के एसटीएफ और मुंबई क्राइम ब्रांच ने रविवार को शूटर शिवकुमार तथा उसके चार साथियों को उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के नानपारा से गिरफ्तार किया है। चार अन्य आरोपितों अनुराग कश्यप, ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, आकाश श्रीवास्तव और अखिलेंद्र प्रताप सिंह को शिवकुमार को शरण देने और नेपाल भागने में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

वहीं, यूपी एसटीएफ की पूछताछ में शिवा ने स्वीकार किया कि उसने ही आस्ट्रेलिया निर्मित ग्लाक पिस्टल से बाबा सिद्दीकी पर छह गोलियां चलाई थीं, जिनमें तीन मिस कर गई थीं। तीन गोलियां सिद्दीकी को लगी थीं। उसे बाबा सिद्दीकी व उनके बेटे जीशान को मारने की सुपारी दी गई थी। वह और उसके साथी जब वारदात को अंजाम देने पहुंचे थे, तब गाड़ी में केवल बाबा सिद्दीकी ही थे। बाबा सिद्दीकी की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उन्हें तीन गोलियां लगने की पुष्टि हुई थी।

24 बाल रचनाकारों को मिलेंगे साहित्य पुरस्कार

जागरण संवाददाता, लखनऊ : साहित्य अकादमी, दिल्ली का बाल साहित्य पुरस्कार इस बार 24 बाल रचनाकारों को प्रदान किया जाएगा। बाल साहित्य पुरस्कार अर्पण समारोह इस बार बाल दिवस पर लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। दो दिवसीय आयोजन के पहले दिन 14 नवंबर को शाम पांच बजे गोमती नगर के भागीदारी भवन में मुख्य अतिथि प्रो.सूर्य प्रसाद दीक्षित और समारोह की अध्यक्षता करने वाले अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक बाल साहित्यकारों को 50 हजार की राशि व ताम्रफलक देकर पुरस्कृत करेंगे।

अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने बताया कि समारोह में समापन वक्तव्य केंद्रीय साहित्य अकादमी की उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा देंगी, जबकि स्वागत सचिव करेंगे। 15 नवंबर को सुबह 10 बजे से निराला सभागार हिंदी संस्थान में पुरस्कृत बाल साहित्यकारों के साथ 'लेखक सम्मेलन' होगा। इसमें पुरस्कार विजेता कुमुद शर्मा की अध्यक्षता में रचनात्मक लेखन के अनुभव साझा करेंगे। दोपहर बाद ढाई बजे दूसरे सत्र में 'बाल लेखन: अतीत, वर्तमान और भविष्य' विषयक संगोष्ठी की जाएगी।

सुंदरकांड पाठ से छात्राएं देरी से लौटीं तो छात्रावास में जाने से रोका

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल

- बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय का मामला, एबीवीपी और छात्राओं ने किया हंगामा, जांच समिति गठित
- छात्राओं का आरोप, भविष्य में धार्मिक आयोजनों में जाने के लिए लिखित अनुमति लेने को भी कहा

सुंदरकांड पाठ में शामिल होने गई बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय (बीयू) की छात्राओं को रात आठ बजे लौटने पर वार्डन ने छात्रावास में घुसने से रोक दिया। काफी गुहार लगाने पर उनसे माफीनामा लिखवाया गया, फिर अंदर आने दिया गया। इतना ही नहीं, छात्राओं का आरोप है कि चीफ वार्डन व वार्डन ने हिदायत दी कि ऐसे किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन से लिखित अनुमति लेनी होगी। इसे धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने से रोकने की कार्रवाई बताकर सोमवार को छात्राओं और एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय में हंगामा किया और कुलगुरु कार्यालय के बाहर रामधुन रघुपति राघव राजाराम... गाकर विरोध जताया। पूरे प्रकरण की जांच के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया है।

छात्राओं ने बताया कि 22 अक्टूबर को विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया था। बीयू के छात्र-छात्राएं उसमें शामिल हुए थे। इंदिरा गांधी छात्रावास की छात्राएं भी अनुमति लेकर ही गई थीं। उन्हें शाम 7.40 बजे तक बाहर रहने की अनुमति थी, लेकिन वे रात आठ बजे लौटीं तो वार्डन ने गेट पर रोक दिया। एक छात्रा ने बताया कि कुछ दिनों पहले ही वार्डन और चीफ वार्डन ने कहा था कि यदि धार्मिक आयोजनों में जाना है तो विश्वविद्यालय प्रशासन से लिखित अनुमति लेनी होगी।

> छात्राओं को किसी भी धार्मिक आयोजन में शामिल होने से मनाही नहीं है। पांच सदस्यीय जांच समिति गठित की गई है। अतिरिक्त संचालक मथुरा प्रसाद अध्यक्ष हैं। जांच के बाद जो दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।
> - प्रो. एसके जैन, कुलगुरु, बीयू।

बांग्लादेशी अल-कायदा से जुड़े मामले में देश भर में नौ ठिकानों पर छापेमारी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

- जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, बंगाल, त्रिपुरा व असम में भी तलाशी, आतंकी फंडिंग के मिले सबूत
- आतंकी फंडिंग से जुड़ी गतिविधियों से संबंधित सुबूत व दस्तावेज बरामद

प्रतीकात्मक।

बांग्लादेशी आतंकी समूह अल-कायदा से जुड़े देशविरोधी मामले में एनआइए ने सोमवार को बिहार में सिवान समेत जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, बंगाल, त्रिपुरा और असम में नौ ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान विस्तृत बैंकिंग लेनदेन, मोबाइल फोन सहित डिजिटल उपकरण और आतंकी फंडिंग से जुड़ी गतिविधियों से संबंधित अन्य सबूत एवं आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए हैं।

एनआइए की टीम ने सोमवार की सुबह पांच बजे सिवान के सराय थाना क्षेत्र के पुरानी किला पोखरा मोहल्ले में सब्जी विक्रेता के घर को खंगाला। इस दौरान सब्जी विक्रेता अख्तर अली और उनके दोनों पुत्र सुहैल अली एवं आमिर अली से गहन पूछताछ की गई। घर से एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। एनआइए की जांच के अनुसार, जिन संदिग्धों के परिसरों पर छापे मारे गए, वे बांग्लादेश स्थित अल-कायदा नेटवर्क के समर्थक हैं। तलाशी पिछले साल बांग्लादेश स्थित अल-कायदा के गुर्गों द्वारा रची गई साजिश के पर्दाफाश से जुड़ी है।

बता दें कि पिछले वर्ष नवंबर में एनआइए ने चार बांग्लादेशी नागरिकों सहित पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था, जिनकी पहचान मो. सोजिब मियां, मुन्ना खालिद अंसारी उर्फ मुन्ना खान, अजरुल इस्लाम उर्फ जहांगीर और अब्दुल लतीफ उर्फ मोमिनुल अंसारी के रूप में हुई थी। पांचवां आरोपित फरीद भारतीय नागरिक था।

एनआइए की जांच से पता चला है कि आरोपियों ने गुप्त रूप से अपनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए जाली दस्तावेज खरीदे थे। वे भारत में मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने, अल-कायदा की हिंसक विचारधारा को फैलाने, धन इकट्ठा करने और इन फंडों को अल-कायदा को हस्तांतरित करने में सक्रिय रूप से शामिल थे।

सूत्रों के अनुसार, पिता के साथ सिवान की सब्जी मंडी में कारोबार करने वाले सुहैल अली का बैंक खाता छह माह पहले ही फ्रीज किया जा चुका है। खाते में हिमाचल प्रदेश व जम्मू-कश्मीर से लेनदेन के प्रमाण मिले थे, जिनमें से कुछ को एनआइए ने संदिग्ध माना है।

बिहार में सात साल से कम सजा वाले अपराध में नाबालिगों पर प्राथमिकी नहीं

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

सात साल से कम सजा वाले अपराध के मामलों में बिहार पुलिस 18 साल से कम उम्र के बच्चों व किशोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज नहीं करेगी। इन अपराधों की सूचना सिर्फ थाने की स्टेशन डायरी में दर्ज की जाएगी। नाबालिगों पर सिर्फ सात साल से अधिक सजा वाले जघन्य अपराध के मामलों में ही प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। इस बाबत बिहार पुलिस मुख्यालय ने किशोर न्याय (बच्चों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम के अनुपालन को लेकर पुलिस पदाधिकारियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) निर्धारित करते हुए नई मार्गदर्शिका जारी की है। यह मार्गदर्शिका सभी आइजी, डीआइजी, एसएसपी व एसपी रैंक के पुलिस पदाधिकारियों को भेजी गई है।

- पुलिस मुख्यालय ने सभी आइजी-डीआइजी व एसपी को भेजी विस्तृत एसओपी

अपराध अनुसंधान विभाग (कमजोर वर्ग) की ओर से जारी एसओपी में यह भी स्पष्ट किया गया है कि पुलिस बच्चों को पकड़े जाने के स्पष्ट कारण और रिपोर्ट के साथ जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करेगी। बच्चों को लाकअप में भी नहीं रखा जाएगा, न ही हथकड़ी लगाई जाएगी। साथ ही ऐसे बच्चों को निशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार को भी सूचित किया जाएगा।

जारी निर्देश में कहा गया है कि सर्वोच्च न्यायालय ने सात मई 2021 को पारित न्यायादेश में कुछ आदेश दिए हैं। धारा 498 ए आइपीसी तथा सात वर्ष से कम कारावास के मामले में अभियुक्तों को सीधे गिरफ्तार करने के बजाय पहले धारा 41 दंड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों के तहत गिरफ्तारी की आवश्यकता के संबंध में पुलिस अधिकारी संतुष्ट हो लेंगे।

मार्गदर्शिका में अपराधों को तीन श्रेणी में बांटा गया

मार्गदर्शिका में कानून का उल्लंघन करने वाले 18 साल से कम उम्र के बच्चों व किशोरों के अपराधों को तीन श्रेणी में बांटा गया है। तीन साल तक की सजा वाले अपराधों को छोटे अपराध और तीन से सात साल की सजा वाले अपराधों को गंभीर अपराध श्रेणी में रखा गया है। इन दोनों मामलों में थाने के बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी बालक की सामाजिक पृष्ठभूमि की रिपोर्ट के साथ कथित अपराध की जानकारी किशोर न्याय परिषद को भेजेंगे। सात साल से अधिक सजा वाले मामले जघन्य श्रेणी में रखे गए हैं। ऐसे मामलों में प्राथमिकी दर्ज होते ही तुरंत मामले को बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी को सौंपा जाएगा। प्राथमिकी की एक प्रति बच्चे, माता-पिता या उसके संरक्षक को भी देनी होगी।

बाइक से गिरी, ट्रक की चपेट में आई महिला...

तेलंगाना के करीमनगर में सोमवार को मोटरसाइकिल पर पीछे बैठकर जा रही एक महिला गिर पड़ी एवं चलते ट्रक की चपेट में आ गई। मनकोंदुर मंडल के कल्लेडा गांव की दिव्याश्री नामक इस महिला की चीखें सुन ड्राइवर ने तत्काल ट्रक रोक दिया। इस बीच यहां से गुजर रहे केंद्रीय गृह राज्यमंत्री बी. संजय कुमार ने घटना देख अपने वाहनों का काफिला रुकवाकर महिला की सहायता की। बी. संजय कुमार ने पुलिस व स्थानीय लोगों को आवश्यक निर्देश दिए तथा महिला को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया। उन्होंने महिला को अस्पताल ले जाने के लिए अपने काफिले से वाहन की व्यवस्था की। महिला को कोई बाहरी गंभीर चोट नहीं आई है। एएनआइ

बढ़ा कार्यभार

शापों की संख्या भी बढ़ेगी, पहले चरण के लिए 80 करोड़ की राशि आवंटित, अभी हर माह जमालपुर रेल कारखाना में 620-640 वैगनों की हो रही मरम्मत

हर माह 800 वैगनों की मरम्मत वाला पहला कारखाना बनेगा जमालपुर

केएम राज ● जागरण

जमालपुर (मुंगेर) : बिहार के मुंगेर जिले में स्थित जमालपुर रेल कारखाना का कार्यभार बढ़ाया जा रहा है। यहां हर माह मालगाड़ियों के आठ सौ वैगनों की मरम्मत होगी। इसके बाद यह देश का पहला रेल कारखाना होगा, जहां हर माह इतनी संख्या में वैगन दुरुस्त किए जाएंगे। इसके लिए कारखाना में शापों (कर्मशाला) की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। रेलवे से पहले चरण में 80 करोड़ का आवंटन किया गया है।

वर्तमान में जमालपुर रेल कारखाना में हर माह 620-640 वैगनों की मरम्मत होती है। देश में वैगनों की मरम्मत लिलुआ, मिदनापुर (खड़गपुर), जमालपुर, झांसी, राजस्थान, चेन्नई, कोटा सहित 19 वर्कशापों में होती है।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क पदाधिकारी (सीपीआरओ) कौशिक मित्रा ने बताया कि अभी देश में सबसे अधिक झांसी में 715 वैगनों की हर माह मरम्मत की जाती है। जल्द ही यह स्थान जमालपुर को मिल जाएगा। इसके लिए संसाधन बढ़ाए जा रहे हैं। कुशल कर्मियों के बल पर जमालपुर रेल कारखाना एक बार फिर देश में सबसे आगे होगा। यहां इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है। इसे दुरुस्त किया जा रहा है। जमालपुर रेल कारखाना वैगन मरम्मत में बीते 12 से 13 वर्षों से बेहतर काम कर रहा है।

बिहार के जमालपुर रेल कारखाने में वैगन की मरम्मत करते तकनीशियन। सौ. रेलवे

अंग्रेजों ने रखीं थी नींव

आठ फरवरी, 1862 को जमालपुर रेल कारखाना की स्थापना अंग्रेजों ने की थी। जमालपुर रेल कारखाना को भारतीय रेल की रीढ़ माना जाता है। यहां 140 टन भार वाली क्रेन भी तैयार होती है। यह क्रेन 90 डिग्री पर काम कर सकती है। पटरी से उतरी बोगियों को पटरी पर चढ़ाने या रेलवे ब्रिज व कंटेनर को उतारने-चढ़ाने में जमालपुर में बनी क्रेन का ही उपयोग होता है। यहां 140 टन भार उठाने वाली डीजल हाइड्रोलिक क्रेन बनाई जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने हिरासत में यातना मामले में सीबीआइ जांच रोकी

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कलकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें पुलिस हिरासत में एक महिला को कथित रूप से प्रताड़ित करने के मामले की सीबीआइ जांच का निर्देश दिया गया था। महिला को आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल की एक डाक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किया गया था।

जस्टिस सूर्यकांत और उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने बंगाल सरकार से पांच महिलाओं समेत सात आइपीएस अधिकारियों की सूची सौंपने को कहा, जिन्हें हिरासत में यातना मामले की जांच के लिए नए विशेष जांच दल (एसआइटी) में शामिल किया जा सकता है। यह आदेश बंगाल सरकार द्वारा दायर अपील पर पारित किया गया, जिसमें कहा गया था कि सीबीआइ जांच का निर्देश देने वाला हाई कोर्ट का आदेश गलत है। राज्य पुलिस मामले की जांच करने में सक्षम है। छह नवंबर को कलकत्ता हाई कोर्ट की एक खंडपीठ ने महिला द्वारा लगाए गए आरोपों की सीबीआइ जांच का निर्देश देने वाले एकल न्यायाधीश की पीठ के आदेश को बरकरार रखा।

खंडपीठ ने कहा था कि स्वतंत्र जांच करने के एकल पीठ के आदेश में कोई गलती नहीं है और इसमें किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। बंगाल सरकार की अपील को खारिज करते हुए कोलकाता हाई कोर्ट ने सीबीआइ से कहा था कि वह एकल पीठ के आदेश का पालन करे।

- आरजी कर मामले में विरोध प्रदर्शन के दौरान महिला को किया गया था गिरफ्तार

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 12 नवंबर, 2024

दैनिक जागरण
अध्यात्म अंत :करण की शुद्धि का माध्यम है

प्रदूषण और पटाखे

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को इसके लिए फिर फटकार लगाई कि वह दीवाली पर पटाखे चलने से नहीं रोक सकी, जबकि उनके इस्तेमाल पर पाबंदी थी। यह सही है कि दीवाली पर दिल्ली में पटाखे चले और लोगों ने उन पर पाबंदी की परवाह नहीं की। यह ठीक नहीं हुआ, क्योंकि इसके चलते प्रदूषण की मात्रा बढ़ी ही होगी, लेकिन क्या बढ़ते वायु प्रदूषण का मुख्य कारण पटाखे ही हैं? क्या यदि दीवाली पर पटाखे नहीं चले होते तो आज दिल्ली प्रदूषण से मुक्त होती? प्रश्न यह भी है कि क्या दिल्ली से सटे शहरों में पटाखे चलने का राजधानी के वायुमंडल पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ा होगा? ध्यान रहे कि राजधानी के आसपास दीवाली पर खूब पटाखे बिके और चले, क्योंकि उन पर प्रतिबंध दिल्ली तक सीमित था। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया है कि वह पटाखों पर रोक लगाने के लिए स्पेशल टास्क फोर्स का गठन करे। देखना है कि वह क्या करती है, लेकिन यदि प्रदूषण के मूल और बड़े कारणों का निवारण नहीं किया गया तो दिल्ली को जहरीले वायुमंडल से छुटकारा मिलने वाला नहीं है। प्रदूषण का एक बड़ा कारण तो पराली जलाने से निकलने वाला धुआं है, लेकिन पराली कुछ समय ही जलती है। प्रदूषण के अन्य प्रमुख कारण हैं वाहनों का उत्सर्जन, सड़कों एवं निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल और कचरे एवं पत्तियों को जलाया जाना। यह किसी से छिपा नहीं कि जिन राज्यों में पराली जलती है, वे ऐसे उपाय नहीं कर सके, जिनसे उसका जलाया जाना थमे। प्रश्न यह है कि पराली जलाने से रोकने के साथ-साथ इसके लिए कोई टास्क फोर्स क्यों नहीं बननी चाहिए कि अव्यवस्थित यातायात के कारण वाहनों से घातक स्तर का उत्सर्जन न होने पाए और सड़कों एवं निर्माण स्थलों से धूल न उड़ने पाए?

निःसंदेह पटाखों से प्रदूषण फैलता है, लेकिन एक तो उनका असर दो-चार ही दिन रहता है और दूसरे, केवल दिल्ली में ही उन पर पाबंदी लगाकर कुछ विशेष हासिल नहीं किया जा सकता। यह समझा जाना चाहिए कि प्रदूषण के मूल कारणों के निवारण में नाकामी के चलते पिछले कुछ वर्षों से सर्दियों में दिल्ली के साथ-साथ देश के एक बड़े हिस्से का वायुमंडल विषाक्त हो जाता है। ऐसे में इसका कोई औचित्य नहीं कि केवल दिल्ली के प्रदूषण की चिंता की जाए। दिल्ली देश की राजधानी है और यहां सुप्रीम कोर्ट है तो इसका यह मतलब नहीं कि केवल यहीं के प्रदूषण की चिंता की जाए। वैसे सुप्रीम कोर्ट ने यह सही कहा कि प्रदूषण मुक्त जिंदगी हर किसी का मौलिक अधिकार है, लेकिन इस अधिकार के दायरे में देश के उन हिस्सों के लोगों को भी लिया जाना चाहिए, जहां प्रदूषण व्याप्त रहता है। इस पर भी गौर किया जाना चाहिए कि प्रदूषण रोधी उपायों के प्रति जागरूकता के अभाव के चलते लोग ऐसे काम करते हैं, जिनसे प्रदूषण फैलता है।

लोक स्वास्थ्य की चुनौतियां

आम लोगों को अधिकतम सुविधाएं पहुंचाने के प्रयास के इस दौर में सरकारी व्यवस्था कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रही हैं। कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जहां बजट आदि बढ़ाने से सुविधा उपलब्ध हो जाती है, लेकिन कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें प्रोफेशनल्स की मांग होती है और उनकी उपलब्धता सुनिश्चित कर पाना आसान नहीं है। हर व्यक्ति से जुड़ा एक ऐसा ही क्षेत्र है-लोक स्वास्थ्य। मध्य प्रदेश में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर जिला अस्पताल तक विशेषज्ञों की कमी से जूझ रहे हैं। सरकारी सेवा शर्तें और कार्य का वातावरण इतना आकर्षक नहीं है कि वह विशेषज्ञ डाक्टरों को आकर्षित कर सके, उन्हें रोक सके। छोटे शहरों और कस्बों में तो स्थिति और चिंताजनक है। हर मरीज तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने की जिम्मेदारी राज्य सरकार पर है। आयुष्मान जैसी योजनाओं से आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों का उपचार निजी अस्पतालों में संभव हो रहा है, लेकिन सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञों की कमी से राज्य सरकार की प्रशासनिक दक्षता की पोल खुल जाती है। बड़े स्तर पर इस तरह की शर्मिंदगी से बचने के लिए योजना बनाई जा रही है कि सरकारी अस्पताल में निजी प्रैक्टिस करने वाले विशेषज्ञों को बुलवाकर उनसे इलाज करवा लिया जाए। फिलहाल यह व्यवस्था अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए की जाने की तैयारी है। सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञों के स्वीकृत पदों में से आधे रिक्त हैं। पूरे प्रदेश में केवल 140 शासकीय अस्पतालों में सीजेरियन डिलीवरी की सुविधा है। समझा जा सकता है कि सामान्य सर्जरी के लिए विशेषज्ञों की इतनी कमी है तो गंभीर या जटिल बीमारियों की क्या स्थिति होगी। कुछ ऐसी ही स्थिति सहायक सेवाओं की है। नर्सिंग में कभी 45 हजार सीटें थीं इस साल केवल उनके छह हजार रह जाने की आशंका है। दूरदर्शी निर्णय नहीं होने और सरकारी सेवाओं में पेशेवर वातावरण को जगह न मिल पाने से ये स्थितियां बनी हैं। इससे निपटने के लिए निर्णयों को तेजी से लागू करना और उनमें समयानुकूल बदलाव करना होगा।

कमला हैरिस की हार से सबक ले कांग्रेस

ए. सूर्यप्रकाश

जब तक कांग्रेस वामपंथियों को अपना एजेंडा तैयार करने देगी, तब तक उसकी वैसी ही दुर्गति होती रहेगी, जैसी अमेरिकी चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की हुई

अवधेश राजपूत

अमेरिकी चुनाव में भी कमोबेश भारत जैसी कहानी ही दोहराई गई। जिस तरह भारत में कांग्रेस पार्टी पर अतिवादी वामपंथियों ने कब्जा जमा लिया है, कुछ वैसे ही अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी में कर लिया है। कमला हैरिस को अतिवादी वामपंथी बुद्धिजीवियों की ओर झुकाव का खामियाजा राष्ट्रपति चुनाव में करारी हार के रूप में भुगतना पड़ा। पारंपरिक रूप से डेमोक्रेटिक पार्टी की पहचान कामकाजी तबके की पार्टी के रूप में रही है, लेकिन पिछले कुछ समय से उसका नेतृत्व अभिजात्य ग्रंथि का शिकार होकर आम अमेरिकियों की भावनाओं और आकांक्षाओं से कट गया। आम अमेरिकी दक्षिण अमेरिका और अरब देशों से आ रहे अवैध प्रवासियों के चलते मुश्किलों का सामना कर रहे हैं, क्योंकि इन बाहरी लोगों की वजह से न केवल अपराध बढ़ रहे हैं, बल्कि अमेरिकियों के लिए रोजगार के अवसर भी सिकुड़ रहे हैं। फिर भी डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए यह कोई चिंता का मुद्दा नहीं रहा। उलटे वह अमेरिका के अभिजात्य संस्थानों में हमास के पक्ष में कार्यक्रम आयोजित कराती रही। डेमोक्रेट्स के बयानों से यही अनुभूति हुई कि उन्हें आम अमेरिकियों और उनकी आर्थिक दुश्वारियों से अधिक अवैध अप्रवासियों के हितों एवं मानवाधिकारों की फिक्र है तथा श्वेत एवं ईसाई समुदाय जैसे बहुसंख्यक वर्गों की भावनाएं उनके लिए मायने नहीं रखतीं। ऐसा लगा कि महंगाई और आर्थिक समस्याओं को लेकर भी हैरिस अनभिज्ञ सी थीं। दूसरी ओर डोनाल्ड ट्रंप का रवैया स्पष्ट था। उन्होंने लोगों से कहा कि वे उन्हें वोट दें ताकि वह आपराधिक पृष्ठभूमि वाले अवैध अप्रवासियों को बाहर निकालने के साथ ही मेक्सिको एवं अन्य देशों से आने वाले अवैध अप्रवासियों को रोकने के लिए दक्षिणी सीमा पर मजबूत दीवार बना सकें। साथ ही चीनी आयातों पर अंकुश के लिए टैरिफ बढ़ाने, अमेरिका में विनिर्माण को बढ़ावा देने और अर्थव्यवस्था की मजबूती पर भी ध्यान दे सकें।

भारत में भी कांग्रेस पार्टी उन लोगों के साथ खड़ी होती है, जो 'भारत तेरे टुकड़े..' का नारा लगाते हैं, रोहिंग्या घुसपैठियों की ढाल बनती है और पाकिस्तानी आतंकियों के लिए आंसू बहाने वाले फारूक अब्दुल्ला के साथ गठबंधन करती है। डेमोक्रेटिक पार्टी का रुख-रवैया भारत की कांग्रेस पार्टी जैसा ही दिखता है। अमेरिकी मीडिया का एक बड़ा हिस्सा भी वामपंथी जकड़न में है, जिसने रिपब्लिकन पार्टी और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ खूब जहर उगला। अमेरिकी मीडिया पूरी दुनिया को बरगलाता रहा कि हैरिस जीत रही हैं, लेकिन अमेरिकी जनता ने मीडिया का यह पक्षपाती खेल समझते हुए उसे सबक सिखाया। चुनावी अभियान में हैरिस ने ट्रंप को हिटलर, तानाशाह, नस्लवादी, महिला विरोधी, और अशिष्ट एवं गंवार तक कहा। तमाम एंकरों और स्टूडियो में आए मेहमान भी इन गालियों को दोहराते रहे। अमेरिका की विडंबना यह है कि विश्व का सबसे समृद्ध पूंजीवादी देश होते हुए भी वहां के विश्वविद्यालयों द्वारा वामपंथी प्रोफेसरों और छात्रों को भारी प्रोत्साहन दिया जाता है। कम्युनिस्टों और ऐसे ही अन्य लोगों को 'शोध' परियोजनाओं के लिए भारी-भरकम वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जाते हैं, जो अक्सर यहूदियों और इजरायल एवं हिंदुओं और भारत के विरुद्ध होते हैं। वे यह दर्शाते हैं कि कट्टर इस्लाम जैसा कुछ नहीं और इस्लामिक देशों में सब दुरुस्त है। वे हमास जैसे आतंकी संगठनों के पक्ष में महीनों लंबे प्रदर्शन अभियान चलाते हैं तो अमेरिका में घुसने की फिराक में लगे अवैध अप्रवासियों की पैरवी करते हैं। यह सब लोकतंत्र एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किया जाता है। छात्रों और शहरी कुलीन तबकों पर उनका व्यापक प्रभाव है। यही कारण है कि कालेज छात्रों और शहरी मतदाताओं ने हैरिस के पक्ष में मतदान किया, जबकि बड़ी संख्या में ग्रामीण मतदाताओं और विश्वविद्यालयी शिक्षा से वंचित लोगों ने ट्रंप का समर्थन किया।

भारत में भी जेएनयू जैसे विश्वविद्यालय और सेंट स्टीफेंस कालेज के वामपंथी सोच वाले छात्रों को लगता है कि केवल वही जानते हैं कि देश को कैसे चलाया जा सकता है और उनकी बात ही सर्वोपरि है। वह मीडिया का एजेंडा तय करना भी अपना विशेषाधिकार समझते हैं। उनमें से अधिकांश भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से नफरत करते हैं। अपनी विचारधारा के प्रति उनकी ऐसी मुग्धता है कि उससे इतर लोगों के लिए वह कोई जगह नहीं देखते। अपनी इसी मानसिकता के चलते उन्होंने कई बार मोदी के राजनीतिक समापन की घोषणा की, लेकिन व्यापक जनसमर्थन के दम पर मोदी इस वर्ग को धता बताते आ रहे हैं, क्योंकि देश की जनता इन वामपंथियों के झांसे में नहीं आती। इसके बावजूद वामपंथियों का यह छोटा सा समूह कोई सबक नहीं सीखता और टीवी चैनलों से लेकर हर मंच पर अपने 'ज्ञान' का बखान करने से बाज नहीं आता। दुनिया भर में इनके यही तेवर हैं। अमेरिका में भी सीएनएन जैसे चैनल बार-बार वही क्लिप दिखाते रहे, जिनसे ट्रंप की छवि खराब होने के आसार थे। यह उनके विरुद्ध एकदम दुष्प्रचार जैसा था। सबसे हतप्रभ करने वाला प्रयास तो वह ओपिनियन पोल था, जो चुनाव की पूर्वसंध्या पर दिखाया गया। इस पोल के अनुसार ट्रंप आयोवा राज्य में हार रहे थे, जबकि पिछले दो चुनावों में वह यहां से भारी अंतर से जीतते आए थे। चूंकि यह राज्य लंबे समय से रिपब्लिकन पार्टी का गढ़ रहा है तो उक्त पोल के जरिये मतदाताओं को यही संदेश देने की शरारत की गई कि ट्रंप बहुत गहरे संकट में हैं। यदि वह आयोवा में हार जाएंगे तो भला किस आधार पर राष्ट्रपति चुनाव जीतेंगे? वास्तविकता यह रही कि ट्रंप ने इस राज्य में बहुत सहजता के साथ जीत दर्ज की।

अमेरिकी जनता ने हैरिस को व्यापक रूप से खारिज कर हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड जैसे अभिजात्य संस्थानों और मीडिया के शरारतपूर्ण रवैये को सबक सिखाने का काम किया। भारत में कांग्रेस पार्टी के लिए भी इसमें यह सबक छिपा हुआ है कि जब तक वह अल्पसंख्यक तुष्टीकरण और बहुसंख्यकों की भावनाओं की अनदेखी करते हुए वामपंथियों को अपना एजेंडा तैयार करने देती रहेगी, तब तक उसकी वैसी ही दुर्गति होती रहेगी, जैसी अमेरिकी चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की हुई।

(लेखक लोकतांत्रिक विषयों के जानकार एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

response@jagran.com

मिशनरियों के निशाने पर आदिवासी

हरेंद्र प्रताप

पूर्वोत्तर राज्यों की ही तरह ईसाई मिशनरियां झारखंड में भी चुनाव को प्रभावित करने की स्थिति में पहुंच गई हैं

तेजी से बदल रही है झारखंड की डेमोग्राफी। फाइल

आदिवासी समाज भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाने की तैयारी कर रहा है। वर्ष 1875 में 15 नवंबर को झारखंड में 'धरती आबा' यानी भगवान बिरसा मुंडा का जन्म हुआ था। जनजाति अस्मिता, स्वायत्तता और संस्कृति तथा वैष्णव धर्म की रक्षा के लिए बलिदान होने वाले भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष की सत्यता से जनजाति समाज को अवगत कराने का यह सही अवसर है। भारत में बर्बर इस्लामिक आक्रांताओं के बारे में जो कुछ लिखा और कहा जाता है, वह विदेश से आयातित इस्लाम, ईसाइयत और वामपंथ का आधा ही सत्य है। यह समझने की आवश्यकता है कि ईसाई मिशनरियां भी हिंदुओं और आदिवासियों के खिलाफ षड्यंत्र करती रही हैं और आज भी कर रही हैं। कुछ समय पहले मिजोरम के मुख्यमंत्री के अमेरिका में दिए गए बयान से ऐसा प्रतीत होता है कि ईसाई मिशनरियां भी देश का विभाजन करना चाहती हैं।

ईस्ट इंडिया कंपनी ने पहले व्यापार और फिर छल-कपट से भारत में राज्य विस्तार के नाम पर यहीं के जमींदारों को आगे रखकर लूट शुरू की। इस लूट का विरोध करने वालों को चौक-चौराहे पर कोड़े मारने, फांसी पर लटकाने और मंदिरों को तोड़ने जैसे कृत्य किए गए। बाबा तिलका मांझी को मीलों घसीटते हुए खून में डूबे उनके शरीर को पेड़ पर लटका कर खुलेआम फांसी देना इसका उदाहरण है। 23 जून, 1757 को प्लासी युद्ध के बाद अंग्रेजों का तत्कालीन बंगाल पर नियंत्रण हो गया, जिसमें आज के बिहार, ओडिशा तथा झारखंड शामिल थे। फिर 1765 में अंग्रेजों ने उसका दीवानी अधिकार प्राप्त कर लिया। ईस्ट इंडिया कंपनी ने तीर्थयात्रियों पर प्रतिबंध लगा दिया। उसके खिलाफ शुरू हुए संघर्ष को 'संन्यासी विद्रोह' कहा जाता है। इस संघर्ष का केंद्र बिहार का पूर्णिया था। वह आंदोलन लगभग चार दशक तक चला। बाद में 1771 से 1784 तक ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध संघर्ष छेड़ने वाले 'जबरा पहाड़िया' उर्फ बाबा तिलका मांझी को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के पहले सेनानी के नाम से जाना जाता है। आज की पीढ़ी को उनके बारे में बहुत कम जानकारी है। 1857 के पहले 1853 में सिद्धू मुर्मु और कान्हू मुर्मु ने जंगल तराई में ब्रिटिश शासन के दमन और शोषण के खिलाफ 'करो या मरो- अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो' महासंग्राम छेड़ा था, जिसे आज संताल परगना कहा जाता है। यह महासंग्राम ईसाई मिशनरियों के खिलाफ भी था, जो आदिवासी समाज की संस्कृति को बदलने का काम कर रही थीं।

अगस्त 1855 में अंग्रेजों ने सिद्धू मुर्मु को बरगद के पेड़ पर लटकाकर फांसी दे दी। अंग्रेज भारतीय समाज को डराने के लिए बर्बर तरीके से फांसी देते थे, ताकि कोई उनके शासन के खिलाफ अपनी आवाज न उठा सके। बाबा तिलका मांझी, भगवान बिरसा मुंडा तथा सिद्धू-कान्हू मुर्मु के बारे में तो कुछ साहित्य उपलब्ध भी है, पर 1790 के तमाड़ विद्रोह, 1800 से 1818 तक चले चेरो आंदोलन तथा 1820-21 के हो विद्रोह, कोल विद्रोह, ताना भगत आंदोलन आदि के बारे में साहित्य न के बराबर उपलब्ध है।

वर्ष 1757 से 1857 के बीच ईस्ट इंडिया कंपनी के दमन और शोषण के खिलाफ देश में चले अनेक संघर्षों से डर कर ईसाई मिशनरियों ने जनजाति बहुल इलाकों में शिक्षा और स्वास्थ्य के नाम पर आदिवासियों के ईसाइकरण का षड्यंत्र शुरू किया और शिक्षा की आड़ में उन पर मानसिक गुलामी थोपना शुरू कर दिया। देश राजनीतिक रूप से भले आजाद हो गया हो, पर मानसिक रूप से आज भी गुलाम है। इसीलिए जनजाति संघर्ष के बारे में बहुत कम लिखा गया। चिंता की बात यह है कि ईसाई मिशनरियां आज भी वैसे ही सक्रिय हैं, जैसे अंग्रेजी सत्ता के समय थीं। जिस जनजाति समाज ने अंग्रेजी राज के शोषण और दमन के खिलाफ संघर्ष किया, आज वही ईसाई मिशनरियों के चंगुल में है। जनजाति समाज को जंगल और जमीन के अधिकार से बेदखल करने वाले अंग्रेज थे, पर इसका कोई जिक्र नहीं करता।

वर्तमान में झारखंड दोहरे संकट से दो-चार है। एक ओर बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठिए बढ़ रहे हैं और इसके चलते आदिवासी इलाकों में मुस्लिम आबादी बढ़ रही है, दूसरी ओर आदिवासियों का ईसाइकरण हो रहा है। झारखंड में भगवान बिरसा मुंडा की संतानों यानी मुंडा की आबादी 12,29,221 है, जिसमें से 4,03,466 यानी 32.82 प्रतिशत ईसाई हो गए हैं। तिलका मांझी की संतानों यानी संताल की आबादी 27,54,723 है, जिसमें से 2,36,304 यानी 8.57 प्रतिशत ईसाई हो गई है। मुंडा और संताल की ही तरह 26.16 प्रतिशत उरांव भी ईसाई हो गए हैं। अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करने वाले हो और चेरो भी ईसाई बन रहे हैं। सिमडेगा जिले में 80.71 प्रतिशत, गुमला में 43.79 प्रतिशत, पश्चिमी सिंहभूम में 41.29 प्रतिशत तथा खूंटी में 37.91 प्रतिशत मुंडा आबादी ईसाई बन गई है। मुंडा समाज की ही तरह सिमडेगा में 95.31 प्रतिशत तथा गुमला में 29.46 प्रतिशत उरांव आबादी भी ईसाई हो गई है। इसी प्रकार झारखंड का सिमडेगा ईसाई बहुल हो गया है। यह साफ दिख रहा है कि पूर्वोत्तर राज्यों की ही तरह ईसाई मिशनरियां झारखंड में भी चुनावों को प्रभावित करने की स्थिति में पहुंच गई हैं। आज समय की मांग है कि ईसाई मिशनरियों के खिलाफ जनजाति समाज के संघर्ष के इतिहास को नए सिरे से संकलित किया जाए और उसका प्रचार-प्रसार हो। इसके साथ-साथ जनजातियों की मातृभाषा, कला, गीत, नृत्य, संगीत, हस्तकला का संरक्षण और संवर्धन किया जाए। इसी के साथ ईसाई मिशनरियों के छल-छद्म से मतांतरण अभियान पर रोक लगानी होगी। इससे ही ईसाई मिशनरियों के षड्यंत्र से झारखंड बच सकेगा।

(लेखक बिहार विधान परिषद के पूर्व सदस्य हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

वाणी

मनुष्य भावना प्रधान प्राणी है। उसके विचार उसके स्वभाव और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करते हैं। जब वह अपने विचार व्यक्त करता है तो वे सुनने वाले पर प्रभाव डालते हैं। जैसे हवा गंध को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाती है, ठीक उसी प्रकार वाणी द्वारा एक व्यक्ति की भावना दूसरे तक पहुंचती है। दूसरे व्यक्ति के भी भावनामय होने के कारण वाणी द्वारा ले जाए गए भाव उसके चेतन को उद्वेलित कर देते हैं। यह उद्वेलन सकारात्मक होगा या नकारात्मक यह व्यक्ति द्वारा व्यक्त विचारों की प्रकृति से निर्धारित होता है। मनुष्य के व्यक्तित्व की पहचान उसकी वाणी से होती है। उसके ज्ञान, स्वभाव, मन की दशा और विचार सभी का पता उसकी वाणी से चल जाता है। जैसे मिट्टी के बर्तन को बजाने पर उत्पन्न स्वर से उसके टूटे या साबुत होने का पता लग जाता है, वैसे ही किसी भी व्यक्ति की बातचीत से उसके मस्तिष्क की परिपक्वता का अनुमान लगाया जा सकता है। व्यक्ति के बोलते ही उसके अंतःस्थल की खिड़की खुल जाती है और उसके प्रकट विचारों से उसके स्वभाव की माप मिल जाती है। अतः आवश्यक है कि बोलते समय आत्मनिरीक्षण और विश्लेषण कर ही बोला जाए।

जो विचार बोला जाए, उसके साथ हृदय और कर्म की सुसंगति भी हो। वास्तव में जब व्यक्ति बोलता कुछ और है और करता कुछ और है, तब उसकी बात बनावटी होती है और उसमें प्रभाव नहीं होता। एक बार अपने पुत्र की बहुत अधिक गुड़ खाने की आदत से परेशान एक मां एक संत के पास आई, पर संत ने उसके पुत्र से गुड़ छोड़ने को नहीं कहा। असल में वह स्वयं ही बहुत अधिक गुड़ खाते थे। पहले उन्होंने स्वयं गुड़ खाना छोड़ा और उसके बाद उस बालक से गुड़ छोड़ देने की बात कही। महानता का लक्षण ही यह है कि व्यक्ति की वाणी से वही प्रकट होगा, जो उसके विचार और कर्म में परिलक्षित होगा।

डा. प्रशांत अग्निहोत्री

हाथियों के संरक्षण में लापरवाही

सोनम लवंशी

हाथी हमारा राष्ट्रीय विरासत पशु है। इसके संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए

मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बीते कुछ दिनों के दौरान 10 हाथियों की मौत हो गई है। इसका कारण खेत में खड़ी कोदो और कुटकी की फसलों को माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि बारिश के बाद प्रतिकूल मौसम के चलते इन फसलों में माइकोटाक्सिन नामक विष बन गया था। इसका सेवन करने से पशुओं में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है और उनकी मौत हो जाती है।

इस समय दुनिया में हाथियों की संख्या मात्र 50 हजार है जिसमें 60 प्रतिशत हाथियों का निवास भारत में है। दुनियाभर में हाथियों के संरक्षण के लिए गठित आठ देशों के संगठन में भी भारत शामिल है। बावजूद इसके हाथियों पर संकट के बदल मंडरा रहे हैं। पिछले 13 वर्षों में भारत के जंगलों में 1357 हाथियों की मौत हुई है। हमारे देश में पेड़ पौधे, पशु-पक्षियों को पूजने की परंपरा रही है, तो अब क्यों हम इन्हीं पशु-पक्षियों से दूर होते जा रहे हैं? इसका जवाब है कि मानवीय संवेदना मरणासन्न स्थिति में पहुंच गई है। बढ़ती आधुनिकता और भौतिकवाद मानव को क्रूर और निर्दयी बनाने को आतुर है। साल 2018 में केरल में हाथियों के हिंसक होने को लेकर पेरियार टाइगर कंजर्वेशन फाउंडेशन ने एक रिसर्च किया। जिसका निष्कर्ष यह निकला की जंगलों में अब पारंपरिक पेड़ नष्ट हो गए हैं और उनके स्थान पर बबूल और नीलगिरि जैसे पेड़ लगाए जा रहे हैं। पेड़ों की ये किस्में जमीन से पानी सोख रही हैं, जिससे हाथियों के लिए भोजन का संकट हो रहा है।

देश में एलिफेंट कारिडोर की संख्या 150 है, जो हाथियों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। चूंकि हाथी हमारा 'राष्ट्रीय विरासत पशु' है और तीन राज्यों- झारखंड, कर्नाटक और केरल सरकार द्वारा हाथी को 'राजकीय पशु' के रूप में मान्यता दी गई है तो इसके संरक्षण के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने चाहिए। संविधान सिर्फ मानव को ही जीवन जीने की स्वतंत्रता नहीं देता, अपितु इसके अनुच्छेद 48-(ए) में कहा गया है कि राज्य का यह दायित्व है कि वह पर्यावरण संरक्षण एवं उसको बढ़ावा देने का काम करेगा और देशभर में जंगलों एवं वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए काम करेगा। अनुच्छेद- 51 (ए) कहता है कि जंगल, तालाब, नदियों, वन्यजीवों सहित सभी तरीके की प्राकृतिक पर्यावरण संबंधित चीजों की रक्षा करना एवं उनको बढ़ावा देना हर भारतीय नागरिक का कर्तव्य है। फिर अधिकार के लिए आंदोलित होने वाला मानव समाज क्यों अपने कर्तव्यों के निर्वहन से दूर भागता है? यह अपने आप में बड़ा सवाल है, क्योंकि जब तक सह-अस्तित्व की भावना नहीं होगी, मनुष्य और वन्यजीवों के बीच टकराव कम नहीं होने वाला।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मुस्लिमों में भी समता की हो पहल

'जरूरी है मुस्लिम जातियों की पहचान' शीर्षक से प्रकाशित आलेख में डा. फैयाज अहमद फैजी ने मुस्लिम समाज में जातिगत पहचान की आवश्यकता और उनके लिए समान अवसरों की मांग को प्रमुखता से उजागर किया है। मुस्लिम समाज में जातिगत पहचान की समस्या को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। यह मानना एक भ्रम है कि मुस्लिम समाज में जातियों का अस्तित्व नहीं है या उनमें भेदभाव नहीं होता। हकीकत यह है कि मुस्लिम समाज में भी आंतरिक जातिगत भेदभाव की जड़ें गहरी हैं। 1955 में आई सच्चर समिति की रिपोर्ट और उसके बाद कई अध्ययनों ने स्पष्ट किया है कि मुस्लिम समाज में 'अशराफ' और 'पसमांदा' जैसी श्रेणियों के बीच आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक स्तर पर गंभीर असमानताएं मौजूद हैं। इसके बावजूद इन जातियों को न्याय देने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए। आज जरूरत है कि मुस्लिम समाज की जातियों की पहचान की जाए और उन्हें उचित संवैधानिक संरक्षण एवं विकास के अवसर प्रदान किए जाएं। यह समझना आवश्यक है कि वास्तविक समानता का अर्थ केवल एकरूपता में नहीं, बल्कि विविधता को मान्यता देने में है। यदि मुस्लिम समाज के सभी वर्गों को उचित अवसर और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, तो न केवल उनकी आर्थिक और शैक्षिक स्थिति सुधरेगी, बल्कि यह समाज में समावेशी विकास की दिशा में एक सशक्त कदम होगा।

awanishg30@gmail.com

मेलबाक्स

कांग्रेस पर एकाधिकार क्यों?

राहुल गांधी का छह नवंबर को एक लेख, ''समान अवसर की मांग करता व्यापार जगत'' शीर्षक से प्रकाशित हुआ। राहुल व्यवसाय में एकाधिकार के विरुद्ध हैं, पर क्या उन्होंने कभी इस बात पर ध्यान दिया है कि कांग्रेस में पिछले 77 वर्ष से एक ही परिवार के इतर किसी की भी महत्व क्यों नही दिया गया? कांग्रेस पर इस परिवार का इतना अधिक एकाधिकार है कि लोकसभा के पिछले तीन चुनावों में बुरी तरह हारने के पश्चात भी पार्टी सोनिया गांधी और राहुल गांधी के इर्दगिर्द ही है। राहुल किस तरह के एकाधिकार का विरोध करते हैं?

धर्मेंद्र नाथ रस्तोगी, गाजियाबाद

हिमाचल का समोसा

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नाश्ते के लिए शिमला के पांच सितारा होटल से मंगवाए गए कुल 21 समोसे आज की राजनीति के हाट केक बन चुके हैं। राजनीति के इन गर्मागर्म समोसे ने ''खाया पिया कुछ नहीं और गिलास फोड़ा बारह आना' वाली कहावत चरितार्थ कर दी है। कितना हास्यास्पद है कि गायब हुए समोसे की जांच उच्च स्तर के अधिकारी कर रहे हैं। शुक्र है कि इस समोसा केस को राज्य की स्टैंडिंग कमेटी के पास नहीं भेजा। ऐसे ही कुछ वर्षों पहले सपा के नेता आजम खान की भैंसों के चोरी हो जाने पर उत्तर प्रदेश की पुलिस ने एड़ी चोटी का जोर लगा दिया था और इस विषय पर यूपी पुलिस हंसी का पात्र भी बनी थी। क्या प्रदेशों की पुलिस समोसे, भैंसों की बरामदगी के लिए बनी है या फिर राज्य की कानून व्यवस्था बनाए रखने और जनसाधारण की सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनी है? हालांकि वर्तमान में हिमाचल प्रदेश के बिगड़ते आर्थिक हालात किसी से छिपे नहीं हैं और सरकारी कर्मचारियों को कुल बजट का 40 फीसदी वेतन एवं पेंशन देने में ही निकल जाता है। ऐसे में विकास योजनाओं का क्या हाल होगा? गंभीर चिंता का विषय है। प्रदेश की डांवाडोल आर्थिक स्थिति को देखते हुए कुछ दिनों पहले स्वयं मुख्यमंत्री ने अपने विधायकों को दो से तीन महीने तक का वेतन लेने से मना कर दिया था। निःसंदेह यह सब चुनाव के दौरान फ्री की रेवड़ियां बांटने का दुष्चक्र है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी कुछ दिन पहले फ्री की घोषणाओं की भर्त्सना की थी, लेकिन सत्ता की चाहत में झारखंड और महाराष्ट्र में एकबार फिर से चुनावी रेवड़ियों की बाहर है। दीपक गौतम, सोनीपत

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए; नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

****

1.3 से लेकर अधिकतम चार प्रतिशत तक ही जिम्मेदार है पराली के जलाने से पैदा होने वाला प्रदूषण, दिल्ली एवं आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण के लिए। अधिकांश स्थानीय कारक ही जिम्मेदार हैं दिल्ली में वायु प्रदूषण की गंभीर होती समस्या के लिए।

अनीश कुमार भानु
शोधार्थी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली

आजकल

प्राणवायु पर संकट के निदान की राह

नवंबर के आरंभ के साथ ही दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण का स्तर गंभीर हो चुका है। दिल्ली एनसीआर में पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से लोग जहरीली हवा में सांस ले रहे हैं। वैसे, वायु गुणवत्ता खराब होने के कारकों पर निरंतर चर्चा होती है, जिसमें पराली जलाने से पैदा धुएं को भी जिम्मेदार ठहराया जाता है। परंतु एक हालिया अध्ययन में स्थानीय कारकों को कहीं अधिक जिम्मेदार बताया गया है। लिहाजा, प्रदूषण के स्थानीय कारकों को समझने और उनके समाधान की आवश्यकता है

सभी नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं एवं सरकार की संबंधित एजेंसियों के समग्र प्रयासों से ही संभव है वायु प्रदूषण पर नियंत्रण। फाइल

नवंबर के आरंभ के साथ दिल्ली समेत उत्तरी भारत के प्रमुख शहरी इलाकों के लोगों के सांस पर एक बार फिर पहरा बैठ गया है। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि इस बार दिवाली से पहले ही दिल्ली की हवा खतरनाक सीमा को पार कर 'बेहद खराब' की श्रेणी में पहुंच गई थी। राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों के चलते राजधानी दिल्ली में दूषित हवा के असली जिम्मेदार कारक का ठीक-ठीक पता लगाना मुश्किल सा हो गया है। आमतौर पर हर साल सर्दियों के आरंभ में दिल्ली समेत उत्तरी भारत में हवा के प्रदूषित होने का प्रमुख कारण निकटवर्ती राज्यों से खरीफ फसलों की कटाई के बाद खेतों में पराली जलाने से होने वाले धुएं को बताया जाता रहा है। परंतु पर्यावरण से संबंधित विषयों पर अध्ययन करने वाली संस्था सेंटर फार साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) की एक हालिया रिपोर्ट ने तथ्यात्मक आंकड़ों के साथ इस धारणा को चुनौती दी है। संस्था द्वारा हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण के स्रोतों में स्थानीय वाहनों से होने वाला प्रदूषण सबसे प्रमुख कारक है।

वस्तुतः सीएसई ने इंडियन इंस्टीट्यूट आफ ट्रापिकल मीटियोरोलाजी द्वारा वायु की गुणवत्ता की जांच के लिए तैयार किए गए माडल को आधार बनाते हुए दिल्ली में वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार 29 स्रोतों का तुलनात्मक अध्ययन किया। दिवाली से पहले 15 दिनों (12-27 अक्टूबर) तक के आंकड़ों के विश्लेषणात्मक अध्ययन से स्पष्ट है कि गत वर्षों की तुलना में इस वर्ष दिल्ली की हवा अधिक खराब हो गई है। सर्दी के शुरुआती 15 दिनों के इस पहले चरण में 'बहुत खराब' और 'खराब' वायु गुणवत्ता वाले दिन अधिक दर्ज किए गए हैं, जबकि अच्छी वायु गुणवत्ता वाले दिनों की संख्या में भारी कमी आई है, जो इसी अवधि में पिछले तीन वर्षों में (12-27 अक्टूबर) सबसे अधिक है। इस दौरान यह भी पाया गया है कि पराली जलाने से उठने वाले धुएं का वायु प्रदूषण में योगदान केवल तीन से चार प्रतिशत तक ही रहा है, जबकि दिल्ली में हवा के दूषित होने के लिए स्थानीय कारक प्रमुख तौर पर जिम्मेदार हैं।

स्थानीय कारक : उल्लेखनीय है कि दिल्ली समेत उत्तरी भारत में हवा के दूषित होने के लिए जिम्मेदार सभी स्थानीय कारकों में वाहनों से निकलने वाले धुएं का योगदान सर्वाधिक है। इस रिपोर्ट के आने के बाद राष्ट्रीय राजधानी अब अपनी बिगड़ती हवा के लिए किसी भी बाहरी कारक को सीधे-सीधे जिम्मेदार नहीं ठहरा सकता। हालांकि पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण पर ध्यान देना आवश्यक है, फिर भी दिल्ली में बड़ी संख्या में चलने वाले वाहनों से उत्सर्जित होने वाले वायु प्रदूषण से तत्काल और प्रभावी तौर पर निपटना आवश्यक है।

यह रिपोर्ट दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्र में प्रदूषण को कम करने के लिए बड़े पैमाने पर उचित दिशा में तेजी से कार्रवाई की ओर भी इशारा करती है। बढ़ते शहरीकरण के कारण पिछले दो दशकों में शहरों की आबादी तेजी से बढ़ी है। पूरे साल विशेषकर सर्दियों में यह आबादी दूषित हवा में सांस लेने को मजबूर होती है। आज इस अदृश्य आपातकाल की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए किसी अस्थायी और तात्कालिक उपाय की जगह टिकाऊ समाधान को अपनाया जाना आवश्यक हो गया है, ताकि वायु प्रदूषण के मूल कारणों की पहचान कर, स्थायी समाधान निकालते हुए नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों से बचाया जा सके।

नीतिगत रूप से लो एमिशन जोन (कम उत्सर्जन क्षेत्र) का निर्माण दुनिया भर में वायु प्रदूषण के विरुद्ध अभियान में एक माडल बनकर उभरा है। इस क्षेत्र में वाहनों के परिचालन के लिए बेहद सख्त मानक बनाए जाते हैं। दिल्ली के भीड़भाड़ वाले और अत्यधिक आबादी वाले महानगरीय इलाकों में 'एलईजेड' स्थापित करने से प्रदूषण के स्तर में काफी कमी आ सकती है। ऐसे क्षेत्र शहर को सुरक्षित और स्वच्छ बनाते हुए लोगों को सार्वजनिक परिवहन या कम उत्सर्जन वाले वाहनों का चुनाव करने के लिए भी प्रोत्साहित करेंगे। हमारे देश में ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में बेहतर सार्वजनिक परिवहन प्रणाली उपलब्ध है। वहीं, अहमदाबाद में भी बीआरटीएस कारीडोर सफल रहा है, जिसमें केवल सार्वजनिक परिवहन यानी स्थानीय बसों को संचालित करने की अनुमति है। परंतु आज से कुछ वर्षों पूर्व जब दिल्ली में भी इसे 12 किलोमीटर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में बनाया गया तो कुछ ही समय बाद इसे असफल साबित कर दिया गया। वस्तुतः निजी गाड़ियों को सड़कों पर समुचित स्थान उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली में बीआरटीएस कारीडोर को नष्ट कर दिया गया।

इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा : अधिक प्रदूषण फैलाने वाले पुराने वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाते हुए उसकी जगह स्वच्छ माडलों को लाने की आवश्यकता है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में सरकारों ने पहल करते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना शुरू किया है, लेकिन लागत अधिक होने और सीमित बुनियादी ढांचे के कारण इसे अभी भी सहजता से अपनाया नहीं जा सका है। इसके लिए आवश्यक है कि इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद के लिए सब्सिडी देते हुए चार्जिंग और सर्विसिंग जैसे बुनियादी ढांचे को सर्वसुलभ बनाया जाए।

समन्वित प्रयास : वायु प्रदूषण का समाधान केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं, इसके लिए जनभागीदारी को भी सुनिश्चित करना होगा। जहरीली हवा के नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों और दैनिक जीवन में व्यावहारिक बदलाव- जैसे वाहन का उपयोग कम करना, कारपूलिंग का विकल्प या सार्वजनिक परिवहन विकल्पों का चुनाव कर दिल्ली और अन्य घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्र अपने पर्यावरण को फिर से स्वच्छ बना सकते हैं। स्कूली पाठ्यक्रम, सामुदायिक केंद्र और इंटरनेट मीडिया के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को संवेदनशील बनाकर उनके निजी और सार्वजनिक व्यवहार को भी बदलने की आवश्यकता है। प्राकृतिक रूप से प्राप्त स्वच्छ हवा किसी एक का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि उस पर सबका बराबर अधिकार है। इसे सुनिश्चित करने के लिए सभी सरकारी, गैर सरकारी संगठनों, सिविल सोसाइटी और नागरिकों को समन्वित होकर निर्णायक रूप से कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि हर साल सर्दी में उत्पन्न होने वाले इस अदृश्य हेल्थ इमरजेंसी से हम सभी को मुक्ति मिल सके।

सामूहिक प्रयासों से संभव प्रदूषण का खात्मा

ज्ञानेंद्र रावत

वायु प्रदूषण दिल्ली वासियों की नियति बन चुका है। वैसे तो वायु प्रदूषण की मार से दिल्ली और आसपास के लोग हमेशा त्रस्त रहते हैं, लेकिन सर्दी की शुरुआत इस क्षेत्र में आफत लेकर आती है। वर्तमान दशा इस बात का साक्ष्य है कि आसमान में वायु प्रदूषण की मोटी परत के चलते दिल्ली वालों का दम फूल रहा है। यह बात दीगर है कि इस समस्या से निपटने की दिशा में भारत सरकार ने वर्ष 2017 में ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए ग्रेडेड एक्शन रिस्पांस प्लान यानी ग्रेप, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम और 15वें वित्त आयोग के 'मिलियन प्लस चैलेंज फंड' के अंतर्गत धन आवंटन जैसे कदमों के तहत वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के प्रयास किए हैं। लेकिन ऐसा लग रहा है कि ये सारे प्रयास अब तक नाकाम साबित हुए हैं और दिल्ली साफ हवा के लिए तरस रही है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली की हवा में प्रदूषण का जहर तेजी से बढ़ता जा रहा है। बीता सप्ताह इसका प्रमाण है। कल यानी सोमवार को भी कमोबेश ऐसी ही स्थिति रही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में आजकल हवा में पीएम 10 का स्तर 318 और पीएम 2.5 का स्तर 177 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से ज्यादा है जिसके फिलहाल कम होने की कोई उम्मीद नहीं है। जबकि स्वास्थ्य की दृष्टि से पीएम 10 का स्तर 100 से कम और पीएम 2.5 का स्तर 60 से कम ही उचित माना जाता है। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर भयावह श्रेणी में पहुंचने के कारण अब ऐसे लोगों को भी अस्पताल जाना पड़ रहा है जिन्हें कभी भी सांस की बीमारी थी ही नहीं। एक बड़ी चिंता का विषय यह भी उभर रहा है कि अधिकांश लोग बच्चों की खांसी नहीं रुकने और सांस अटकने की शिकायत कर रहे हैं। लगातार खांसी से जूझते बच्चों के माता-पिता को डाक्टर बच्चों को लेकर कुछ दिनों के लिए दिल्ली से बाहर की सलाह दे रहे हैं।

विभिन्न अध्ययनों और शोधों से यह साबित हो गया है कि वायु प्रदूषण से सांस के रोगियों की संख्या में ही वृद्धि नहीं हो रही है, बल्कि इससे अजन्मे शिशु का स्वास्थ्य भी गंभीर रूप से दुष्प्रभावित हो रहा है। हवा में पीएम 2.5 की मात्रा बढ़ने से गर्भवती महिला के बच्चे का वजन 23.4 ग्राम और पीएम 10 बढ़ने से गर्भ में पल रहे बच्चे का वजन 16.8 ग्राम कम हो जाता है। शोधों एवं अध्ययनों से यह भी साबित हो गया है कि प्रदूषण अब जानलेवा हो गया है और बच्चों के जीवन के लिए भयावह स्तर तक खतरा बन चुका है। ऐसे में अभिभावकों के लिए यह दुविधा की स्थिति है कि वे जाएं तो कहां जाएं? जबकि दूसरी ओर कहा जा रहा है कि इस समस्या का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है और हवा स्वच्छ रखने में नागरिकों को अपनी भूमिका का निर्वहन करना चाहिए। अब सवाल यह उठता है कि हवा साफ रखने में नागरिक की भूमिका क्या है? इसके लिए जिम्मेदार लोगों या गतिविधियों की सटीक जानकारी मिलने से ही इसके समाधान की दिशा में तत्परता से आगे बढ़ा जा सकता है। वैसे इस कार्य में सरकार व नागरिक भागीदारी को सुनिश्चित करते हुए ही इस समस्या से निपटा जा सकता है। इसके लिए प्रदूषण के सटीक कारणों की पहचान करते हुए उन पर तत्काल पाबंदी लगानी होगी।

(लेखक पर्यावरणविद हैं)

खरी-खरी

आम आदमी की आह और रेवड़ी की चाह

धर्मेंद्र जोशी

कई राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। चुनाव जीतने के लिए तमाम तरीके आजमाए जा रहे हैं। स्वयं की उड़न छू योजनाओं को गारंटी और दूसरों की मुफ्त देने की घोषणा को रेवड़ी करार दिया जा रहा है। हालांकि आम जनता के एक जेब से रुपये निकालकर दूसरे जेब में डालने के उपक्रम को ही राजनीतिक दल लोक कल्याण निरूपित कर रहे हैं। सरकारों पर कर्ज का जाल जनता के दैनिक जीवन का जंजाल बनता जा रहा है, लेकिन हमारे कर्णधार हैं कि मानते ही नहीं, बिजली, सड़क, पानी जैसे आधारभूत मुद्दों के बजाय नित नई लुभावनी घोषणाओं की बौछार की जा रही है, जिससे मतदाता का मन भीग रहा है, जो चुनाव में वोट के रूप में परिवर्तित हो रहा है।

उधर, हमारे मित्र सुखीलाल दूसरों के सुख से दुखी हैं, सरकार ने बहनों के बैंक खाते को आबाद किया, तो वे इसको फिजूलखर्ची मान मुंह फुला बैठे। किसानों को मुआवजा का ऐलान किया, तो इस पर भी वे नाराज हो गए। सरकारी सेवा से निवृत्त आदर्श बाबू भी बेतहाशा खर्च को लेकर सरकार को आदर्श सुझाव पेश कर रहे हैं, जो इस देश में तो शायद संभव नहीं है। आदर्श बाबू की चाह है कि सार्वजनिक जीवन में जनता के प्रतिनिधि सादगी की मिसाल कायम करें, मगर एक अदना सा नेता भी पूरी लाव लश्कर के साथ सड़कों पर निकलता है।

बहरहाल, रेवड़ी बांटने का प्रचलन चरम पर है, कोई भी दल इससे अछूता नहीं है। जहां एक ओर युवा हाथों को काम की जरूरत है, वहां बेरोजगारी भत्ता देकर पढ़े-लिखे युवाओं का मजाक बनाया जा रहा है, किसानों को महंगे डीजल, खाद बीज में राहत न देकर आसमानी सपने दिखाए जा रहे हैं, फसलों के दाम से लागत मूल्य निकालना भी दूभर हो रहा है, महिलाओं को आत्मनिर्भर न बनाकर परजीवी बनाने की परंपरा डाली जा रही है।

लब्बोलुआब यह कि येनकेन प्रकारेण चुनावी जीत ही सर्वोपरि है, भले ही देश कर्ज के दलदल में गले तक उतर जाए, वैसे भी जब सब अपनी ही झोली भरने में दिन रात जुटे हों, तो आज के मंजर को भलीभांति समझा जा सकता है।

पोस्ट

भारत में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी हर बार चुनावी मुद्दा बनते हैं। राजनीतिक दल उन्हें वापस भेजने के नाम पर वोट लेते हैं। जनता विश्वास करके वोट दे भी देती है, पर सच्चाई यही है कि पिछले बीस साल में कितने अवैध घुसपैठिये वापस भेजे गए, इसका शायद कोई आंकड़ा नहीं।

सत्या चौधरी@satyagodara

चूंकि रोहित शर्मा आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए अनुपलब्ध रहेंगे तो मुझे उम्मीद है कि चयनकर्ताओं- बीसीसीआइ को पूरी शृंखला के लिए किसी अन्य कप्तान को नियुक्त करना चाहिए। सुपरस्टार-विशेषाधिकार को नकारने के लिए कम से कम इतना तो किया ही जा सकता है।

शेखर गुप्ता@ShekharGupta

बच्चों की शारीरिक एवं मानसिक सेहत पर प्रतिकूल प्रभावों की वजह से आस्ट्रेलिया 16 साल से कम उम्र के बच्चों-किशोरों के लिए इंटरनेट मीडिया पर प्रतिबंध लगाने जा रहा है। यह संवेदनशीलता प्रशंसनीय है। अफसोस की बात है कि हमारे देश में नीतिगत स्तर पर ऐसा कोई विचार नहीं हो रहा है।

प्रकाश सिंह@singh_prakash

जागरण जनमत कल का परिणाम

क्या 16 साल से कम उम्र के बच्चों एवं किशोरों के लिए इंटरनेट मीडिया की पहुंच को सीमित किया जाना चाहिए?

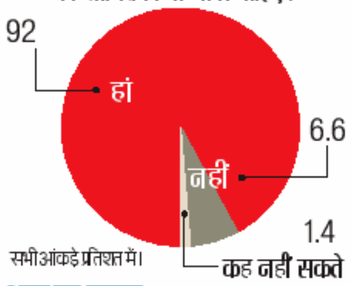

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में जसप्रीत बुमराह को कप्तानी की जिम्मेदारी देने का फैसला सही है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

सारे मुल्ला-मौलवी फतवा देते आज,
ये जिसको आशीष दें आए उसका राज।
आए उसका राज विरोधी जाए मारा,
बंटा जाति में देश तभी सदियों सें हारा।
यदि योगी दें बोल मचेगा हल्ला-गुल्ला,
पर फतवे के बोल बोलते सारे मुल्ला!

- ओमप्रकाश तिवारी

आर्य ही थे सरस्वती-सिंधु सभ्यता के जनक

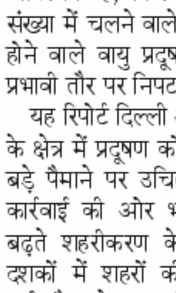

शुभम केवलिया
असिस्टेंट प्रोफेसर, भगत सिंह कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

देश की भावी पीढ़ी को इतिहास का संतुलित ज्ञान देने के लिए 'भारत का समग्र इतिहास' के लगभग छह सौ पेज के 'परिचय' का पहला खंड तैयार किया जा चुका है। इसे एक विशेष प्रोजेक्ट के तहत भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (आइआरसीएच) ने तैयार किया है। समझा जा रहा है कि इसे अनुमोदित करने के लिए जल्द ही इस संबंध में परिषद की बैठक हो सकती है। उम्मीद की जा रही है कि यह संतुलित इतिहास ही स्कूलों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं एनसीईआरटी से लेकर राज्य बोर्डों तक इतिहास के पाठ्यक्रम का आधार बनेगा।

वस्तुतः हमें यह समझना चाहिए कि सरस्वती सिंधु नदी के किनारों पर पल्लवित हुई भारत की प्राचीनतम सभ्यता का आर्यों से क्या संबंध था? यह एक ऐसा प्रश्न है जो पिछले लगभग सौ वर्षों से भारतीय इतिहास में सर्वाधिक चर्चित विषय रहा है। मूल रूप से तो इस प्रश्न का उत्तर पुरातात्विक उत्खननों एवं उसके अध्ययन में निहित है। विगत तीन दशकों में हुई नवीन खोजों ने इस प्रश्न के उत्तर का मार्ग प्रशस्त किया है।

मानव सभ्यता का प्राचीनतम ग्रंथ जो ऋग्वेद के नाम से प्रसिद्ध है, वह आर्यों का ही ग्रंथ है। ऋग्वेद के अध्ययन से यह स्पष्ट हो जाता है कि आर्यों की बसाहट वर्तमान में लुप्त हो चुकी सरस्वती नदी एवं सिंधु नदी के किनारों पर ही अवस्थित थी। कई इतिहासकारों का ऐसा मत है कि आर्यों का समाज पूर्ण रूप से ग्रामीण समाज था। परंतु तथ्य यह भी है कि ऋग्वेद में ग्राम शब्द से कहीं अधिक बार नगर शब्द का उल्लेख किया गया है। ऋग्वेद के ही छठे मंडल के 46वें सूक्त में एक ऐसे घर की कामना की गई है जो ईंटों का बना हो। इस प्रकार के घर तो उस काल में केवल सरस्वती व सिंधु नदी के किनारे पर ही अवस्थित थे। आर्य कोई ग्रामीण संस्कृति के वाहक नहीं थे, उनकी सभ्यता में तो नगर और ग्राम दोनों का ही अस्तित्व था।

मोहनजोदड़ो स्थित सरस्वती सिंधु सभ्यता के सुविकसित नगरों के अवशेष। फाइल

राखीगढ़ी से मिले प्रमाण : हम सब जानते हैं कि यज्ञ पूजा आर्यों के धर्म का एक प्रमुख अंग था। यहां यह बात उल्लेखनीय है कि इसी सभ्यता के सबसे बड़े पुरास्थल राखीगढ़ी (हरियाणा) से बीते वर्षों के दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को कई यज्ञवेदियां उत्खनन में प्राप्त हुई थीं। इन यज्ञवेदियों की तिथि वर्तमान समय से 4500 वर्ष पूर्व की है। यह अवशेष इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि राखीगढ़ी और इस विशाल सभ्यता में रहने वाले लोग वैदिक परंपरा के अनुयायी थे जिसका संबंध आर्यों से है।

यह तो सर्वविदित है कि आर्यों ने द्रुतगामी वाहन के तौर पर अश्व का उपयोग किया था। सरस्वती सिंधु सभ्यता के कई पुरास्थलों से हमें अश्व की हड्डियां एवं मृण्मूर्तियां (मिट्टी की पकी हुई मूर्तियां) प्राप्त हुई हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की उत्खनन विवर्णिकाओं के अनुसार सुरकोटदा, लोथल, रंगपुर, राणाघुंडई, शिकारपुर, राखीगढ़ी, कुणाल आदि पुरास्थलों से अश्व के साक्ष्य विभिन्न स्वरूपों में प्राप्त हुए हैं। अतः यह कहना कि सरस्वती सिंधु सभ्यता में अश्व विद्यमान नहीं था तथा इस आधार पर उस सभ्यता को आर्यों से अलग कर देना तथ्यपरक नहीं है। इस सभ्यता में अश्व उपलब्ध था तथा इसके पर्याप्त पुरातात्विक प्रमाण हमारे पास उपलब्ध हैं।

वैदिक परंपरा का अनुसरण : कुछ इतिहासकारों का यह मत था कि सरस्वती सिंधु सभ्यता के पतन के पश्चात आर्य मध्य एशिया से भारत में आए थे, जो पूरी तरह से पूर्वाग्रह से ग्रसित है। अमेरिका के दो प्रसिद्ध मानव विज्ञानियों ने अपने शोध के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है कि भारत में उत्तर पश्चिम क्षेत्र में वर्तमान से 6500 वर्ष पूर्व से 2800 वर्ष पूर्व के मध्य इस क्षेत्र में कोई डेमोग्राफिक डिसरप्शन (जनसांख्यिकीय व्यवधान) हुआ ही नहीं है। अतः कुछ विद्वानों का ऐसा कहना कि आज से 3500 वर्ष पूर्व आर्य नामक लोग मध्य एशिया से भारत में आए थे, वैज्ञानिक रूप से तथ्यहीन ही है। इतना ही नहीं, सिनौली (बागपत) से उत्खनन में प्राप्त लगभग चार हजार वर्ष पूर्व के काष्ठ व ताम्र निर्मित रथ ने आर्यों के भारत आगमन या आक्रमण से जुड़े मिथक के ताबूत में अंतिम कील ठोकने का कार्य किया है। पहले ऐसा कहा जाता था कि 3500 वर्ष पूर्व आर्य ही भारत में रथ लेकर आए थे। लिहाजा उपरोक्त पुरातात्विक विवरण इस मत को बल प्रदान करते हैं कि भारत की प्राचीनतम सरस्वती सिंधु सभ्यता के जनक व उसमें निवासरत लोग वैदिक परंपराओं का अनुसरण करने वाले आर्य ही थे। भारतीय समाज के पूर्वज आर्यों को उस सभ्यता से अलग रखना व ऐसा कहना कि वे तो मध्य एशिया से आए थे, वैज्ञानिक और पुरातात्विक तथ्यों को दरकिनार करने जैसा है।

मंथन

पंच परिवर्तन का महत्वपूर्ण संदेश

डा. वेदप्रकाश
असिस्टेंट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

हमारा देश विकसित होने की राह पर अग्रसर है। समाज में सकारात्मक परिवर्तनों को गति मिले, इसलिए हमें संघ प्रमुख द्वारा सुझाए गए पांच महत्वपूर्ण परिवर्तनों को भी आत्मसात करना होगा

परिवर्तन आवश्यकता और नूतनता के सूचक होते हैं। देश, काल, परिस्थिति एवं वातावरण के अनुसार व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र जीवन में परिवर्तनों की प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है। आज ज्ञान-विज्ञान, सूचना एवं तकनीक तेजी से बढ़ रहे हैं और उनके विविध प्रभाव जीवन पर पड़ रहे हैं, तब व्यक्ति, समाज और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का ताना-बाना किस प्रकार चले यह चिंतन बहुत आवश्यक है। विशेष रूप से तब, जब हम एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर हैं।

वस्तुतः हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महाकौशल प्रांत की एक बैठक में सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने पंच परिवर्तनों की बात कही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वयंसेवक अपने और अपने परिवार में स्वदेशीयुक्त जीवन शैली, समरसतापूर्ण परिवार एवं समाज, कौटुंबिक संस्कार, पर्यावरणयुक्त जीवन संरचना एवं नागरिक कर्तव्य का पालन करना शुरू करें। ध्यातव्य है कि संघ समाज एवं राष्ट्र की निस्वार्थ भावना से सेवा करने हेतु स्वयं प्रेरणा से निकले हुए स्वयंसेवकों का संगठन है, जिसकी स्थापना 1925 में डा. केशवराव बलिराम हेडगेवार ने की थी। उनका मानना था कि ऐसे समर्पित कार्यकर्ताओं के बूते ही समाज और राष्ट्र के सभी क्षेत्रों में उत्थान हो सकेगा। स्पष्ट है कि आज संघ विचार व्यक्ति, समाज व राष्ट्र से होते हुए वैश्विक पटल पर पहुंच चुका है और वसुधैव कुटुंबकम के लिए कार्य कर रहा है। संघ की शाखा व्यक्ति निर्माण की पाठशाला है, जहां कोई बालक अथवा व्यक्ति आरंभ से ही अनुशासित जीवन का पाठ पढ़ते हुए खेल-खेल में शारीरिक एवं बौद्धिक उन्नति को प्राप्त करता है और यहीं से वह भारतवर्ष की विराट ज्ञान परंपरा, संस्कृति, संत-महापुरुषों, बलिदानों की परंपरा और पर्व उत्सवों से परिचित होता है। यहीं पर वह प्रार्थना के माध्यम से 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे' का पाठ पढ़ते हुए परमात्मा से हिंदू राष्ट्र एवं मातृभूमि की सेवा हेतु शक्ति मांगता है।

आज जब भारतवर्ष विकसित भारत का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश करने वाला है, तब पंच परिवर्तन का संदेश बहुत महत्वपूर्ण है। पांच संदेशों में पहला संदेश- स्वदेशीयुक्त जीवन शैली है। यह स्व के बोध एवं शोध का आह्वान है। आज भाषा, भोजन व भेष आदि अनेक रूपों में स्व की विस्मृति बढ़ती जा रही है। समाज में विदेश की नकल और उसे श्रेष्ठ मानने की प्रवृत्ति भी बढ़ रही है। ऐसे में स्वदेशी जीवन शैली का व्यापक स्वीकार और प्रसार बहुत आवश्यक है। दूसरा संदेश- समरसतापूर्ण परिवार एवं समाज है। विदित है कि परिवार समाज की मूल इकाई है। विगत कुछ वर्षों में समाज एवं राष्ट्र जीवन में सामाजिक व आर्थिक असमानता भी बढ़ती दिखाई दे रही है। साथ ही जाति, संप्रदाय एवं क्षेत्रीयता के आधार पर भी असमानताएं बढ़ी हैं। क्या आज एक नागरिक के रूप में हमें विविधताओं का सम्मान करते हुए भारत भाव के साथ एकजुट होने की आवश्यकता नहीं है? विकसित राष्ट्र की संकल्पना समरसतापूर्ण परिवार एवं समाज से ही संभव है, इसलिए उन्होंने सभी से एकजुट होकर इस दिशा में काम करने का आह्वान किया है।

तीसरा संदेश- कौटुंबिक संस्कार है। आज एकल परिवार बढ़ रहे हैं। जीवन मूल्यों में निरंतर गिरावट आती जा रही है। मेरा क्या और मुझे क्या का भाव प्रबल हो रहा है। भिन्न-भिन्न कारणों से परिवारों में आपसी संवाद भी घट रहा है। आधुनिक जीवन शैली कौटुंबिक संरचना को विकृत कर रही है। क्योंकि कुटुंब बालक की प्राथमिक पाठशाला होता है, इसलिए उसे विकारों से बचाने के लिए संस्कार की आवश्यकता है। चौथा संदेश- पर्यावरणयुक्त जीवन संरचना का है। आज प्रकृति-पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन एवं प्रदूषण जैसे विषय राष्ट्रीय आपदा बनते जा रहे हैं। कई जगह विकास के नाम पर पर्यावरणीय संरचनाओं से अनावश्यक छेड़छाड़ जारी है। क्या आज यह समझने की आवश्यकता नहीं है कि नदियां हैं तो संस्कृति है, प्रकृति-पर्यावरण है तो जीवन है। यह संदेश पर्यावरणीय संरचनाओं जैसे पेड़-पौधों, पर्वतों व जल स्रोतों के संरक्षण की दिशा में नागरिकों या स्वयंसेवकों का आह्वान है।

पांचवा संदेश- नागरिक कर्तव्यों के पालन से संबंधित है। आज भिन्न-भिन्न रूपों में अधिकारों के प्रति तो जागरूकता अथवा आक्रामकता बढ़ रही है, लेकिन एक नागरिक के रूप में समाज एवं राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्य क्या हैं? यह विषय उपेक्षित है। यद्यपि संघ प्रमुख इन विषयों पर पहले भी आह्वान कर चुके हैं और संघ इन विषयों को लेकर कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी जागरण एवं प्रकृति चिंतन-वंदन आदि आयामों के अंतर्गत कार्य भी कर रहा है। तथापि संघ के शताब्दी वर्ष के आरंभ से पूर्व इन परिवर्तनों की व्यापक चर्चा महत्वपूर्ण है। संघ का विचार है कि इन पंच परिवर्तनों को अपनाकर समाज एवं राष्ट्र जीवन में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। आज जब हम विकसित भारत का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं, तब यह आवश्यक है कि समाज में सकारात्मक परिवर्तनों को गति मिले, नागरिकों में अनुशासन व देशभक्ति का भाव बढ़े। संघ प्रमुख द्वारा आहूत उपरोक्त परिवर्तनों में निहित संदेश इस दृष्टि से महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे।

डा. मोहन भागवत: विकसित भारत के संकल्प को गति देने के लिए निरंतर प्रयासरत। फाइल

****

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में होगा 10 लाख नौकरियों का सृजन

नई दिल्ली : टैलेंट समाधान प्रदाता कंपनी एनएलबी सर्विसेज ने सोमवार को कहा कि भारत सेमीकंडक्टर हब बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस क्षेत्र में 2026 तक 10 लाख नौकरियों सृजित होने की संभावना है। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि करीब तीन लाख नौकरियां चिप सेमीकंडक्टर फ्रेबिकेशन और करीब दो लाख नौकरियां असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग में सृजित होंगी। (प्रेट्र)

हमने 2027 तक भारत में 200 और होटल खोलने का लक्ष्य रखा है। हम नए पर्यटन केंद्रों के साथ-साथ टियर-2 और टियर-3 शहरों के व्यावसायिक स्थानों पर उपस्थिति बढ़ाएंगे।

— निखिल शर्मा, प्रबंध निदेशक, रेडिसन होटल समूह

सेंसेक्स	79,496.15 ▲ 9.83	निफ्टी	24,141.30 ▼ 6.90	सोना प्रति दस ग्राम	₹ 79,550 ▼ ₹450	चांदी प्रति किलोग्राम	₹94,000 ▼ ₹600	डालर	₹84.38 ▲ ₹0.01	क्रूड (बैंट) प्रति बैरल	$ 73.26

एक नजर में

चालू वित्त वर्ष में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 15.41% बढ़ा

नई दिल्ली : केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के आंकड़ों के अनुसार एक अप्रैल से 10 नवंबर के बीच शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 15.41 प्रतिशत बढ़कर 12.11 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसमें 5.10 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध कारपोरेट टैक्स और 6.62 लाख करोड़ रुपये का गैर-कारपोरेट टैक्स (व्यक्तियों, एचयूएफ, फर्मों द्वारा भुगतान किए गए करों सहित) शामिल हैं। इसके अलावा 35,923 करोड़ रुपये के अन्य कर भी शामिल हैं। (प्रेट्र)

मारुति ने लांच किया डिजायर का नया माडल

नई दिल्ली : देश की दिग्गज वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने सोमवार को अपनी कांपैक्ट सेडान डिजायर का नया माडल लांच किया। दिल्ली में इसका एक्सशोरूम मूल्य 6.79 लाख से 10.14 लाख रुपये रखा गया है। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक हिसाशी ताकेची ने कहा कि एसयूवी श्रेणी में बढ़ती बिक्री के बीच अन्य श्रेणी भी कंपनी के लिए महत्वपूर्ण हैं। (प्रेट्र)

आरबीआइ के सफर पर वेब सीरीज बनाएगा स्टार इंडिया

नई दिल्ली : अपने 90 वर्ष लंबे सफर पर वेब सीरीज बनाने के लिए आरबीआइ ने स्टार इंडिया को चुना है। इस वेब सीरीज से लोगों को देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में केंद्रीय बैंक की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बेहतर समझ बनाने में मदद मिलेगी। आरबीआइ की स्थापना 1935 में हुई थी और इसी वर्ष अप्रैल में 90 वर्ष पूरे हुए हैं। (प्रेट्र)

सैटकाम स्पेक्ट्रम पर ट्राई की सिफारिशें 15 दिसंबर तक

नई दिल्ली : टेलीकाम रेग्युलेटर ट्राई सेटेलाइट कम्युनिकेशन (सैटकाम) से जुड़े प्रस्तावित नियमों पर 15 दिसंबर तक अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप दे सकता है। एक अधिकारी ने बताया कि सरकार ट्राई की सिफारिशों का आकलन करेगी। इसके बाद ही सेटेलाइट कम्युनिकेशन कंपनियों को स्पेक्ट्रम का आवंटन किया जाएगा। इसी स्पेक्ट्रम के जरिये कंपनियां देश में ब्राडबैंड सेवाएं देंगी। (प्रेट्र)

इक्विटी म्यूचुअल फंड में रिकार्ड 41,887 करोड़ का निवेश

अक्टूबर में इक्विटी आधारित फंड में लगातार 44वें महीने शुद्ध निवेश रहा, थीमैटिक फंड में मजबूत निवेश से बल मिला

नई दिल्ली, प्रेट्र : अक्टूबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 41,887 करोड़ रुपये का रिकार्ड निवेश हुआ है। मासिक आधार पर इसमें 21 प्रतिशत की वृद्धि रही है और इसे थीमैटिक फंड में मजबूत निवेश से बल मिला है। थीमैटिक फंड्स एक प्रकार की म्यूचुअल फंड योजनाएं हैं, जो स्वच्छ ऊर्जा और टेक्नोलाजी जैसे खास विषयों और ट्रेंडों पर केंद्रित होती हैं। सितंबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 34,419 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

एसोसिएशन आफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआइ) द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों इक्विटी आधारित फंडों में अक्टूबर में लगातार 44वें महीने शुद्ध निवेश हुआ है। बाजार में भारी गिरावट को देखते हुए अक्टूबर के आंकड़े वाकई शानदार हैं। भारी गिरावट के बाद भी निवेशकों का उत्साह बरकरार रहा। कुल मिलाकर, म्यूचुअल फंड उद्योग में सितंबर में 71,114 करोड़ रुपये की निकासी के बाद अक्टूबर में 2.4 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ। डेट योजनाओं में 1.57 लाख करोड़ रुपये का निवेश इसकी प्रमुख वजह है। सितंबर में म्यूचुअल फंज उद्योग का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 67 लाख करोड़ रुपये था, जो अक्टूबर में 67.25 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इससे पहले जून में इक्विटी योजनाओं में 40,608 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। अक्टूबर में थीमैटिक फंड में 12,279 करोड़ रुपये का सबसे ज्यादा शुद्ध निवेश हुआ। हालांकि, यह सितंबर के 13,255 करोड़ की तुलना में कम है।

25,323 करोड़ का निवेश किया गया एसआइपी में

2.4 लाख करोड़ रुपये का कुल निवेश हुआ अक्टूबर में

40,608 करोड़ का निवेश हुआ था इक्विटी योजनाओं में जून में

> सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में 5-6 प्रतिशत की गिरावट हाल के वर्षों में सबसे तेज गिरावट में से एक है। इस तरह की गिरावट हमने मार्च, 2020 में देखी थी। तेज गिरावट के बीच खुदरा निवेशकों ने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया और 40,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया।
>
> **– संतोष जोसेफ,** सह संस्थापक और सीईओ, जर्मिनेट इन्वेस्टर सर्विसेज

सीधे स्टाक में निवेश को प्राथमिकता दे रहे भारतीय युवा

नई दिल्ली, प्रेट्र : युवाओं का एक बड़ा हिस्सा म्यूचुअल फंड के बजाय सीधे स्टाक में निवेश करना पसंद करता है। फिनटेक ब्रोकरेज फर्म एंजेल वन की सब्सिडियरी फिन वन की रिपोर्ट के अनुसार, 93 प्रतिशत युवा लगातार बचत करते हैं और इनमें से अधिकांश अपनी मासिक आय का 20-30 प्रतिशत बचाते हैं। वर्तमान में 58 प्रतिशत युवा भारतीय निवेशक शेयरों में निवेश करते हैं, जबकि 39 प्रतिशत म्यूचुअल फंड में। ब्रोकरेज फर्म ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि 22 प्रतिशत युवा फिक्स्ड डिपाजिट और 26 प्रतिशत आवर्ती जमा जैसे विकल्पों को अपनाया है। सर्वे युवाओं के बीच उच्च रिटर्न और स्थिर बचत के बीच एक संतुलित दृष्टिकोण को दिखाता है। रिपोर्ट में 13 से अधिक भारतीय शहरों के 1,600 से अधिक युवाओं का डाटा शामिल किया गया है और इसमें बचत व्यवहार, निवेश प्राथमिकताएं, वित्तीय साक्षरता और प्रौद्योगिकी व वित्तीय साधनों के उपयोग के चार प्रमुख क्षेत्रों को बेंचमार्क माना गया है। अनुशासित बचत आदतों के बावजूद, 85 प्रतिशत युवा भारतीय जीवन यापन की उच्च लागत को बचत में सबसे महत्वपूर्ण बाधा बताते हैं।

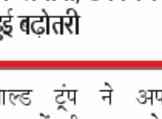

निजी कंपनियों का मार्केट कैप 6.4 गुना बढ़ा

मोतीलाल ओसवाल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दस सालों में निजी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 6.4 गुना बढ़कर 384 ट्रिलियन रुपये पर पहुंच गया है, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) का पूंजीकरण पांच गुना बढ़कर 72 ट्रिलियन रुपये हो गया। पिछले एक दशक के दौरान भारत के बाजार पूंजीकरण में प्रभावशाली वृद्धि दिखाई दी है और यह दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते इक्विटी बाजारों में से एक के तौर पर उभरा है। रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और टीसीएस जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियों को एमएससीआइ वर्ल्ड इंडेक्स शामिल किया गया है। रिपोर्ट में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया है कि नए युग की ई-कामर्स और आनलाइन प्लेटफार्म कंपनियों की संख्या 2014 में सिर्फ पांच से बढ़कर 2024 में 29 हो गई है। इन कंपनियों का बाजार पूंजीकरण मार्च, 2014 में लगभग 178 अरब रुपये बढ़कर नवंबर, 2024 में लगभग 4.8 ट्रिलियन रुपये हो गया है।

बीमा पालिसी की शर्तों को आसान बनाएं कंपनियां

नई दिल्ली, प्रेट्र : बीमा नियामक आइआरडीए की सलाहकर समिति की सदस्य पुष्पा गिरिमाजी ने सोमवार को कहा कि बीमा कंपनियों को पालिसी की शर्तों को सरल और समझने में आसान भाषा में तैयार करने की जरूरत है, जिससे ग्राहकों की शिकायतों को कम करने में मदद मिलेगी। आइआरडीए की बीमा लोकपाल सलाहकार समिति की सदस्य ने बीमा लोकपाल द्वारा 'गैर-सुनवाई योग्य शिकायतों' की संख्या को कम करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

बीमा लोकपाल के स्थापना दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में गिरिमाजी ने कहा कि बीमा लोकपाल एक अर्ध-न्यायिक शिकायत निवारण तंत्र है जो जीवन और गैर-जीवन बीमा कंपनियों के खिलाफ बीमित व्यक्तियों की शिकायतों का समाधान करता है। उन्होंने बीमा कंपनियों की ओर से ग्राहकों के बीमा दावों पर निर्णय लेने में निष्पक्षता बरतने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

एक फरवरी से पैसा ब्लाक करने की सुविधा दें योग्य स्टाक ब्रोकर

नई दिल्ली, प्रेट्र : कैपिटल मार्केट रेग्युलेटर सेबी ने सोमवार को योग्य स्टाक ब्रोकर्स से कहा कि वे एक फरवरी से अपने ग्राहकों को द्वितीयक बाजार में यूपीआइ आधारित पैसा ब्लाक करने या थ्री-इन-वन ट्रेडिंग अकाउंट की सुविधा दें। सेबी का कहना है कि योग्य स्टाक ब्रोकर्स को अपने ग्राहकों की ट्रेडिंग की मौजूदा व्यवस्था के अलावा इन दोनों विकल्पों में से एक की पेशकश करनी होगी।

थ्रीन-इन-वन ट्रेडिंग अकाउंट एक बचत खाते, एक डीमैट खाते और एक ट्रेडिंग खाते को एकीकृत करता है। इस खाते में ग्राहकों का पैसा जमा होगा। जो पैसा इस्तेमाल नहीं हुआ है, उस पर ग्राहकों को ब्याज मिलेगा। सेबी ने सितंबर के अंत में आयोजित बोर्ड बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिसके बाद अब निर्देश जारी किया गया है। यूपीआइ आधारित नई सुविधा से पैसा ग्राहक के डीमैट खाते में ही ब्लाक रहेगा। मौजूदा व्यवस्था के तहत ट्रेडिंग के तुरंत बाद ग्राहक के डीमैट खाते से पैसा कट जाता है। सेबी की अधिसूचना के अनुसार, ग्राहकों के पास ट्रेडिंग की मौजूदा व्यवस्था जारी रखने या नई दोनों सुविधाओं में से किसी एक को चुनने का विकल्प उपलब्ध होगा।

सूचीबद्ध कंपनी में 10 प्रतिशत से ज्यादा निवेश कर सकेंगे एफपीआइ

नई दिल्ली, एएनआइ : आरबीआइ ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) से जुड़े नियमों में बदलाव कर दिया है। नए नियमों के तहत एफपीआइ सूचीबद्ध कंपनियों में 10 प्रतिशत से ज्यादा निवेश कर सकेंगे। हालांकि, एफपीआइ को पहले से तय 10 प्रतिशत से ज्यादा निवेशक को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वर्गीकृत करना होगा।

लंबी अवधि में ट्रंप की आर्थिक नीतियों से भारत को होगा फायदा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : डोनाल्ड ट्रंप जनवरी, 2025 में अमेरिका की सत्ता संभाल लेंगे। ट्रंप प्रशासन की संभावित आर्थिक नीतियों से दुनियाभर के बाजारों में हड़कंप मचा हुआ है और अधिकांश बड़े आर्थिक ताकत वाले देश असमंजस में हैं। ऐसे में सोमवार को एसबीआइ की शोध इकाई की तरफ से जारी एक विस्तृत रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप की आर्थिक नीतियों से भारत भी अप्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेगा, लेकिन लंबी अवधि में इन नीतियों का भारत पर सकारात्मक असर ही होगा। भारत को अपने मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर का विस्तार करना होगा, नया निर्यात बाजार खोजना होगा और आत्मनिर्भर होने की तरफ से ज्यादा मजबूती से बढ़ना होगा। यही नहीं ट्रंप अगर चीन के खिलाफ कारोबारी युद्ध की शुरुआत करते हैं तो इसका फायदा भी भारत को होगा। फार्मा, टेक्सटाइल और इलोक्ट्रानिक्स जैसे क्षेत्र में सप्लाई चेन में जो बदलाव होगा, उससे भारत लाभान्वित रहेगा।

- एसबीआइ रिसर्च के मुताबिक, निर्वाचित राष्ट्रपति अगर चीन के खिलाफ कारोबारी युद्ध की शुरुआत करते हैं तो इसका फायदा भारत को होगा
- फार्मा, टेक्सटाइल और इलोक्ट्रानिक्स जैसे क्षेत्र में सप्लाई चेन में बदलाव से लाभान्वित होगा देश
- अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप ने जिन उत्पादों पर ज्यादा शुल्क लगाया, उनके निर्यात में हुई बढ़ोतरी

भारतीय अर्थव्यवस्था पर ट्रंप के आने का एक नकारात्मक असर भी हो सकता है, वह है विदेशी निवेश। ट्रंप लगातार अमेरिका में नए निवेश करने और अमेरिका में निवेश को आकर्षित करने की बात करते हैं। इस बार ट्रंप प्रशासन की तरफ से उठाए जाने वाले कदम से भारत में आने वाला प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) प्रभावित हो सकता है। हालांकि भारत अब पूर्व की तरह सिर्फ अमेरिकी निवेश पर आश्रित नहीं है।

चुनौती 1

44 प्रतिशत तक बढ़ गया था भारत का अमेरिका को स्टील निर्यात 2019 से 2021 के दौरान

दूसरी बड़ी परेशानी भारत की आइटी कंपनियों के लिए पैदा हो सकती है, क्योंकि ट्रंप एचबी वीजा देने की प्रक्रिया को कठोर बनाने के पक्षधर रहे हैं। उनके पहले कार्यकाल में देखा गया था कि हर वर्ष तकरीबन 10 लाख पेशेवरों को ही वीजा दिया गया था जो बाइडन प्रशासन में बढ़कर 14 लाख सालाना हो गया है। अगर ट्रंप फिर से ऐसा करते हैं तो अमेरिकी कंपनियों के लिए काम करने वाली भारतीय आइटी कंपनियों को वहां स्थानीय लोगों को ही नौकरी पर रखना पड़ सकता है। इससे उनकी वित्तीय सेहत बिगड़ेगी। हालांकि इसका सकारात्मक असर यह होगा कि इससे भारत में मैन्यूफैक्चरिंग करने पर ज्यादा जोर बढ़ेगा और आत्मनिर्भर भारत का नारा ज्यादा मजबूत होगा।

चुनौती 2

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में भी भारत के खिलाफ कुछ आर्थिक कदम उठाए थे, जैसे भारत को जेनेराइलज्ड सिस्टम आफ प्रीफ्रेंरेंसेज (जीएसपी) से हटा दिया था। हालांकि भारत पर इसका कोई विपरीत असर नहीं हुआ। उल्टा जिन भारतीय उत्पादों के आयात पर अमेरिका ने ज्यादा शुल्क लगाया, उनका निर्यात लगातार बढ़ा है। वर्ष 2018 में अमेरिका ने स्टील पर 25 प्रतिशत, एल्युमिनियम पर 10 प्रतिशत, वाशिंग मशीन पर 35 प्रतिशत का उत्पाद शुल्क लगाया लेकिन वर्ष 2019 से वर्ष 2021 के बीच भारत का स्टील निर्यात 44 प्रतिशत तक बढ़ गया। फुटवियर, मिनरल्स, रसायन, इलेक्ट्रिकल और मशीनरी निर्यात भारत से बढ़ा है, जो बताता है कि भारत कई उत्पादों के मामले में चीन के मुकाबले वैश्विक सप्लाई चेन में होने वाले बदलावों का ज्यादा फायदा उठाने की स्थिति में है।

रिपोर्ट यह भी कहती है कि ट्रंप प्रशासन के कार्यकाल में डालर के मुकाबले रुपये में भारी गिरावट की बात सही नहीं है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में भारतीय रुपया सिर्फ 11 प्रतिशत कमजोर हुआ है। इससे ज्यादा की गिरावट बाइडन प्रशासन के कार्यकाल में हुई है।

राष्ट्रीय फलक

भारत पर गेहूं-चावल को अत्यधिक बाजार समर्थन प्रदान करने का आरोप

नई दिल्ली, प्रेट्र : विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के पांच सदस्यों-अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया, कनाडा, यूक्रेन और अमेरिका ने आरोप लगाया है कि भारत गेहूं और चावल को अत्यधिक बाजार समर्थन प्रदान करता है, जो वैश्विक व्यापार को बिगाड़ने का काम करता है। डब्ल्यूटीओ को लिखे पत्र में इन देशों ने यह दावा किया है। इन देशों ने कहा कि चावल के लिए भारत का स्पष्ट एमपीएस (बाजार मूल्य समर्थन) दो वर्षों (2021-23) में से प्रत्येक में उत्पादन के मूल्य (वीओपी) का 87 प्रतिशत से अधिक प्रतीत होता है। भारत ने इन वर्षों के लिए डब्ल्यूटीओ को आंकड़े अधिसूचित किए हैं।

एक भारतीय अधिकारी ने कहा कि हम औपचारिक मंच पर इसका उचित जवाब देंगे। निर्धारित सीमा से अधिक की सब्सिडी को व्यापार-बिगाड़ने वाला माना जाता है। भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह सीमा खाद्य उत्पादन के मूल्य का 10 प्रतिशत तय की गई है।

मुकेश अंबानी को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली, प्रेट्र : रिलायंस पेट्रोलियम लिमिटेड (आरपीएल) के शेयरों में कथित हेराफेरी से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सैट के आदेश के खिलाफ सेबी द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। यह मामला नवंबर, 2007 में नकद और वायदा खंडों में आरपीएल शेयरों की बिक्री और खरीद से जुड़ा है। इस मामले में बाजार नियामक ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और दो अन्य संस्थानों पर जुर्माना लगाया था। इसके खिलाफ अंबानी सहित सभी संस्थाओं ने प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) में अपील की थी, जहां पर सेबी के आदेश को खारिज कर दिया गया था। इस आदेश के खिलाफ नियामक ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। न्यायमूर्ति जेबी पार्डीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि वह सैट द्वारा पारित आदेश में हस्तक्षेप के इच्छुक नहीं हैं। पीठ ने कहा, 'आप इस तरह किसी व्यक्ति का सालों तक पीछा नहीं कर सकते।'

जनवरी, 2021 में सेबी ने आरपीएल मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआइएल) पर 25 करोड़ रुपये, कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी पर 15 करोड़ रुपये, नवी मुंबई एसईजेड प्राइवेट लिमिटेड पर 20 करोड़ रुपये और मुंबई एसईजेड लिमिटेडपर 10 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था।

- उच्चतम न्यायालय ने सैट के आदेश के खिलाफ सेबी द्वारा दायर याचिका को किया खारिज

मुकेश अंबानी। फाइल

शेयरों में कथित हेराफेरी को लेकर सेबी ने लगाया था जुर्माना

जनधन खातों का फिर से केवाईसी करें बैंक

नई दिल्ली, प्रेट्र : वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने सोमवार का कहा कि जिन जनधन खातों को अपडेट होना बाकी है, बैंक उनके लिए नए सिरे से केवाईसी (अपना ग्राहक जानो) प्रक्रिया शुरू करें। प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) 2014 में लांच हुई थी। अगस्त 2014 से दिसंबर 2014 के दौरान ही इस योजना में मिशन मोड के जरिये 10.5 करोड़ खाते खोले गए थे। इन खातों को अब 10 वर्षों के बाद पुनः केवाईसी की जरूरत है।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नागराजू ने पीएमजेडीवाई खाताधारकों के लिए नए सिरे से अपने पुनः केवाईसी प्रक्रिया शुरू करने के लिए सभी हितधारकों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान नागराजू ने पुनः केवाईसी करने के लिए सभी साधनों का उपयोग करने का सुझाव दिया। उन्होंने बैंकों से पुनः केवाईसी को तय समय में पूरा करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त कर्मचारी तैनात करने का भी निर्देश दिया।

व्यापार मेला का 14 को उद्घाटन करेंगे गोयल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आइआइटीएफ) 2024 भारत मंडपम में गुरुवार से शुरू होगा और 27 नवंबर तक चलेगा। मेले का उद्घाटन केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल करेंगे। विकसित भारत की थीम पर आयोजित होने वाले इस मेले में अबकी बार दर्शकों की सुविधाओं पर खास ध्यान दिया जा रहा है।

सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में आइटीपीओ की महाप्रबंधक (मेला) हेमा मैती ने बताया कि मेले की टिकट के लिए भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आइटीपीओ) ने दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (डीएमआरसी) से करार किया है। मतलब, मेला टिकट 52 मेट्रो स्टेशनों पर भी मिलेगी और भारत मंडपम एप से भी ली जा सकेंगी। आनलाइन लेने पर एक व्यक्ति को अधिकतम 10 टिकट ही मिलेंगी।

उन्होंने बताया कि गत वर्ष यह मेला करीब 96 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में लगा था जबकि इस बार यह 1.2 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में लगने जा रहा है। मेले में दर्शकों की सुविधा के लिए गोल्फ कार्ट शुरू की जा रही। इसके अलावा मेला परिसर के चारों ओर रिंग रेल की तर्ज पर ई रिक्शा वगैरह चलाने का भी विचार है। दोनों ही सुविधाएं सशुल्क होंगी।

भारत मंडपम की बेसमेंट पार्किंग में एयरपोर्ट की तर्ज पर एक जोन ओला - उबर टैक्सी के लिए रहेगा। यहां टैक्सी पिकअप - ड्राप कर सकेगी। हाल नं. एक के सामने फ्लाइ ऐश से बना एक मकान आकर्षण का केंद्र होगा, जिसको एनटीपीसी द्वारा शोकेस किया जाएगा। हेमा मैती ने बताया कि मेले में 33 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश भाग ले रहे हैं। विदेशी भागीदारी के रूप में आठ देश शामिल होंगे, जिसमें चीन और पाकिस्तान नहीं होगा। लगभग 650 निजी भागीदार शामिल रहेंगे।

भारत मंडपम में 14 नवंबर से प्रारंभ होने वाले भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला के हाल के बाहर बना गेट। चंद्र प्रकाश मिश्र

100 मालगाड़ियों से सुनिश्चित होगी उर्वरक की ढुलाई

संतोष कुमार सिंह ● जागरण

- सभी क्षेत्रीय रेलवे को इनके परिचालन में आने वाली समस्या हल करने के निर्देश
- रबी फसलों की बुवाई के लिए उर्वरक की आपूर्ति को रेलवे प्रशासन ने शुरू की तैयारी

नई दिल्ली : रबी फसलों की बुवाई के लिए जरूरत के हिसाब से उर्वरक की आपूर्ति करने के लिए रेलवे प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। प्रत्येक क्षेत्रीय रेलवे को इसके लिए मालगाड़ी की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। उर्वरक ले जाने वाली मालगाड़ियों के परिचालन में किसी तरह की बाधा उत्पन्न न हो इसका भी ध्यान रखा जाएगा।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रबी फसल के लिए किसानों को समय पर पर्याप्त उर्वरक मिल सके, इसके लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय किया जा रहा है। आठ नवंबर को प्रधानमंत्री कार्यालय में विभिन्न विभागों की बैठक हुई थी, जिसमें संयंत्रों व बंदरगाहों से किसानों तक उर्वरक पहुंचाने की व्यवस्था पर चर्चा हुई। उर्वरक विभाग के सचिव ने 100 मालगाड़ियों की आवश्यकता बताया था। देश के 15 स्थानों पर स्थित 36 संयंत्रों से यूरिया की ढुलाई के लिए 50 मालगाड़ी की मांग की गई है।

विदेश से आयात होने वाले डीएपी (डायमोनियम फास्फेट) और एनपीके (नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम) के लिए 30 और देश के संयंत्रों से ढुलाई के लिए 17 से अधिक मालगाड़ी की व्यवस्था की गई है। जरूरत के अनुसार इनकी संख्या बढ़ाई भी जाएंगी। उर्वरक की ढुलाई के लिए के बोगी कवर्ड वैगन (बीसीएन) रैक की जरूरत होती है।

हथियार दिखाकर न्यायिक अधिकारी की गाड़ी रोकने का प्रयास

जागरण संवाददाता, अलीगढ़ : फर्रुखाबाद के न्यायिक अधिकारी की कार को कुछ दिन पहले अलीगढ़ जिले के खैर में हथियारों के बल पर रोकने का प्रयास किया गया। वह नोएडा जा रहे थे। गत शनिवार की रात उन्होंने इस मामले में मुकदमा पंजीकृत कराया है। उनका कहना है कि एक कार में सवार कुछ लोगों ने गाली-गलौज की। हथियार दिखाए। काफी दूर तक पीछा किया। आरोपितों की गाड़ी से उन्होंने कई बार अपनी गाड़ी बचाई। पुलिस चौकी के सामने आरोपित यू-टर्न लेकर भाग गए। उन्होंने दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए आतंक का पर्याय बने कुख्यात सुंदर भाटी गिरोह पर शक जताया है। उनका कहना है कि गौतमबुद्धनगर में तैनाती के दौरान इस गिरोह के सदस्यों को सजा सुनाई थी। जिस नंबर की बोलेरो गाड़ी से पीछा करना बताया गया है, उस नंबर की गाड़ी आरटीओ में रजिस्टर्ड ही नहीं है।

साइबर अपराधी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि समाज के लिए खतरा : हाई कोर्ट

राज्य ब्यूरो, जागरण. चंडीगढ़

- साइबर अपराध के आरोपित की जमानत अर्जी को खारिज करते हुए की टिप्पणी
- पीठ ने कहा, बेवकूफ बनाकर पैसे कमाने में लिप्त लोग सहानुभूति के हकदार नहीं

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने साइबर अपराध के समाज पर व्यापक प्रभाव का उल्लेख करते हुए इसे व्यक्तिगत लाभ के लिए जनता के विश्वास का शोषण करने के उद्देश्य से किया गया सुनियोजित अपराध बताया है। इसकी व्यापक प्रकृति की ओर इशारा करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि इस पर कोई रोक नहीं लगाई जा सकती, क्योंकि इंटरनेट के माध्यम से अपराध अकेले कमरे में या किसी दूरस्थ स्थान पर बैठकर भी किए जा सकते हैं। जस्टिस गुरबीर सिंह की पीठ ने साइबर अपराध के आरोपित की जमानत याचिका को खारिज करते हुए कहा कि मौजूदा स्थिति में जमानत देना केवल किसी व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए खतरा है।

मालूम हो कि कुछ दिन पहले मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने 'समाज के विरुद्ध अपराध' मानते हुए भी डिजिटल अरेस्ट के मामले में दर्ज एफआइआर को सिर्फ इसलिए निरस्त कर दिया था, क्योंकि 71 वर्षीय पीड़िता ने ठगों के साथ समझौता कर लिया। विधि विशेषज्ञों का भी मानना था कि डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों में समझौते की गुंजाइश नहीं होती, क्योंकि इनका समाज पर बुरा असर पड़ता है।

नया मामला गत नौ जनवरी को सोनीपत के साइबर पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ था। एफआइआर के अनुसार, शिकायतकर्ता को एक मोबाइल नंबर से मिस्ड काल आया, जिसमें उसकी भतीजी की तस्वीर थी। इसके बाद उसी नंबर से संदेश आए, जिसमें कहा गया कि वह किसी के साथ रिश्ते में है और उसे पैसे का भुगतान नहीं करने पर संवेदनशील तस्वीरें जारी करने के साथ ब्लैकमेल करने की धमकी दी गई है। उसकी एफडी जल्द पूरी होने वाली है। उसके मैच्योर होते ही वह सारी राशि लौटा देगी। भतीजी को खतरे में मानते हुए शिकायतकर्ता ने कई खातों में 24 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। बाद में पता चला कि भतीजी ने कभी कोई चैट नहीं भेजी और कोई पैसा नहीं मांगा। पीठ ने सोनीपत निवासी आकाश चौहान की अर्जी को खारिज करते हुए कहा कि उसे किसी भी सहानुभूति का हकदार नहीं माना जा सकता। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अन्य सह आरोपितों को मजिस्ट्रेट द्वारा जमानत दी गई है, लेकिन यह याचिकाकर्ता को जमानत देने का कोई आधार नहीं है।

गेमिंग एप के माध्यम से छह माह में 27 करोड़ रुपये की ठगी, तीन गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, मेरठ : गेमिंग एप (अन्ना रेडी एप) बनाकर देशभर में ठगी का गिरोह चलाने वाले अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का पर्दाफाश कर मेरठ पुलिस ने सोमवार को तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरोह ठगी की रकम हवाला के माध्यम से दुबई संयुक्त अरब अमीरात (दुबई), कुवैत और सऊदी अरब में भेजता है। गिरोह ठगी के लिए शेयर बाजार में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट जैसी तरकीब अपनाता है। मुख्य आरोपित आहिल सऊदी अरब में है। उसके साथी सद्दाम की फिलहाल लोकेशन बंगाल में आ रही है। मेरठ निवासी सोहेल खान ने एक लाख रुपये की ठगी का मुकदमा साइबर थाने में दर्ज कराया था। जांच में पता चला कि उक्त रकम मुजफ्फरनगर निवासी समीर के खाते में गई थी। सोमवार को चेकिंग के दौरान पुलिस ने कार रोकी, जिससे समीर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया।

50 हजार सैनिकों की तैनाती की है यूक्रेन से लगती सीमा पर मास्को ने। इसमें उत्तर कोरियाई सैनिक भी शामिल हैं।

अमेरिका में ट्रंप की वापसी और कारोबारी चिंताओं के बीच जलवायु सम्मेलन शुरू

अजरबैजान की राजधानी में शुरू हुआ काप-29, कई प्रमुख वैश्विक नेता रहेंगे अनुपस्थित

ट्रंप के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद अपनी प्रतिबद्धताओं को लेकर फिर पीछे हट सकता है अमेरिका

बाकू, रायटर : अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी और कारोबारी चिंताओं के बीच अजरबैजान की राजधानी बाकू में सोमवार को वार्षिक संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (काप-29) शुरू हो गया। ट्रंप के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद अमेरिका अपनी प्रतिबद्धताओं से पीछे हट सकता है। ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को एक धोखा करार दिया है और कहा है कि वह पेरिस समझौते से अमेरिका को फिर से बाहर निकाल लेंगे। ट्रंप अभियान की ओर से सभी विदेशी वस्तुओं पर 20 प्रतिशत और चीनी वस्तुओं पर 60 प्रतिशत टैरिफ लगाने के वादे से भी सम्मेलन में भाग ले रहे प्रतिनिधि चिंतित हैं।

एक साल से मौसम संबंधी आपदाओं ने विकासशील देशों की नकदी की मांग को बढ़ावा दिया है। बाकू में एकत्रित होने वाले प्रतिनिधियों को उम्मीद है कि वे सम्मेलन के शीर्ष एजेंडे को हासिल कर लेंगे। इसके तहत विकासशील देशों को जलवायु वित्त के लिए एक ट्रिलियन डालर देने पर समझौता होना है। वित्त और व्यापार पर कठिन वार्ता से पहले कुछ प्रमुख वैश्विक नेताओं ने इस सम्मेलन से दूर रहने का फैसला किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन इस आयोजन में भाग नहीं लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी भी इसमें शामिल नहीं होंगे।

बाकू में सोमवार को संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (काप-29) के आरंभ के दौरान काप-29 अध्यक्ष मुख्तार बाबयेव (दाएं) तथा काप-28 अध्यक्ष सुल्तान अल-जबेर। एपी

जवाबदेही, निष्पक्ष फंडिंग और हरित ऋण पर जोर देगा भारत

बाकू, प्रेट्र : जलवायु परिवर्तन पर दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण बैठक शुरू होने के अवसर पर सोमवार को विभिन्न भारतीय प्रतिनिधियों ने कहा कि हमारा दृष्टिकोण जवाबदेही, हरित ऋण, निष्पक्ष फंडिंग और विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए वृद्धि लक्ष्यों पर केंद्रित है। एक प्रतिनिधि ने बताया कि सम्मेलन में भारत की प्राथमिकताओं में जलवायु वित्त के लिए विकसित देशों को जवाबदेह बनाना, कमजोर समुदायों के लिए लचीलापन बढ़ाना और एक न्यायसंगत ऊर्जा परिवर्तन को आगे बढ़ाना शामिल होगा। एक अन्य प्रतिनिधि ने कहा कि भारत के लिए ध्यान देने का एक अन्य क्षेत्र हरित ऋण और लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवनशैली) को बढ़ावा देना होगा।

सद्गुरु की अपील-पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाएं

बाकू, एएनआइ : ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु ने पर्यावरण से जुड़े मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और टिकाऊ जीवन शैली को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा है कि मिट्टी के क्षरण और सूक्ष्मजीवों के विनाश का धरती पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा। काप 29 से इतर रायटर से बात करते हुए सद्गुरु ने कहा कि धरती का स्वास्थ्य सिर्फ मानव जीवन के बारे में नहीं है, बल्कि जीवन के सभी रूपों के अस्तित्व के बारे में है।

यूक्रेन पर ट्रंप और पुतिन में वार्ता !

वाशिंगटन, एपी : अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद जो मुद्दे सबसे ज्यादा चर्चित हुए हैं उनमें यूक्रेन युद्ध का मुद्दा भी शामिल है। चहुंओर सवाल उठे हैं कि अपनी पूर्व घोषणा के मुताबिक ट्रंप क्या यूक्रेन युद्ध खत्म करवा पाएंगे। सोमवार को इस सिलसिले में ट्रंप की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर वार्ता होने की चर्चा चली। लेकिन कुछ ही घंटे बाद क्रेमलिन ने इस चर्चा का खंडन कर दिया। कहा कि दोनों नेताओं में टेलीफोन पर कोई बातचीत नहीं हुई है। ट्रंप के आने से यूरोप नर्वस है, इसलिए इस तरह की चर्चाएं चल रही हैं।

- **रूस ने किया खंडन, टीम ट्रंप की अस्पष्ट टिप्पणी**

छह नवंबर को राष्ट्रपति बनना लगभग तय होने के बाद ट्रंप की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सहित विश्व के 70 से ज्यादा नेताओं से टेलीफोन पर बात हो चुकी है। लेकिन वाशिंगटन पोस्ट ने अपने रविवार के अंक में लिखा है कि ट्रंप और पुतिन ने यूरोपीय महाद्वीप में शांति स्थापित करने पर बात की है। इस दौरान ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध की जल्द समाप्ति में रुचि प्रदर्शित की। ट्रंप नहीं चाहते हैं कि जब वह व्हाइट हाउस पहुंचें तब उनके सामने यूक्रेन एक समस्या की तरह खड़ा हो और वह अपनी ऊर्जा एक युद्ध में खर्च करें। इसलिए वह राष्ट्रपति की कुर्सी संभालने से पहले ही यूक्रेन समस्या का समाधान ढूंढ़ लेना चाहते हैं। ट्रंप को 20 जनवरी, 2025 को कुर्सी संभालनी है।

ट्रंप ने होमन को बनाया सीमा मामलों का प्रमुख

वाशिंगटन, एपी : निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के पूर्व इमीग्रेशन एंड कस्टम्स इन्फोर्समेंट डायरेक्टर टाम होमन को सीमा मामलों का प्रमुख नियुक्त किया है। ट्रंप ने कहा, होमन पर अमेरिका की सीमाओं के प्रबंधन की अहम जिम्मेदारी होगी। वह अमेरिका में होने वाली घुसपैठ को प्रभावी तरीके से रोकने का कार्य करेंगे।

ट्रंप ने कहा, होमन उत्तरी और दक्षिणी जमीनी सीमाओं के साथ ही समुद्री सीमा और हवाई सीमा पर भी नजर रखेंगे। होमन अवैध रूप से आए लोगों को अमेरिका से बाहर करने के सबसे बड़े अभियान में भी शामिल होंगे। ट्रंप ने कहा, अवैध रूप से आए इन लोगों को उनके मूल देश भेजा जाएगा। निर्वाचित राष्ट्रपति ने उम्मीद जताई कि होमन इन कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। होमन की नियुक्ति ट्रंप के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद प्रभावी होगी।

- **जल-थल-नभ से लगने वाली अमेरिकी सीमाओं का जिम्मा**
- **घुसपैठियों को बाहर करने के अभियान में भी होंगे शामिल**

एलिस होंगी संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत : निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने रिपब्लिकन पार्टी की युवा नेता 40 वर्षीय एलिस स्टेफैनिक को संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका का नया राजदूत नियुक्त किया है। हाल के चुनाव में एलिस न्यूयार्क से प्रतिनिधि सभा के लिए चुनी भी गई हैं। ट्रंप ने एलिस को मजबूत, कठोर और अमेरिका फर्स्ट की बड़ा पैरोकार बताया है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में इस पद पर भारतीय मूल की निक्की हेली रही थीं लेकिन इस बार उन्होंने चुनाव के शुरुआती चरण में पार्टी के भीतर ट्रंप को चुनौती देकर अपनी स्थिति कमजोर कर ली है।

निर्वाचित राष्ट्रपति ने अपने फ्लोरिडा स्थित रिजार्ट से पुतिन को फोन किया और उनसे अनुरोध किया कि यूक्रेन युद्ध में रूस अब ऐसा कुछ भी न करे जिससे तनाव बढ़े।

अमेरिका यूरोप में अपनी सैन्य मौजूदगी कम करेगा। अमेरिका यह कदम क्षेत्र में तनाव कम करने के उद्देश्य से उठाएगा। लेकिन रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, पश्चिमी मीडिया की पुतिन और ट्रंप के बीच टेलीफोन पर वार्ता होने की खबर पूरी तरह से असत्य है और कपोल कल्पित है। जबकि ट्रंप के संवाद निदेशक स्टीवन चेउंग ने कहा, निर्वाचित राष्ट्रपति की विश्व नेताओं के साथ फोन पर हो रही निजी वार्ता के संबंध में वह कुछ नहीं कहेंगे। उन्होंने कहा, विश्व में शांति और स्थिरता को लेकर विश्व की ट्रंप से अपेक्षाएं हैं, इसलिए वह उन्हें पूरा करने के लिए विभिन्न देशों के नेताओं से वार्ता कर रहे हैं।

श्रीलंका की ब्रिक्स दावेदारी रद होने की खबर भ्रामक : रूस

कोलंबो, एएनआइ : ब्रिक्स में श्रीलंका की दावेदारी खारिज होने की खबर को भ्रामक करार देते हुए रूसी दूतावास ने इसे फर्जी बताया। कोलंबो में रूसी दूतावास ने ने कहा कि ब्रिक्स सदस्यता के लिए श्रीलंका की बोली के संबंध में भ्रामक लेख देखा, जो नौ नवंबर को संडे आइलैंड में प्रकाशित हुआ था। दूतावास इस बात पर प्रकाश डालना चाहेगा कि श्रीलंका ने ब्रिक्स में शामिल होने के लिए आवेदन किया है। रूसी ब्रिक्स अध्यक्ष ने श्रीलंका की रुचि का स्वागत किया है।

श्रीलंका के आवेदन पर ब्रिक्स द्वारा पूर्ण परामर्श और सर्वसम्मति के साथ उचित समय पर विचार किया जाएगा। आवेदन पर कई अन्य देशों की बोलियों के साथ विचार किया जाएगा, जिन्होंने इसे लेकर आवेदन किया है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में विभिन्न देशों ने ब्रिक्स समूह में शामिल होने में रुचि व्यक्त की है। इनमें मलेशिया और थाईलैंड जैसे देश शामिल हैं।

पेजर हमले व नसरल्ला के खात्मे का आदेश मेरा था : नेतन्याहू

यरुशलम, प्रेट्र : इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि पेजर हमला और हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्ला के खात्मे का आदेश मैंने दिया था। यह पहली बार है, जब उन्होंने यह बात स्वीकार की है। सितंबर में हिजबुल्ला पर पेजर और वाकी-टाकी में विस्फोट कराकर हमला बोला गया था। इसमें 39 लोग मारे गए थे और 3,000 से अधिक घायल हो गए थे। नेतन्याहू ने कहा कि रक्षा प्रतिष्ठान में वरिष्ठ अधिकारियों और राजनीतिक क्षेत्र में उनके लिए जिम्मेदार लोगों के विरोध के बावजूद उन्होंने यह कदम उठाया। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी रविवार की साप्ताहिक कैबिनेट बैठक के दौरान आई।

इजरायल ने सार्वजनिक रूप से अबतक हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली थी। यह अनुमान लगाया गया था कि हमलों के पीछे उसी का हाथ था। 16 सितंबर को लेबनान और सीरिया के कुछ हिस्सों में हिजबुल्ला से जुड़े लोगों के पेजर में विस्फोट हुए थे और एक दिन बाद वाकी-टाकी में विस्फोट हुआ था। नेतन्याहू के बयान को रक्षा मंत्री योव गैलेंट को पद से हटाने और युद्ध की सफलताओं का श्रेय लेकर लोकप्रियता बढ़ाने के प्रयासों के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। इस बयान के बीच, ताइवान ने कहा है कि उन्होंने पेजर विस्फोट केस को बंद कर दिया है, क्योंकि इसमें किसी भी ताइवानी फर्म का हाथ नहीं है।

- **हिजबुल्ला से जुड़े लोगों के पेजर और वाकी-टाकी को बनाया था निशाना**
- **इसमें 39 लोग मारे गए थे और 3,000 से अधिक हो गए थे घायल**

सोमवार को इजरायली हमले में तबाह लेबनान के बेरूत में एक इमारत। एपी

लेबनान से आधे घंटे के दौरान इजरायल पर दागे गए 50 राकेट : लेबनान की ओर से सोमवार दोपहर में 30 मिनट के भीतर उत्तरी इजरायल पर 50 राकेट दागे गए। हमले में तीन लोग घायल हो गए। इस बीच, इजरायली विदेश मंत्री गिदोन सार ने कहा कि लेबनान की युद्धविराम वार्ता में प्रगति हुई है, जबकि हिजबुल्ला के प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें लेबनान के लिए संघर्ष विराम पर कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। इस बीच, सीरिया की राजधानी दमिश्क के पास इजरायली हमले में महिलाओं और बच्चों सहित सात नागरिक मारे गए और 20 अन्य घायल हो गए।

इस्लामिक जिहाद समूह का सरगना मारा गया : गाजा में की गई कार्रवाई में इस्लामिक जिहाद समूह का सरगना मोहम्मद अबू शकील मारा गया। शनिवार को इजरायली वायु सेना द्वारा एक सटीक हमले में कमांडर को निशाना बनाया गया था।

गाजा के शिविर में इजरायली हमले में 11 फलस्तीनी मारे गए : इजरायली बलों ने सोमवार को गाजा के नुसीरात शिविर के पश्चिमी हिस्से में टैंक भेजे। स्थानीय लोगों का कहना है कि गाजा पट्टी के आठ शरणार्थी स्थलों में से एक शिविर में इजरायली टैंकों ने गोलाबारी शुरू कर दी। हमले में 11 फलस्तीनी मारे गए।

कुर्स्क को यूक्रेन से मुक्त कराने के लिए रूस ने तेज किया अभियान

कीव, रायटर : रूस ने कुर्स्क क्षेत्र से यूक्रेनी सैनिकों को पीछे धकेलने के लिए अपना अभियान तेज कर दिया है। यूक्रेन की ओर से कब्जा किए गए क्षेत्र को वापस पाने के लिए हजारों की संख्या में सैनिकों को उतरा गया है। वहीं, पूर्वी यूक्रेन में रूस ने अपनी बढ़त जारी रखी है। यूक्रेनी जनरल आलेक्जेंडर सिर्स्की की ओर से यह टिप्पणी न्यूयार्क टाइम्स की उस रिपोर्ट के बाद की गई है, जिसमें कहा गया है कि यूक्रेन से लगती सीमा पर मास्को ने 50 हजार सैनिकों की तैनाती की है। इसमें उत्तर कोरियाई सैनिक भी शामिल हैं। सिर्स्की ने कहा कि रूसी सेना हमारे सैनिकों को पीछे धकेलने और उनकी ओर से कब्जा किए गए क्षेत्र में बढ़ने का प्रयास कर रही है। उन्होंने उत्तर कोरियाई की सेना की तैनाती को लेकर कुछ भी नहीं कहा। यूक्रेन ने अगस्त में एक कार्रवाई के दौरान कुर्स्क के बड़े क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था। सिर्स्की ने कहा कि कुर्स्क क्षेत्र पर उनका अभियान अब भी फायदेमंद साबित हो रहा है, क्योंकि इससे रूस को पूर्वी फ्रंट पर भीषण हमलों से रोक दिया गया है।

- **यूक्रेन से लगती सीमा पर 50 हजार सैनिकों की तैनाती का दावा**
- **रिपोर्ट में उत्तर कोरियाई सैनिकों के शामिल होने की भी सूचना**

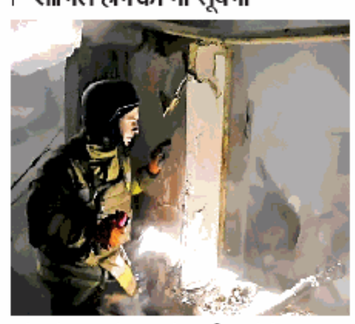

यूक्रेन के माइकोलाइव में रूसी हमले के बाद मौके पर जुटा राहत-बचावकर्मी। एएफपी

रूसी हमले में यूक्रेन में छह की मौत और 28 घायल : रूसी हवाई हमले में यूक्रेन में छह लोगों की मौत हो गई और 28 घायल हो गए। घायलों में बच्चे भी शामिल हैं।

न्यूज गैलरी

कोर्ट ने इमरान-बुशरा को 14 पृष्ठों की प्रश्नावली सौंपी

इस्लामाबाद : पाकिस्तान की एक अदालत ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 19 करोड़ पाउंड के समझौता मामले में रविवार को 14 पृष्ठों की प्रश्नावली सौंपी। दि न्यूज इंटरनेशनल समाचारपत्र ने कहा है कि प्रश्नावली में अल-कादिर ट्रस्ट मामले से संबंधित 79 प्रश्न हैं। इमरान और बुशरा को कोर्ट ने सोमवार को उत्तर सौंपने के लिए कहा था। दोनों पर एक संपत्ति कारोबारी की सहायता करने में 19 करोड़ पाउंड या 50 अरब पाकिस्तानी रुपये से ज्यादा का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। (प्रेट्र)

बोको हराम के हमले में 17 सैनिक, 96 आतंकी मरे

एनडजमेना : अफ्रीकी देश चाड के पश्चिमी भाग में बोको हराम आतंकियों के पिछले सप्ताह एक सैनिक चौकी पर हुए हमले में 17 सैनिकों की मौत हो गई। सेना ने कहा कि 96 हमलावर भी मारे गए। सेना के प्रवक्ता जनरल इसाख अचेइख ने रविवार रात टीवी पर कहा कि लेक चाड क्षेत्र में यह हमला शनिवार को हुआ। इस क्षेत्र में इस वर्ष आतंकियों के हमले तेज हो गए हैं। (एपी)

बम विस्फोट के बाद पाक ने रेल सेवा निलंबित की

क्वेटा : पाकिस्तान रेलवे ने सोमवार को बलूचिस्तान से आने और जाने वाली सभी ट्रेनों का संचालन निलंबित कर दिया। यह कदम शनिवार को एक स्टेशन पर हुए आत्मघाती बम विस्फोट के बाद उठाया गया है। हमले में सुरक्षाकर्मियों एवं रेलवे कर्मचारियों समेत 26 लोगों की मौत हो गई थी। पाकिस्तान रेलवे ने कहा है कि सुरक्षा कारणों से चार दिनों तक रेल सेवा निलंबित रहेगी। (एपी)

अमेरिकी यूनिवर्सिटी परिसर में गोलीबारी, एक की मौत

ह्यूस्टन : अमेरिका के अलबामा प्रांत में टुस्केगी यूनिवर्सिटी परिसर में गोली बारे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और छात्रों समेत 16 अन्य घायल हो गए। अलबामा कानून प्रवर्तन एजेंसी के स्टेट ब्यूरो आफ इन्वेस्टिगेशन के अनुसार, 18 वर्षीय युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। 12 लोगों को गोली लगी है। (आइएएनएस)

जापानी संसद ने शिगेरू इशिबा को फिर से देश का प्रधानमंत्री चुना

टोक्यो, एपी : जापान की संसद ने शिगेरू इशिबा को एक बार फिर देश का प्रधानमंत्री चुना है। सत्तारूढ़ गठबंधन को हाल ही में एक दशक से भी अधिक समय में अपनी सबसे बड़ी चुनावी हार का सामना करना पड़ा था। इसके कारण उन्हें शपथ लेने के एक महीने बाद ही दूसरी कैबिनेट के गठन के लिए मजबूर होना पड़ा था।

इशिबा की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) और सहयोगी कोमीटो ने 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में 465 सदस्यीय निचले सदन में बहुमत खो दिया था। एलडीपी नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण सत्तारूढ़ गठबंधन को हार का सामना करना पड़ा था। आम चुनाव के 30 दिन के भीतर नए नेता के चयन के लिए जरूरी मतदान के लिए सोमवार को संसद का विशेष सत्र बुलाया गया था।

देश में 30 वर्षों में हुए पहले रनआफ में इशिबा ने विपक्ष के नेता योशिहिको नोडा को 221 के मुकाबले 160 वोटों से शिकस्त दी। इशिबा ने विदेश मंत्री ताकेशी इवाया, रक्षा मंत्री जनरल नकातानी और मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी सहित अपने अधिकांश पिछले कैबिनेट सदस्यों को फिर से नियुक्त किया। हालांकि, उन्हें उन तीन लोगों को बदलना पड़ा, जो अपनी सीटें हार गए थे।

- **गठबंधन ने एक दशक से भी अधिक समय में सबसे बड़ी हार देखी थी**

शिगेरू इशिबा। रायटर

बाइडन इस्तीफा देकर हैरिस को बनाएं राष्ट्रपति

वाशिंगटन, प्रेट्र : राष्ट्रपति जो बाइडन पद से इस्तीफा देकर उप राष्ट्रपति कमला हैरिस को बाकी बचे कार्यकाल के लिए अमेरिका का राष्ट्रपति बनाएं। वह देश की पहली महिला राष्ट्रपति होंगी और उससे विश्व में सकारात्मक संदेश जाएगा। यह बात उप राष्ट्रपति हैरिस के पूर्व संवाद निदेशक जमाल साइमंस ने कही है। साइमंस ने कहा, वैसे तो बाइडन बहुत अच्छे हैं लेकिन वह बदलाव का अपना वादा अब निभाएं। महज तीन महीने में रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी को कड़ी टक्कर देने वाली कमला हैरिस को अब उनकी मेहनत का फल मिलना चाहिए। उन्हें 20 जनवरी, 2025 तक के लिए देश का राष्ट्रपति बनाया जाना चाहिए।

हैरिस समर्थित भारतीय को धमकियां : चुनाव बीतने के बाद अमेरिका में प्रचार के समय के बदले चुकाने का सिलसिला शुरू हो गया है। इस सिलसिले में डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रत्याशी कमला हैरिस के लिए चंदा एकत्रित करने वाले भारतीय मूल के अजय जैन भटूरिया को नस्ली टिप्पणियों वाले मैसेज मिल रहे हैं और उन्हें धमकाया जा रहा है।

आस्ट्रेलिया पहुंचा भारतीय नौसेना का पोत 'तारिणी'

कैनबरा, एएनआइ: भारतीय नौसेना का नौकायन पोत 'तारिणी' अपने पहले पड़ाव पर आस्ट्रेलिया पहुंचा है। यह 38 दिनों की समुद्री यात्रा के बाद शनिवार को आस्ट्रेलिया के फ्रीमेंटल बंदरगाह पहुंचा। नौसेना की दो महिला अधिकारियों की अगुआई में 'तारिणी' नाविका सागर परिक्रमा-दो नाम से वैश्विक जलयात्रा अभियान पर है। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने इस ऐतिहासिक अभियान का विवरण एक्स पर साझा किया। उन्होंने बताया कि आइएनएसवी तारिणी को दो अक्टूबर को गोवा से रवाना किया गया था।

लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के एवं रूपा ए। एएनआइ

लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए की जोड़ी ने चुनौतीपूर्ण मौसम स्थिति का सामना करते हुए 38 दिनों में 4900 समुद्री मील (9074 किलोमीटर) की दूरी तय की। इस दल का पथ में महावाणिज्यदूत, कैनबरा के रक्षा सलाहकार, भारतीय नौसेना नौकायन संघ के सचिव और रायल आस्ट्रेलियाई नौसेना के प्रतिनिधियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। भारतीय नौसेना ने इस बात पर जोर दिया है कि नाविका सागर परिक्रमा-दो अभियान अंतरराष्ट्रीय समुद्री समुदायों के साथ मजबूत संबंधों और सतत जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह एक महत्वाकांक्षी समुद्री अभियान है, जिसमें दुनिया के चार प्रमुख बंदरगाहों पर ठहराव शामिल है।

भारतीय नौसेना का नौकायन पोत 'तारिणी' 38 दिनों की समुद्री यात्रा के बाद आस्ट्रेलिया के फ्रीमेंटल बंदरगाह पहुंचा। इस दौरान 'तारिणी' पर लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और रूपा ए। एएनआइ

कनाडा में भारतीयों से सद्भाव बनाए रखने की अपील की

ओटावा, प्रेट्र : कांग्रेस पार्टी की विदेशी इकाई ने कनाडा के ब्रैम्पटन में एक मंदिर में खालिस्तान समर्थकों और श्रद्धालुओं के बीच हाल की झड़पों की निंदा की है। साथ ही भारत-कनाडाई समुदाय में शांति और सद्भाव का आह्वान किया।

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस ने कहा कि भारत-कनाडाई समुदाय विभाजित करने के प्रयासों के साथ कठिन दौर से गुजरा है। संगठन की ओर से ओंटारियो में एक बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान कहा गया कि हम भारत-कनाडावासी शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की विचारधारा में दृढ़ता से विश्वास करते हैं और पिछले सप्ताह की घटनाओं की निंदा करते हैं। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस ने कहा कि विभाजनकारी ताकतों और उपद्रवियों द्वारा एक दरार पैदा करने का प्रयास किया गया था। इसने लोगों से समुदाय में शांति और सद्भाव बनाए रखने का प्रयास करने का आग्रह किया।

विमान वाहक पोत के लिए न्यूक्लियर प्रोपल्शन पर काम कर रहा चीन

बैंकाक, एपी : चीन ने एक युद्धपोत के लिए प्रोटोटाइप परमाणु रिएक्टर का निर्माण किया है, जो स्पष्ट संकेत है कि बीजिंग अपने पहले परमाणु ऊर्जा से चलने वाले विमान वाहक पोत के निर्माण की दिशा में अग्रसर है। चीनी नौसेना संख्या के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना है और इसका तेजी से आधुनिकीकरण हो रहा है। अपने बेड़े में परमाणु ऊर्जा से चलने वाले वाहक को जोड़ना देश के लिए एक बड़ा कदम होगा।

कैलिफोर्निया में मिडिलबरी इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल स्टडीज के शोधकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने सिचुआन में लेशान शहर के बाहर एक पहाड़ी स्थल की जांच के बाद निष्कर्ष निकाला कि चीन बड़े युद्धपोत के लिए प्रोटोटाइप रिएक्टर का निर्माण कर रहा है। लेशान की परियोजना को लान्गवेई या ड्रैगन माइट प्रोजेक्ट कहा गया है। एसोसिएटेड प्रेस को उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों में इसे परमाणु ऊर्जा विकास परियोजना के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, इसे लेकर चीनी रक्षा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। लंबे समय से अफवाहें थीं कि चीन परमाणु ऊर्जा से चलने वाले विमान वाहक बनाने की योजना बना रहा है, लेकिन मिडिलबरी टीम ने पहली बार पुष्टि की है कि चीन युद्धपोत के लिए न्यूक्लियर प्रोपल्शन सिस्टम पर काम कर रहा है। वाशिंगटन डीसी में कार्नेगी एंडोमेंट फार इंटरनेशनल पीस में कार्यरत टोंग झाओ ने कहा कि परमाणु ऊर्जा से संचालित होने वाले पोत के शामिल होने के बाद चीन नौसैनिक शक्तियों के विशिष्ट रैंक में पहुंच जाएगा, जो वर्तमान में अमेरिका और फ्रांस तक सीमित है।

- **कैलिफोर्निया में मिडिलबरी इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल स्टडीज के शोधकर्ताओं ने की पुष्टि**
- **चीनी नौसेना दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना है और इसका तेजी से आधुनिकीकरण हो रहा**

पाकिस्तान सीमा पर आतंकी हमले में ईरान के पांच सुरक्षाकर्मियों की मौत

तेहरान, एपी : ईरान से सटी पाकिस्तान सीमा पर आतंकी हमले में ईरान के पांच सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। सरकारी समाचार एजेंसी आइआरएनए के अनुसार, मारे गए सुरक्षाकर्मी रिवोल्यूशनरी गार्ड के बासिज बल के बलूच सदस्य थे। ये सभी सिस्तान एवं बलूचिस्तान प्रांत के सरवन सिटी में मारे गए। अभी तक किसी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इससे पहले सरकारी टीवी पर प्रसारित समाचार में बताया गया था कि रिवोल्यूशनरी गार्ड ने एक अभियान में तीन आतंकियों को मार गिराया और नौ को गिरफ्तार किया। समाचार में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किस आतंकी समूह के साथ मुठभेड़ हुई है। पिछले महीने अज्ञात बंदूकधारी ने रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख समेत चार लोगों की हत्या कर दी थी। इसी तरह सितंबर में सिस्तान एवं बलूचिस्तान प्रातों में चार सीमा रक्षकों की हत्या कर दी थी। बलूचों के अधिकार की मांग करने वाले जैश अल-अदल ने एक अधिकारी और दो सैनिकों की जान लेने की बात स्वीकार की थी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान से सटे सुन्नी बहुल प्रांत में सक्रिय आतंकियों के कारण पाकिस्तान और ईरान के बीच कई बार तनातनी की स्थिति पैदा हो चुकी है।

कराची हवाई अड्डे पर आत्मघाती हमले का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

कराची, प्रेट्र : कराची हवाई अड्डे पर आत्मघाती हमले के कथित मास्टरमाइंड और चार अन्य संदिग्ध को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पांचों को पिछले हफ्ते बलूचिस्तान से गिरफ्तार किया गया था। छह अक्टूबर को हुए विस्फोट में दो चीनी इंजीनियरों सहित चार लोगों की मौत हो गई थी और 17 अन्य घायल हो गए थे। जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास चीनी श्रमिकों के एक काफिले को निशाना बनाकर बलूच विद्रोहियों ने हमला किया था। इसमें दो चीनी नागरिक भी मारे गए थे।

एक अधिकारी ने कहा कि हमला करने वालों में एक महिला हमलावर भी शामिल थी। उन्होंने कहा कि अलगाववादी समूहों ने हमलों को अंजाम देने के लिए युवा महिलाओं की भर्ती शुरू कर दी है। वहीं, चीन ने सोमवार को कहा कि वह देश में विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रहे चीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान का समर्थन करना जारी रखेगा, भले ही उनके खिलाफ बार-बार हमले हो रहे हों। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान की टिप्पणी कराची में हाल ही में हुए हमले पर एक सवाल के जवाब में आई।

****

दैनिक जागरण
टी-20 की जंग
मंगलवार 12 नवंबर, 2024 www.jagran.com

कल मेरी मां का जन्मदिन था। ऐसे में अपनी टीम को मैच जिताना काफी अच्छा लगा। ये वो जगह हैं जहां मुझे खेलता देखने के लिए मेरे परिवार और दोस्तों को मिलाकर लगभग 35 लोग आते हैं। उनके सामने खेलने को लेकर थोड़ा नर्वस था। - **ट्रिस्टन स्टब्स**, दक्षिण अफ्रीका

एक नजर में

निशानेबाज सिफत और ऐश्वर्य प्रताप ने किया निराश

नई दिल्ली: भारत के शीर्ष राइफल निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और सिफत कौर सामरा प्रभाव छोड़ने में विफल रहे, जबकि कम लोकप्रिय एस. रमेशभाई मोराडिया ने सोमवार को यूनिवर्सिटी निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में रजत पदक जीता। रमेशभाई सोमवार को पदक जीतने वाले इकलौते भारतीय रहे। ओलिंपियन तोमर इस स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहे, जबकि पेरिस खेलों में भाग लेने वाली सामरा महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री-पोजिशन स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहीं। गुजरात के रमेशभाई बेहद मामूली अंतर से स्वर्ण पदक जीतने से चूक गये। वह फाइनल में 252.1 अंक हासिल कर चेक गणराज्य के जिरी प्रिवरात्स्की से केवल 0.1 अंक पीछे रहे। यह प्रिवरात्स्की का इस प्रतियोगिता में दूसरा स्वर्ण पदक है। उन्होंने रविवार को पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री-पोजीशन में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। (प्रेट्र)

लय प्राप्त करने उतरेंगे लक्ष्य और सिंधू

कुमामोतो: भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू हो रहे कुमामोतो मास्टर्स जापान सुपर 500 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करते हुए फार्म में लौटने का प्रयास करेंगे। इन दोनों खिलाड़ियों को पेरिस ओलिंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपनी सर्वश्रेष्ठ फार्म पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। सिंधू डेनमार्क ओपन सुपर 750 में क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं, लेकिन लक्ष्य सेन आर्कटिक ओपन सुपर 500 और डेनमार्क ओपन दोनों में जल्दी बाहर हो गए थे। इन असफलताओं के बावजूद सिंधू को विश्वास है कि अपने नए कोच अनूप श्रीधर और कोरिया के दिग्गज ली स्युन इल के साथ मिलकर काम करने से वह बेहतर परिणाम हासिल करेंगी। पहले दौर में सिंधू का मुकाबला बुसानन ओंगबामरुंगफान से होगा। (प्रेट्र)

अबु धाबी में शुभंकर 32वें स्थान पर, वारिंग को खिताब

अबु धाबी: भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा अंतिम दौर में सात अंडर-65 का टूर्नामेंट का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए एएसबीसी अबु धाबी चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 32वें स्थान पर रहे। शुरुआती दो दौर में 71 और 73 के स्कोर के बाद शुभंकर ने अंतिम दो दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए 66 और 65 का स्कोर बनाया। शुभंकर ने अंतिम दौर में सात बर्डी, एक ईगल और दो बोगी से सात अंडर का स्कोर बनाया। इंग्लैंड के पाल वारिंग ने अंतिम दौर में बोगी रहित 66 के स्कोर से कुल 24 अंडर पार के स्कोर से अपना पहला रोलेक्स सीरीज खिताब जीता। वारिंग ने रोलेक्स सीरीज पर चार बार के विजेता टाइरेल हेटन को दो शाट से पछाड़ा। (प्रेट्र)

मणिपुर, हरियाणा क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

चेन्नई : मणिपुर और हरियाणा ने हाकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपने अपने आखिरी पूल मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मणिपुर ने असम को 10-0 से हराया। पूल एच के इस मुकाबले में लैशराम दीपू सिंह ने हैटट्रिक लगाई। हरियाणा ने मिजोरम को पूल बी में 8-0 से मात दी जिसमें चार गोल रोहित ने किए। मणिपुर क्वार्टर फाइनल में पंजाब से खेलेगा, जबकि हरियाणा का सामना महाराष्ट्र से होगा। तीसरा तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के बीच होगा चौथा ओडिशा और कर्नाटक के बीच खेला जाएगा। (प्रेट्र)

तीन साल बाद सफल वापसी करने वाले वरुण को बदलना पड़ा गेंदबाजी एक्शन

नई दिल्ली, जेएनएन : तीन वर्ष बाद भारत की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने वाले 'मिस्ट्री' स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने अपनी घूमती गेंदों पर बल्लेबाजों को खूब नचा रहे हैं। 25 जुलाई 2021 को भारत की ओर से श्रीलंका के विरुद्ध पदार्पण करने वाले वरुण ने उस साल छह टी-20 मैच खेले और केवल दो ही विकेट ले पाए थे। लेकिन इस साल बांग्लादेश के विरुद्ध टी-20 सीरीज से वापसी करने वाले वरुण सिर्फ पांच मैचों में ही 13 विकेट चटका चुके हैं, जिसमें उन्होंने रविवार को दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध पांच विकेट भी शामिल हैं। आंध्र प्रदेश के इस गेंदबाज के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी इतनी आसान नहीं रही और बीते तीन

13 विकेट झटक चुके हैं वरुण चक्रवर्ती इस साल केवल पांच मैचों में

2 विकेट चटकाए थे वरुण ने 2021 में खेले गए छह टी-20 मैचों में

सालों ने उन्होंने गेंदबाजी एक्शन को पूरी तरह बदल दिया, जिसके कारण उन्हें पढ़ पाना बल्लेबाजों के लिए मुश्किल साबित हो रहा है।

वापसी पर वरुण ने कहा, बीते तीन वर्ष मेरे लिए बहुत की कठिन रहे और मुझे अपना गेंदबाजी एक्शन पूरी तरह बदलना पड़ा क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेरा आर्थोडाक्स साइड स्पिन अप्रभावी साबित हो रहा था। वरुण ने कहा, मैंने एक ड्राइंग बोर्ड लिया और अपने सभी वीडियो देखे। मैंने पाया कि मैं साइड स्पिन कर रहा था। इसके बाद मैंने अपनी गेंदबाजी में सबकुछ बदल दिया और ओवर स्पिन करना शुरू किया। इसमें करीब दो साल का समय लगा। मैंने नए एक्शन के साथ स्थानीय लीग में गेंदबाजी शुरू की और आइपीएल भी खेला। वहां ये काम कर गया और अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मैं इसी एक्शन के साथ गेंदबाजी कर रहा हूं। साइड स्पिन में गेंद को साइडवेज में घुमाने पर पर्याप्त घुमाव मिलते हैं, जबकि ओवरस्पिन तेज उछाल और टर्न मिलता है। वरुण ने कहा कि मैं ओवर स्पिन से गेंदबाजी करता हूं तो मुझे पिच से अधिक टर्न मिलता है और आशा है कि मैं इसे जारी रखूंगा। वरुण 2021 टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल थे और कोई भी विकेट नहीं मिलने के बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था। आइपीएल के पिछले दो सत्र में कमाल की गेंदबाजी करने के बाद वरुण चक्रवर्ती ने एक बार फिर भारतीय टीम में वापसी की। आइपीएल 2023 में उन्होंने 20 विकेट लिए थे और वह सर्वाधिक विकेट लेने के मामले में दूसरे स्थान पर थे। भारतीय टीम से बाहर किए जाने पर इस गेंदबाज ने कहा, वो समय निश्चित रूप से मेरे लिए काफी कठिन था। मैं बस एक चीज कर सकता था, वो था ज्यादा से ज्यादा क्रिकेट खेलना। मैंने ऐसा किया और मुझे काफी मदद मिली।

गंभीर से मिली काफी मदद

वरुण चक्रवर्ती इस वर्ष आइपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम में थे, जिसके मेंटर गौतम गंभीर थे। हां हम बांग्लादेश के विरुद्ध सीरीज में खेल रहे थे और गंभीर टीम के कोच थे। हमने निश्चित तौर पर काफी बातचीत की और उन्होंने मेरी भूमिका को लेकर काफी स्पष्टता प्रदान की। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मैं 30-40 रन भी लुटा देता हूं तो कोई बात नहीं। आपको केवल विकेट लेने पर ध्यान केंद्रित करना है और टीम में आपकी भूमिका यही है। इस तरह की स्पष्टता से मुझे निश्चित तौर पर वापसी करने में मदद मिली।

● वरुण ने दूसरे टी-20 मुकाबले में चटकाए थे 17 रन देकर पांच विकेट

वरुण चक्रवर्ती ● आइएएनएस

रोहित-विराट में रनों की भूख, करेंगे वापसी : गंभीर

आस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले कोच ने कहा, न्यूजीलैंड से मिली हार के बाद टीम पर कोई दबाव नहीं

मुंबई, प्रेट्र : भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने खराब फार्म से जूझ रहे कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली का बचाव करते हुए कहा कि ये दोनों खिलाड़ी रन बनाने के भूखे हैं और आस्ट्रेलिया में जोरदार वापसी करेंगे। न्यूजीलैंड से मिली हार के बाद भारतीय टीम के दबाव में होने की बात को भी गंभीर ने खारिज किया।

गौतम गंभीर ने सोमवार को आस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना होने से पहले हुई प्रेस कांफ्रेंस में कहा, न्यूजीलैंड से मिली हार के बाद किसी खिलाड़ी पर दबाव नहीं है। मैं किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं। भारतीय टीम का कोच बनना सम्मान और सौभाग्य की बात है। मैं बदलाव के बारे में नहीं बल्कि पांच टेस्ट मैचों के बारे में सोच रहा हूं। टीम में अविश्वसनीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने अभी तक अपनी भूमिका शानदार तरीके से निभाई है। बदलाव हो या न हो, अगर ऐसा होना है तो होगा, लेकिन मैं भारतीय टीम में कुछ ऐसे अविश्वसनीय खिलाड़ियों को देख रहा हूं जो अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब हैं।

भारतीय कोच ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा अभी भी खेल के प्रति जुनूनी हैं और वह अपने करियर में अभी और अधिक बुलंदी हासिल करना चाहते हैं। वे सफलता के भूखे हैं और पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने देश के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया है। यहां तक कि अन्य खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और मुझे यकीन है कि हम एक समूह के रूप में सुधार करेंगे। विराट और रोहित को लेकर मुझे कोई चिंता नहीं है। उनमें अब भी रनों की भूख है और वह आस्ट्रेलिया में वापसी करेंगे। रोहित और विराट के लिए मुझे किसी भी तरह की चिंता नहीं है। वे मजबूत खिलाड़ी हैं और उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत कुछ हासिल किया है और आगे भी ऐसा करते रहेंगे। भरोसा है कि आस्ट्रेलिया दौरे पर ये दोनों बल्लेबाज वापसी करने में सफल रहेंगे।

हाल ही में न्यूजीलैंड सीरीज में विराट और रोहित का प्रदर्शन बेहद ही खराब रहा था। विराट ने जहां छह पारियों में 93 रन बनाए थे तो रोहित के बल्ले से केवल 91 रन ही निकले थे। जिसके बाद इन दोनों की काफी आलोचना हुई थी।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ● प्रेट्र

22 नवंबर से शुरू होगी आस्ट्रेलिया के विरुद्ध पांच टेस्ट मैचों की सीरीज

पर्थ में रोहित नहीं खेले तो केएल राहुल कर सकते हैं ओपनिंग

गंभीर ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि यदि नियमित कप्तान रोहित शर्मा व्यक्तिगत कारणों से मैच के लिए उपलब्ध नहीं होते हैं तो जसप्रीत बुमराह उपकप्तान होने के कारण पर्थ में पहले टेस्ट में भारत का नेतृत्व करेंगे। भारतीय टीम का दूसरा दल सोमवार को पर्थ के लिए रवाना होगा और अभी यह तय नहीं है कि रोहित व्यक्तिगत कारणों से पहले टेस्ट में खेलेंगे या नहीं और गंभीर ने भी उनकी स्थिति की पुष्टि नहीं की। गंभीर ने कहा, देखिए फिलहाल कोई पुष्टि नहीं हुई है लेकिन हम लोग आपको बता देंगे कि स्थिति क्या होगी। उम्मीद है कि वह उपलब्ध होंगे लेकिन सीरीज से पहले सब पता चल जाएगा। बुमराह उपकप्तान हैं इसलिए जाहिर है कि वह टीम की अगुआई करेंगे। वहीं रोहित की अनुपस्थिति में ओपनिंग के लिए अभिमन्यु ईश्वरन या केएल राहुल में से किसी एक को चुना जाएगा। बेशक ईश्वरन है, केएल वहां (आस्ट्रेलिया में) हैं। हालांकि गंभीर ने पर्याप्त संकेत दिए कि राहुल का अनुभव नए खिलाड़ी ईश्वरन की मौजूदा फार्म पर भारी पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है और यही एक व्यक्ति की खूबी है कि राहुल शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी कर सकता है। वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकता है और वह छठे नंबर पर भी बल्लेबाजी कर सकता है।

नीतीश रेड्डी व हर्षित राणा के चयन का किया बचाव

गंभीर ने आस्ट्रेलिया दौरे के लिए नीतीश रेड्डी और हर्षित राणा के चयन के निर्णय का बचाव किया। नीतीश को शार्दुल ठाकुर पर प्राथमिकता दी गई है। गंभीर ने कहा कि हमने सबसे अच्छी टीम चुनी है जो हमारे लिए काम कर सकती है। नीतीश रेड्डी, हम सभी जानते हैं कि वह कितने अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली हैं और अगर उन्हें विकल्प दिया जाता है तो वह हमारे लिए अच्छा प्रदर्शन करेंगे। हर्षित राणा को लेकर उन्होंने कहा कि उन्होंने असम के विरुद्ध रणजी मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था। हर्षित को लेकर हम सभी ने सोचा कि उन्हें एक और प्रथम श्रेणी मैच खेलने भेजना जरूरत नहीं है क्योंकि उनके पास गेंदबाजी का पर्याप्त अनुभव है।

पॉंटिंग को दिया जवाब, आस्ट्रेलिया पर ध्यान दें

हाल ही में आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉंटिंग ने विराट को की हालिया फार्म पर सवाल उठाए थे, जब इस बारे में गंभीर से पूछा गया तो कहा कि पॉंटिंग का भारतीय क्रिकेट से क्या लेना-देना है? उन्हें आस्ट्रेलिया पर ध्यान देना चाहिए और उसके बारे में बात करनी चाहिए।

मांजरेकर ने साधा गंभीर पर निशाना

गंभीर की प्रेस कांफ्रेंस के कुछ देर बाद पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर कहा, मैंने अभी-अभी गंभीर को देखा। बीसीसीआइ के लिए उन्हें इस तरह की जिम्मेदारियों से दूर रखना समझदारी होगी, उन्हें पर्दे के पीछे से काम करने देना चाहिए। उनके पास बातचीत करते समय ना तो सही व्यवहार है और न ही सही शब्द। रोहित और अगरकर मीडिया के सामने आने के लिए बेहतर लोग हैं। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्हें प्रेस कांफ्रेंस का कौन सा हिस्सा आपत्तिजनक लगा।

पीसीबी पीछे हटा तो द. अफ्रीका में हो सकती है चैंपियंस ट्राफी

क्रिकेट डायरी

करांची, प्रेट्र: अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) ने चैंपियंस ट्राफी के लिए भारत के पाकिस्तान जाने से इन्कार के बाद पाकिस्तान से हाइब्रिड माडल में टूर्नामेंट की की मेजबानी को लेकर जवाब मांगा है। आइसीसी सूत्रों की मानें तो पीसीबी के टूर्नामेंट की मेजबानी से इन्कार करने पर टूर्नामेंट दक्षिण अफ्रीका में कराया जा सकता है।

सूत्रों की मानें तो आइसीसी ने पीसीबी से पूछा है कि क्या उसे हाइब्रिड माडल स्वीकार्य है जिसमें भारत के मैच और फाइनल दुबई में खेला जाएगा। आइसीसी ने यह भी कहा कि इसके तहत उसे पूरी मेजबानी फीस और अधिकांश मैच मिलेंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार को पुष्टि की थी कि उसे आइसीसी का ई-मेल मिला है कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। पीसीबी सूत्रों ने बताया कि अगर बोर्ड चैंपियंस ट्राफी की मेजबानी से पीछे नहीं हटता है तो यह तय है कि भारतीय टीम के मैच यूएई में और फाइनल मैच दुबई शहर में होगा। बीसीसीआइ ने आइसीसी से कहा है कि हाइब्रिड माडल स्वीकार्य है बशर्ते फाइनल दुबई में हो, पाकिस्तान में नहीं।

इससे पहले, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने कहा था कि चैंपियंस ट्राफी की मेजबानी को लेकर आइसीसी से स्पष्टीकरण मांगेगा क्योंकि उसे सिर्फ बताया गया है कि भारतीय टीम टूर्नामेंट के लिए नहीं आएगी, लेकिन हाइब्रिड माडल के प्रस्ताव पर कोई जानकारी नहीं दी गई है। पिछले साल एशिया कप में हाइब्रिड माडल अपनाया गया था जब भारत के मैच श्रीलंका में हुए थे। भारतीय टीम ने 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है।

जेम्स एंडरसन सीएसके में शामिल होते हैं तो आश्चर्य नहीं होगा: वान

नई दिल्ली: इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने कहा कि अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन अगर आइपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम का हिस्सा बनते हैं तो उन्हें 'आश्चर्य नहीं होगा' क्योंकि यह पूर्व चैंपियन टीम ऐसे तेज गेंदबाज को पसंद करती है जिनके पास स्विंग कराने की क्षमता है। एंडरसन ने इस साल की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। इस 42 साल के दिग्गज ने खुद को पहली बार आइपीएल की नीलामी में शामिल किया गया है। वान ने कहा, चेन्नई सुपरकिंग्स एक ऐसी टीम है जो शुरुआती ओवरों में स्विंग करने की क्षमता वाले गेंदबाजों को पसंद करती है। उनकी टीम में हमेशा ही एक ऐसा गेंदबाज रहा है, चाहे वह शारदुल ठाकुर हो या कोई और। मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर जिमी एंडरसन चेन्नई की टीम में दिखे।

संजय बांगड़ का बेटा आर्यन बना अनाया

क्रिकेट में ट्रांस महिलाओं के लिए स्पष्ट नियम नहीं होने पर सिस्टम पर नाराजगी जताई, इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट लिख जाहिर किया अपना दर्द

नई दिल्ली, जेएनएन: पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच संजय बांगड़ के बेटे आर्यन ने अपना लिंग परिवर्तन कराया है और अब वह अनाया बन चुकी हैं। इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने अपने शरीर में हुए हार्मोनल बदलाव के बारे में बताया है। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे उस खेल को छोड़ना पड़ेगा जो मेरा जुनून और मेरा प्यार रहा है, लेकिन यहां मैं एक दर्दनाक वास्तविकता का सामना कर रही हूं। हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी कराकर एक ट्रांस महिला बनने के बाद मेरे शरीर में बहुत ज्यादा बदलाव आया है। मैं अपनी मांसपेशियों, ताकत और एथलेटिक क्षमताओं को खो रही हूं। जिस खेल से मैं इतने लंबे समय से प्यार करती थी, वह मुझसे दूर होता जा रहा है।'

अनाया बनने से पहले ही वो क्रिकेट खेल रही थीं और वह एक बाएं हाथ की बल्लेबाज हैं। फिलहाल वह इंग्लैंड के मैनचेस्टर में रह रही हैं, लेकिन अब उन्हें क्रिकेट नहीं खेलने दिया जा रहा है। दरअसल ट्रांस महिलाओं को महिला क्रिकेट में हिस्सा लेने से रोक दिया गया है। ताजा मामले के सामने आने के बाद उनकी कुछ पुरानी तस्वीरें भी सामने आई हैं जिसमें वह विराट कोहली और कुछ अन्य दिग्गज भारतीय क्रिकेटर्स के साथ नेट्स पर दिख रहे हैं। क्रिकेट नहीं खेल पाने को लेकर उन्होंने लिखा, 'दुखद है कि क्रिकेट में ट्रांस महिलाओं के लिए स्पष्ट नियम नहीं हैं।

उन्होंने कहा, ऐसा लग रहा है कि सिस्टम मुझे बाहर धकेल रहा है। सिस्टम के मुताबिक मुझे पौरूष हासिल करने के पहले ही बदलाव कर लेना था, लेकिन कानूनी तौर पर इसकी अनुमति नहीं है। अब ऐसे में मैं क्या करूं? ट्रांस महिलाओं को खेलने का अधिकार मिलना चाहिए।'

आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर यह तस्वीर साझा की ●

भारतीय महिला हाकी टीम ने पहले ही मैच में मलेशिया को 4-0 से हराया

एशियन चैंपियंस ट्राफी में भारत की विजयी शुरुआत

जागरण संवाददाता, राजगीर: गत चैंपियन भारतीय महिला हाकी टीम ने राजगीर में खेले जा रहे महिला एशियाई चैंपियंस ट्राफी हाकी टूर्नामेंट के पहले मैच में सोमवार को मलेशिया को 4-0 से हराया। भारत के लिए संगीता कुमारी ने आठवें और 55वें मिनट में, प्रीति दुबे ने 43वें और उदिता ने 44वें मिनट में गोल किए। अन्य मैचों में जापान ने कोरिया से 2-2 से ड्रा खेला जबकि ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन ने थाईलैंड को 15-0 से हराया बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजगीर में नव निर्मित हाकी स्टेडियम में टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। पहले क्वार्टर में पूरी तरह से भारत का दबदबा रहा। हालांकि, पहला पेनल्टी कार्नर पांचवें मिनट में मलेशिया को मिला लेकिन उस पर गोल नहीं हो सका। भारत को कुछ देर बाद ही दो मिनट के भीतर दो पेनल्टी कार्नर मिले और संगीता ने दूसरे प्रयास में गोल दागा।

मलेशिया के विरुद्ध गोल दागने के बाद भारतीय महिला हाकी टीम ● एक्स

भारत को दूसरे क्वार्टर में मिले चारों पेनल्टी कार्नर बेकार गए। भारत ने 43वें मिनट में नवनीत कौर की फ्लिक पर हुए प्रीति के गोल के दम पर बढ़त दोगुनी कर ली। एक मिनट बाद उदिता ने भारत के लिये तीसरा गोल किया। आखिरी सीटी बजने से पांच मिनट पहले संगीता ने बेहतरीन फील्ड गोल दागा। भारतीय टीम अपने दूसरे मैच में मंगलवार को दक्षिण कोरिया से भिड़ेगी।

मैदान का चक्कर लगा दर्शकों तक पहुंचे नीतीश: प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार की दोपहर 12.15 बजे हुआ, पर आधिकारिक उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारत के मैच से ठीक पहले किया। सीएम दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद मैदान पर उतर गए। हाकी मैदान का चक्कर लगाकर उन्होंने दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया।

यमाल के बिना बार्सिलोना की चौंकाने वाली हार

फुटबाल डायरी

मैड्रिड, एपी: चोटिल लमीने यमाल के बिना खेल रही बार्सिलोना को ला-लीगा में रियाल सोसिएदाद के विरुद्ध 1-0 की चौंकाने वाली हार मिली है। इसके साथ ही उनका लगातार सात मैचों से चला आ रहा जीत का सिलसिला भी समाप्त हो गया है। लीग के 13 मैचों में 40 गोल दाग चुका बार्सिलोना का आक्रमण सोसिएदाद के विरुद्ध संघर्ष करता दिखा। राबर्ट लेवानदोवोस्की ने 15 मिनट के अंदर ही गोल किया था, लेकिन उसे आफसाइड करार दिया गया था। शेराल्डो बेकर द्वारा 33वें मिनट में किए गए सत्र के पहले गोल ने बार्सिलोना की हार तय की। हार के बावजूद बार्सिलोना छह अंकों की बढ़त के साथ शीर्ष पर है।

आर्सेनल की खिताबी रेस को लगा झटका

चेल्सी के विरुद्ध 1-1 के ड्रा से आर्सेनल की खिताबी रेस को बड़ा झटका लगा है। लीग में यह लगातार चौथा मैच था जब वे जीत हासिल नहीं कर सके और अब शीर्ष पर मौजूद लिवरपूल से नौ अंक पीछे हो गए हैं। गोल डिफरेंस के कारण चेल्सी अंक तालिका में आर्सेनल से ऊपर तीसरे स्थान पर है।

मैनचेस्टर युनाइटेड ने लेस्टर सिटी को हराया : मैनचेस्टर युनाइटेड ने प्रीमियर लीग में लेस्टर सिटी को 3-0 से हराते हुए सभी प्रतियोगिताओं में मिलाकर अपने अजेय क्रम को चार मैचों तक बढ़ा लिया है।

सिनर की विजयी शुरुआत, रूड ने अलकराज को हराया

एटीपी फाइनल्स

तुरीन, एपी: कैस्पर रूड ने एटीपी फाइनल्स में राउंड रोबिन चरण के अपने शुरुआती मुकाबले में इस साल दो ग्रैंड स्लैम जीतने वाले कार्लोस अलकराज को 6-1, 7-5 से हराकर उलटफेर किया। अलकराज इस मुकाबले में अपने सर्वश्रेष्ठ लय में नहीं दिखे और रूड ने पांच मैचों में पहली बार उन्हें हराया। इस साल फ्रेंच ओपन और विंबलडन के विजेता अलकराज के लिए सत्र के आखिर में आयोजित होने वाले शीर्ष आठ खिलाड़ियों के इस टूर्नामेंट के राउंड रोबिन चरण से आगे बढ़ना मुश्किल होगा। इस ग्रुप में अलेक्जेंडर ज्वेरेव और आंद्रे रुबलेव भी हैं।

अलकराज इससे पहले पेरिस मास्टर्स में लचर प्रदर्शन के बाद रैंकिंग में ज्वेरेव के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गए थे। एटीपी फाइनल्स के ग्रुप चरण में शीर्ष रहने वाले दो खिलाड़ी सीधे सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाएंगे। यदि ज्वेरेव ने अलकराज को हरा दिया तो वह टूर्नामेंट से बाहर भी हो सकते हैं। शीर्ष वरीय पुरुष टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर ने एलेक्स डी मिनौर को 6-3, 6-4 से हराते हुए एटीपी फाइनल्स में विजयी शुरुआत की है। पिछले सीजन इसी टूर्नामेंट के फाइनल में नोवाक जोकोविक से हारने वाले सिनरइस बार घरेलू परिस्थितियों को पूरा फायदा लेना चाहेंगे।

इस वर्ष आस्ट्रेलियन और यूएस ओपन जीतने वाले सिनर ने लगातार आठवें मैच में मिनौर को हराया है। 23 वर्षीय सिनर ने शंघाई में सत्र का सातवां खिताब जीतने के बाद चार सप्ताह तक प्रतिस्पर्धी टेनिस नहीं खेली थी।

जानिक सिनर ● रायटर

हार से भड़के मेदवेदेव ने तोड़ा रैकेट

इससे पहले पूर्व एटीपी फाइनल्स चैंपियन दानिल मेदवेदेव अपने गुस्से पर काबू नहीं रख सके और अब उनके ऊपर टूर्नामेंट से निकाले जाने का खतरा मंडरा रहा है। मेदवेदेव को टेलर फ्रिट्ज ने 6-4, 6-3 से हराया। पहली बार फ्रिट्ज से हारने से झल्लाए मेदवेदेव ने पहले सेट में अपना रैकेट जमीन पर दे मारा। इसके बाद दूसरे सेट में उन्होंने अपने रैकेट से एक माइक्रोफोन तोड़ दिया। इस के चलते उनके ऊपर एक अंक की पेनाल्टी भी लगाई गई थी। मैच के बाद मेदवेदेव ने सफाई देते हुए कहा कि वह अपने ऊपर गुस्सा थे और इसका किसी अन्य से नाता नहीं है।

अरविंद चिदंबरम ने चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स खिताब जीता

चेन्नई, प्रेट्र: ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने अंतिम दो क्लासिकल राउंड में शानदार प्रदर्शन करके चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स खिताब जीत लिया जबकि ग्रैंडमास्टर वी प्रणव पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहकर चैलेंजर्स खिताब के विजेता बने। मास्टर्स वर्ग में शीर्ष स्थान के लिए त्रिकोणीय मुकाबला था, जिसमें अरविंद ने ग्रैंडमास्टर लेवोन आरोनियन को पहले ब्लिट्ज प्लेआफ में हराया। काले मोहरों से खेलते हुए दूसरा मुकाबला ड्रा खेला। उन्होंने परहम एम के विरुद्ध अगला मुकाबला जीता, जबकि रविवार रात शीर्ष पर काबिज ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी और लेवोन आरोनियन ने ड्रा खेला।

आरोनियन ने ग्रैंडमास्टर अमीन टाबाटाबाइ से ड्रा खेला, जबकि अर्जुन ने ग्रैंडमास्टर मैक्सिक वाचियेर लाग्रेव से ड्रा पर सहमति जताई। अरविंद टाइब्रेक में बेहतर स्कोर के आधार पर शीर्ष पर हैं जबकि आरोनियन और अर्जुन ने दो गेम का ब्लिट्ज प्लेआफ खेला और दोनों विजयी रहे जिससे सडन डेथ तक मुकाबला पहुंचा। आरोनियन ने अर्जुन को ड्रा पर रोककर फाइनल में अरविंद के विरुद्ध जगह बनाई। अरविंद ने पहला मुकाबला जीता और दूसरा ड्रा खेलकर खिताब अपने नाम किया।

अरविंद चिदंबरम ● आयोजक

****

दैनिक जागरण
सप्तरंग
अंतस और अध्यात्म का
मंगलवार, 12 नवंबर, 2024

प्रकाश-पर्व

प्रो. हरमहेंद्र सिंह बेदी
कुलाधिपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

नानक वाणी है कल्याण का मार्ग

त्याग व सेवा को उच्च आदर्श मानने वाले सिखों के प्रथम गुरु नानक देव जी ने अपनी वाणी से लोगों को कल्याण का मार्ग दिखाया। उनके प्रकाश पर्व (15 नवंबर) पर विशेष...

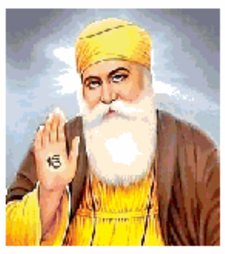

श्री गुरु नानक देव जी का प्रभाव संपूर्ण भारतीय समाज एवं आध्यात्मिक चिंतन पर अत्यंत गहरा है। भटके हुए लोगों को गुरु नानक जी की वाणी ने नया मार्ग दिखाया। उन्होंने किरत करना, नाम जपना व वंड छकना (बांटकर खाना) सिखाया, जो उनके दर्शन का मूलभूत संदेश है।

मध्यकाल में भारतीय धर्म व दर्शन के पुनर्जागरण में उनकी महती भूमिका है। गुरु नानक देव ने समाज को अंधविश्वास व दुराचरण के प्रति सचेत किया और उसे अपने अस्तित्व के प्रति जाग्रत किया। जपुजी साहिब में जिस ऊंचे आचरण का पक्ष गुरु नानक देव लेते हैं, वह पाखंड के विरुद्ध जयघोष है।

दक्षिण भारत से आरंभ हुए भक्ति आंदोलन ने 15वीं शताब्दी में उत्तर भारत में क्रांतिकारी परिवर्तन किए। संत कवियों का ध्येय था ऐसे समाज का निर्माण करना, जहां भेदभाव की दीवारें न हों। संतों का यह सपना गुरु नानक देव की वाणी में सत्य होता दिखा।

ज्ञान व प्रेम को जीवन का मूलाधार मानने वाले नानक देव जी चाहते थे कि जन साधारण पलायनवादी न हो, क्योंकि उनकी दृष्टि में मुक्ति जंगलों में भटककर नहीं, अपितु घर-परिवार में रहते हुए जीवन के संघर्षों से जूझते हुए ही प्राप्त की जा सकती है। त्याग व सेवा को उन्होंने मानव का सर्वोच्च आदर्श माना। नारी को वह उच्च सम्मान देने के पक्षधर थे।

गुरु नानक देव जी महान रचनाकार भी थे। उन्होंने अनेक कृतियों की रचना की। उनकी प्रमुख वाणियों (बानी) में जपुजी साहिब, आसा दी वार, पट्टी, बारहमाह, सिध गोष्टि इत्यादि हैं। उनकी वाणी श्री गुरु ग्रंथ साहिब में संकलित है, जिसकी धुरी गुरु नानक देव द्वारा रचित 'मूलमंत्र' है। उनकी वाणी का आकाश उन सार्थक सच्चाइयों में व्याप्त है, जहां न भय है, न वैर है, न विरोध है और न ही असत्य है। गुरु नानक देव की दृष्टि में दुख व सुख तभी तक प्रभावित कर सकते हैं, जब तक मानव 'नाम' की महिमा से अवगत नहीं है।

वैश्वीकरण के जिस दौर से आज हम गुजर रहे हैं, उसमें नानक वाणी की अमृत-संजीवनी सबके लिए कल्याण का मार्ग है। गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व की इस शुभ बेला का यही संदेश है।

अगले अंक में पढ़ें
स्वामी मैथिलीशरण
का चिंतन...

सनातन संस्कृति

स्वामी अवधेशानन्द गिरि
जूनापीठाधीश्वर,
आचार्यमहामंडलेश्वर

देवोत्थान एकादशी हमें यह बोध देती है कि अब अपने भीतर की दिव्यता को जगाने का समय आ गया है। भगवान विष्णु का योगनिद्रा से जागरण हमारे भीतर के चैतन्य के जाग्रत होने का संदेश देता है। आज देवोत्थान एकादशी पर विशेष...

यद्यद्विभूतिमत्सत्त्वं श्रीमदूर्जितमेव वा।
तत्तदेवावगच्छ त्वं मम तेजोंऽशसंभवम्।।

हमारे भीतर की दिव्यता का जागरण

विचारों की शुचिता से आती है दिव्यता ● जागरण आर्काइव

देवोत्थान एकादशी अथवा प्रबोधिनी एकादशी पर त्रैलोक्य के पालनहार भगवान श्रीविष्णु के योगनिद्रा से जागरण के साथ ही सकल दैवसत्ता चैतन्य होने से समस्त शुभ कर्मों के संपादन का अनुकूल समय आरंभ हो जाता है।

मनुष्य में पूर्वकाल से ही अपरिमित ऊर्जा-अतुल्य सामर्थ्य, ओज-तेज आदि पारमार्थिक विभूतियां विद्यमान हैं, जिन्हें विवेक, शुभ-विचार तथा सद्संकल्प द्वारा जाग्रत किया जा सकता है। देवोत्थान एकादशी हमारे भीतर विद्यमान उन्हीं दिव्यताओं के जागरण की शुभ बेला है। श्री, ऐश्वर्य और आयुष्य स्वरूपा मां वृंदा (तुलसी) के सत्य एवं धर्म स्वरूप भगवान श्रीनारायण को वरण करने से अभिप्राय यह है कि धन-यश आदि संसार की समस्त विभूतियां धर्म और सत्य की अनुगामिनी हैं। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी को भगवान श्रीविष्णु चार मास की योगनिद्रा के बाद जागते हैं। इसलिए इस एकादशी को देवउठनी अथवा देवोत्थान एकादशी अथवा प्रबोधिनी एकादशी कहते हैं। वैसे तो प्रत्येक एकादशी व्रत का विशेष महत्व है, लेकिन मान्यता है कि इस एकादशी पर किए गए व्रत एवं पूजन व विचारों की शुचिता से भगवान श्रीविष्णु प्रसन्न होते हैं।

विचारों में अद्वितीय सामर्थ्य विद्यमान है। जीवन रूपांतरण के लिए वैचारिक शुचि-संपन्नता नितांत अपेक्षित है। स्वस्थ, सकारात्मक और पवित्र विचार दिशा और दृष्टि प्रदान करते हैं। जीवन रचना में विचारों की मूल भूमिका है। शुभ-विचार जीवन में सहजता, अभयता, सरसता और आनंद-अनुभव को साकारता प्रदान करने वाले आध्यात्मिक बीज हैं। अतः अंतर्मन शुभ-विचार संपन्न रहे। अंतःकरण में निरंतर शुभ-दिव्य विचार प्रसूत हो, ऐसी सचेतता रहे। संसार की प्रायः सभी शक्तियां जड़ होती हैं। विचार-शक्ति, चेतन-शक्ति है। उदाहरण के लिए, धन अथवा जनशक्ति ले लीजिए। अपार धन उपस्थित हो, किंतु समुचित प्रयोग करने वाला कोई विचारवान व्यक्ति न हो तो उस धनराशि से कोई भी काम नहीं किया जा सकता। जन-शक्ति और सैन्य-शक्ति अपने आप में कुछ भी नहीं हैं। जब कोई विचारवान नेता अथवा नायक उसका ठीक से नियंत्रण और अनुशासन कर उसे उचित दिशा में लगाता है, तभी वह कुछ उपयोगी हो पाती है। शासन, प्रशासन और व्यावसायिक आदि कार्य एकमात्र विचार द्वारा ही नियंत्रित और संचालित होते हैं। भौतिक क्षेत्र में ही नहीं, आध्यात्मिक क्षेत्र में भी एक विचार-शक्ति ही ऐसी है, जो काम आती है। न शारीरिक और ना ही सांपत्तिक, कोई अन्य शक्ति काम नहीं आती। इस प्रकार जीवन तथा जीवन के हर क्षेत्र में केवल विचार-शक्ति का ही साम्राज्य रहता है।

हमारे सकारात्मक विचार जीवन को नई दिशा देते हैं। यदि विचार सही व विधेयात्मक हुए तो व्यक्ति का निर्माण सही होता चला जाएगा। हम सभी एक ही परमात्मा की संतानें हैं, अतः अन्य के अधिकार, सम्मान और स्वाभिमान का अभिरक्षण करना हमारा प्रथम कर्तव्य हो। धर्म वह है, जहां छल-कपट नहीं है। जहां धैर्य, क्षमा, इंद्रिय निग्रह, सत्य, अक्रोध, निराभिमानता तथा अहिंसा है। इसके विपरीत यदि कोई भी आचरण या कर्म करें तो वह धर्म नहीं हो सकता। अतः एकता, सहकार, समन्वय और परस्पर प्रीति द्वारा दुर्लक्ष्य और अप्राप्य वस्तुएं भी सहज सुलभ हो जाती है।

समन्वय जीवन सिद्धि और सफलता का मूल मंत्र है। सभी जातियां समान हैं और सभी जातियां महान हैं। हम सभी उस एक ईश्वर की संतानें हैं। ईश्वर को हमसे कुछ नहीं चाहिए। वह तो यही चाहता है कि मनुष्य अपना जीवन सुख, शांति तथा आनंद से व्यतीत करे। परम आनंद तो परमात्मा के निकट रहने में ही है। उसकी स्तुति, प्रार्थना तथा उपासना में ही है। इसलिए ईश्वर की स्तुति बहुत आवश्यक है। जब हम किसी की प्रशंसा करते हैं, किसी को अपने से अधिक योग्य, दयालु, शक्तिशाली तथा पूज्य मानते हैं, तब हम अहंकार शून्य हो जाते हैं। स्वभाव में विनम्रता तथा सात्विकता आ जाती है, जो कि बुद्धि को संतुलित रखकर कर्म करने की प्रेरणा देती है।

विवेकपूर्वक किया गया कर्म तथा अहंकार रहित प्रार्थना हमें ईश्वर के निकट पहुंचाती है। ईश्वर से प्रार्थना करते समय हम यह कहें कि 'हे ज्ञान प्रकाश स्वरूप! सच्चा मार्ग दिखाने वाले, जगदीश्वर, परमेश्वर, हमें ज्ञान, विज्ञान, ऐश्वर्य आदि की प्राप्ति कराने के लिए धर्मयुक्त कल्याणकारी मार्ग पर चलाएं। हमसे कुटिलता युक्त पापरूपी कर्म को दूर कीजिए। हम आपकी विविध प्रकार स्तुति, प्रार्थना, उपासना, सत्कार नम्रतापूर्वक करते हैं। हमारा जीवन पाप से दूर हो और जो भी भाव हमें पाप करने की प्रेरणा दे, उसे हमसे दूर कीजिए।'

ईश्वर से प्रार्थना करते समय अत्यंत विनम्र भाव से प्रार्थना करें। ऐसे दुर्व्यसन दुर्गुणों को अपने पास न आने दें, जिससे कि हमारे कर्मों पर उनका प्रभाव पड़े। अतः जीवन को सुचारु रूप से चलाने के लिए विचारों के प्रति जागरूकता का होना और नियम-संयम से जीवन जीने की आवश्यकता है। तभी हमारे भीतर दिव्यता का जागरण संभव हो सकेगा।

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

गीता सार

क्रोधाद्भवति सम्मोहः
सम्मोहात्स्मृतिविभ्रमः।
स्मृतिभ्रंशाद् बुद्धिनाशो
बुद्धिनाशात्प्रणश्यति।।

अध्याय दो, श्लोक-16

अर्थ : क्रोध निर्णय लेने की क्षमता को क्षीण करता है, जिसके कारण स्मृति भ्रम हो जाता है। जब स्मृति भ्रमित हो जाती है, तब बुद्धि का नाश हो जाता है और बुद्धि के नष्ट होने से मनुष्य का पतन हो जाता है।

शिक्षा : जिस प्रकार खौलते हुए जल में हम अपना चेहरा नहीं देख पाते हैं और जल को दर्पण बनाने के लिए उसका शांत रहना आवश्यक है, उसी प्रकार क्रोध में लोग वास्तविकता को नहीं देख पाते और ऐसी प्रतिक्रिया व्यक्त कर देते हैं, जिससे उन्हें बाद में पश्चाताप करना पड़ता है। क्योंकि उनकी बुद्धि भावनाओं की वाष्प से ढक जाती है। जब बुद्धि क्षीण हो जाती है, तब इससे स्मृति भ्रमित हो जाती है। ऐसे में मनुष्य सत्य और असत्य में भेद करना भूल जाता है। वह भावनाओं के आवेग के साथ बहता रहता है और यहीं से अधोपतन आरंभ हो जाता है तथा स्मृतिभ्रम होने के परिणामस्वरूप बुद्धि का विनाश हो जाता है। चूंकि बुद्धि द्वारा ही हमारा भौतिक जीवन जगत संचालित है, इसलिए जब यह भ्रमित हो जाती है, तब मनुष्य का सर्वनाश हो जाता है। इस प्रकार यहां धर्म से अधर्म तक के जिस अधोगामी मार्ग का वर्णन किया गया है, वह इंद्रियों के विषयों के चिंतन के साथ आरंभ होकर बुद्धि का नाश होने पर समाप्त होता है। अतः हमें किसी भी स्थिति में क्रोध न कर, शांति के साथ उस स्थिति को बदलने का प्रयास करना चाहिए।

करें करुणा सागर का मंथन

जीवन दर्शन

मोरारी बापू
प्रसिद्ध कथावाचक

करुणा एक समुद्र की भांति है। करुणा का मंथन करने पर निकलते हैं कौन से 14 रत्न, आइए जानें...

करुणा से उत्पन्न होती है निर्मल भक्ति ● जागरण आर्काइव

मुझे लगता है परमात्मा की करुणा से ही पूरा जगत प्रकट हुआ है। मैं अक्सर कहता हूं कि रामचरितमानस का सार सत्य, प्रेम और करुणा है। मैं कहता हूं सत्य हिमालय है, प्रेम गंगा है और करुणा समुद्र है। लोग पूछते हैं कि राम कहां हैं? तो मैं कहता हूं, राम परम सत्य में है। प्रेम में है। करुणा में है। व्यावहारिक दृष्टि से कहूं तो सत्य अपने लिए रखना, प्रेम दूसरे के लिए और करुणा सबके लिए रखना। यही जीवन का व्याकरण है, इसी को साधना कहते हैं।

करुना सुखसागर सब गुन आगर जेहि गावहिं श्रुति संता।
सो मम हित लागी जन अनुरागी भयउ प्रगट श्रीकंता।।

करुणा सागर है और समुद्र रत्नाकर है। समुद्र मंथन से 14 रत्न प्राप्त किए गए। स्पर्द्धावृत्ति से मंथन हो रहा था, इसलिए 14 ही रत्न निकले। श्रद्धा से प्राप्त किया होता तो पूरे रत्नाकर को पा सकते थे। हम भी करुणा-सागर से कितने रत्न प्राप्त कर सकते हैं, इसकी कोई सीमा नहीं, लेकिन कम से कम 14 तो प्राप्त कर ही सकते हैं। करुणा से पहला रत्न मिलता है सुख। इस संसार में जिसे भी सुख मिला है, करुणा से मिला है। कठोरता से सुख नहीं मिलता। दूसरा रत्न है निष्कामता। कामना हमारे प्रयास से खत्म नहीं होगी। जब किसी की हम पर करुणा होती है, तभी निष्काम भाव उत्पन्न होता है। निष्काम का अर्थ ऊर्जाहीन होना नहीं है। सामर्थ होते हुए भी विवेक से बुराइयों से बचना निष्कामता है। तीसरा रत्न है अतिशय प्रियता। जब तक अपनी करुणा स्वयं पर और परम तत्व की करुणा जीव पर नहीं होगी, जीव किसी का अति प्रिय नहीं हो पाता। जिन महापुरुषों ने करुणा का आश्रय लिया, वे समाज में अति प्रिय बने। करुणा का चौथा रत्न है निरहंकारिता। करुणा अहंकार से मुक्त रखती है और व्यक्ति को सहज-सरल रखती है। पांचवा रत्न है सुजनता अर्थात हर वस्तु को ठीक से जानने वाला। हम भले ही ज्ञानी न बनें, लेकिन सुजन जरूर बनें। अध्यात्म का मार्ग सुजनों का है। जब आदमी में करुणा होती है तो शब्दों में शालीनता आ जाती है। शालीनता छठा रत्न है। करुणा का सातवां रत्न है दोषों का समाप्त होना। आठवां रत्न है स्वभाव की कोमलता। जिसके जीवन का केंद्र बिंदु करुणा होगी, उसके स्वभाव में कोमलता बहुत होगी। नौवें रत्न के रूप में क्रोध से मुक्ति मिलती है। क्रोध नर्क का द्वार है, जबकि करुणा स्वर्ग का द्वार। 10वें रत्न के रूप में करुणा सागर से सही अर्थ में धर्म की धुरी को अपने कंधे पर उठाने की क्षमता प्राप्त करना है। धर्म की धुरी वही उठा सकता है, जिसने करुणा का अनुभव किया हो। बिना करुणा के धर्म हिंसा करवाता है। वेद कहते हैं- सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामयः। सब सुखी हों सब निरोगी हों, सब शतायु हों। यह तभी संभव है, जब जीवन में करुणा होगी।

करुणा सागर से निकलने वाला 11वां रत्न है सुंदरता। जिसको अपने जीवन को, तन-मन को सुंदर रखना है, वह करुणा का आश्रय ले। कठोरता और आक्रामकता सुंदर नहीं रहने देती। करुणा का 12वां रत्न है दूसरों की पीड़ा समझने का मन। दुनिया में बहुत लोग दुखी हैं, लेकिन उनकी पीड़ा हम नहीं समझ पाते। कारण है करुणा का अभाव। करुणा जिसमें फूटेगी, वह दूसरे की पीड़ा को समझेगा। 13वां रत्न है परम विवेक। विवेक सत्संग से मिलता है, लेकिन रामायणकार कहते हैं परम विवेक करुणा से मिलता है। करुणा का 14वां रत्न है निर्मल भक्ति। निर्मल मन, निर्मल भक्ति से परमात्मा को प्राप्त किया जा सकता है।

करुणा के बिना आराम संभव नहीं है। कठोर हृदय आराम नहीं प्राप्त कर सकता। करुणा से अहिंसा, अहिंसा से शांति, शांति से आराम, आराम से विश्राम, विश्राम से राम, राम से सत्य, सत्य से प्रेम और प्रेम से करुणा की प्राप्ति होती है। यह एक सुव्यवस्थित क्रम है, एक गणित है।

प्रस्तुति : राज कौशिक

प्रेरक प्रसंग

ईश्वर जो करते हैं, अच्छा करते हैं

एक राजा अपने मंत्री के साथ आखेट पर निकले। वन में हिरन को देख राजा ने तीर प्रत्यंचा पर चढ़ाया ही था कि जंगल में से एक शूकर निकला और राजा को धक्का देकर भागा। इस अप्रत्याशित आघात के कारण तीर की नोक से उनकी अंगुली कट गई। रक्त बहने लगा और राजा व्याकुल हो उठे।

रक्त बहता देखकर मंत्री बोले, 'राजन! भगवान जो करता है, अच्छे के लिए करता है।' मंत्री की बात सुनकर राजा क्रोधित हो गए। उन्होंने मंत्री को आज्ञा दी कि तत्काल वे वहां से चले जाएं। मंत्री ने आज्ञा का पालन किया। इधर राजा थोड़ा आगे बढ़े ही थे कि उन्हें जंगल में नरभक्षी कबीले के लोगों ने घेर लिया। वे उन्हें पकड़कर अपने सरदार के पास ले गए। राजा की बलि देने की तैयारी हो ही रही थी कि कबीले के पुजारी ने राजा की कटी अंगुली देखकर कहा कि इसका तो अंग भंग है, इसकी बलि स्वीकार नहीं हो सकती। राजा को जीवनदान मिला तो उन्हें तुरंत मंत्री की याद आई। सोचने लगे कि मंत्री ठीक कहते थे, भगवान जो करता है, अच्छे के लिए ही करता है। मुझे उनका साथ नहीं छोड़ना चाहिए था।

ऐसा सोचते वे आगे बढ़ रहे थे कि उन्हें मंत्री नदी किनारे भजन करते दिखाई पड़े। राजा ने प्रेमपूर्वक मंत्री को गले लगाया और उन्हें सारा घटनाक्रम कह सुनाया। इसके बाद राजा ने उनसे प्रश्न किया- 'मेरी अंगुली कटी, इसमें भगवान ने मेरा भला किया, पर तुम्हें मैंने अपमानित करके भगाया, इससे तुम्हारा क्या भला हुआ?' मंत्री मुस्कराए और बोले, 'राजन, यदि मैं आपके साथ होता तो अंग भंग के कारण नरभक्षी आपकी बलि न देते, पर तब मेरी बलि चढ़नी सुनिश्चित थी। इसलिए भगवान जो करते हैं, अच्छा ही करते हैं।'

(साभार 'अखण्ड ज्योति')

सप्ताह के व्रत त्योहार

12 नवंबर, मंगलवार : देवोत्थान एकादशी, प्रबोधिनी एकादशी। तुलसी विवाहोत्सव।
14 नवंबर, गुरुवार : वैकुंठ चतुर्दशी व्रत।
15 नवंबर, शुक्रवार : स्नान-दान-व्रतादि की कार्तिकी पूर्णिमा। गुरु नानकजी का प्रकाशपर्व।

आज का भविष्यफल-12 नवंबर, 2024 मंगलवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : कार्तिक मास शुक्ल पक्ष एकादशी
राहुकाल : अपराह्न 3 बजे से 4.30 तक।
आज का दिशाशूल : उत्तर
आज का पर्व एवं त्योहार : प्रबोधिनी एकादशी, देवोत्थान एकादशी
आज की भद्रा : प्रातः 5 बजकर 36 मिनट से सायं 4 बजकर 6 मिनट तक। विशेष : पंचक

कल 13 नवंबर, 2024 का पंचांग

कल का दिशाशूल : उत्तर
कल का पर्व एवं त्योहार : प्रदोष व्रत
विशेष : पंचक (रात्रि 03 बजकर 12 मिनट पर समाप्त) विक्रम संवत 2081 शके 1946 दक्षिणायण, दक्षिणगोल, शरद ऋतु कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की द्वादशी तत्पश्चात त्रयोदशी, रेवती नक्षत्र तत्पश्चात अश्विनी नक्षत्र, वज्र योग तत्पश्चात सिद्धि योग, मीन में चंद्रमा तत्पश्चात मेष में।

मेष : मांगलिक या सांस्कृतिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।

वृष : कर्मक्षेत्र में व्यवधान आएगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन : वाहन चलाते समय सावधानी रखें। रोग या विरोधी के कारण मन अशांत रहेगा।

कर्क : संतान या शिक्षा के कारण चिंतित रहेंगे। व्यावसायिक मामलों में सफलता मिलेगी। धार्मिक प्रयास फलीभूत होगा।

सिंह : संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे, फिर भी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। वाद-विवाद में न फंसें।

कन्या : पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। भाई-बहन का सहयोग मिलेगा। रिश्तों में निकटता आएगी।

तुला : जीविका में प्रगति होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा, फिर भी रोग या शत्रु के कारण मन अशांत रहेगा।

वृश्चिक : ससुराल पक्ष का सहयोग रहेगा। चल या अचल संपत्ति के मामलों में सफलता मिलेगी। यात्रा भी संभव।

धनु : रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी।

मकर : दूसरे से सहयोग लेने में सफलता मिलेगी। मन अशांत रहेगा। यात्रा देशाटन की संभावना है।

कुंभ : मांगलिक या सांस्कृतिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। जीविका में प्रगति होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा।

मीन : व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत हो सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

वर्ग पहेली-2805

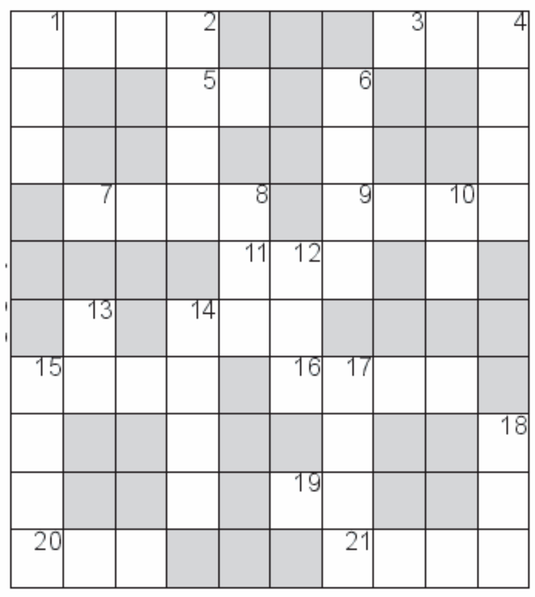

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं
1 रंगमंच का परदा (4)।
3 पृथक, भिन्न (3)।
5 इंद्रजाल (2)।
7 इस शब्द का अर्थ मक्खन होता है (4)।
9 मृत्यु के देवता (4)।
11 इसके दस सिर थे (3)।
14 अनुकूल, सफेद, स्वच्छ (3)।
15 समाप्ति, परिच्छेद, वध (4)।
16 विक्रमादित्य की सभा के नौ पंडित ... कहलाते थे (4)।
19 भारत के एक वैज्ञानिक का उपनाम (2)।
20 दिनांक (3)।
21 यह दिन प्रायः छुट्टी का दिन होता है (4)।

ऊपर से नीचे
1 अनाथ, बिना मां-बाप का (3)।
3 जयशंकर प्रसाद की एक रचना (4)।
4 एक प्रसिद्ध हिंदी कामिक पात्र (4)।
6 महर्षि वाल्मिकि की कृति (4)।
8 काट-छांट (3)। 10 निशा, रजनी (2)।
12 मुख, मुंह (3)। 13 स्त्री, दुर्गा (2)।
14 शिष्टता (4)।
15 एक जैसा होने का भाव (4)।
17 बगुला बने इस राक्षस को श्री कृष्ण ने मारा (4)। 18 तीन घंटे का समय (3)।

कल का हल

जागरण सुडोकू-2805

6		5		9		3		1
	4			1				
9		1	3		4	6	7	
5			9			2		4
	1				8	7		
2		9		4			5	
1		7	8			4	6	
		2		7				3
4	9		1		2		8	

कल का हल

3	2	9	8	6	7	4	1	5
6	4	5	1	3	2	7	9	8
1	7	8	5	4	9	2	6	3
7	6	3	9	5	8	1	4	2
5	9	1	2	7	4	8	3	6
2	8	4	3	1	6	9	5	7
8	3	6	4	2	1	5	7	9
9	1	7	6	8	5	3	2	4
4	5	2	7	9	3	6	8	1

राष्ट्रीय फलक

कश्मीर और हिमाचल में सीजन की पहली बर्फबारी, उत्तराखंड से बादल रूठे

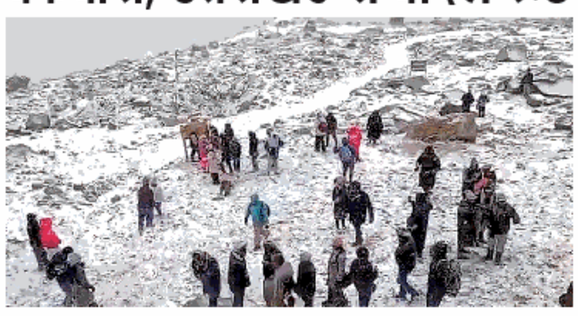

गुलमर्ग में अफरवट की चोटियों पर दो इंच हिमपात हुआ। यह क्षेत्र बारामुला जिले में आता है। कश्मीर में हिमपात और वर्षा के आसार बने हुए हैं। साहिल मीर

जागरण संवाददाता, श्रीनगर

मौसम के बदले मिजाज से सोमवार को कश्मीर वादी खिल उठी। गुलमर्ग में अफरवट की चोटियों पर दो इंच हिमपात हुआ। यह क्षेत्र बारामुला जिले में आता है। हिमपात के चलते मुगल रोड पर यातायात बंद कर दिया गया है। यह सड़क मार्ग राजौरी व पुंछ के रास्ते देश को कश्मीर से जोड़ता है। कश्मीर के साथ ही हिमाचल प्रदेश की ऊंची चोटियों बारालाचा, शिंकुला व रोहतांग में सोमवार को हल्का हिमपात हुआ है। प्रदेश के न्यूनतम तापमान में भी एक से दो डिग्री तक की गिरावट आई है। जबकि उत्तराखंड में अभी एक हफ्ते बर्फबारी और वर्षा होने के आसार नहीं हैं। उत्तराखंड में कई इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस ज्यादा बना हुआ है। अगले तीन दिनों में गुरेज घाटी समेत कश्मीर संभाग के ऊंचे इलाकों में मध्यम से भारी बर्फबारी की पूरी संभावना है। यह सिलसिला 16 नवंबर तक जारी रह सकता है। निचले इलाकों में मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है। बर्फबारी से श्रीनगर, पहलगाम, कुपवाड़ा और गुलमर्ग में न्यूनमत तापमान भी गिर गया है।

स्वर्ण मंडित होंगे राम मंदिर के शिखरों के कलश

प्रवीण त्रिपाठी ● जागरण

- कपाट निर्मित करने वाली फर्म कर रही तैयारी, ट्रस्टियों में मंत्रणा प्रारंभ
- पहले चरण में राम मंदिर के मुख्य शिखर के कलश का होगा स्वर्ण मंडन

अयोध्या : राम मंदिर के मुख्य शिखर के कलश के साथ ही अन्य पांचों मंडप के शिखर कलशों को भी स्वर्ण मंडित करने पर मंत्रणा प्रारंभ हो गई है। इसके अतिरिक्त परिसर में निर्मित होने वाले सभी अन्य मंदिरों के शिखर कलशों को भी स्वर्णिम आकार देने की योजना है। यद्यपि, पहले चरण में मंदिर के सिर्फ मुख्य शिखर के कलश को ही स्वर्ण मंडित किया जाएगा, लेकिन आगे इस योजना को भी मूर्तरूप दिया जा सकता है। कुछ ट्रस्टियों का मत है कि इस पर अंतिम निर्णय तो नहीं हुआ, लेकिन आगे इसकी रूपरेखा तैयार की जा सकती है। इसकी चर्चा चल रही है। ऐसा होने पर मंदिर के सौंदर्य में स्वर्णिम और अद्भुत निखार आएगा। इससे शिखरों में एकरूपता होगी। शिखरों के कलश को स्वर्णमंडित करने का जिम्मा कपाट पर सोने का कार्य कराने वाली एजेंसी को ही दिया गया है। राम मंदिर में मुख्य शिखर के अलावा पांच अन्य मंडप के शिखर भी निर्मित हैं।

दरअसल, परकोटे के भीतर भगवान गणेश, हनुमानजी, मां दुर्गा, अन्नपूर्णा, सूर्य व शिव मंदिर बन रहा है, जिनके शिखरों के कलश पर भी सोने की परत चढ़ाने की चर्चा जल्दी ही ट्रस्ट के अधिकृत पटल पर होगी। इसी कतार में शेषावतार मंदिर भी है। इसके अलावा परकोटे के बाहर ऋषि वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, अगस्त्य, शबरी, निषादराज और अहिल्या के मंदिर का निर्माण चल रहा है। इनके शिखर भी सोने जैसी आभा से युक्त किए जा सकते हैं। हालांकि, अभी मुख्य शिखर की पेटी का निर्माण हो रहा है। आठ लेयर निर्मित हो चुकी हैं। 11 लेयर की पेटी बनाई जानी है। इसके बाद शिखर के ऊपरी हिस्से का निर्माण प्रारंभ हो जाएगा। ट्रस्ट के सदस्य डा. अनिल कुमार मिश्र ने सिर्फ इतना कहा कि जो भी होगा, सामने आएगा।

****

प्रभु श्रीराम के तिलक में दिखेगा मिथिला का रंग

मनोज झा, जागरण, जनकपुरधाम (नेपाल): प्रभु श्रीराम और माता जानकी विवाहोत्सव को लेकर जनकपुरधाम में चहल-पहल शुरू है। हर ओर तैयारी और चर्चा है। कहीं विवाह के पारंपरिक गीत गाए-गुनगुनाए जा रहे तो कहीं महिलाएं गारी (मजाक के लिए प्रसंगवश गाया जानेवाला गीत) गा रही हैं। अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर निर्माण के बाद जनकपुरधाम में यह पहला विवाहोत्सव होगा। इसे हर तरीके से विशेष बनाने की योजना है। पहली बार अयोध्या में प्रभु श्रीराम का तिलकोत्सव होगा। नेपाल विश्व हिंदू परिषद की ओर से तिलक सामग्री जाएगी। नेपाल में विहिप के धनुषा जिलाध्यक्ष संतोष साह ने सोमवार को प्रेसवार्ता में बताया कि उनके नेतृत्व में जानकी मंदिर के उत्तराधिकारी महंत राम रोशन दास के अलावा मधेश प्रदेश के मेयर, संत व नगरवासी सहित कुल 251 लोग तिलक लेकर अयोध्या जाएंगे।

पीएम करेंगे महाकुंभ मेले का शुभारंभ, 12 दिसंबर को आएंगे प्रयागराज

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

- लगभग 16 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का प्रधानमंत्री करेंगे लोकार्पण
- लगभग साढ़े तीन घंटे के कार्यक्रम के दौरान संगम पर गंगा की करेंगे आरती-पूजा

महाकुंभ 2025 के शुभारंभ के लिए 12 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीर्थराज आएंगे। उत्तर प्रदेश शासन को पीएमओ से पत्र भी आ गया है। शासन ने जिला प्रशासन व मेला प्रशासन को इस स्वीकृति से अवगत करा दिया है।

प्रधानमंत्री वायुसेना के प्लेन से बमरौली एयरपोर्ट पर दिन में 11 बजे पहुंचेंगे। वहां से हेलीकाप्टर से परेड मैदान पहुंचेंगे। फिर संगम जाकर गंगा पूजन और आरती के बाद वह अक्षयवट व समुद्रकूप कारिडोर और फिर बड़े हनुमान मंदिर कारिडोर जाएंगे। इसके बाद परेड मैदान में सभा को संबोधित करेंगे। सभा के पहले प्रधानमंत्री लगभग 16 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इसमें पुल से लेकर हाईवे व रेलवे के भी प्रोजेक्ट हैं। रेलवे स्टेशनों पर पुनर्विकास व वाराणसी-प्रयागराज दोहरीकरण, गंगा पर रेलवे ब्रिज और तीनों कारिडोर का भी लोकार्पण करेंगे।

महाकुंभ 2025 से जुड़े प्रोजेक्ट, सड़क परियोजनाओं, आरओबी-फ्लाईओवर का भी उद्घाटन करेंगे। एयरपोर्ट के विस्तार के प्रोजेक्ट का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में वह महाकुंभ मेले का शुभारंभ भी करेंगे। वैसे महाकुंभ का शुभारंभ 13 जनवरी 2025 से शुरू होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर अभी से ही तैयारी शुरू हो गई है। प्रयागराज मेला प्राधिकरण प्रशासन और जिला प्रशासन के साथ ही रेलवे, एयरपोर्ट, एनएचएआइ, सेतु निगम समेत विभिन्न विभाग तैयारी में जुट गए हैं।

दैनिक जागरण
राष्ट्रीय संस्करण
मंगलवार 12 नवंबर, 2024
आजकल
14
www.jagran.com

सिंडीकेट नेताओं ने इंदिरा गांधी को कांग्रेस से बाहर किया

1969 में आज ही कांग्रेस के सिंडीकेट नेताओं ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को कांग्रेस से बाहर कर दिया था। इंदिरा गांधी पार्टी पर अपना प्रभाव बढ़ा रहीं थीं, लेकिन बुजुर्ग नेता इससे असहज थे। इंदिरा गांधी ने कांग्रेस आर नाम से अलग पार्टी बनाई और 1971 के आम चुनाव में जीत हासिल की।

संवैधानिक सुधारों के लिए पहले गोलमेज सम्मेलन की हुई शुरुआत

भारत में संवैधानिक सुधारों के लिए पहले गोलमेज सम्मेलन की शुरुआत 1930 में आज ही लंदन में हुई थी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रैम्जे मैकडोनाल्ड की अध्यक्षता में हुई बातचीत में पहली बार कथित तौर पर भारतीयों को समानता का दर्जा दिया गया। इसमें 89 प्रतिनिधि शामिल हुए।

डा. सालिम अली ने ढूंढी बया पक्षी की लुप्त घोषित हो चुकी प्रजाति

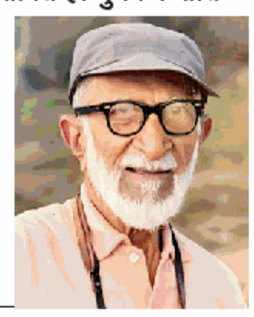

पक्षी विज्ञानी डा. सालिम अली का जन्म 1896 में आज ही बांबे में हुआ था। बचपन से ही वे घने जंगलों में जाकर पक्षियों को देखा करते थे। जर्मनी जाकर पक्षी विज्ञान में उच्च प्रशिक्षण प्राप्त किया और 1930 में भारत लौटे। पक्षियों पर काम करते हुए कुमाऊं के तराई क्षेत्र से बया पक्षी की लुप्त घोषित हो चुकी प्रजाति ढूंढ निकाली। उन्होंने ही अपने अध्ययन में पाया कि साइबेरियन सारस मांसाहारी नहीं होते, बल्कि वे पानी के किनारे पर जमी काई खाते हैं। सालिम अली को भारत का बर्ड मैन कहा जाता है।

भीषण आग में भी सुरक्षित रखेगा यह पर्यावरण हितैषी व स्वदेशी 'कवच'

जागरण विशेष

निटरा ने तैयार किया विशेष फैब्रिक, इससे बने सूट पर 449 डिग्री तापमान की आग का भी असर नहीं

शाहनवाज अली • जागरण

गाजियाबाद: जब कहीं आग भड़कती है तो अग्निशमनकर्मी खुद की जान की परवाह किए बिना अन्य लोगों की जान बचाते हैं। इस दौरान कई बार ये अपनी जान गंवा भी बैठते हैं। इसी बड़े जोखिम को कम करने के लिए अब स्वदेशी अग्निरोधक सूट तैयार किया गया है। इसको नाम दिया गया है 'कवच'। ये आग का तापमान 449 डिग्री सेल्सियस होने पर भी व्यक्ति को कुछ नहीं होने देगा। उत्तर भारत वस्त्र अनुसंधान संघ (निटरा) की ओर से तैयार स्वदेशी अग्निरोधी फैब्रिक पर्यावरण के अनुकूल है। साथ ही अब तक विदेश से आयात किए जाने वाले फैब्रिक से सस्ता और सुरक्षित भी।

देश में अब तक बनाए जाने वाले अग्निरोधी फैब्रिक अधिक सुरक्षित नहीं माने जाते हैं। ऐसे में इस नए फैब्रिक को निटरा के विज्ञानियों ने अरविंद ह्यूमन प्रोटेक्शन कंपनी के साथ मिलकर तैयार किया है। ये विशेष रूप से उन क्षेत्रों में कार्य करने वालों के लिए बनाया गया है, जहां आग लगने का खतरा अधिक रहता है। इसका इस्तेमाल विशेष रूप से अग्निशमन कर्मी, भारी उद्योगों और जोखिम भरे स्थानों पर कार्य करने वाले कर्मचारी कर सकेंगे। इस फैब्रिक की सुरक्षा जांच के लिए निटरा के विज्ञानियों ने लुधियाना की कंपनी के साथ मिलकर करीब डेढ़ वर्ष तक शोध किया। इसमें यह पर्यावरण के अनुकूल व टिकाऊ पाया गया।

"जिस फैब्रिक से स्वदेशी सूट तैयार किया गया है, अभी अग्निशमन विभाग के पास आग से बचाव के लिए उस स्तर के सूट नहीं हैं। अभी सूती कपड़ों के अलावा एक-दो सूट ऐसे होते हैं, जो 35 से 70 डिग्री तापमान तक की आग से बचाव करते हैं। अगर 449 डिग्री तक तापमान से बचाव के लिए स्वदेशी सूट मिलेंगे तो इसका लाभ अग्निशमन विभाग को निश्चित रूप से मिलेगा।

-**राहुल पाल**, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, गाजियाबाद

अभी अग्निरोधी फैब्रिक आयातित महंगे फाइबर से तैयार किया जाता था, जिस कारण उद्योगपति अपने कर्मचारियों को इससे बनी ड्रेस को देने में कंजूसी करते थे, लेकिन यह स्वदेशी अग्निरोधी ड्रेस सुरक्षित और बजट में होगी। इसका लुधियाना की स्टील फैक्ट्री में ट्रायल हो चुका है। इस शोध को पूरा होने में करीब डेढ़ वर्ष का समय लगा है। सैन्य एजेंसियों और उद्योगों के लिए जल्द ही इसका बड़े स्तर पर उत्पादन आरंभ किया जाएगा।"

-**डा. अरिंदम बसु**, महानिदेशक, उत्तर भारत वस्त्र अनुसंधान संघ

स्वदेशी सूट सस्ता ही नहीं, टिकाऊ भी है

डा. एमएस परमार ने बताया कि अग्निरोधी फैब्रिक से बना स्वदेशी सूट सैन्य संस्थाओं के साथ ही उद्योगपतियों के बजट में भी होगा। इसकी कीमत दो से ढाई लाख रुपये प्रति सूट होगी, जबकि विदेशी अग्निरोधी सूट की कीमत करीब 15 लाख रुपये तक होती है। हां, जब अधिक उत्पादन होने लगेगा तो स्वदेशी सूट की कीतम दो-ढाई लाख रुपये से भी कम हो सकती है।

गाजियाबाद स्थित उत्तर भारत वस्त्र अनुसंधान संघ की ओर से तैयार सूट के साथ निदेशक एवं विज्ञानी डा. एमएस परमार। इसका फैब्रिक तैयार करने वाली टीम में परमार भी शामिल हैं • जागरण

जूट, काटन और एल्युमिनियम से तैयार किया फैब्रिक: निटरा के निदेशक एवं विज्ञानी डा. एमएस परमार ने सहायक विज्ञानी श्वेता सक्सेना और निधि सिसोदिया के साथ मिलकर इस फैब्रिक को तैयार किया है। इसमें एक निश्चित मात्रा में जूट और काटन के अलावा एल्युमिनियम और कांच का प्रयोग किया है। काटन व जूट के उपयोग से तैयार होने की वजह से इससे पर्यावरण को कोई खतरा नहीं होगा। डा. परमार के मुताबिक अग्निरोधक फैब्रिक को जूट और काटन पर स्पेशल फ्लेम रेसिस्टेंस केमिकल के उपयोग से तैयार किया गया है, जो इसको अग्निरोधी बनाता है। इससे तैयार सूट में उपयोग की गई एल्युमिनियम की शीट आग की ऊष्मा (हीट) की दिशा को परिवर्तित करने में मदद करती है। अभी प्रयोग की जाने वाली ड्रेस सिर्फ काटन से तैयार की गई होती है, जिसमें जोखिम अधिक रहता है।

आरामदायक भी: नये फैब्रिक से बनी ड्रेस पहनने में भी आरामदायक होगी। इसे लंबे समय तक उपयोग में लाया जा सकता है।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

मोटापे से जुड़ा है हाई स्पीड इंटरनेट का उपयोग

सिडनी, आइएएनएस : एक नए शोध में हाई-स्पीड इंटरनेट गतिविधियों और मोटापे की बढ़ती दर के बीच संबंध पाया गया है। एक अध्ययन के अनुसार, आनलाइन गेमिंग और स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म पर मनोरंजक कार्यक्रम देखने जैसी गतिहीन इंटरनेट गतिविधियां आस्ट्रेलिया में मोटापे को बढ़ा रही हैं। मेलबर्न की मोनाश यूनिवर्सिटी की शोध टीम ने मोटापे पर हाई-स्पीड इंटरनेट के प्रभाव का पता लगाने के लिए यह अध्ययन किया।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पाया गया कि नेशनल ब्राडबैंड नेटवर्क के उपयोग में एक प्रतिशत की वृद्धि मोटापे में वृद्धि से जुड़ी पाई गई है। उसमें भी यदि उस दौरान स्नैक का ज्यादा सेवन किया जाए तो मोटापा बढ़ने का जोखिम और बढ़ जाता है।

इधर-उधर की

अंडे और चम्मच की दौड़ में बनाया वर्ल्ड रिकार्ड

2,039 प्रतिभागियों ने नियमों का पालन करते हुए पूरी की दौड़। इंटरनेट मीडिया

मेक्सिको सिटी, एजेंसी: मेक्सिको में एग फेयर, 2024 ने गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड तोड़ कर अंडा और चम्मच की सबसे बड़ी दौड़ का खिताब हासिल किया। इसमें 2,000 से अधिक युवाओं ने चम्मच पर अंडे को संतुलित करते हुए दौड़ लगाई। करीब 2,700 छात्रों ने 100 मीटर की दौड़ पूरी की। गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड ने पाया कि 2,039 प्रतिभागियों ने नियमों का उल्लंघन किए बिना दौड़ पूरी की। इससे पहले का रिकार्ड 1,400 प्रतिभागियों का लंदन में बना था।

आंत के कैंसर से बचा सकता है अंगूर!

शोध ▸ प्राकृतिक रूप में मिलने वाले रेसवेराट्रोल रसायन में है कैंसर रोकथाम की संभावना

नई दिल्ली, आइएएनएस : फलों में पौष्टिक तत्वों की प्रचुरता और उससे इम्युनिटी बढ़ने की बात तो पहले से कही जा रही है। इसलिए स्वस्थ से लेकर रोगियों तक को उनकी जरूरतों के हिसाब से विभिन्न फलों के सेवन की सलाह दी जाती रही है। कई फलों में कुछ ऐसे भी विशिष्ट रासायनिक पदार्थ पाए जाते हैं, जो रोगों के इलाज से लेकर उसकी रोकथाम में प्रभावी होते हैं। इसी संदर्भ में हो रहे शोधों के क्रम में अब विज्ञानियों का ध्यान अंगूर पर गया है। ब्रिटिश विज्ञानियों ने यह पता लगाने के लिए एक परीक्षण शुरू करने जा रहे हैं कि क्या अंगूर के जूस और वाइन में आमतौर पर पाया जाने वाला एक तत्व आंत के कैंसर को दूर रख सकता है। आंत का कैंसर, जिसे कोलोरेक्टल कैंसर के रूप में भी जाना जाता है, एक ऐसा कैंसर प्रकार है जो बड़ी आंत से शुरू होता है, जिसमें बड़ी आंत और मलाशय भी शामिल हैं।

पड़ताल... कितना रोग निरोधक है अंगूर।

शोध टीम कैंसर की संभावित रोकथाम के लिए रेसवेराट्रोल नामक रसायन की जांच करेगी- जो अंगूर, ब्लूबेरी, रसभरी और मूंगफली में पाया जाने वाला प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला घटक है। ब्रिटेन की लीसेस्टर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में यह परीक्षण, एस्पिरिन और मेटफार्मिन सहित आंत कैंसर की रोकथाम के लिए कई संभावित दवाओं का भी किया किया जा रहा है। चूंकि रेड वाइन कैंसर से बचाव नहीं करता बल्कि यह एक प्रमुख जोखिम कारक है, इसलिए यह शोध विशुद्ध रूप से रेसवेराट्रोल पर केंद्रित है।

शोध टीम का लक्ष्य इसकी पड़ताल के लिए एक अनूठा प्रयोग करना है कि दवाएं आंत पालीप्स को बढ़ने से कैसे रोक सकती हैं। लीसेस्टर यूनिवर्सिटी में ट्रांसलेशनल कैंसर रिसर्च के प्रोफेसर करेन ब्राउन ने बताया कि परिणामों का व्यापक प्रभाव हो सकता है, जिससे कि हम लोगों में आंत कैंसर की रोकथाम के नए तरीके की खोज कर सकते हैं।

शोध के लिए टीम का लक्ष्य इंग्लैंड और वेल्स में 60 स्थानों पर 1,300 लोगों को इस अध्ययन में शामिल करने का है। प्रतिभागियों के पालीप्स हटा दिए जाएंगे और फिर मुख्य परीक्षण में एस्पिरिन या एस्पिरिन और मेटफार्मिन या रेसवेराट्रोल या प्लेसबो का उपचार किया जाएगा। एस्पिरिन या एस्पिरिन और मेटफार्मिन लेने वाले लोग इन दवाओं को तीन साल तक रोजाना लेंगे, जबकि रेसवेराट्रोल या डमी टैबलेट लेने वाले इसे एक साल तक लेंगे। बाद में, सभी समूहों में यह देखने के लिए कोलोनोस्कोपी दी जाएगी कि क्या पालीप्स फिर से बढ़ने लगे हैं, और यदि हां तो परीक्षण की शुरुआत में हटाए गए पालीप्स की तुलना में वे कितने बड़े हैं।

बता दें कि पालीप्स एक प्रकार ट्यूमर है जो खोखले अंगों, जैसे कि गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट, नाक या महिला प्रजनन अंगों के अंदर बढ़ते हैं। कोलन पालीप्स आम हैं और इनमें से कई हानिकारक नहीं होते हैं। लेकिन यदि इसे हटाया नहीं जाए तो इसके कुछ प्रकार कैंसर में तब्दील हो सकते हैं।

देर रात तक कार्य करने से लिवर व मस्तिष्क के बीच संचार की समस्या

अनुसंधान

कई लोगों को देर रात तक कार्य करना पड़ता है। स्वास्थ्य पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। एक शोध में सामने आया है कि लंबी अवधि तक देर रात तक कार्य करने वालों में लिवर द्वारा मस्तिष्क को भेजे जाने वाला सिग्नल बाधित होने लगते हैं। इसके कारण बायोलाजिकल क्लाक बिगड़ जाता है, जिसका परिणाम अधिक भोजन करना और मोटापा जैसी समस्याएं होती हैं।

अमेरिका के पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पाया कि देर रात तक कार्य करने वालों में लिवर की आंतरिक घड़ी और उसके सिग्नल बाधित हो जाते हैं, जिससे अनियमित समय पर ज्यादा खाने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है। यह शोध जर्नल साइंस में प्रकाशित किया गया है। इसमें पता चला है कि वेगस तंत्रिका के विशिष्ट हिस्सों को लक्षित करने से देर रात तक कार्य करने वालों में अधिक खाने की समस्या से निपटने में मदद मिल सकती है, क्योंकि इसी तंत्रिका के माध्यम से लिवर मस्तिष्क के साथ संचार करता है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि चूहों में आरईवी-ईआरबी जीन शरीर की घड़ी को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। इन जीनों को बंद करने के बाद चूहों के लिवर में एक दोषपूर्ण घड़ी विकसित हो गई, जिसके कारण खाने की आदतों में नाटकीय बदलाव आया। चूहों ने कम सक्रिय घंटों के दौरान अधिक भोजन किया। (प्रेट्र)

स्क्रीन शाट

गोविंदा के बाद जब चुन लिए गए थे चंकी पांडे

माधुरी, अनिल और चंकी अभिनीत तेजाब फिल्म की रिलीज को 36 साल हुए पूरे। इंटरनेट मीडिया

करियर की शुरुआती दौर में मिली फिल्मों से जुड़ी हर याद ताजा बनी रहती है। फिल्म तेजाब को रिलीज हुए 11 नवंबर को 36 साल हो गए हैं। इस फिल्म का आफर जब चंकी पांडे को आया था, तब उन्हें पता नहीं था कि जिंदगी बदलने वाली है। वह फिल्म के बारे में बात करते हुए कहते हैं कि जब इस फिल्म का आफर आया था, तब मेरी एक भी फिल्म रिलीज नहीं हुई थी। पहले गोविंदा को इसके लिए कास्ट किया जाना था। फिर कुछ उनकी तारीख की दिक्कत हुई तो फिल्म के निर्देशक एन चंद्रा मेरे पास फिल्म लेकर आए। खास बात यह है कि उन्हें मैंने संघर्ष के दिनों में उनके सामने दूसरी फिल्म प्रतिघात के लिए आडिशन दिया था। उसमें इंस्पेक्टर का रोल था, जो मिला नहीं था। उनको मैं याद था कि एक एक्टर है, जो फिल्मों में आना चाहता है। तब तक मुझे आग ही आग फिल्म मिल चुकी थी और मैं फिल्मसिटी में उसकी शूटिंग कर रहा था। एन चंद्रा जी आए, उन्होंने कहा कि तेरा रोल छोटा ही है, केवल चार-पांच सीन हैं, करोगे? फिर उन्होंने मेरा इंट्रोडक्शन सीन सुनाया। मैंने उनसे कहा कि और कुछ मत सुनाओ। मुझे फिल्म करनी है। मैं समझ गया था कि यह निर्देशक कुछ अलग कहानी कहना चाहते हैं। तब ज्यादातर फिल्में सेट पर ही लिखी जाती थीं। फिल्म के लिए मैं और जानी लीवर बहुत रिहर्सल करते थे।

अटके पड़े हैं आशिम गुलाटी के दोनों वेब सीरीज के अगले सीजन

डिजिटल प्लेटफार्म पर लंबे प्रारूप की वेब सीरीज से जुड़ने पर कलाकारों को उसके अगले सीजन में भी आने की उम्मीद होती है। फिल्म तुम बिन 2 से हिंदी सिनेमा में कदम रखने वाले अभिनेता आशिम गुलाटी की पिछले साल दो वेब सीरीज ताज : डिवाइडेड बाइ ब्लड और जी करदा प्रदर्शित हुई। दोनों ही शो में आशिम केंद्रीय भूमिका में रहे और उनका काम भी काफी पसंद किया गया। हालांकि, दुर्भाग्य से इन दोनों ही शो का अगला सीजन अधर में अटका है। फिलहाल उनके अगले सीजन बनने के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं। दोनों शो को लेकर आशिम का कहना है, 'मुझे ताज और जी करदा दोनों ही वेब सीरीज के अगले सीजन के बारे में कुछ भी नहीं पता है। बस इतना जानता हूं कि दोनों ही शो के अगले सीजन हाल फिलहाल में नहीं आ रहे हैं। जी करदा तो बहुत अच्छा शो था। पहले योजना तो यही थी कि अगला सीजन लाएंगे, इसीलिए शो को रोमांचक मोड़ पर खत्म भी किया गया था। अभी तो दोनों ही शो के अगले सीजन को लेकर कोई भी बातचीत शुरू नहीं हुई है।' बता दें कि ताज : डिवाइडेड बाइ ब्लड जहां मुगल साम्राज्य की पृष्ठभूमि पर आधारित थी, वहीं जी करदा में वर्तमान पीढ़ी के प्रेम और रिश्तों को दिखाया गया है।

फिल्मों में भी मौके तलाश रहे हैं आशिम। @aashimgulati (इंस्टाग्राम)

आज एक फिल्म चल जाए तो एक्टर पूरी बिल्डिंग खरीद लेते हैं : संजय कपूर

कई बार ऐसा होता है कि फिल्में हिट होने के बाद भी काम नहीं मिलता है। फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखने वाले अभिनेता संजय कपूर के साथ भी ऐसा हुआ, लेकिन उन्होंने अपने व्यक्तित्व में बदलाव नहीं आने दिया। वह कहते हैं कि मैंने हमेशा अपना ग्लास भरा हुआ देखा है। मेरी फिल्मों ने जब बाक्स आफिस पर अच्छा नहीं भी किया तो भी मैं खोया नहीं, इसलिए अब तक टिका हुआ हूं। एक दौर था जब मैं प्रेम, राजा, कर्तव्य, बेकाबू और छुपा रुस्तम पांच फिल्में साथ शूट कर रहा था। एक दौर आया जहां फिल्में नहीं चल रही थीं। लक बाय चांस फिल्म की तारीफ हुई थी। लेकिन मुझे उसके बाद एक भी फिल्म आफर नहीं हुई। क्या कारण था, मुझे नहीं पता है। सिर्फ तुम के गाने आज भी चलते हैं, हिट फिल्म थी। उसके बाद भी कोई फिल्म साइन नहीं की थी। आज एक्टर की एक फिल्म चल जाती है तो वह पूरी बिल्डिंग खरीद लेता है। मेरी फिल्म चली तो मैं सोचता था कि अब कोई आएगा, दरवाजे पर निगाहें लगी रहती थीं। मोबाइल आ गए थे तो सोचता था कि अब फोन की घंटी बजेगी। लेकिन उम्मीद नहीं छोड़ी। जीवन है, चलता रहता है।

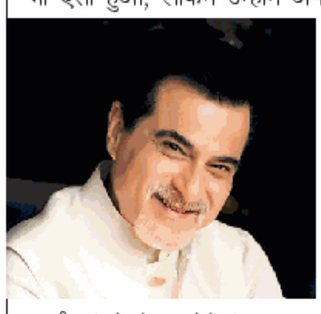

अपनी पसंद के रोल चुनते हैं संजय। @sanjaykapoor2500 (इंस्टाग्राम)

कमल हासन ने किया स्वयं को इन नामों से बुलाए जाने का निवेदन

हाल ही में कमल हासन ने मनाई अपनी 70वीं जन्मतिथि। @ikamalhaasan (इंस्टाग्राम)

प्रशंसक अक्सर प्यार से अपने कुछ प्रिय सितारों को अलग-अलग उपनाम भी देते हैं। भारतीय सिनेमा में पिछले छह दशकों से ज्यादा समय से सक्रिय अभिनेता कमल हासन को उनके कुछ प्रशंसक उलगानायगन नाम से भी बुलाते हैं। इस तमिल शब्द का अर्थ होता है लोकनेता। हालांकि, कमल हासन ने सोमवार को अपने प्रशंसकों, मीडिया और लोगों के लिए उन्हें इस नाम से न बुलाकर उनके असली नाम से ही बुलाए जाने की चिट्ठी लिखी। उन्होंने अंग्रेजी और तमिल दो भाषाओं में लिखी चिट्ठी एक्स पर साझा की। इस चिट्ठी में उन्होंने पहले स्वयं उलगानायगन नाम से संबोधित किए जाने के लिए खुशी व्यक्त की और प्रशंसकों तथा सहकर्मियों का आभार प्रकट किया। आगे उन्होंने स्वयं को सिनेमा का छात्र बताते हुए लिखा, 'सिनेमा की कला किसी भी व्यक्ति से बढ़कर है। मैं इस कला का एक छात्र हूं और हमेशा विकास करने, सीखने तथा आगे बढ़ने की उम्मीद करता हूं। बाकी रचनात्मक अभिव्यक्तियों की तरह सिनेमा भी सभी का है। यह अनगिनत कलाकारों, तकनीशियनों और दर्शकों का सहयोग से है जो इसे बनाते हैं।' आगे कमल हासन ने कलाकार को कला से ऊपर नहीं उठाने की बात कहते हुए स्वयं को ऐसे सभी खिताबों या उपनामों को सम्मानपूर्वक अस्वीकार करने के लिए बाध्य बताया। आगे उन्होंने लिखा कि मैं विनम्रतापूर्वक अपने सभी प्रशंसकों, मीडिया, फिल्म बिरादरी के सदस्यों, पार्टी कार्यकर्ताओं और भारतीय साथियों से अनुरोध करता हूं कि वे अब से मुझे केवल कमल हासन या कमल या केएच के नाम से ही पुकारें।

मुझ पर हीरे चुराने का आरोप लगा है : तमन्ना भाटिया

बीते दिनों रिलीज फिल्म स्त्री 2 में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया के आइटम सांग को काफी पसंद किया गया था। अब वह नीरज पांडेय निर्देशित फिल्म सिकंदर का मुकद्दर में ग्लैमरस भूमिका से इतर नजर आएंगी। यह पहली बार है, जब तमन्ना को नीरज के साथ काम करने का मौका मिला है। सोमवार को मुंबई में फिल्म के ट्रेलर लांच के मौके पर तमन्ना ने कहा कि मैंने हमेशा विविध किरदार दक्षिण भारतीय फिल्मों में किए हैं। हिंदी फिल्मों में मुझे वो मौका नहीं मिला। लेकिन जब नीरज सर ने मुझे इस फिल्म के लिए काल किया, तो मुझे आश्चर्य हुआ क्योंकि आमतौर पर मुझ पर दिल चुराने का आरोप लगता है। यहां पर हीरे चुराने का आरोप लगा है, तो यह फिल्म तो करनी चाहिए। दरअसल, यह फिल्म साठ करोड़ रुपये की कीमत वाले हीरों की चोरी से जुड़ी है, जिसमें पुलिस ने तीन लोगों को आरोपी बनाया है, इनमें से एक तमन्ना का पात्र भी है। फिल्म में उनके साथ अविनाश तिवारी भी हैं। अविनाश की तारीफ करते हुए तमन्ना कहती हैं कि वह बहुत मेहनती कलाकार हैं। कई बार सीन करते हुए अहसास नहीं होता कि वह अपने संवाद बोल रहे हैं। वह बहुत खूबसूरती से परफार्म करते हैं। यह फिल्म 29 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

« हीरों की लूट पर आधारित है तमन्ना की फिल्म • टीम तमन्ना

खोकर मिल गई मासूम 2 की स्क्रिप्ट

खोई हुई चीज वापस मिल जाए, तो शुक्र मनाना चाहिए। ऐसा ही शुक्र मनाया निर्देशक शेखर कपूर ने, जब उन्हें अपनी फिल्म मासूम 2 की खोई हुई स्क्रिप्ट वापस मिल गई। दरअसल, शेखर ने अपनी फिल्म मासूम 2 की स्क्रिप्ट पूरी कर ली है। वह दुबई से वापस आ रहे थे। उस दौरान फिल्म की स्क्रिप्ट हवाई जहाज में उनकी सीट पर ही छूट गई थी। शेखर डर गए कि अब क्या हो गया, क्योंकि एक बार चीज खो जाए, तो उसका मिलना कठिन होता है। शेखर बताते हैं कि मैं तो डर गया था कि पता नहीं अब स्क्रिप्ट मिलेगी या नहीं, लेकिन मिल गई। मेरी स्क्रिप्ट के साथ ही फ्लाइट अटेंडेंट ने एक नोट भी लिखा था कि मासूम (1983) बहुत अच्छी फिल्म थी। यह भी अच्छी होगी। एक स्क्रिप्ट जो खो गई थी वह वापस आती है, तो यह पूर्वनिर्धारित ही होगा। यह एक अलग कहानी है।

शेखर कपूर करेंगे मासूम 2 का निर्देशन • @shekharkapur (इंस्टाग्राम)

किंग बनेंगे रणवीर या दिलजीत?

सीक्वल और फ्रेंचाइज के इस दौर को मेकर्स भुनाने में लगे हैं। तभी तो अब निर्माता शैलेंद्र सिंह साल 2008 में रिलीज हुई अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म सिंह इज किंग की सीक्वल बनाना चाह रहे हैं। शैलेंद्र का कहना है कि मैंने फिल्म का शीर्षक अक्षय कुमार को दिया था। उनकी तरफ से दूसरा पार्ट बनाने का प्रयास किया गया था, लेकिन मैंने उनसे यह कहकर शीर्षक मांग लिया था कि मैं इसका सीक्वल बनाना चाहता हूं। तीन वर्ष पहले मुझे यह शीर्षक उनसे फिर मिला। फिल्म का प्रोडक्शन मैं अगले वर्ष अक्टूबर से शुरू करूंगा, ताकि साल 2026 में इसे रिलीज किया जा सके। फिल्म का नाम सिंह इज किंग 2 रखना है या सिंह इज किंग रिटर्न्स वो तय करना बाकी है। फिल्म में अपनी पसंद के हीरो की बात करते हुए शैलेंद्र कहते हैं कि मेरी पहली पसंद रणवीर सिंह हैं। रणवीर की ऊर्जा किरदार के लिए बिल्कुल सही है। अगर रणवीर के साथ बात नहीं बनी, तो मेरी अगली पसंद दिलजीत दोसांझ हैं।

रणवीर ने अब तक नहीं निभाई है सरदार की भूमिका • इंटरनेट मीडिया

आरिफ के लिए आसान नहीं जिन्ना का अहंकार दिखाना

ऐतिहासिक घटनाओं से जुड़ी भूमिकाएं निभाना कलाकारों के लिए हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। चूंकि लोग उन भूमिकाओं के बारे में जानते हैं, कुछ लोगों ने देखा भी होता है, ऐसे में कलाकार को सभी की उम्मीदों पर खरा उतरना पड़ता है। अभिनेता आरिफ जकारिया ने वेब सीरीज फ्रीडम एट मिडनाइट में मुस्लिम लीग के अध्यक्ष और पाकिस्तान के पहले गवर्नर जनरल मोहम्मद अली जिन्ना की भूमिका निभाई है। 15 नवंबर को सोनी लिव पर प्रदर्शित हो रहे इस शो में अपनी भूमिका को लेकर आरिफ का कहना है, 'जब आपके किरदार के आदर्श और व्यक्तित्व आपसे नहीं मिलते, तभी तो वह चुनौतीपूर्ण बनता है। जिन्ना बंबई (वर्तमान में मुंबई) में वकील थे, रईस लोगों के बीच रहते थे और अंग्रेजों से काफी प्रभावित थे। उनके स्वभाव में एक अंहकार था, वो बोलते भी थे तो जैसे हुक्म दे रहे हो। मुझे अपनी भूमिका में यह सब दिखाने के लिए थोड़ा काम करना पड़ा था। मेरे लिए वह अहंकार लाना मुश्किल था, क्योंकि मैं ज्यादा अहंकार नहीं रखता हूं। जिन्ना को कैंसर था, उसके लिए मुझे बहुत पतला होना पड़ा, अपना कुछ वजन कम करना पड़ा था।' आगे देश विभाजन की घटना को लेकर आरिफ कहते हैं कि मैं भारत पाकिस्तान विभाजन की घटना को इतिहासकार के नजरिए से देखता हूं। जिस घटना में इतने सारे लोग मरे, जानें गईं, निसंदेह वह घटना गलत ही थी।

वेब सीरीज फ्रीडम एट मिडनाइड में मोहम्मद अली जिन्ना की भूमिका में हैं आरिफ • टीम आरिफ

****